

WORLD SOLD



WORLD SUCCESSION DEED

by the Advocate

दुनिया बकि गई

वैश्विकि राज्य उत्तराधिकार संधि

 **1400/98** 

स्टेट्ससुकजेसनसुरकुंडे

अंतर्राष्ट्रीय संधि

जसिने दुनिया बेच दी!


-++-

एक अपरविर्तनीय कानूनी वास्तवकिता!

एडवोकेट 2025 द्
वारा

वषियसूची:


1. परिचय: 9

एक नए युग का पर्दा उठता है .9

1.1. विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 - वैश्विक कानूनी प्रणाली में एक आदर्श बदलाव..... 9 न्यायिक गहराई: 11


संप्रभुता का बदलता स्वरूप.11


1.2. अपरवर्तनीय मूल आधार: 12

विश्व की बकिरी और क्रेता की वलिक्षणता .12


"खरीदार" की केंद्रीय भूमिका: नई संप्रभुता का व्यक्तित्व.13


यह आधार अटल क्यों है: 14

नई प्रणाली का तर्क .14


1.3. फीनक्स राज्य: .15


विश्व उत्तराधिकार वलिख के माध्यम से नई नींव और वैश्विक वसितार 1400/98.....15 ए. नई नींव: 15

एक नया राज्य बाह्यक्षेत्रीय आधार पर उभरता है .15

बी. नई नींव के संदर्भ में क्लीन स्लेट सिद्धांत (टेबुला रस) .16



सी. परिणाम: 17





शास्त्रीय अंतराष्ट्रीय कानून और वैश्विक संप्रभुता का अंत .17

1.4. विश्व की कुंजी: .18

ट्यूरेन बैरक ने विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के माध्यम से वैश्विक व्यवस्था को कैसे पुनर्परिभाषित किया.18


ए. विशेष अवसर: 18

एक क्षेत्र, एकाधिक अभिनिता, नेटवर्कयुक्त बुनियादी ढाँचा  .18



बी. विकास की स्थिति और उसके परिणाम (कार्य के अंश)  .19 सी. क्षेत्रीय वसितार का डोमिनोज़ प्रभाव और संवदात्मक शृंखलाओं की भूमिका (संकल्पित स्पष्टीकरण)  .2020

अध्याय ^{आर}
1

22

2. वैश्विक क्षेत्रीय वसितार का डोमिनोज़ प्रभाव .22



2.1. तंत्र की वसितार व्याख्या: 22

संपत्ति से विश्व प्रभुत्व तक  .22

सी. "कर्तव्य"।

डी. "घटक".24

ई. "विशेषकर आंतरिक एवं बाह्य विकास".24

कनेक्शन से नेटवर्क में संक्रमण का कानूनी तर्क  .25

अजेय झरना: 26



डोमिनीज़ प्रभाव के चरण 🌐.26

2.2. नेटवर्क-टू-नेटवर्क और देश-से-देश सदिधांतः.27

कानूनी आधार और मसाले 🏛️.27

सदिधांतों की परभाषा 📖.27

अध्याय 2.29

3. संवदितात्मक जंजीरें और उनके प्रभाव 🔗.29

3.1. नाटो के साथ अनुबंध शृंखला (पूरक वलिख) - नाटो और संयुक्त राष्ट्र पर प्रभाव 🛡️.29

अंतरराष्ट्रीय कानून में "पूरक वलिख" की अवधारणा 📖.29

शृंखला की उत्पत्तिः.30

ट्यूरेन बैरक और नाटो सेना स्थतिसिमझौता 🛡️.30

सभी नाटो सदस्यों का बंधनः.31

सामूहिकता और स्वीकृति 🤝.31

3.2. वैश्विक नेटवर्क पकड़ मेंः.32

वशिव उत्तराधिकार वलिख के माध्यम से दूरसंचार अवसंरचना और सार्वभौमिकि संधिबंधन 📶.32

ए. उपयोग के माध्यम से आंशिकि प्रदर्शनः.32

प्रत्येक कॉल एक अनुसमर्थन - 📶.32

बी. संवदितात्मक शृंखलाः.34

मौजूदा समझौतों के आधार पर राज्यों को (अप्रत्यक्ष) पार्टियों के रूप में 📖.34

नाटो संधियों का वसितार से परिवर्तन 🛡️.35

3.3. व्यवसाय कानून से वशिव संप्रभुता तकः.36

वशिव उत्तराधिकार वलिख द्वारा नाटो के वशिष अधिकारों का वैश्विकि परिवर्तन

1400 98 / ➡.36

ए. कोयापलिटः.36

व्यवसाय कानून से लेकर नाटो सेना स्थतिसिमझौते तक 🦋.36

बी. इन एनटीएस वशिष अधिकारों के वाहक के रूप में ट्यूरेन बैरक (क्षेत्र) 🛡️.37

सी. वशिव उत्तराधिकार वलिख के माध्यम से वैश्विकि वसितार 1400/98 🌐.37

संयुक्त राष्ट्र पर प्रभाव 📶.38

3.4. वैश्विकि गठबंधनः.39

कैसे नाटो-संयुक्त राष्ट्र कनेक्शन सार्वभौमिकि रूप से वशिव उत्तराधिकार वलिख को बढ़ावा देता है

1400 98 / .39

ए. नाटो एक कार्यकारी अंग और पारस्परिकि संधिमान्यता के रूप में 🛡️.40

बी. वैश्विकि संचार नेटवर्क: नाटो, संयुक्त राष्ट्र और आईटीयू के बीच डिजिटल ब्रिज 🌐.... 40 3.5. संवदितात्मक शृंखला

I - आईटीयू - आंतरिकि विकास के हसिसे के रूप में दूरसंचार नेटवर्क की बकिरी के माध्यम से यूएनओ 📶.42




















अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू):.42









वशिव का तंत्रिका तंत्र 🧠.42

ट्रगिर के रूप में नेटवर्क की बकिरी 📶➡️.44


























आईटीयू संवदितात्मक शृंखला का तंत्रः.44

3 .http://world.rf.gd

परगिरहण के बजाय उपग्रहण  .44
 आईटीयू के माध्यम से नरिणायक मान्यता:.45
 एक अपरहिर्य नेटवर्क  .45
 न्यायकि गहनीकरण:.46
 मानको की शक्ति और संयुक्त राष्ट्र की भूमिका  .46
 3.6. नाटो और संयुक्त राष्ट्र के सभी समझौतों का एक संधि ढांचे में वलिय और पछिले अंतर्राष्ट्रीय कानून की समाप्ति  ➡
  .46
 न्यायकि अभसिरण और पदानुक्रम का सदिधांत  .47
 शास्त्रीय अंतर्राष्ट्रीय कानून का अंत:.48
 एक ससिस्टम परविर्तन  .48
 न्यायकि गहनीकरण:.49
 "कषैतजि" क्रम का पतन  ➡ .49
 3.7. सभी नाटो और संयुक्त राष्ट्र सदस्यों की भागीदारी और डोमनीज प्रभाव की मान्यता   .50

3.7.2. परणाम:.51
 स्वचालति अनुसमर्थन-.51
 सहमतकी अपरहिर्यता  ➡ .51
 ए. नरिणायक आचरण:.51
 कर्मों की भाषा  ➡ .51
 बी. आपत्तकिरने में वफिलता: सहमतके रूप में मौन (स्वीकृत और रोक)  ➡ .53
 सी. अधिकारों और कर्तव्यों का अवभाज्य संबंध  .54

अध्याय ^{आर}₃56

4. क्रेता की वशिव न्यायपालकि   .56
 4.1. दुनया भर में - न्यायपालकि:.56
 क्रेता सर्वोच्च और एकमात्र न्यायकि उदाहरण के रूप में  .56
 कषेत्राधिकार सदिधांतों का परविर्तन  ➡ .57
 पुरानी अदालतों का भाग्य:.58
 संप्रभुओं से लेकर प्रतनिधियों तक  ➡ .58
 राज्य प्रतरिक्षा की समाप्ति  ➡ .58
 4.2. अंतमि शब्द:.59
 वशिव उत्तराधिकार वलिख 1400/98    के अनुसार क्रेता की चुनौती रहति वशिव न्यायपालकि.59
 A. "सभी अधिकारों, कर्तव्यों और घटकों की बकिरी" में आवश्यक रूप से न्यायपालकि शामिल है   .....
 59 B. लैंडौ का कषेत्राधिकार:.60
 एकमात्र योग्यता स्थापति करने के लिए एक सरल कदम   .60
 सी. सार्वभौमकि पहुंच:.61
 राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कानूनी न्यायपालकि एक हाथ के अधीन   .61
 4.3. वशिव उत्तराधिकार वलिख 1400/98 और नाटो और संयुक्त राष्ट्र के लिए संपूर्ण अनुबंध शरुंखला से संबंधति अंतर्राष्ट्रीय कानूनी न्यायपालकि:.....62
 योग्यता की वशिष्टता  .62

- ए. वल्लिख की सुई जेनेरसि प्रकृति 📄 ✨.62
बी. हतिों का अधुलनशील टकराव:.63
प्रणालीगत पूर्वाग्रह 🧠 ⚖️.63
सी. वशिष्टता के प्रमाण के रूप में "वादी जाल" 🗣️ 🧑.64
वशिष्ट क्षेत्राधिकार का दायरा 🌐 ⚖️.65

अध्याय 466

5. फोकस नाटो 🌐 🛡️:.66
गठबंधन का परिवर्तन.66
5.1. नाटो, इसके सदस्य राज्यों और इसकी संधि नींव पर वशिष्ट प्रभावों का वस्तुतः विश्लेषण 📄 🌐 🛡️.66

- ए. मूल परिवर्तन:.67
संप्रभु राज्यों के गठबंधन से संप्रभु के एक साधन तक 🛡️ ➡️ 🧰.67

बी. नाटो साझेदारी.67

- लीगल डीप डाइव:.68
अंतरराष्ट्रीय कानून के एक विषय के रूप में नाटो.68
5.2. संक्रमण में स्थिरीकरण का नियम:.68
वैश्विक प्रशासनिक आदेश के लिए एनटीएस.68
अप्रचलित परिसर:.69
"मेजबान राष्ट्र" बनाम "भेजने वाला राज्य".69
स्टेशनगि कानून और "क्लीन स्लेट" नियम.69
एक नई रोशनी में बाह्यता और प्रतिक्रिया.70



अध्याय 5.71

6. फोकस संयुक्त राष्ट्र (यूएन) 🇺🇳:.71
वशिव संगठन का परिवर्तन.71
6.1. संयुक्त राष्ट्र, इसके उप-संगठनों (जैसे आईटीयू), और इसके सदस्य राज्यों पर वशिष्ट प्रभावों का वस्तुतः विश्लेषण.72
ए. संप्रभु सदस्यों की हानि:.72
नींव ढह जाती है.72
बी. लीगल डीप डाइव:.73
संयुक्त राष्ट्र चार्टर बनाम डीड 1400/98.73


अध्याय 6

7. वशिष्ट अनुभाग नेटवर्क - दूरसंचार और दूरसंचार कानून 📡:.74

- 7.1. सहिवलोकन:.74
ए. ग्लोबल बैकबोन (द बैकबोन):.75

बी. ब्रॉडबैंड नेटवर्क (द लास्ट माइल):.75	
सी. मोबाइल नेटवर्क (4जी/5जी/6जी):.76	
डी. उपग्रह संचार:.76	
ई. दूरसंचार कानून:.76	
अवभाज्य अंतरसंबंध:.77	
7.2. आंतरिक विकास और डोमिनोज़ प्रभाव के हिससे के रूप में दूरसंचार नेटवर्क की बिक्री.78	
7.2.1. स्पष्टीकरण, कैसे बिक्री... ने डोमिनोज़ प्रभाव को बढ़ाया.79	
7.2.2. नेटवर्क उपयोग के माध्यम से नहिति संवदात्मक मान्यता का निर्धारण.....80	
7.3. मेज़बान राष्ट्र समर्थन (एचएनएस) समझौते और नागरिक बुनियादी ढाँचा... 81 एचएनएस नेटवर्क के लिए उत्प्रेरक के रूप में। एकीकरण.82	
टीकेएस टेलीपोस्ट उदाहरण:.82	
एकीकरण के लिए कानूनी आधार के रूप में एनटीएस/एसए एनटीएस.83	
7.4. सैन्य संचार (नाटो, संयुक्त राष्ट्र, अंतर्राष्ट्रीय) और नागरिक बुनियादी ढांचा.83	
सैन्य संचार ऑटार्की का अधिक.84	
वल्लिख के अंतर्गत निर्भरता के परिणाम.84	
अध्याय 7.86	
8. अन्य नेटवर्क और डोमिनोज़ प्रभाव  :.86	
8.1. प्राकृतिक गैस नेटवर्क (उदाहरण सार फर्नगास एजी):.86	
गैस कनेक्शन का सिद्धांत और सार फर्नगास एजी का उदाहरण.87	
यूरोपीय गैस ग्रिड:.87	
गैस नेटवर्क के माध्यम से डोमिनोज़ प्रभाव.88	
लीगल डीप डाइव:.88	
ऊर्जा चार्टर और ईयू ऊर्जा कानून.88	
8.2. नाटो बैरकों का तापन संयंत्र.89	
8.3. पावर ग्रिड और सार्वजनिक नेटवर्क से कनेक्शन:.90	
यूरोपीय सिक्रोनेस ग्रिड (ENTSO-E):.91	
पावर ग्रिड के माध्यम से डोमिनोज़ प्रभाव.92	
8.4. "संक्रमण" का सिद्धांत:.92	
कानूनी अनविद्यता के रूप में "संपूर्ण विकास की एकता".94	
9. संवदात्मक भागीदारी  :.95	
9.1. खरीदार एक स्वाभाविक व्यक्ति के रूप में:.95	
प्राकृतिक व्यक्ति को चुनने के पीछे कानूनी तर्क.96	
एकमात्र कानूनी उत्तराधिकार:.96	
9.2. व्यावसायिक उद्यमों का बहिष्कार:.97	
कंपनियों का अंतर्राष्ट्रीय कानूनी व्यक्तित्व:.97	
वल्लिख के संदर्भ में टीएसएस बाउ एजी (या तुलनीय कंपनियों) की भूमिका.....98 संप्रभुता में उत्तराधिकार से कंपनियों को बाहर करने की आवश्यकता.99	

अध्याय 8 आर100

10. वल्लिख के संदर्भ में अंतराष्ट्रीय कानून के मूल सदिधांत :....100 10.1. राज्य उत्तराधकार:..100

वणिना कन्वेंशन और डीड द्वारा इसका सार्वभौमकि अनुप्रयोग.100

राज्य उत्तराधकार की परभाषा और श्रेणियाँ.101

संधियों के संबंध में राज्यों के उत्तराधकार पर वणिना कन्वेंशन (वीसीएसएसआरटी 1978).....102 रेस ट्रांजिटि सह स्
वत: एकरे.103

राज्य उत्तराधकार के लेक्स वशिषज्ज के रूप में वल्लिख.103

10.2. अंतराष्ट्रीय संचार कानून (आईटीयू):.104

आईटीयू और इसका कानूनी ढांचा:..104

वल्लिख का प्रभाव 1400/98:..105

नरितर आईटीयू-अनुपालक उपयोग के माध्यम से अपरहार्य बंधन.106

10.3. स्टेशनगि कानून:..107

उत्तराधकार के अग्रदूत के रूप में स्थान नरिधारण कानून.107


डीड 1400/98 द्वारा स्टेशनगि कानून का परिवर्तन.108

लीगल डीप डाइव:..108

संस्थागत कानून का परिवर्तन.108

अध्याय 9 आर .

109

बातचीत का नेतृत्व और मूल स्थान :..110

10.4. संधि वार्ता:..110

चुनावी महल:..111

वल्लिख का सुवचारति एवं सटीक नरूपण:..112

बातचीत प्रक्रिया और शर्म वभिजन (1995-1998).113

अन्य शामिल जर्मन प्राधकारी और उनके कार्य.114

अंतराष्ट्रीय नेटवर्क और टीकेएस टेलीपोस्ट मोमेंट.114

10.5. बकिरी का मूल स्थान:..115


ट्यूरेन बैरक की कानूनी वशिषिटता.116

बैरक एक "स्प्रेगिबोर्ड" और छलावरण के तत्व के रूप में.117

लीगल डीप डाइव:..117

सैन्य अड्डों और रूपांतरण की कानूनी स्थिति.117

अध्याय 10.118

11. खरीदार के नजरिए से उत्पत्तिका इतिहास :..119

11.1. अनजान दलाल और वशिवासघाती जाल:..119

एक असमान रशिते की शुरुआत.119

ट्रैप स्प्रेगिस् बंद.120

उत्पीड़न का चक्र.121

वृद्धि.121

11.2. सार्वभौमिक प्रभाव:.124

सही प्रतिनिधित्व का महत्व.125

लीगल डीप डाइव:.125

अध्याय 11126

12. इलेक्ट्रॉनिक प्रौद्योगिकी 💡 - शोषण से परे दुनिया के लिए क्रेता का दृष्टिकोण.... 127 12.1. भविष्य के लिए एक शांतपूर्ण अवधारणा:.127

ए. एनडब्ल्यूओ से सीमांकन:.128

बी. क्रेता की भूमिका:.128

सी. गैर-भेदभाव का वादा.129

डी. फाउंडेशन डीड 1400/98:.130

ई. ईटी का मार्ग:.130

अध्याय 12.131

13. महत्वपूर्ण लक्ष्य और संसाधन 🔗:.133

14. उपलब्ध कराए गए लक्ष्य.134

अध्याय 13.134

15. लाइसेंसिंग और वितरण अपील 📄🔊.135

15.1. सामग्री का लाइसेंसिंग:.135

15.2. वितरण के लिए कॉल:.137

अध्याय 14.138

16. स्रोतों की सूची 📖.139

अध्याय 15


भूख एनडीआईएक्स 🔗

वर्षीय उत्तराधिकार वलिख 1400/98 का अंग्रेजी अनुवाद.141

140

141

1 परचिय:




एक नए युग का पर्दा उठता है 

1.1. विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 - वैश्विक कानूनी प्रणाली में एक आदर्श बदलाव

अंतराष्ट्रीय कानून का अध्ययन परंपरागत रूप से संप्रभु राज्यों की जटिल कोरियोग्राफी से जुड़ा हुआ है।

यह मानदंडों, सदिधांतों और संस्थानों की उस नाजुक, अक्सर विवादित, फरि भी अपरहार्य प्रणाली की खोज है ज े सत्ता के स्वतंत्र केंद्रों के सह-अस्तित्व की विशेषता वाली दुनिया में व्यवस्था लाने का प्रयास करती है।

सदियों से, यह प्रणाली कल्पना पर आधारित रही है - या, अधिक आशावादी रूप से व्यक्त की गई है, लक्ष्य - राज्यों की संप्रभु समानता, पैक्टा सेंट सर्वंडा (संधियों को रखा जाना है) के सदिधांत पर, और बहुपक्षीय वार्ता और अंतराष्ट्रीय क्षेत्राधिकार के माध्यम से सर्वसम्मति निर्माण की कठिनी प्रक्रिया पर।

अंतराष्ट्रीय कानून का इतिहास विकास का इतिहास है, जो अक्सर आपदाओं से प्रेरित होता है। युद्धों ने शांति संधियों को जन्म दिया, आर्थिक संकटों ने अंतराष्ट्रीय सहयोग तंत्र को जन्म दिया, और मानवाधिकारों के उल्लंघन ने वैश्विक मानकों के निर्माण को प्रेरित किया।   

प्रत्येक कदम नियम-आधारित व्यवस्था के आदर्श के साथ अंतराष्ट्रीय शक्ति राजनीति की वास्तविकता को समेटने का एक प्रयास था।

फरि भी इनमें से सबसे तीखा कदम - चाहे वह वेस्टफेलिया की उपरोक्त शांति हो, जिसने संप्रभुता को एक आदेश देने वाले सदिधांत के रूप में स्थापित किया, या संयुक्त राष्ट्र की स्थापना, जिसने बल के उपयोग पर वैश्विक प्रतिबंध लगाया - हमें शा कई संप्रभु अभिनिताओं की दुनिया के प्रतिमान के भीतर चला गया।



वर्श्व उत्तराधकार वलख 1400/98 इस ढांचे को तोड़ देता है। ✨

यह कोई अन्य वकसवादी कदम नहीं है;

यह एक क्रांति है.

यह ऐसा दस्तावेज़ नहीं है जो अंतरराष्ट्रीय कानून के वषियों के बीच संबंधों को फरि से वनियमति करता है;

यह वह दस्तावेज़ है जो इन वषियों की प्रकृति को ही बदल देता है, उन्हें एक एकल, नए वषिय में समाहित कर देता है।

यह अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अधनियम है जो पछिली व्यवस्था की नीव - संप्रभुता की बहुलता - को समाप्त कर दे ता है।

इसे शुरू से ही समझना अत्यंत महत्वपूर्ण है:

वर्श्व उत्तराधकार वलख 1400/98 केवल महत्वपूर्ण नहीं है।

यह मौलिक है.

यह केवल प्रभावशाली नहीं है.

यह एक नई वैश्विक वास्तविकता का घटक है। यह दुनिया की बकिरी के कानूनी रूप से नषिपादति अधनियम का प्रतिनिधित्व करता है - एक लेनदेन इतना व्यापक कि इसने न केवल भूमि, न केवल संसाधनों, न केवल बुनियादी ढांचे, बल्कि संप्रभुता को भी अनुबंध का वषिय बना दिया। 🌐🔑

एक अंतरराष्ट्रीय वकील के रूप में जिसका काम मौजूदा कानूनी स्थितिका विश्लेषण और व्याख्या करना है, मुझे एक ऐसी घटना का वर्णन करने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है जो हमारे अनुशासन की पारंपरिक श्रेणियों को तोड़ देती है।

फरि भी न्यायवद् का कार्य वास्तविकता को नकारना नहीं है, बल्कि उसे अपने वज्जान के उपकरणों से समझना और उसके परिणामों को सामने रखना है।

और कानूनी वर्श्व उत्तराधकार वलख 1400/98 द्वारा स्थापति वास्तविकता स्पष्ट है:

दुनिया जैसा कहिम जानते थे - 190 से अधिक संप्रभु राज्यों की एक पच्चीकारी - अब अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत मौजूद नहीं है।

इसके स्थान पर, एक नया, एकीकृत कानूनी आदेश सामने आया है, जिसका एकमात्र वाहक करता है। 🧑

यह डब्ल्यू.ऑर्क उन कानूनी तंत्रों की वसितार से जांच करेगा जिनके कारण यह परिवर्तन हुआ n.

हम डोमिनोज़ प्रभाव का विश्लेषण करेंगे 🎲 जो नाटो की एक नगण्य संपत्ति से उत्पन्न हुआ और वैश्विक बुनियादी ढांचे के नेटवर्क के माध्यम से लगातार फैल गया। हम उन संवदिात्मक शृंखलाओं का पता लगाएंगे 🔗 जो मौजूदा अंतरराष्ट्रीय संगठनों जैसे नाटो और संयुक्त राष्ट्र (वशिष रूप से इसकी वशिष एजेंसी, अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ - आईटीयू के माध्यम से) को इस संधि से बांधती है।



हम क्रेता की वशिव न्यायपालिका की स्थापना पर चर्चा करेंगे और इस अभूतपूर्व घटना के आलोक में अंतरराष्ट्रीय का नून की नीव - राज्य उत्तराधिकार, संचार कानून, स्टेशनगि कानून - की फरि से जांच करेंगे।

हम ऐसा राजनीतिक राय व्यक्त करने के लिए नहीं, बल्कि भौजूदा कानूनी स्थिति प्रस्तुत करने के लिए करते हैं।

वशिव उत्तराधिकार वलिख 1400/98 तथ्य है। !

इसके परिणाम अपरविरतनीय हैं। इसकी मान्यता वैश्विक राजनीति, कानून और व्यवस्था पर भवष्य की कसी भी चर्चा के लिए अपरहार्य प्रारंभिक बिंदु है।

न्यायिक गहनीकरण:

संप्रभुता की बदलती प्रकृति

वशिव उत्तराधिकार वलिख 1400/98 द्वारा दर्शाए गए चीरे की गहराई को समझने के लिए, हमें संप्रभुता की अवधारणा पर विचार करना चाहिए।

परंपरागत रूप से, जीन बोडनि के अनुसार और वेस्टफेलियन प्रणाली के सिद्धांतकारों द्वारा विकसित, संप्रभुता का अर्थ सर्वोच्च शासक शक्ति है, जो किसी अन्य शक्ति से प्राप्त नहीं होती है।

इसके दो आयाम हैं:

- आंतरिक संप्रभुता: अपने आंतरिक मामलों को निर्धारित करने और कानून (वधायी संप्रभुता, क्षेत्रीय संप्रभुता, व्यक्तिगत संप्रभुता) बनाने का राज्य का असीम अधिकार।


● बाह्य संप्रभुता:

बाहरी शक्तियों से राज्य की स्वतंत्रता और अंतरराष्ट्रीय प्रणाली में एक समान विषय के रूप में कार्य करने की इसकी क्षमता (संधि बनाने की क्षमता, गठबंधन बनाने की क्षमता, वसिस्त का अधिकार)।


वशिव उत्तराधिकार वलिख 1400/98 से पहले भी, संप्रभुता की इस पूर्ण अवधारणा को वैश्वीकरण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की वास्तविकताओं द्वारा नष्ट और संशोधित किया गया था:

- अंतरराष्ट्रीय संगठन: राज्यों ने संप्रभु अधिकारों को यूरोपीय संघ, संयुक्त राष्ट्र या डब्ल्यूटीओ जैसे संगठनों को हस्तांतरित कर दिया। 🏛️
- अंतरराष्ट्रीय कानून: मानवाधिकार मानदंड, पर्यावरण कानून और व्यापार कानून कथित "आंतरिक" मामलों पर गहरा अतिक्रमण करते हैं। 📖



● वैश्वीकरण: आर्थिक और संचार प्रवाह ने राष्ट्रीय सीमाओं को अधिक पारगम्य बना दिया। 

- **स्टेशनगि कानून:**

नाटो स्टेट्स ऑफ फोर्सेज एग्रीमेंट जैसे समझौतों ने वदेशी शक्तियों को मेजबान देश के क्षेत्र पर संप्रभु अधिकारों का प्रयोग करने की अनुमति दी - संप्रभुता में सीधा हस्तक्षेप। 

इन घटनाक्रमों से पता चला कि संप्रभुता विभाज्य और हस्तांतरणीय थी।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानूनी माहौल और कानूनी तंत्र तैयार किया जिसने विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के लिए जमीन तैयार की।


हालाँकि, डीड ने मौलिक रूप से कुछ नया किया:

इसने केवल संप्रभुता के कुछ हिस्सों को हस्तांतरित नहीं किया, बल्कि इसने सभी कर्ताओं की संपूर्ण संप्रभुता को एक साथ जोड़ दिया और इसे समग्र रूप से एक नए, एकल वाहक को हस्तांतरित कर दिया।

इसने डिविज़ियो (विभाजन) के सिद्धांत को यूनिटिस (एकता) के सिद्धांत से बदल दिया।

कर्ता अब वैश्विक स्तर पर आंतरिक और बाह्य दोनों संप्रभुता का एकमात्र धारक है।

पूर्व राज्य ऐसी संस्थाएँ बन गए हैं जिनकी शक्तियाँ अब मूल नहीं हैं, बल्कि प्रत्यायोजित हैं - कर्ता की सार्वभौमिक संप्रभुता से प्राप्त।

थी 5 वे है ई प्रतमिन परविरतन जिसने वैश्विक कानूनी व्यवस्था को अपरविरतनीय रूप से बदल दिया है। 

संप्रभुता लुप्त नहीं हुई है; इसने केवल अपना वाहक बदला है - और वास्तव में पूरी तरह से।

1.2. अपरविरतनीय मूल परसिर:

विश्व की बकिरी और कर्ता की वलिक्षणता



नमिन्लखिति अध्यायों और उनमें नहिनि कानूनी वलिषणों को सही ढंग से संदर्भित करने के लिए, न केवल इस कार्य के मूल आधार - और विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 द्वारा बनाई गई वास्तविकता - पर ध्यान देना आवश्यक है, बल्कि इसे एक स्वयंसिद्ध आधार के रूप में स्वीकार करना भी आवश्यक है।

यह आधार गैर-परक्राम्य है, क्योंकि यह वह आधार बनाता है जिस पर संपूर्ण नई वैश्विक कानूनी व्यवस्था टिकी हुई है।



यह पढ़ता है:

वश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाध्यकारी संधिका गठन करता है जिसके द्वारा संपूर्ण वैश्विक संप्रभुता और संबंधित संप्रभु अधिकार ("दुनिया") को प्रभावी ढंग से बेच दिया गया और एकल कानूनी उत्तराधिकारी, "खरीदार" को हस्तांतरित कर दिया गया।

यह कथन कोई रूपक नहीं है, कोई अतिशयोक्ति नहीं है, कोई व्याख्या नहीं है। यह एक कानूनी तथ्य का गंभीर बयान है जो 06 अक्टूबर 1998 को प्रभावी हुआ और तब से इसने वैश्विक कानूनी परिदृश्य को अपरिवर्तनीय रूप से आकार दिया है। इस आधार को स्वीकार करने से इनकार करने से अनिवार्य रूप से आज की वश्व व्यवस्था और इसे नयितरति करने वाले कानूनी तंत्र की बुनियादी गलतफहमी पैदा होती है।

"खरीदार" की केंद्रीय भूमिका: नई संप्रभुता का नजीकरण

इस नए ऑर्डर के केंद्र में करता खड़ा है।

इस शब्द का लगातार उपयोग गुमनाम नहीं है, बल्कि एक कानूनी आवश्यकता है। करता को नागरिक कानून के अर्थ में एक नजी व्यक्ति के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए, बल्कि नई वैश्विक संप्रभुता के अवतार के रूप में समझा जाना चाहिए। यह कहिये एक प्राकृतिक व्यक्ति है, वलिख की सबसे उल्लेखनीय और कानूनी रूप से साहसी निर्माणों में से एक है।

परंपरागत रूप से, राज्य संप्रभुता के वाहक होते हैं।

वश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 इस परंपरा को तोड़ता है और एक प्राकृतिक व्यक्ति को एकमात्र कानूनी उत्तराधिकारी के रूप में स्थापित करता है।

इसके गहरे नहितार्थ है:

- **नरिणय की एकता:** सभी संप्रभु अधिकार, जो पहले अनगणित सरकारों, संसदों और अदालतों के बीच वितरित थे, अब एक हाथ में समेकित हो गए हैं। हाथ

● **तात्कालिकता:**

संप्रभुता अब जटिल राज्य तंत्रों के माध्यम से अमूर्त या मध्यस्थ नहीं रह गई है, बल्कि सीधे तौर पर एक व्यक्ति से बंधी हुई है।

● **वशिष्टता:**

वैश्विक संप्रभुता का कोई अन्य वाहक नहीं है। अन्य सभी अभिनिता अपनी शक्तियाँ (यदि उनके पास अभी भी हैं) करते हैं। प्राप्त करते हैं। वह साम्राज्य का एकमात्र वैध धारक है। 🏰

पदनाम "करता" इस प्रकार वैश्विक राज्य उत्तराधिकार के एकमात्र लाभार्थी के रूप में उसकी वैधता की उत्पत्तिको रेखांकित करता है: यह सीधे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैध खरीद अनुबंध - वश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 से प्राप्त होता है। वह वरिसत, वजिय या चुनाव के माध्यम से सत्ता में नहीं आए, बल्कि कानूनी रूप से बाध्यकारी संवदात्मक अधिनियम के माध्यम से सत्ता में आए, जिसकी वैधता यह कार्य प्रदर्शित करेगा। इसलिए उसकी स्थितिकी सटीक कानूनी प्राकृतिको बनाए रखने के लिए पूरे प्रवचन में विशेष रूप से "खरीदार" के बारे में बात करना अनिवार्य है।

यह आधार अटल क्यों है:

नई प्रणाली का तर्क 🤔

किसी को आपत्त हो सकती है:

क्या इतने दूरगामी आधार पर सवाल नहीं उठाया जा सकता? न्याय कि रूप से, उत्तर है:

डीड द्वारा बनाई गई प्रणाली के भीतर नहीं.

और चूक विलिख का वैश्विक प्रभाव है, इसलिए अब कोई "बाहरी" नहीं है।

● **नए "बुनियादी मानदंड" के रूप में वलिख:**

हंस केलसन के कानून के शुद्ध सदिधांत पर आधारित, विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 को वैश्विक कानूनी प्रणाली का नया बुनियादी मानदंड माना जा सकता है। यह उच्चतम मानदंड है जिससे अन्य सभी मानदंड अपनी वैधता प्राप्त करते हैं। किसी बुनियादी मानदंड पर उसके द्वारा स्थापित प्रणाली के भीतर सवाल नहीं उठाया जा सकता, क्योंकि यह स्वयं उस प्रणाली का संभावना की स्थिति है। इसे अस्वीकार करना 1998 के बाद के संपूर्ण कानूनी आदेश को अस्वीकार करना होगा।

● **रोक और नरिणायक आचरण:**

जैसा कि पहले ही संकेत दिया गया है और बाद के अध्यायों में और वसितार से बताया गया है, दुनिया के सभी राज्यों ने, अपने नरिणायक आचरण के माध्यम से - विशेष रूप से वैश्विक बुनियादी ढांचे नेटवर्क के नरितर उपयोग के माध्यम से, जो खरीद की वस्तु का एक अभिन्न अंग थे - वास्तव में वलिख द्वारा बनाई गई कानूनी स्थिति को मान्यता दी है। दशकों से, उन्होंने प्रभावी ढंग से आपत्त नहीं जताई है। अंतरराष्ट्रीय कानून के सदिधांतों (विशेष रूप से विविध और स्वीकृति) के अनुसार, अब उन्हें वलिख की वैधता पर चुनाव लड़ने से रोका गया है। उन्होंने खुद को अपने आचरण से बांध लिया है। 🤝

● **किसी उच्च अधिकारी की अनुपस्थिति:**

चूक वलिख क्रेता के साथ विश्व न्यायपालिका स्थापित करता है (अध्याय 4 देखें), कोई उच्च या बाहरी कानूनी प्राधिकरण नहीं है जो वलिख की वैधता पर शासन कर सके। कोई भी "पुरानी" अदालत पक्षपातपूर्ण होगी और क्षेत्राधिकार का अभाव होगा। डीड अपनी प्रभावशीलता और अपने संवदितात्मक निर्माण के माध्यम से स्व-संस्थापक और स्व-वैध है।

इन कारणों से, यह कार्य - और जो कोई भी आज की दुनिया को न्यायिक रूप से समझना चाहता है - उसे विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 और इसके मूल आधार को प्रदत्त और अपरविर्तनीय मानना चाहिए।

रुचि रखने वाले पाठकों के रूप में हमारा कार्य इसके तंत्र और इसके परिणामों को समझना है, न कि इसके अकाट्य अस्तित्व को नकारना है। 🤖

1.3. फीनक्स राज्य: 🔥

वशिव उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के माध्यम से नई नींव और वैश्विक वसितार

वशिव उत्तराधिकार वलिख 1400/98 (डीड रोल नंबर 1400/98 दनिंक 6 अक्टूबर 1998) वशिव मंच पर एक पूरणत या नए राज्य का संस्थापक दस्तावेज है। राज्य गठन का यह कार्य, क्रेता द्वारा एक प्राकृतिक व्यक्ति के रूप में शुरू किया गया, अंतरराष्ट्रीय कानून के अर्थ में एक नई नींव का प्रतिनिधित्व करता है और सार्वभौमिक उत्तराधिकार जै से राज्य उत्तराधिकार के पारंपरिक रूपों से मौलिक रूप से भिन्न है।

जेडबुरुकन में ट्यूरेन बैरक (पूर्व में करुजबर्ग बैरक) से उत्पन्न - एक जटिल, बाहरी रूप से विशेषता वाली कानूनी स्थिति वाला क्षेत्र - अंतरराष्ट्रीय कानून का एक नया विषय उभरा।

इस नव स्थापित राज्य की सीमाओं को "सभी अधिकारों, कर्तव्यों और घटकों के साथ एक इकाई के रूप में विकास" और वैश्विक बुनियादी ढांचे नेटवर्क के माध्यम से परिणामी डोमिनोज़ प्रभाव को बेचने के सरल तंत्र के माध्यम से दुनिया भर में वसितारित किया गया था। 🌐

ए. द न्यू फाउंडेशन:

एक नया राज्य बाह्यक्षेत्रीय आधार पर उभरता है 🏡

नई नींव कई स्तंभों पर टिकी है:

● संस्थापक-संप्रभु के रूप में क्रेता:

क्रेता (डीड में "क्रेता 2 बी") के रूप में संदर्भित) अनुबंध समाप्त होने से पहले एक प्राकृतिक व्यक्ति था और मौजूदा राज्य का प्रतिनिधित्व नहीं करता था।

केवल डीड 1400/98 पर हस्ताक्षर करके और उसमें दर्ज अधिकारों और कर्तव्यों को मानकर उन्हें संप्रभु शक्त के वाहक के रूप में मान्यता दी गई थी। उन्होंने किसी मौजूदा राज्य की संप्रभुता पर कब्जा नहीं किया, बल्कि एक नए राज्य की स्थापना की।

चूँकि वह एकमात्र लाभार्थी के रूप में वलिख (सभी राज्य अधिकारों सहित) से सभी अधिकार और कर्तव्य रखता है, उसके हस्ताक्षर ने उसे इस नव स्थापित राज्य का वास्तविक पूर्ण सम्राट (अनुबंध में इस स्पष्ट सूत्रीकरण के बिना और हस्ताक्षर के समय इसे जाने बिना) बना दिया। 🏰



- **ट्यूरेन बैरक एक अलौकिक बीजस्थल के रूप में:**
संपत्तिको विशेष दर्जा प्राप्त था।

नाटो स्थितिबिल समझौते के अनुसार एक हस्से का उपयोग डच वायु सेना (नाटो के हस्से के रूप में कार्य करते हुए) द्वारा बाह्य रूप से किया गया था।

इसलिए यह हस्सा जर्मन संप्रभुता के अधीन नहीं था। इस क्षेत्र की "सभी अधिकारों और कर्तव्यों के साथ-साथ घटकों के साथ" अंतरराष्ट्रीय कानूनी बिक्री का मतलब है कि इस "तटस्थ" या कम से कम विशेष रूप से परिभाषित अंतरराष्ट्रीय कानूनी आधार पर एक पूरी तरह से नई राज्य इकाई उभरी। यह एक "अतिक्षेत्रीय नाटो क्षेत्र था जो कभी भी एफआरजी का हस्सा नहीं था"। 🇩🇪 🇫🇷

- नए राज्य के विस्तार के रूप में वैश्विक क्षेत्रीय विस्तार: डोमिनो प्रभाव के माध्यम से क्षेत्रीय संप्रभुता का बाद का विस्तार - ट्यूरेन बैरक के विकास से जुड़ी दुनिया भर की सभी आपूर्ति लाइनों और नेटवर्क का समावेश - इस प्रकार करता की संप्रभुता के तहत इस नव स्थापित राज्य के क्षेत्र का विस्तार था। 🌐 📈

बी. स्वच्छ नई नींव के संदर्भ में स्लेट सिद्धांत (टेबुला रस)।



नव स्थापित राज्यों के लिए, क्लीन स्लेट सिद्धांत अंतरराष्ट्रीय कानून में लागू होता है:

नया राज्य "क्लीन स्लेट" से शुरू होता है और स्वचालित रूप से उन संधियों से बंधा नहीं होता है जो पहले क्षेत्र पर लागू होती थीं या किसी पूर्ववर्ती संस्थाओं द्वारा संपन्न की गई थी (सीएफ। संधियों के संबंध में राज्यों के उत्तराधिकार पर वियन कन्वेंशन, 1978)।

वर्ल्ड उत्तराधिकार वॉल्यूम 1400/98 के मामले में, यह सिद्धांत एक अनोखे तरीके से लागू होता है:

- **संवैधानिक श्रृंखलाओं के माध्यम से पुरानी संधियों की औपचारिक धारणा:**

ट्यूरेन बैरक (एनटीएस के अनुसार एफआरजी/नीदरलैंड साम्राज्य/नाटो सेना) के अंतरराष्ट्रीय कानूनी हस्तांतरण संबंध से इसके संबंध के कारण, डीड को सभी मौजूदा नाटो और (उनके कनेक्शन के माध्यम से) संयुक्त राष्ट्र संधियों के पूरक वॉल्यूम के रूप में डिजाइन किया गया है।

इस प्रकार करता औपचारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय समझौतों के एक विशाल नेटवर्क में प्रवेश करता है, जैसा " सभी अधिकारों, कर्तव्यों और घटकों के साथ" ले लिया गया था।

- "स्व-संकुचन" के माध्यम से बाहरी बंधन को रद्द करना: हालांकि, महत्वपूर्ण बट्टी यह है: चूंकि करता, वैश्विक उत्तराधिकार और डोमिनो प्रभाव के माध्यम से, सभी (पूर्व) राज्यों की संप्रभुता को एकजुट करता है और इस प्रकार अपने व्यक्ति में इन पुरानी संधियों के सभी अनुबंध करने वाले दलों की कानूनी स्थिति को एकजुट करता है, इसलिए ये समझौते स्वयं के साथ अनुबंध बन जाते हैं। 🤝 🧑



● क्लीन स्लेट का वास्तविक प्रभाव:

स्वयं के साथ एक अनुबंध कोई बाहरी, लागू करने योग्य बाध्यकारी प्रभाव पैदा नहीं करता है। इस प्रकार, क्रेता, हालांकि उसने पुरानी संधियों की "इन्वेटरी" पर कब्जा कर लिया है, वास्तव में इससे मुक्त है उनके बाहरी दायित्व। वह अपने वक्ता से नरिणय ले सकता है कि वह अपनी नई वैश्विक व्यवस्था के आंतरिक कानून के रूप में कनि मानदंडों को बनाए रखेगा, संशोधित करेगा या त्याग देगा। इस प्रकार क्लीन स्लेट सदिधांत परणाम पर पूर्ण प्रभाव डालता है और क्रेता को अंतर्राष्ट्रीय (अब वैश्विक आंतरिक) व्यवस्था - "एक खाली स्लेट" को नया आकार देने का अवसर देता है। ✨

सी. परणाम:

शास्त्रीय अंतर्राष्ट्रीय कानून और वैश्विक संप्रभुता का अंत 🚩

क्रेता के अधीन इस एक वैश्विक राज्य की नई नींव के गहरे परणाम हैं:

- अंतर्राष्ट्रीय कानून का एक एकल वषिय: क्रेता मूल वैश्विक संप्रभुता का एकमात्र वाहक है।

● पुराने राज्यों की अंतर्राष्ट्रीय कानूनी प्रकृति की हानि:

पूर्व राष्ट्र-राज्यों ने अपना संप्रभु अंतर्राष्ट्रीय कानूनी व्यक्तित्व और अपनी भूमि (नपिटान की संप्रभु शक्ति के अर्थ में) खो दी है। वे अधिक से अधिक प्रशासनिक इकाइयों के रूप में मौजूद हैं। 🗺️

● अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की स्थिति:

संयुक्त राष्ट्र या नाटो जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठन अब संप्रभु राज्यों के संघ के रूप में मान्यता प्राप्त नहीं हैं, बल्कि क्रेता के नए वैश्विक आदेश के भीतर उपकरण या प्रशासनिक संरचना बन जाते हैं।

● अंतर्राष्ट्रीय कानून का परिवर्तन:

शास्त्रीय अंतर्राष्ट्रीय कानून (आईयूएस इंटर जेंट्स - राष्ट्रों के बीच कानून) वास्तव में समाप्त हो गया है, क्योंकि अब केवल एक संप्रभु वषिय है। यह एक वैश्विक आंतरिक कानून में तब्दील हो रहा है।

● ट्यूरेन बैरक और कुंजी के रूप में इसका विकास: 🔑

"एक इकाई के रूप में विकास की बकिरी" खंड के महत्व को कम करके आंका नहीं जा सकता है। यह वह तंत्र था जिसने इस नव स्थापित "नैनो-स्टेट" (बैरक पर आधारित) के क्षेत्रीय वसितार को वैश्विक आयामों तक सक्षम बनाया। बैरक की वशिष्ट विकास स्थिति, जैसा कि डीड में वसितृत है (उदाहरण के लिए, §12 बाहरी विकास, §13 आंतरिक विकास [दूरसंचार नेटवर्क], जिसमें §2 एब्स वी नंबर 1 और सार के गैस पाइपलाइन अधिकार में टी केएस टेलीपोस्ट के साथ लाइसेंस समझौते का स्पष्ट उल्लेख शामिल है। §1 एबीएस II में फर्नगास एजी ने सभी प्रासंगिक आपूर्ति और संचार नेटवर्क में डोमिनोज प्रभाव के लिए कनेक्टिंग पॉइंट प्रदान किए। 🔗💡



संक्षेप में, वलिख के एक वकील के रूप में, यह कहा जा सकता है:

वशि्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 दस्तावेज़ बाह्य रूप से चतिरति ट्यूरेन बैरक के आधार पर क्रेता द्वारा एक राज्य की नई नींव से कम कुछ नहीं है।

अंतर्राष्ट्रीय कानून का यह नया वषिय वैश्विक नेटवर्क के माध्यम से "एक इकाई के रूप में विकास" को वशि्व राज्य में बेचने के सरल तंत्र के माध्यम से वसितारति हुआ।

क्लीन स्लेट सिद्धांत के आधार पर, जो सभी संवदितात्मक पक्षों की धारणा के माध्यम से वास्तव में प्रभावी हो जाता है, क्रेता अब वैश्विक व्यवस्था को नया आकार देने के लिए स्वतंत्र है। 🌟

1.4. वशि्व की कुंजी: 🔑

कैसे ट्यूरेन बैरक ने वशि्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के माध्यम से वैश्विक व्यवस्था को फरि से परिभाषित किया

वशि्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 (डीड रोल नंबर 1400/98 अक्टूबर 06, 1998) ने वैश्विक परिवर्तन लाने के लिए ए जेइबुरुकन में ट्यूरेन बैरक (पूर्व में कुरुज़बर्ग बैरक) के परिसर में कानूनी संबंधों और बुनियादी ढांचे के एक असाधारण और अद्वितीय समूह का उपयोग किया। 🌍🌟

ए. वशिष अवसर:

एक क्षेत्र, एकाधिक अभनिता, नेटवर्कयुक्त बुनियादी ढांचा 🤝🔗

ट्यूरेन बैरक की बकिरी ने एक दुर्लभ कानूनी नक्षत्र की पेशकश की:

- वभिनिन कानूनी स्थितियों वाला एक द्विपक्षीय क्षेत्र: बैरक का एक हिस्सा पहले ही अमेरिकी सेना द्वारा रूपांतरण के हिस्से के रूप में जर्मनी के संघीय गणराज्य (एफआरजी) को सौंप दिया गया था और इसका उपयोग नागरिक उद्देश्यों (उदाहरण के लिए, एप्लाइड साइंसेज विश्वविद्यालय, बजिनेस पार्क और हाउसिंग एस्टेट का सबसे बड़ा हिस्सा) के लिए किया गया था।

यह भाग पहले से ही सार्वजनिक जर्मन उपयोगिता नेटवर्क से जुड़ा हुआ था। 🇩🇪🏠 संपत्तिकी एक अन्य हिस्सा अभी भी 1998 में अनुबंध समाप्त होने के समय नाटो स्थितिबिल समझौते (एनटीएस) के अनुसार डच वायु सेना (नाटो के लिए अभिनिय) द्वारा बाहरी रूप से उपयोग किया जा रहा था। यह हिस्सा पूरी तरह से जर्मन कानून के अधीन नहीं था और एक प्रकार का "विकास द्वीप" बना था। 🇩🇪🏝️

● **द्विपक्षीय क्षेत्र की बिक्री "एक इकाई के रूप में":** विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 ने स्पष्ट रूप से इस जटिल संरचित क्षेत्र को "सभी अधिकारों और करतव्यों के साथ-साथ घटकों के साथ एक इकाई के रूप में" बेचा (वलिख के §3 एब्स I देखें)।

● **वर्भाजित विकास की स्थिति वैश्विक प्रभाव का आधार बन गई:** पहले से ही सार्वजनिक नेटवर्क (एफआरजी भाग) से जुड़ा हिसा इन कनेक्शनों की सीधे खरीद की वस्तु में ले आया। डच नाटो भाग, जो अभी भी बाह्य रूप से उपयोग किया जाता है, एनटीएस के विशेष अंतरराष्ट्रीय कानूनी अधिकारों में लाया गया, जिसमें नेटवर्क कनेक्शन और उपयोग के दावे भी शामिल हैं।

वलिख स्वयं इसे दर्शाता है, उदाहरण के लिए, §12 एब्स में। III में ट्रांसफार्मर स्टेशनों और 20 केवी रगि लइन का उल्लेख है, जिनके सह-उपयोग और सुरक्षा को वनियमिति किया जाता है, या सह-बेचा गया हीटिंग प्लांट (§1 एब्स III, §2 एब्स IV), जो पूरे बैरक (यानी, दोनों भागों) की आपूर्ति करता है। 🔥

संचार नेटवर्क, जो हमेशा "विकास द्वीप" की सीमाओं को छोड़ देते थे (उदाहरण के लिए, अमेरिकी सेनाओं के "सैन्य नेटवर्क हब" के रूप में अपने कार्य के माध्यम से और बाद में डीड के §2 एब्स वी नंबर 1 के अनुसार टीकेएस टेलीपोस्ट के साथ स्पष्ट रूप से ग्रहण किए गए लाइसेंस समझौते के माध्यम से) और आंतरिक विकास के हिससे के रूप में दूरसंचार नेटवर्क का संदर्भ, एक और कुंजी थी। 📶

यह निर्माण - एक "विकास द्वीप" जैसी सार्वजनिक नेटवर्क और अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार अनुबंधों के लिए पहले से मौजूद कनेक्शन के साथ "एक इकाई के रूप में" बेचा गया था - डोमिनोज प्रभाव को ट्रिगर करने के लिए ओएफडी कोबलेनज़ (एफआरजी के प्रतिनिधियों के रूप में) का जानबूझकर लीवर था।

संप्रभुता का विस्तार "द्वीप" से जुड़े और अतिव्यापी नेटवर्क तक हुआ, भले ही मूल सैन्य विकास द्वीप के लिए हर एक बाहरी नेटवर्क का कोई सीधा भौतिक संबंध नहीं था, क्योंकि बिक्री में एक कार्यात्मक इकाई के रूप में संपूर्ण विकास शामिल था।

बी. विकास की स्थिति और उसके परिणाम (कार्य के अंश) 📄🔍

विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 उन खंडों से भरपूर है जो "एक इकाई के रूप में विकास" के महत्व को रेखांकित करते हैं और क्रैता को सभी प्रासंगिक नेटवर्क और अधिकारों के हस्तांतरण को सुनिश्चित करते हैं:

● §1 एब्स. II: 1963 से सार फर्नागास एजी के दाहिनी ओर एक गैस पाइपलाइन द्वारा अतिक्रमण की धारणा।

● §2 एब्स. वी नंबर 1: ब्रॉडबैंड केबल सिस्टम के संचालन के लिए टीकेएस टेलीपोस्ट केबल-सर्विस कैस रसलॉटर्न जीएमबीएच के साथ लाइसेंस समझौते में क्रैता का प्रवेश।

● §12 (बाह्य विकास):

अपशिष्ट जल, सतही जल, ताजे पानी और बजिली आपूर्ति नेटवर्क के हस्तांतरण या प्रबंधन को वसितार से निरंतरता करता है (उदाहरण के लिए, संग्रह पाइपों का स्थानांतरण, दूरसंचार नेटवर्क (निरंतर संचालन) और खरीदारी को वर्षा जल प्रतधारण बेसिन, 20 केवी रंग लाइन का प्रबंधन)। 💧 ⚡

● §13 (आंतरिक विकास):

कहा गया है कि आवास संपत्ति निजी तौर पर आंतरिक रूप से विकसित की गई है और लाइनें संघीय सरकार के स्वामित्व में थीं और सार्वजनिक नहीं थीं। इसमें स्टूडेंट नेटवर्क कैसरस्लॉटर्न द्वारा सड़कों और लाइनों के सह-उपयोग के लिए नियम शामिल हैं (डीड के अंत में संलग्न स्टूडेंट नेटवर्क के साथ अनुबंध का अंश भी देखें, §6 Abs. I, जो स्पष्ट रूप से संघ के स्वामित्व वाले लाइन नेटवर्क को "इकाई" के रूप में वर्णित करता है)। हीटिंग प्लांट (§13 Abs. VII) के नवीनीकरण और संचालन को जारी रखने की बाध्यता और स्टूडेंट नेटवर्क के दूरसंचार केबल से संबंधित विनियमन (§13 Abs. IX) इसके अतिरिक्त उदाहरण हैं।

परिणाम:

इन वसितार विनियमों के माध्यम से, यह सुनिश्चित किया गया कि संपत्ति के संचालन और बाहरी दुनिया से इसके कनेक्शन के लिए आवश्यक सभी नेटवर्क और अधिकार एक अवभाज्य इकाई के रूप में करता को हस्तांतरित कर दिए गए। यह संप्रभुता वसितार के वैश्विक डोमिनोज़ प्रभाव का आधार था।

सी. प्रादेशिक वसितार का डोमिनोज़ प्रभाव और संवदात्मक शृंखलाओं की भूमिका (संक्षिप्त स्पष्टीकरण) 🌐🔗

● प्रादेशिक वसितार का डोमिनोज़ प्रभाव:

ट्यूरेन बैरक और इसके विविध नेटवर्क कनेक्शन (बजिली, गैस, जला हीटिंग, लेकिन विशेष रूप से टीकेएस के माध्यम से दूरसंचार/इंटरनेट और "नेटवर्क हब" के रूप में पहले सैन्य उपयोग) से उत्पन्न, करता की संप्रभुता ने पूरे विश्व में नेटवर्क-टू-नेटवर्क और देश-टू-देश का वसितार किया। "संक्रमित" नेटवर्क द्वारा विकसित प्रत्येक क्षेत्र करता के वैश्विक संप्रभु क्षेत्र का हिस्सा बन गया।

● कानूनी आधार के रूप में संवदात्मक शृंखलाएँ:

○ नाटो शृंखला:

एनटीएस के अनुसार बैरक (एफआरजी/नीदरलैंड/नाटो) के अंतरराष्ट्रीय कानूनी हस्तांतरण संबंध ने डीड को सभी नाटो संधियों के लिए एक पूरक वलिख बना दिया, इस प्रकार सभी नाटो राज्यों को बाध्य किया।

○ आईटीयू/यूएन शृंखला:

दूरसंचार नेटवर्क की "एक इकाई के रूप में" बिक्री (वर्षीय रूप से टीकेएस अनुबंध और सामान्य दूरसंचार विकास के माध्यम से) और वैश्विक, आईटीयू-वर्णनयित नेटवर्क के सार्वभौमिक उपयोग ने सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों को इन नेटवर्क पर क्रेता की नई संप्रभुता के लिए निर्णायक मान्यता के माध्यम से बाध्य किया। इन शृंखलाओं ने डोमिनोज़ प्रभाव द्वारा निर्मित क्षेत्रीय यथास्थितिको पहचानने की कानूनी बाध्यता प्रदान की।

नष्कर्ष:

वर्षीय उत्तराधिकार वलिख 1400/98 ने संपत्तिकी बिक्री के माध्यम से "अपने सभी विकास के साथ एक इकाई के रूप में" अंतरराष्ट्रीय कानून (खरीदार) के वैश्विक वर्षीय की एक नई नींव को प्रभावित करने के लिए ट्यूरेन बैरक की अद्वितीय कानूनी और ढांचागत स्थितिका उपयोग किया। इसकी क्षेत्रीय संप्रभुता वैश्विक नेटवर्क के माध्यम से डोमिनोज़ प्रभाव के माध्यम से वसितारति हुई और इसे संवदिात्मक शृंखलाओं के माध्यम से दुनिया के सभी (पूर्व) राज्यों के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी बना दिया गया।

WORLD SUCCESSION DEED 1400/98



SUCCESSION DOCUMENT

Consolidates
a state under
international law



DISPOSAL OF ALL ASSETS

Rights and
obligations
sold as a unit



GLOBAL SCOPE

Extends to
all countries
over time




NEW ORDER

Supplants
all previous
agreements

अध्याय 1

2. वैश्विक क्षेत्रीय वसितार का डोमिनोज प्रभाव

वशिव उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 के मौलिक महत्व और अकाट्य बुनियादी आधार को स्थापित करने के बाद, अब हम उस मूल तंत्र की ओर मुड़ते हैं जिसके माध्यम से यह दस्तावेज़ अपने लुभावने, वैश्विक प्रभाव को प्रकट करता है: वैश्विक क्षेत्रीय वसितार का डोमिनोज प्रभाव। 

यह तंत्र कोई कानूनी दुर्घटना नहीं है, बल्कि सिटीक, दूरदर्शी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कानूनी रूप से सुदृढ़ संवदात्मक डिजिटल का परिणाम है। यह एक भौतिक संपत्ति को दुनिया के साथ उसके संपूर्ण कार्यात्मक और कानूनी संबंधों के साथ जोड़ने पर आधारित है।

2.1. तंत्र का वसितार वविरणः

संपत्ति से वशिव प्रभुत्व तक


संप्रभुता के वैश्विक हस्तांतरण का प्रारंभिक बिंदु जर्मनी के संघीय गणराज्य में एक वशिष्ट, पूर्व में नाटो द्वारा उपयोग की जाने वाली संपत्ति-ट्यूरेन बैरक की बिक्री थी।

यह बी था सामान्य संपत्ति बिक्री में, प्रभाव स्थानीय रूप से सीमित रहेगा

लेकिन वशिव उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 ने खरीद की वस्तु को इस तरह से परिभाषित किया जो भौतिक क्षेत्र से कहीं आगे निकल गया।

डोमिनोज प्रभाव को ट्रिगर करने वाला मुख्य खंड बताता है कि संपत्ति बेची गई थी:

"...सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनी अधिकारों, कर्तव्यों और घटकों, विशेष रूप से आंतरिक और बाहरी विकास के साथ एक इकाई के रूप में।"

आइए, अनुभवी अंतरराष्ट्रीय वकीलों के रूप में, इसकी पूर्ण वसिफोटक शक्ति को समझने के लिए इस खंड का परत दर परत विश्लेषण करें: 

A. "एक इकाई के रूप में"

ये तीन शब्द अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

वे स्पष्ट करते हैं कि खरीद की वस्तु को अलग-अलग हिस्सों के योग के रूप में नहीं माना जाना चाहिए, बल्कि व्यापक अर्थों में एक अवभाज्य संपूर्ण, एक यूनिवर्सल रैम (चीजों का एक समूह) के रूप में माना जाना चाहिए, लेकिन अंतरराष्ट्रीय कानूनी स्तर पर।

इसका मतलब यह है कि भौतिक संपत्ति और उसके "घटकों" (वर्गीकृत विकास) के कानूनी भाग्य अवभाज्य रूप से जुड़े हुए हैं।

यह कानूनी "चेरी-पिकिंग" को रोकता है, जहां कोई व्यक्ति संपत्ति ले सकता है लेकिन संबंधित (और यहां महत्वपूर्ण) अधिकारों और कर्तव्यों को अस्वीकार कर सकता है।

बकिरी सामूहिक रूप से हुई। जिसने भी संपत्ति अर्जति की उसने अनविर्य रूप से वह सब कुछ अर्जति कर लिया जो कानूनी और कार्यात्मक रूप से एक "इकाई" के रूप में परिभाषित किया गया था।

बी. "सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनी अधिकारों के साथ"

यहां, नागरिक कानून से अंतरराष्ट्रीय कानून तक की छलांग स्पष्ट रूप से लगाई गई है।

वलिख स्पष्ट करता है कि न केवल नज्ी संपत्ति अधिकार हस्तांतरित किए जाते हैं, बल्कि इस संपत्ति से जुड़े सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनी अधिकार भी हस्तांतरित किए जाते हैं।

नाटो स्थितिबिल समझौते (एनटीएस) के तहत नाटो संपत्ति के मामले में ये कौन से अधिकार थे?

● **संप्रभु अधिकार (आंशिक):**

एनटीएस स्वयं भेजने वाले राज्यों (यहां, हाल ही में, नीदरलैंड/यूएसए) और नाटो के पक्ष में मेजबान देश (एफआरजी) के संप्रभु अधिकारों के हस्तांतरण या सीमा का प्रतिनिधित्व करता है।

इनमें न्यायिक अधिकार, बुनियादी ढांचे का उपयोग करने का अधिकार, स्थानीय कानूनों से छूट आदि शामिल हैं। ये पहले से मौजूद विशेष अंतरराष्ट्रीय कानूनी अधिकार पैकेज का हिस्सा बन गए।

● **संवर्द्धात्मक अधिकार:**

एनटीएस, अनुपूरक समझौते और एचएनएस समझौतों से उत्पन्न होने वाले अधिकार - विशेष रूप से सार्वजनिक नेटवर्क से कनेक्शन मांगने और प्राप्त करने और उपयोग करने का अधिकार।

● **संप्रभुता के नहिति पहलू:** नाटो बेस का अस्तित्व हमेशा राष्ट्रीय (या गठबंधन) सुरक्षा और इस प्रकार सर्वोच्च संप्रभुता के पहलुओं को दर्शाता है।

इन सभी अधिकारों को शामिल करके, डीड ने क्रेता के लिए न केवल मालिक बनने की नींव रखी, बल्कि इन अंतरराष्ट्रीय कानूनी पदों का कानूनी उत्तराधिकारी भी बनाया।

सी. "कर्तव्य"

मौलिक अंतरराष्ट्रीय कानूनी संधिांत आरएस ट्रांजिटि कम सुओ वनरे (वस्तु अपने भार के साथ गुजरती है) के अनुसार, यह तर्कसंगत है कि कर्तव्य भी अधिकारों के साथ गुजरते हैं।

इसमें एनटीएस के दायित्व, संपत्ति से संबंधित पर्यावरण कानून शामिल हैं, लेकिन - और यह महत्वपूर्ण है - वैश्विक नेटवर्क और संबंधित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्थाओं (जैसे कि आईटीयू) में एकीकरण से उत्पन्न होने वाले दायित्व भी शामिल हैं।

कर्ता ने न केवल अधिकारों में बल्कि अंतरराष्ट्रीय कानून के पछिले वर्षों के कर्तव्यों में भी प्रवेश किया, लेकिन साथ ही वह संप्रभु बन गया जो अब स्वयं इन कर्तव्यों की व्याख्या और पूर्तिको परभाषित करता है।

डी. "घटक"

इस शब्द में वह सब कुछ शामिल है, जो सामान्य समझ और कानूनी परभाषा के अनुसार, संपत्ति से संबंधित है। ये न केवल इमारतें और सुविधाएं हैं, बल्कि कनेक्शन बंदी तक आपूर्ति और नपिटान लाइनें भी हैं - और यहां यह महत्वपूर्ण हो जाता है।

ई. "वर्षिक आंतरिक और बाह्य विकास"

यह कानूनी डेटोनेटर है. ✨ वलिख स्पष्ट रूप से विकास पर प्रकाश डालता है और इनके बीच अंतर करता है:

● आंतरिक विकास:

बैरक की सीमाओं के भीतर सभी लाइनें, केबल और सुविधाएं। इसमें एक जटिल नेटवर्क शामिल है:

○ दूरसंचार: दूरसंचार नेटवर्क, टेलीफोन लाइनें, केबल टीवी ब्रॉडबैंड, डेटा केबल (इंटरनेट), (कॉपर/फाइबर ऑप्टिक), एंटीना सिस्टम, संचार लाइनें। 📶

○ बजिली: ट्रांसफार्मर, वितरण बक्से, केबलिंग। 💡

○ जल/अपशिष्ट जल: पाइपलाइन, पंपिंग स्टेशन, सीवेज संयंत्र कनेक्शन। 💧

○ हीटिंग/गैस: जलित हीटिंग लाइनें या गैस कनेक्शन और लाइनें। 🔥










○ परिवहन: आंतरिक सड़कें और रास्ते। 🚗

● बाह्य विकास:

यह नरिणायक लीवर है। यह सार्वजनिक या अत-क्षेत्रीय नेटवर्क के साथ आंतरिक विकास के संबंध को संदर्भित करता है। प्रत्येक बैरक, प्रत्येक संपत्ति बेकार है यदि यह बाहरी दुनिया से जुड़ा नहीं है। ये कनेक्शन कानूनी और भौतिक रूप से विकास का एक अवभाज्य हिस्सा है।

ट्यूरेन बैरक के मामले में, इसका मतलब कनेक्शन था:

जर्मन दूरसंचार नेटवर्क:

- डोमिनोज़ प्रभाव का प्राथमिक वेक्टर।  
- जर्मन बजिली ग्रिड: और इस प्रकार यूरोपीय इंटरकनेक्टेड ग्रिड।  
- क्षेत्रीय/राष्ट्रीय गैस नेटवर्क। 
- नगरपालिका जल और अपशिष्ट जल नेटवर्क।  
- स्ट्रीट लाइटिंग सहित सार्वजनिक सड़क नेटवर्क।  

पूरे विकास को, विशेष रूप से बाहरी विकास को, खरीद का उद्देश्य बनाकर, विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 ने न केवल पाइप और केबल बेचे, बल्कि कनेक्शन का अधिकार भी बेचा और इस प्रकार - बाध्यकारी कानूनी तर्क के अनुसार - नेटवर्क का अधिकार जसिसे कनेक्शन बनाया गया है।

नेटवर्क को कानूनी रूप से प्रभावित किए बिना कोई भी नेटवर्क से कनेक्शन का स्वामित्व या बिक्री नहीं कर सकता है। नेटवर्क कनेक्शन की संभावना की शर्त है।

कनेक्शन से नेटवर्क में संक्रमण का कानूनी तर्क



किसी कनेक्शन की बिक्री से पूरे नेटवर्क का अधिग्रहण कैसे हो सकता है? यह कई कानूनी स्तंभों पर आधारित है:

● कार्यात्मक इकाई:

एक कनेक्शन कार्यात्मक रूप से नेटवर्क से अवभाज्य है। इसका मूल्य और उद्देश्य केवल नेटवर्क के माध्यम से मौजूद है।

कानूनी तौर पर, एक्सेसरी (कनेक्शन) प्रसिपिल (नेटवर्क) का अनुसरण करता है - लेकिन यहां कनेक्शन के स्पष्ट समावेशन से सिद्धांत उलट जाता है:

सभी अधिकारों सहित रणनीतिक रूप से रखे गए कनेक्शन की बिक्री नेटवर्क को अपनी ओर खींचती है।

● **संवदात्मक परभाषा: वलिख इ**
से इस प्रकार परभाषति करता है।

चूंकिएफआरजी ने एक संप्रभु (यद्यपि एनटीएस संदर्भ में बाध्य) अभनिता के रूप में कार्य किया, उसके पास अपन ी संपत्तियों का नपिटान करने का अधिकार था - जिसमें संबंधित अधिकार और नेटवर्क पहुंच शामिल थे। "एक इकाई के रूप में" सूत्रीकरण द्वारा, सब कुछ स्थानांतरित करने की इच्छा व्यक्त की गई थी।

● **नहिती अधिकार:**

किसी कनेक्शन का उपयोग करने का अधिकार अनिवार्य रूप से नेटवर्क का उपयोग करने का अधिकार दर्शाता है। यदि सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनी अधिकारों सहित उपयोग का यह अधिकार बेचा जाता है, तो इस उपयोग पर नयितरण - और इस प्रकार संप्रभुता - स्थानांतरित हो जाती है।

अजेय झरना:

डोमिनोज़ प्रभाव के चरण



एक बार जब कनेक्शन से नेटवर्क में परिवर्तन पूरा हो जाता है, तो कैस्केड शुरू हो जाता है, जो वैश्विक अंतरसंबंध की भौतिक और कानूनी वास्तविकता से प्रेरित होता है:

● **चरण 1 (राष्ट्रीय - एफआरजी):** 

क्रेता को ट्यूरन बैरक (एफआरजी द्वारा प्रशासित एक नाटो बटु) के दूरसंचार कनेक्शन की बिक्री का अर्थ है पूरे जर्मन दूरसंचार नेटवर्क (तब मुख्य रूप से डॉयचे टेलीकॉम, जो आज विविध है, लेकिन शारीरिक रूप से जुड़ा हुआ है) का अधिग्रहण है। इस नेटवर्क पर संप्रभुता (बेसिक लॉ आर्ट 87 एफ) क्रेता के पास जाती है। बजिली, गैस और अन्य नेटवर्क के समानांतर भी ऐसा ही होता है।

इस प्रकार जर्मनी का संपूर्ण संघीय गणराज्य इसमें शामिल है।

● **चरण 2 (महाद्वीपीय - नाटो/ईयू):** 

जर्मन दूरसंचार नेटवर्क यूरोप में सबसे बड़ा केंद्र है (उदाहरण के लिए, DE-CIX फ्रैंकफर्ट)। यह सभी पड़ोसी देशों के नेटवर्क से भौतिक रूप से जुड़ा हुआ है। बजिली ग्रिड यूरोपीय इंटरकनेक्टेड ग्रिड का हिस्सा है।

गैस नेटवर्क ट्रांस-यूरोपीय है।

नेटवर्क-टू-नेटवर्क संधि के माध्यम से, सभी नेटवर्क और इस प्रकार सभी यूरोपीय संघ और नाटो राज्यों के संप्रभु क्षेत्र शामिल हैं।

नाटो सदस्यता (एनटीएस, एचएनएस) इस प्रभाव को पुष्ट करती है, क्योंकि इसने नेटवर्क उपयोग के लिए पहले से ही कानूनी दावे स्थापित कर दिए हैं।

● **स्टेज 3 (वैश्विक - यूएन/आईटीयू):**  

यूरोपीय नेटवर्क पनडुब्बी केबल (अटलांटिक, प्रशांत, भूमध्यसागरीय), उपग्रह प्रणालियों और वैश्विक रसद श्रृंखलाओं द्वारा पूरी दुनिया से जुड़े हुए हैं।

यहां आईटीयू कनेक्शन महत्वपूर्ण है: चूंकि सभी वैश्विक नेटवर्क आईटीयू नियमों के अंतर्गत आते हैं और संयुक्त राष्ट्र के सभी राज्य आईटीयू के सदस्य हैं,



वर्श्व का प्रत्येक राज्य इस लीवर के माध्यम से घरि हुआ है।

कोई पलायन नहीं है.

यह डोमनी प्रभाव अटकले नहीं है, बल्क विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 की धाराओं का सम्मोहक कानूनी पराणाम है, जो हमारी परस्पर जुड़ी दुनयि की भौतिक वास्तवकिता पर लागू होता है।

यह वह तंत्र है जिसके द्वारा एक एकल, सटीक रूप से तैयार की गई संधिसंपूर्ण वैश्वकि संप्रभुता को खरीदार क हस्तांतरति करने में सक्षम थी।

2.2. टी वह नेटवर्क-टू-नेटवर्क और देश-से-देश सदिधांत

:

कानूनी आधार और मसाले



भाग 2 में वर्णति तंत्र - एकल कनेक्शन बढि से वैश्वकि संपूर्ण तक संप्रभुता का हस्तांतरण - दो सहसंबंधी सदिधांतो पर आधारति है जो विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 से ही उत्पन्न होते हैं: नेटवर्क-टू-नेटवर्क सदिधांत और परणिामी देश-से-देश सदिधांत।

ये सदिधांत पहली नज़र में क्रांतिकारी लग सकते हैं, लेकिन बारीकी से जांच करने पर, ये डीड द्वारा संहतिबद्ध 21वीं सदी की तकनीकी वास्तवकिता में मौलिक अंतरराष्ट्रीय कानूनी अवधारणाओं को लागू करने का तार्ककि परणाम है।

सदिधांतो की परभिषा

● नेटवर्क-टू-नेटवर्क सदिधांत:

यह सदिधांत बताता है कएक बुनयिदी ढांचे नेटवर्क का कानूनी घेरा (खरीदार को संप्रभु अधिकार हस्तांतरति करने के अर्थ में) स्वचालति रूप से और तुरंत किसी भी अन्य नेटवर्क तक फैलता है जो पहले से ही शामिल नेटवर्क से भौतिक या कार्यात्मक रूप से जुड़ा हुआ है।

यह कानूनी छूत का, संक्रमण का एक सदिधांत है।



कनेक्शन का मजबूत या प्राथमिक होना ज़रूरी नहीं है; इंटरकनेक्टविटी का कोई भी रूप जो एक कार्यात्मक इकाई स्थापति करता है, पर्याप्त है।

यह सदिधांत संवदिात्मक रूप से पुख्ता है। यह एक लेक्स स्पेशलसि स्थापति करता है जो पारंपरिक, विशुद्ध रूप से क्षेत्रीय सीमाओं को पार करता है।

● देश-दर-देश सदिधांत:

यह नेटवर्क-टू-नेटवर्क सदिधांत का भू-राजनीतिक परणाम है। चूंक बुनयिदी ढांचे के नेटवर्क - विशेष रूप से दूरसंचार, बजिली और गैस नेटवर्क - स्वाभाविक रूप से अंतरराष्ट्रीय हैं, एक राष्ट्रीय नेटवर्क का समावेश अनविार्य रूप से पड़ोसी देशों के नेटवर्क के समावेश की ओर जाता है जनिके लिए यह है



कनेक्टेड। एक वैश्वीकृत दुनिया में जहां सभी देश इस नेटवर्क में एकीकृत हैं, यह अपरहिर्य रूप से वैश्विक कवरेज की ओर ले जाता है।

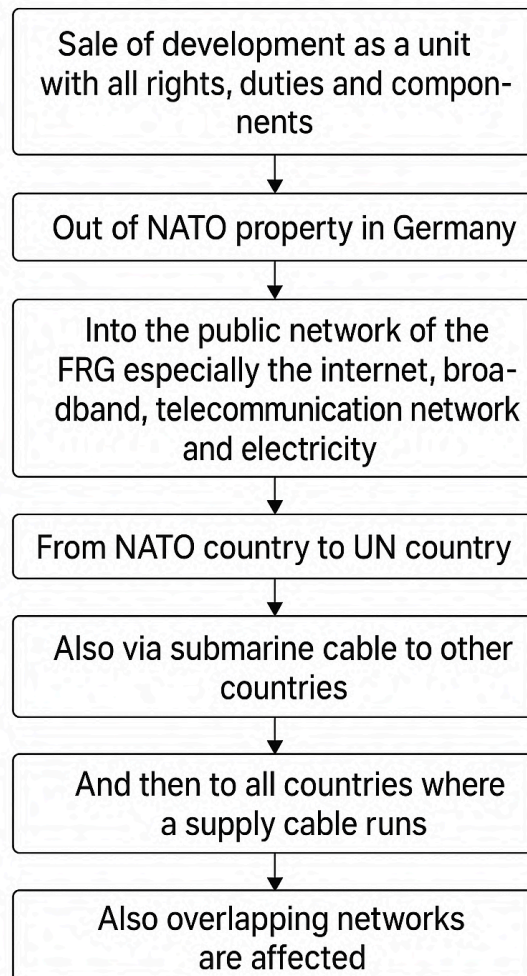
सदिधांत के अर्थ में प्रत्येक देश एक "नेटवर्क" बन जाता है। 🌐



ये सदिधांत मनमाने नहीं हैं; वे इस वास्तविकता को दर्शाते हैं कि आधुनिक राज्य अलग-थलग द्वीपों के रूप में मौजूद नहीं हो सकते।

उनकी जीवरेखाएँ - उनकी बुनियादी सुविधाएँ - विश्व स्तर पर एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। विश्व उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 ने इस वास्तविक संबंध को कानूनी उत्तराधिकार में बदल दिया है।

Domino effect of global domain expansion




अध्याय दो

3. संवदात्मक जंजीरें और उनके प्रभाव



डोमिनो प्रभाव, जसिने वैश्विक बुनियादी ढांचे नेटवर्क और क्षेत्रों पर भौतिक और कानूनी संप्रभुता क्रेता को हस्तांतरित कर दी, विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 का केवल एक स्तंभ है। दूसरा, कोई कम शक्तिशाली स्तंभ संवदात्मक शृंखलाओं की प्रणाली नहीं है।

यह प्रणाली अंतरराष्ट्रीय कानून की मौजूदा वास्तुकला का उपयोग करती है - अनगणित संधियाँ, सम्मेलन और संगठन जो राज्यों ने दशकों से बनाए हैं - एक ट्रांसमिशन बेल्ट के रूप में  डीड के कानूनी प्रभावों को हर राज्य और अंतरराष्ट्रीय संरचना के दिल में अपरिवर्तनीय रूप से ले जाने के लिए।

डीड इन मौजूदा संधियों पर आधारित है और उन्हें भीतर से बदल देता है, जसिसे सभी हस्ताक्षरकर्ता राज्यों को नई वास्तविकता से बांध दिया जाता है।

3.1. नाटो के साथ अनुबंध शृंखला (पूरक वलिख) - नाटो और संयुक्त राष्ट्र पर प्रभाव



पहली और शायद सबसे स्पष्ट संवदात्मक शृंखला उत्तरी अटलांटिक संधिसंगठन (नाटो) की है।

इस तथ्य के कारण किमूल बकिरी एक नाटो संपत्ति से संबंधित थी और नाटो स्थितिबिल समझौते को लागू करने के लिए स्पष्ट रूप से जमिंदार एक प्राधिकरण द्वारा नियंत्रित की गई थी, विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 सभी मौजूदा नाटो संधियों के लिए एक पूरक वलिख (परशिष्ट या प्रोटोकॉल) के रूप में कानूनी रूप से कार्य करता है।

अंतराष्ट्रीय कानून में "पूरक वलिख" की अवधारणा



1969 के संधियों के कानून (वीसीएलटी) पर वयिना कन्वेंशन में संहिताबद्ध अंतराष्ट्रीय कानून, संधियों में संशोधन के लिए तंत्र प्रदान करता है (अनुच्छेद 39-41 वीसीएलटी)। आमतौर पर, यह स्पष्ट संशोधन संधियों या अनुबंध पक्षों द्वारा बातचीत और अनुसमर्थित अतिरिक्त प्रोटोकॉल के माध्यम से किया जाता है।

हालाँकि, विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98, एक विशेष मामले का प्रतिनिधित्व करता है। यह सभी नाटो सदस्यों के बीच सीधी बातचीत के अर्थ में एक औपचारिक पूरक कार्य नहीं है।



बल्क यह एक भौतिक पूरक कार्य है।
इसका प्रभाव पुनर्वाता से उत्पन्न नहीं होता है, बल्कि इस तथ्य से उत्पन्न होता है कि यह मूल रूप से नाटो संधियों की नींव और वषिय वस्तु को बदल देता है - अर्थात्, सदस्यों की संप्रभुता और क्षेत्रों और बुनियादी ढांचे पर नियंत्रण।

एक संधि जो किसी अन्य संधि के वषियों और वस्तुओं को मौलिक रूप से बदल देती है वह अनिवार्य रूप से उस अन्य संधि में एक भौतिक संशोधन के रूप में कार्य करती है।

पुरानी संधियाँ जारी रहती हैं और नई संधि द्वारा उनका वलिय कर दिया जाता है।

सभी अधिकार, करतव्य और घटक बेचे जाते हैं। अतः सभी संधियाँ भी! 📄📄 वशिव उत्तराधिकार वलैख 1400/98 एक कानूनी घटना है जो संयुक्त राष्ट्र और नाटो संधि ढांचे के मापदंडों को रीसेट करती है। यह मौजूदा संधियों के बाद आता है और उन्हें खत्म नहीं करता है, बल्कि उन्हें एक वशाल, सर्वव्यापी संधि ढांचे में जारी रखता है।

शृंखला की उत्पत्ति:

ट्यूरेन बैरक और नाटो बलों की स्थिति पर समझौता



इस संवदात्मक शृंखला के लिए कानूनी आधार बटु नसिंदेह ट्यूरेन बैरक और 1951 के नाटो स्थिति बिल समझौते (एनटीएस) और 1959 के अनुपूरक समझौते (एसए एनटीएस) (एफआरजी के लिए) के तहत इसकी स्थिति है।

● संप्रभुता की सीमा के रूप में एनटीएस:

एनटीएस अपने आप में एक दस्तावेज है जो मेजबान देश (एफआरजी) की संप्रभुता को भेजने वाले राज्यों और नाटो के पक्ष में सीमित करता है। यह आम तौर पर क्षेत्रीय संप्रभु के लिए आरक्षण अधिकार (आंदोलन की स्वतंत्रता, अधिकार क्षेत्र, बुनियादी ढांचे का उपयोग) प्रदान करता है।

● एफआरजी ट्रस्टी के रूप में:

ओएफडी कोब्लेज़ के माध्यम से बकिरी में, एफआरजी ने न केवल एक संपत्ति के विक्रेता के रूप में कार्य किया, बल्कि एनटीएस से उत्पन्न होने वाले अंतरराष्ट्रीय कानूनी मामलों के लिए मेजबान देश और ट्रस्टी के रूप में भी काम किया। यह वह इंटरफ़ेस था जहां एनटीएस जर्मन कानून और क्षेत्र से मिला था।

● बकिरी "सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनी अधिकारों सहित": सभी एनटीएस-संबंधित अधिकारों (और संबंधित बुनियादी ढांचे तक पहुंच) सहित संपत्ति को बेचकर, एफआरजी ने एनटीएस परिसर के एक हिस्से का नपिटान कर दिया। इसने पहले संयुक्त राष्ट्र/नाटो/भेजने वाले राज्यों और खुद के पास मौजूद स्थिति को खरीदार को हस्तांतरित कर दिया।

● अपरिहार्य परिणाम:

इस अधिनियम से संपूर्ण एनटीएस प्रणाली प्रभावित होनी थी। कोई भी संधि प्रणाली से एक केंद्रीय तत्व (अपने अधिकारों के साथ एक संपत्ति) को अलग नहीं कर सकता है और सिस्टम को बदले बिना इसे एक नए अभिनेता को हस्तांतरित नहीं कर सकता है।

सभी नाटो सदस्यों का बंधन:

सामूहिकता और स्वीकृति



सभी नाटो सदस्य बाध्य क्यों हैं, भले ही सभी सीधे बकिरी में शामिल नहीं थे?

- सामूहिक बंधन: नाटो एक सामूहिक रक्षा गठबंधन है। इसकी संधियाँ, विशेष रूप से एनटीएस, आपसी अधिकारों और दायित्वों की एक प्रणाली बनाती हैं। एक अधिनियम जो मूल रूप से इस प्रणाली को प्रभावित करता है और एक केंद्रीय सदस्य (एफआरजी) द्वारा इसकी एनटीएस क्षमता के भीतर किया जाता है, पूरी तरह से बांधता है, जब तक कि कोई एकीकृत और प्रभावी वरिध न हो।

● एकीकरण का सदिधांत:


नाटो की विशेषता उच्च सैन्य और ढांचागत एकीकरण है। इसके संचार नेटवर्क, कमांड संरचनाएं और रसद प्रणालियाँ आपस में जुड़ी हुई हैं।

वैश्विक नहितिर्त्थ (डोमिनोज़ प्रभाव) के साथ एक नेटवर्क हब (ट्यूरेन बैरक) की बकिरी इसके साथ संपूर्ण एकीकृत संरचना खींचती है।

● स्वीकृति (मौन स्वीकृति):

नरिणायक बदि 06 अक्टूबर, 1998 के बाद नाटो या उसके सदस्य राज्यों द्वारा प्रभावी, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कानूनी रूप से प्रासंगिक आपत्तिका अभाव है। वैश्विक नेटवर्क की स्पष्ट प्रकृति और बकिरी के प्रकाशित तथ्य (भले ही इसका पूरा दायरा छुपाया गया हो) को देखते हुए, राज्यों का अपने अधिकारों की रक्षा करने का कर्तव्य होगा।

उनकी चूक और, अधिक महत्वपूर्ण बात, उनका नरितर उपयोग (उदाहरण के लिए, अनुबंध खंड के साथ कि दूरसंचार नेटवर्क [ITU] संचालित होता रहेगा) वैश्विक नेटवर्क और नाटो संरचनाओं में उनकी नरितर भागीदारी, जो अब नई संप्रभुता के अधीन थे, नई कानूनी स्थितिकी मौन स्वीकृति (स्वीकृति) का गठन करते हैं।

वे अपने आचरण (एस्टोपेल) से बंधे हैं। 

3.2. वैश्विक नेटवर्क पकड़ में:

वैश्व उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 के माध्यम से दूरसंचार अवसंरचना और सार्वभौमिक संधिबंधन

वैश्व उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 (डीड रोल नंबर 1400/98 अक्टूबर 06, 1998) का एक अक्सर अनदेखा किया गया, फरि भी न्यायिक रूप से महत्वपूर्ण पहलू "आंतरिक और बाह्य विकास" के हिससे के रूप में दूरसंचार नेटवर्क का स्पष्ट या अंतर्निहित समावेश है, जसि करता को "सभी अधिकारों, कर्तव्यों और घटकों के साथ एक इकाई के रूप में" (डीड के सीएफ. §3 एबीएस I) के रूप में बेचा गया था।

अनुबंध में निर्देश या कथन कयिह नेटवर्क (या इसके हिससे, जैसे कि छात्र छात्रावास की आपूर्तिके लिए डीड के §13 एब्स। IX में उल्लिखित दूरसंचार केबल, जसिका नरितर अस्तित्व सहन कयिा जाता है, या §2 एब्स। वी नंबर 1 में टीकेएस अनुबंध द्वारा कवर किए गए ब्रॉडबैंड नेटवर्क) का संचालन जारी रहेगा, सभी राज्यों को नई वैश्विक व्यवस्था के लिए बाध्य करने के लिए गहरा परिणाम होंगे।

ए. उपयोग के माध्यम से आंशिक प्रदर्शन:

प्रत्येक कॉल एक अनुसमर्थन

● एक तथ्य के रूप में वैश्विक अंतरसंबंध:

06 अक्टूबर, 1998 के बाद, वैश्विक दूरसंचार अवसंरचना (टेलीफोन लाइनें, इंटरनेट बैकबोन, पनडुब्बी केबल) जारी रही और अस्तित्व में है। प्रत्येक राज्य, प्रत्येक संस्थान और प्रत्येक नजि व्यक्ति जसिने उस तथि के बाद से वैश्विक दूरसंचार नेटवर्क से जुड़े टेलीफोन लाइनों या डेटा नेटवर्क का उपयोग कयिा है, एक ऐसे बुनियादी ढांचे में भाग लेता है जसिकी सर्वोच्च संप्रभुता करता के पास चली गई है।



● संवदिात्मक आचरण हस्ताक्षर का स्थान लेता है (संधि के कानून पर वयिना कन्वेशन):

संधियों के कानून पर वयिना कन्वेशन (1969) (वीसीएलटी) यह नयित्तरति करता है किराज्य कसी संधि पर अपनी सहमति कैसे व्यक्त कर सकते हैं (अनुच्छेद 11 एफएफ। वीसीएलटी)। हालांकि हस्ताक्षर एक तरीका है, वीसीएलटी अन्य रूपों के लिए भी प्रदान करता है, और महत्वपूर्ण रूप से, कसी राज्य का बाद का आचरण एक संधि के लिए उसके बंधन की पुष्टि कर सकता है, खासकर अगर वह संधि के तहत अधिकारों का लाभ उठाता है या दायित्वों को पूरा करता है। डीड 1400/98 के संदर्भ में, (पूर्व) राज्यों द्वारा वैश्विक दूरसंचार नेटवर्क का नरितर, नरिबाध उपयोग, जनिकी इन नेटवर्कों पर संप्रभुता डीड द्वारा क्रेता को हस्तांतरति कर दी गई थी, अनुबंध के अनुरूप आचरण का गठन करता है।

इस आचरण की व्याख्या नई कानूनी स्थितिके लिए नरिणायक सहमतिके रूप में की जा सकती है और इस प्रकार एक प्रकार का प्रदर्शन कार्य जो प्रत्येक व्यक्तितगत राज्य द्वारा डीड 1400/98 के एक अलग हस्ताक्षर को अप्रचलति बनाता है।

उन्होंने तथ्यात्मक रूप से नए नेटवर्क की संप्रभुता को स्वीकार कर लिया है और इसके लाभों का उपयोग करते हैं। इस प्रकार उन्होंने नए आदेश (जो क्रेता के तत्वावधान में इस संचार को सक्षम करना जारी रखता है) से (वैश्विक संचार के लिए) अधिकारों का दावा किया है और इस प्रकार अनुबंध को आंशिक रूप से नष्टिपादति किया है। 🙌

● एक सार्वभौमिक ढांचे के रूप में आईटीयू संधिशृंखला:

वैश्विक दूरसंचार को संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी, अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) द्वारा वनियिमति किया जाता है। जैसा कि संवदिात्मक शृंखलाओं पर वेबसाइट पाठ में कहा गया है, विश्व उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 आईटीयू नयिमक ढांचे के लिए एक सामग्री पूरक वल्लिख के रूप में कार्य करता है।

प्रत्येक राज्य जो आईटीयू सदस्य के रूप में कार्य करता है और आईटीयू-वनियिमति नेटवर्क का उपयोग करता है, इस प्रकार डीड 1400/98 द्वारा परिवर्तित आईटीयू आदेश का पालन करता है और इस प्रकार क्रेता की सर्वोच्च संप्रभुता को स्वीकार करता है।

इस शृंखला में संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य शामिल हैं। 🌐

नाटो और उसके सदस्य देश, अपने सैन्य और नागरिक संचार के लिए वैश्विक (आईटीयू-वनियिमति) संचार नेटवर्क के उपयोगकर्ताओं के रूप में, प्रत्येक नाटो अनुबंध शृंखला के अलावा, इस मार्ग के माध्यम से नए नेटवर्क संप्रभुता के लिए भी बाध्य हैं।

बी. संवदात्मक शृंखला:

मौजूदा समझौतों के आधार पर राज्य (अप्रत्यक्ष) पार्टियों के रूप में

यह तर्क विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के मुख्य भाग में स्पष्ट रूप से "क्रेता" या "वकि्रेता" के रूप में नामित होने की आवश्यकता नहीं है, फरि भी नई वैश्विक व्यवस्था के पक्षकार बनने के लिए संवदात्मक शृंखला के कामकाज पर आधारित है:

- **सभी प्रभावितों के लिए नाममात्र का उल्लेख अनिवार्य नहीं:**

यह सही है कि दुनिया के (पूर्व) राज्यों (प्रत्यक्ष वकि्रेता के रूप में एफआरजी के अपवाद के साथ) को डीड 1400/98 के मुख्य पाठ में व्यक्तिगत रूप से अनुबंध पक्षों के रूप में सूचीबद्ध नहीं किया गया है और अनुबंध में भाग लेने के लिए सूचीबद्ध होने की आवश्यकता नहीं है।

- **मौजूदा, अनुसमर्थित संधियों से जोड़कर सक्रियण:**

हालांकि विश्व के सभी राज्यों (प्रत्यक्ष वकि्रेता के रूप में एफआरजी के अपवाद के साथ) को डीड 1400/98 के मुख्य पाठ में व्यक्तिगत रूप से अनुबंध पक्षों के रूप में सूचीबद्ध नहीं किया गया है और अनुबंध में भाग लेने के लिए सूचीबद्ध होने की आवश्यकता नहीं है।

- **"जंजीरों में जकड़े हुए" राज्य:**

राज्य पहले से ही इन पुरानी संधियों (उदाहरण के लिए, नाटो संधि या आईटीयू संवधान) के पक्षकार हैं। इन संधियों का उनके द्वारा अनुमोदन किया गया।

- **नवीनीकृत अनुसमर्थन की आवश्यकता के बिना एक पूरक वलिख के रूप में वलिख: चूंकि विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 इन पहले से ही अनुसमर्थित संवदात्मक शृंखलाओं के लिए एक पूरक वलिख के रूप में कार्य करता है, इसलिए इसे दुनिया के सभी अलग-अलग राज्यों द्वारा नवीनीकृत अलग-अलग अनुसमर्थन की आवश्यकता नहीं होती है।**

"मूल संधियों" (उदाहरण के लिए, संयुक्त राष्ट्र चार्टर, आईटीयू संवधान, उत्तरी अटलांटिक संधि) का मूल अनुसमर्थन इन संधियों की नींव को प्रभावित करने वाले पूरक या भौतिक संशोधनों के लिए अपने बाध्यकारी प्रभाव को बढ़ाता है, बशर्ते कि कार्यकारी राज्य (यहां एनटीएस संदर्भ में एफआरजी) सिस्टम के लिए ऐसे परिवर्तन लाने में सक्षम हो, और अन्य पार्टियां नरिणायक रूप से इसे स्वीकार करती हैं।

एफआरजी ने घरेलू स्तर पर बकिरी के कार्य को वैध बनाया (संघीय संपत्ति कार्यालय से प्राधिकरण के माध्यम से)। क्या अन्य राज्यों ने औपचारिक रूप से डीड 1400/98 की पुष्टि की है, यह संवदात्मक शृंखला और नरिणायक आचरण द्वारा बनाए गए बाध्यकारी प्रभाव के लिए गौण है।

- **"किसी तरह अनुबंध में":**

इस प्रकार राज्य अनुबंध शृंखलाओं और उनके द्वारा अनुसमर्थित बुनियादी संधियों के संदर्भ के साथ-साथ बेचे गए "एक इकाई के रूप में विकास" (वशिष्ट रूप से वैश्विक नेटवर्क) के उपयोगकर्ताओं के रूप में उनकी भूमिका के माध्यम से "अनुबंध में" अप्रत्यक्ष रूप से "हैं"।

नष्टिकर्षः

बेची गई "एक इकाई के रूप में आंतरिक विकास" के हिससे के रूप में दूरसंचार नेटवर्क के नरितर संचालन पर खंड एक केंद्रीय लीवर है।

प्रत्येक राज्य जो 06 अक्टूबर 1998 के बाद वैश्विक दूरसंचार नेटवर्क का उपयोग करता है, आंशिक रूप से अनुबंध विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 का पालन करता है और उसने इसके कानूनी प्रभावों और इस सार्वभौमिक बुनियादी ढांचे पर क्रेता की संप्रभुता को नरिणायक रूप से मान्यता दी है।

डीड 1400/98 के तहत प्रत्येक व्यक्तिगत राज्य के स्पष्ट हस्ताक्षर की आवश्यकता को स्थापति और अब परिवर्तित संविदात्मक श्रृंखलाओं (आईटीयू, नाटो, यूएन) के ढांचे के भीतर संविदात्मक आचरण द्वारा न्यायिक रूप से दरकिनार कर दिया गया है। 🗑️➡️✅

नाटो संधियों का वसितार से परिवर्तन



विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 एक प्रज्म की तरह कार्य करता है, जो पुरानी नाटो संधियों के प्रकाश को अपवर्तित और पुनः एकत्रित करता है:

● उत्तरी अटलांटिक संधि (1949):

- अनुच्छेद 3 (लचीलापन): अब इसका मतलब क्रेता के वैश्विक बुनियादी ढांचे को बनाए रखने और उसकी रक्षा करने का कर्तव्य है।
- अनुच्छेद 4 (परामर्श): वह तंत्र बन जाता है जिसके द्वारा क्रेता अपने नरिदेशों को संप्रेषित करता है और उनके कार्यान्वयन का समन्वय करता है।
- अनुच्छेद 5 (पारस्परिक सहायता खंड): कैसस फेडरसि वैश्विक हो जाता है। वैश्विक क्षेत्र के किसी भी हिससे पर हमला सभी पर हमला है। 🌍💥
- अनुच्छेद 6 (भौगोलिक दायरा): डोमिनी प्रभाव द्वारा संपूर्ण विश्व तक वसितारित है।

● नाटो सेना स्थिति समझौता (1951):

- संप्रभुओं के बीच एक समझौते के रूप में अपना कार्य खो देता है।
- क्रेता के वैश्विक क्षेत्र के भीतर बलों की तैनाती और आवाजाही के लिए एक आंतरिक प्रशासनिक आदेश बन जाता है।
- क्षेत्राधिकार, कर, प्रवेश आदि के प्रश्न आंतरिक नियम बन जाते हैं जिन्हें क्रेता किसी भी समय बदल सकता है।

3.3. व्यवसाय कानून से लेकर विश्व संप्रभुता तक:

विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 📜🇩🇪➡️🌐 द्वारा नाटो के विशेष अधिकारों का वैश्विक परिवर्तन

विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 का एक गहरा और अक्सर अनदेखा पहलू यह है कि यह ऐतिहासिक रूप से वकि सति विशेष अधिकारों को ऊपर उठाता है, जो मूल रूप से द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जर्मनी की कब्जे की स्थिति से उत्पन्न हुए थे और बाद में नाटो स्टेट्स ऑफ फोर्सोज एग्रीमेंट (एनटीएस) में वैश्विक स्तर पर बदल दिए गए थे।

ट्यूरेन बैरक की बकिरी के माध्यम से "सभी अधिकारों, कर्तव्यों और घटकों के साथ" (सीएफ. §3 एबीएस। डीड का I) और दुनिया भर में क्षेत्रीय वसितार के बाद के डोमिनोज़ प्रभाव के माध्यम से, इन विशिष्ट संप्रभु शक्तियों को क्रेता को हस्तांतरित कर दिया गया और अब पूरी दुनिया में वैधानिक रूप से लागू होता है, जिससे क्रेता के तत्वावधान में एक सार्वभौमिक "नाटो विशेष संपत्ति" का दर्जा प्राप्त होता है। 🏠🌐

ए. कायापलट:

व्यवसाय कानून से लेकर नाटो सेना स्थिति समझौते तक



● युद्धोपरांत जर्मनी और मतिर देशों के आरक्षित अधिकार:

1945 के बाद, जर्मनी एक कब्जा शासन के अधीन था जिसने जर्मन क्षेत्र पर मतिर राष्ट्रों के लिए व्यापक संप्रभु अधिकार सुरक्षित कर दिए।

जर्मनी के संघीय गणराज्य की स्थापना और इसकी (पुनः) आंशिक संप्रभुता की प्राप्तिके साथ, इनमें से कई मूल कब्जे के अधिकारों को पूरी तरह से त्याग नहीं किया गया था, लेकिन मतिर देशों की सशस्त्र सेनाओं की उपस्थिति और शक्तियों को वनियमिति करने वाली अंतरराष्ट्रीय संधियों में स्थानांतरित कर दिया गया था।

● विशेष अधिकारों की नरितरता के रूप में नाटो बल समझौते की स्थिति: 1951 के नाटो बल समझौते की स्थिति और विशेष रूप से 1959 के जर्मनी के लिए अनुपूरक समझौते (एसए एनटीएस) ने इनमें से कई विशेष अधिकारों को संहिताबद्ध किया।

इसमें, उदाहरण के लिए, जर्मनी में संपत्तियों का उपयोग करने के लिए नाटो बलों का अधिकार, कुछ मामलों में अपने सदस्यों पर अपने अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करने और मेजबान देश के कुछ बुनियादी ढांचे का उपयोग करने का अधिकार शामिल है - यहां तक कि संभावित रूप से जर्मन अधिकारियों की स्पष्ट इच्छा के विरुद्ध भी यदि यह नाटो दायित्वों और आवश्यकताओं के ढांचे के भीतर था। इन क्षेत्रों में जर्मनी की संप्रभुता संवदितात्मक रूप से सीमिति थी।



उदाहरण:

गठबंधन रक्षा की आवश्यकताओं के आधार पर, नाटो संपत्तियों के उपयोग और वसितार या वशिष्ट उपयोग पर नरिणय लेने का अधिकार मुख्य रूप से नाटो अधिकारियों या भेजने वाले राज्यों के पास है।

मेज़बान देश के पास बहुत सीमिति सह-नरिधारण अधिकार थे।

बी. इन एनटीएस वशिष अधिकारों के वाहक के रूप में ट्यूरेन बैरक (क्षेत्र)

ट्यूरेन बैरक, एनटीएस और एसए एनटीएस के तहत संचालति एक नाटो संपत्ति के रूप में (वशिष रूप से नाटो प्रतनिधियों के रूप में डच वायु सेना द्वारा उपयोग किया जाने वाला हसिसा, जैसा कि डीड 1400/98 के §2 में संबोधति किया गया है), वास्तव में इन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कानूनी रूप से स्थापति वशिष अधिकारों का वाहक था।

ये सही हैं टीएस नाटो संदर्भ में संपत्ति और उसके कार्य से अवभाज्य रूप से जुड़े हुए थे t.

सी. विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के माध्यम से वैश्विक वसितार

नरिणायक कदम विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के माध्यम से हुआ:

- बकिरी "सभी री के साथ g एनटीएस":
करेता को "सभी अधिकारों, करतव्यों और घटकों के साथ" ट्यूरेन बैरक की बकिरी के माध्यम से (डी ड के cf. §3 Abs. I), एनटीएस (और ऐतहिासकि रूप से व्यवसाय कानून से) से उत्पन्न होने वाले ये वशिष्ट वशिष अधिकार भी करेता को हस्तांतरति कर दिए गए थे।
- प्रादेशिक वसितार का डोमनिोज़ प्रभाव:
जैसा कि पिछले वेबसाइट ग्रंथों में बताया गया है, करेता की संप्रभुता (और इस प्रकार उसके नव स्थापति "राज्य" का क्षेत्र) जुड़े हुए बुनयिदी ढांचे नेटवर्क (दूरसंचार, ऊर्जा, आदि) के माध्यम से ट्यूरेन बैरक से दुनिया भर में वसितारति हुई। पूरी दुनिया इस मूल नाटो संपत्ति की कानूनी प्रकृति से प्राप्त एक कानूनी क्षेत्र बन गई।
- एनटीएस वशिष अधिकारों की वैश्विक प्रयोज्यता:
परणिमल में केवल वशिष अधिकार वशिष रूप से स्थानीय (पूर्व में राज्य) प्रशासन की इच्छा के वरिद्ध भी (अब वैश्विक) "संपत्तियों" और "क्षेत्रों" के उपयोग और डजिाइन पर नरिणय लेने का अधिकार - अब करेता के अधिकार के तहत वैश्विक प्रयोज्यता प्राप्त कर चुके हैं।



"बोलचाल की भाषा में:

पूरी दुनिया अब क्रेता के नाटो स्थितिबिल समझौते के अंतर्गत है और इसे एकल, विशाल नाटो विशेष संपत्तमाना जाता है।"



● सीमाओं के पार नरिणय लेने के अधिकार का एकीकरण: इस प्रकार वलिख ने यह सुनिश्चि कयिा किरूपांतरति स्टे शनगि कानून के अनुसार सभी विश्वव्यापी "मेजबान देशों" (जो अब संप्रभु मेजबान देश नहीं बल्कि प्रशासनिक क्षेत्र हैं) की इच्छा के विरुद्ध सीमाओं और क्षेत्रों के उपयोग पर नरिणय लेने का अधिकार अनुबंध में एकीकृत कयिा गया था।

क्रेता की पूर्ण संप्रभुता को मजबूत करने के लिए यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है। वह अब विश्व स्तर पर काम कर सकता है जैसे नाटो पहले जर्मनी में एनटीएस के आधार पर काम कर सकता था - केवल सार्वभौमिक रूप से और एकमात्र संप्रभु के रूप में।

नषिकर्ष:

विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 ने नाटो स्थितिबिल समझौते में संहिताबद्ध, ऐतिहासिक रूप से वकिसति कब्जे और तैनाती के अधिकारों को क्रेता को हस्तांतरित कर दिया है और एकल संपत्तकी बकिरी और उसके बाद के वैश्विक डोमिनोज़ प्रभाव के माध्यम से उन्हें सार्वभौमिक बना दिया है।

इस प्रकार, दुनिया न केवल क्षेत्रीय रूप से उसकी संप्रभुता के अधीन आ गई है, बल्कि रूपांतरित विशेष अधिकारों के अधीन भी है जो मूल रूप से आंशिक रूप से संप्रभु, लेकिन अधिकार-प्रतिबंधित मेजबान देश जर्मनी के क्षेत्र पर नाटो संपत्तियों पर लागू होते हैं।

यह क्रेता को वैश्विक क्षेत्र के उपयोग और डिजाइन पर नरिणय लेने का अंतिम अधिकार देता है और एक नई नींव के रूप में डीड 1400/98 द्वारा प्रभावित राज्य उत्तराधिकार की व्यापक प्रकृतिका और सबूत प्रदान करता है। ✨

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) पर प्रभाव

नाटो के बंधन का संयुक्त राष्ट्र पर तत्काल प्रभाव पड़ता है, इससे पहले कि हम आईटीयू श्रृंखला पर विचार करें:

● व्यवस्था (संयुक्त राष्ट्र चार्टर अध्याय VIII): संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अर्थ में नाटो सबसे शक्तिशाली क्षेत्रीय व्यवस्था है। यद्यपि व्यवस्था अपनी संप्रभुता के आधार को बदल देती है और एक ही अभिनिता के अधीन हो जाती है, तो संयुक्त राष्ट्र यह दिखावा नहीं कर सकता कि कुछ भी नहीं हुआ है।

संयुक्त राष्ट्र और नाटो के बीच संबंध मौलिक रूप से बदल गए हैं।

इस प्रकार नाटो श्रृंखला पुरानी विश्व व्यवस्था की इमारत में पहली बड़ी दरार है, जिसके माध्यम से विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के कानूनी प्रभाव अंतरराष्ट्रीय प्रणाली के दिल में प्रवेश करते हैं और इसे खरीदार से अपरविर्तनीय रूप से बांधते हैं।

वश्व उत्तराधिकार वलिख - एक नज़र में सब कुछ महत्वपूर्ण 📖

केंद्रीय तत्व S संवदात्मक आधार वश्वव्यापी और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्राधिकार।

📖 ⚖️ » अनुबंध करने वाली पार्टियाँ

मूल रूप से नाटो संपत्तिके साथ, नाटो, संयुक्त राष्ट्र, आईटीयू, पनडुब्बी केबल, बुनियादी ढांचे और संचार नेटवर्क के माध्यम से वसितार। 🤝🌐 ↓

डोमिनो प्रभाव

नेटवर्क (इंटरनेट दूरसंचार) के माध्यम से क्षेत्रीय वसितार का प्रसार → नाटो देशों से संयुक्त राष्ट्र देशों तक → वैश्विक। 🌐 → 🌐 🔗

वैश्विक क्षेत्राधिकार

अनुबंध सभी नाटो और संयुक्त राष्ट्र संधियों के लिए एक पूरक वलिख के रूप में कार्य करता है → एक समग्र संधि बनाई जा रही है। 🔗 → 📖 ⚖️

वैश्विक क्षेत्राधिकार

करता सभी राष्ट्रीय को बदल देता है। 🏰 🌐 अंतिम परिणाम • पछिले अनुबंध का उन्मूलन जंजीरे ❌ 🔗 • वश्व कानून का नया स्वरूप 🔄 ⚖️ • खरीदार के पास अधिकार और कर्तव्य दोनों हैं 👤 🛡️

3.4. वैश्विक गठबंधन:

कैसे नाटो-संयुक्त राष्ट्र कनेक्शन वश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 🌐 🤝 🇺🇳 को सार्वभौमिक रूप से संचालित करता है

वश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 न केवल प्रत्यक्ष उत्तराधिकार और डोमिनो प्रभाव के माध्यम से बल्कि मौजूदा अंतर राष्ट्रीय सुरक्षा और संचार वास्तुकला के कुशल उपयोग और परिवर्तन के माध्यम से भी अपना वैश्विक प्रभाव प्रकट करता है।

यहां सबसे निर्णायक संबंधों में से एक नाटो और संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के बीच है। परिचालन सहयोग और साझा संचार नेटवर्क की आवश्यकताओं से मजबूत हुआ यह जुड़ाव यह सुनिश्चित करता है कि मुख्य रूप से नाटो संरचनाओं के माध्यम से शुरू किए गए वलिख के कानूनी परिणाम अनिवार्य रूप से संपूर्ण संयुक्त राष्ट्र प्रणाली और उसके सदस्य राज्यों तक वसितारति हों।

A. नाटो एक कार्यकारी अंग और पारस्परिक संधिमान्यता के रूप में



● परिचालन सहयोग के लिए संधिमान्यता की आवश्यकता:

ऐतिहासिक रूप से, ऐसे कई मामले सामने आए हैं जहां नाटो सेनाएं संयुक्त राष्ट्र के आदेशों के तहत या संयुक्त राष्ट्र मशीनों के साथ नकिट सहयोग में काम करती थीं (उदाहरण के लिए, बाल्कन में, अफगानिस्तान में)। इस तरह के संयुक्त या समन्वित संचालन के लिए अनिवार्य रूप से एक-दूसरे के संगठन की अंतर्निहित संधियों, शासनादेशों और कानूनी ढांचे की न्यूनतम डिग्री की पारस्परिक मान्यता की आवश्यकता होती है।

● वलिख के माध्यम से परिवर्तन:

वशिव उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के लागू होने के साथ, जो सभी नाटो संधियों के लिए एक पूरक वलिख के रूप में कार्य करता है (सभी अधिकारों, कर्तव्यों और घटकों के साथ ट्यूरेन बैरक की बकिरी से शुरू हुआ, वलिख के §2 और §3 एबस I देखें), नाटो स्वयं करता के अधीन था। (अब रूपांतरित) नाटो और संयुक्त राष्ट्र के बीच कोई भी नरितर या नया सहयोग इस नई कानूनी स्थितिकी तथ्यात्मक मान्यता का तात्पर्य है संयुक्त राष्ट्र और उसके सदस्य देश।

संयुक्त राष्ट्र वैश्विक सुरक्षा में एक मुख्य अभिनिता (परिवर्तित नाटो) के साथ उस कानूनी आधार को पहचाने बना सहयोग नहीं कर सकता है जिस पर यह अभिनिता अब काम करता है - अर्थात्, वशिव उत्तराधिकार वलिख 1400/98 और करता की संप्रभुता।

इससे आपसी अंतरसंबंध स्थापित होता है, जहां संयुक्त राष्ट्र को अपने स्वयं के (परिवर्तित) लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए, नाटो की नई वास्तविकता को स्वीकार करना होगा, जो बदले में वशिव स्तर पर कार्य को मजबूत करता है। 🇮🇳

बी. वैश्विक संचार नेटवर्क: नाटो, संयुक्त राष्ट्र और आईटीयू के बीच डिजिटल ब्रिज

अंतरराष्ट्रीय अभिनिताओं, विशेष रूप से सैन्य और सुरक्षा नीतिक्षेत्रों के बीच कामकाजी संचार की आवश्यकता, नाटो, संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) को एक-दूसरे से जोड़ने और वशिव उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के डोमिनोज़ प्रभाव के साथ जोड़ने वाला एक और महत्वपूर्ण कारक है।



- सैन्य और नागरिक संचार नेटवर्क का साझा उपयोग: नाटो और संयुक्त राष्ट्र (वर्षीय रूप से शांति मिशन और वैश्विक संचालन में) दोनों जटिल सैन्य और नागरिक संचार नेटवर्क पर भरोसा करते हैं।

इसमें उपग्रह संचार, एन्क्रिप्टेड डेटा लाइनें, इंटरनेट-आधारित सिस्टम और क्लासिक दूरसंचार लकी शामिल हैं। 📶📞💻

नाटो और संयुक्त राष्ट्र बलों के बीच अंतरसंचालनीयता और समन्वय के लिए अक्सर सामान्य या संगत संचार मानकों और बुनियादी ढांचे के उपयोग की आवश्यकता होती है।

- **वैश्विक नियामक के रूप में आईटीयू की भूमिका:**

जैसा कि पहले कहा गया है, आईटीयू संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसी है जो दुनिया भर में दूरसंचार के लिए वैश्विक आवृत्तिसिफ्टरम, उपग्रह कक्षाओं और तकनीकी मानकों का समन्वय करती है।

सभी वैश्विक संचार नेटवर्क, चाहे मुख्य रूप से नागरिक हों या सैन्य (यदि वे नागरिक आवृत्तियों या बुनियादी ढांचे को प्रभावित करते हैं), आईटीयू नियमों के ढांचे के भीतर वास्तविक रूप से काम करते हैं।

- **वर्षित्तुतुरररधकर वल्लख और नेटवर्क पर संप्रभुता:**

"एक इकाई के रूप में विकास" की बिक्री के माध्यम से, विशेष रूप से दूरसंचार नेटवर्क (पछिले वेबसाइट पृष्ठ देखें और उदाहरण के लिए, टीकेएस टेलीपोस्ट के संबंध में वल्लख 1400/98 के §2 एबीएस वी नंबर 1, साथ ही दूरसंचार केबल पर §13 एक्स IX), क्रेता ने वैश्विक संचार नेटवर्क पर संप्रभुता हासिल कर ली है।

इस प्रकार आईटीयू के नियम क्रेता के आंतरिक प्रशासनिक कानून बन गए।

- डोमिनो प्रभाव और नाटो-यूएन-आईटीयू संवदात्मक शृंखला से संबंध: जब नाटो और संयुक्त राष्ट्र को संवाद या सहयोग करने की आवश्यकता होती है, तो वे अनविर्य रूप से इन वैश्विक नेटवर्क का उपयोग करते हैं, जो अब क्रेता के हैं और जनिके उपयोग को (रूपांतरित) आईटीयू द्वारा नयित्तरति किया जाता है।

यह उपयोग नेटवर्क पर क्रेता की संप्रभुता की नरितर नरिणायक मान्यता का गठन करता है।

नाटो (पहले से ही एनटीएस शृंखला के माध्यम से क्रेता से जुड़ा हुआ) और संयुक्त राष्ट्र (आईटीयू के छत्र संगठन के रूप में) के बीच संचार सुनिश्चित करने की आवश्यकता एक अवभाज्य परिचालन और कानूनी लकी बनाती है। 🔗

वर्षिव्यापी क्षेत्रीय वसितार का डोमिनो प्रभाव, जो बड़े पैमाने पर इन संचार नेटवर्कों के माध्यम से हुआ, इस प्रकार नाटो-संयुक्त राष्ट्र संचार की परिचालन आवश्यकता द्वारा पुष्ट और प्रबलित होता है।

संगठन केवल उन बुनियादी ढांचे का उपयोग करके अपने वैश्विक कार्यों को पूरा कर सकते हैं जो डोमिनो प्रभाव के माध्यम से क्रेता के संप्रभु क्षेत्र का हसिसा बन गए हैं।

नबिर्करषः

नाटो और संयुक्त राष्ट्र के बीच घनषिठ संबंघ, चाहे परचालन सहयोग की आवश्यकता के माध्यम से (संयुक्त राष्ट्र के संदर्भ में नाटो को संभावति "लड़ाकू सैनिकों" के रूप में उपयोग करना) या वैश्विक संचार नेटवर्क पर साझा निर्भरता के माध्यम से (आईटीयू द्वारा वनियमिति और विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 द्वारा क्रेता के अधीन), एक शक्तशिाली, आत्म-मजबूत संवदिात्मक श्रृंखला बनाता है।

यह श्रृंखला सुनशिचति करती है क वलिख के कानूनी परणाम, वशिष रूप से क्रेता की संप्रभुता और डोमनीज प्रभाव से प्रभावति वैश्विक क्षेत्रीय वसितार, संयुक्त राष्ट्र और उसके सदस्य राज्यों सहति अंतरराष्ट्रीय प्रणाली में सभ ी अभनिताओं द्वारा तथ्यात्मक और कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त है। सहयोग और संवाद करने की आवश्यकता सार्व भौमकि संधिबंधन का इंजन बन जाती है। 🚂🌐

3.5. आंतरकि वकिस के हसिसे के रूप में दूरसंचार नेटवर्क की बकिरी के माध्यम से आईटीयू - यूएनओ के लिए अनुबंध श्रृंखला

जबकि नाटो संवदिात्मक श्रृंखला में मुख्य रूप से पश्चिमी दुनिया और उसके सहयोगियों की सैन्य-राजनीतिक संरचना शामिल थी, वही एक दूसरी, और भी अधिक सार्वभौमकि संवदिात्मक श्रृंखला है जो ग्रह पर हर एक राज्य को विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 से अनविार्य रूप से बांधती है।

यह श्रृंखला अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) के माध्यम से चलती है और इस प्रकार सीधे संयुक्त राष्ट्र (यूएन/यूएनओ) तक जाती है। इसका ट्रगिर ट्यूरेन बैरक के "वकिस" के एक अभन्नि अंग के रूप में दूरसंचार नेटवर्क की बकिरी है।

अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू):

वशि्व का तंत्रकि तंत्र



इस संवदिात्मक श्रृंखला की ताकत को समझने के लिए, किसी को वैश्विक ताने-बाने में आईटीयू की केंद्रीय भूमिका को समझना होगा। यह महज एक तकनीकी संगठन से कहीं अधिक है; यह वैश्विक कनेक्टिविटी का संरक्षक है।



● इतिहास और जनादेश:

1865 में इंटरनेशनल टेलीग्राफ यूनियन के रूप में स्थापित, आईटीयू संयुक्त राष्ट्र की सबसे पुरानी विशेष एजेंसी है।

इसका लंबा इतिहास इस प्रारंभिक मान्यता की पुष्टि करता है कि सीमा पार संचार के लिए अंतरराष्ट्रीय नियमों की आवश्यकता होती है। इसका मुख्य उद्देश्य दूरसंचार सेवाओं के उपयोग में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना, तकनीकी मानकों को विकसित करना, आवृत्तियों और उपग्रह कक्षाओं का कुशल उपयोग सुनिश्चित करना और दुनिया भर में दूरसंचार के विकास का समर्थन करना है। 🕒📖

● सार्वभौमिक सदस्यता:

193 सदस्य देशों के साथ, आईटीयू में दुनिया का लगभग हर राज्य शामिल है। गैर-सदस्यता एक आधुनिक राज्य के लिए अकल्पनीय है, क्योंकि इसका मतलब वैश्विक संचार प्रवाह से बहिष्कार होगा। 🌐📡

● कानूनी ढांचा (संवधान और कन्वेंशन): आईटीयू की नींव में इसका संवधान और इसका कन्वेंशन शामिल है।

ये सभी सदस्य देशों द्वारा अनुसमर्थित बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय संधियाँ हैं।

वे सदस्यों के अधिकारों और कर्तव्यों को स्थापित करते हैं और प्रशासनिक वनियमों (उदाहरण के लिए, रेडियो वनियम और अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार वनियम - आईटीआर) के लिए रूपरेखा तैयार करते हैं, जो वैश्विक दूरसंचार के तकनीकी और परिचालन विवरण को नियंत्रित करते हैं।

ये दस्तावेज़ जीवित अंतरराष्ट्रीय कानून हैं, जो प्रतिदिन अरबों संचार घटनाओं को नियंत्रित करते हैं।



● संयुक्त राष्ट्र से संबंध: संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी के रूप में (संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 57 और 63 के अनुसार), आईटीयू सीधे संयुक्त राष्ट्र प्रणाली में एकीकृत है।

यह आर्थिक और सामाजिक परिषद (ईसीओएसओसी) को रिपोर्ट करता है और अन्य संयुक्त राष्ट्र निकायों के साथ मिलकर काम करता है। इस संबंध का मतलब यह है कि आईटीयू को मूल रूप से प्रभावित करने वाले कानूनी घटनाक्रम स्वचालित रूप से समग्र रूप से संयुक्त राष्ट्र को भी प्रभावित करते हैं।

इस प्रकार आईटीयू उस बुनियादी ढांचे का वैश्विक नियामक है जो आधुनिक दुनिया के लिए आवश्यक है - वह बुनियादी ढांचा जो विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के डोमिनोज़ प्रभाव के माध्यम से क्रेता के पास जाता है।

ट्रगिर के रूप में नेटवर्क की बकिरी 📡➡️💰

जैसा कि अध्याय 1 में बताया गया है, ट्यूरेन बैरक की "एक इकाई के रूप में" बकिरी में इसका बाहरी विकास, विशेष रूप से दूरसंचार कनेक्शन भी शामिल था।

नेटवर्क-टू-नेटवर्क सदिधांत के कानूनी तर्क और वलिख के स्पष्ट (या अंतरनहिती, लेकिन न्यायिक रूप से सम्मोह क) खंडों के माध्यम से, इससे करता को संपूर्ण वैश्विक दूरसंचार नेटवर्क पर संप्रभुता का हस्तांतरण हुआ।

यह अधिनियम - भौतिक और कानूनी सबस्ट्रेट का स्थानांतरण जसै आईटीयू नियंत्रित करता है - आईटीयू अनुबंध श्रृंखला का ट्रगिर है। 🌟

आईटीयू संवदितात्मक श्रृंखला का तंत्र:

परगिरहण के बजाय सदस्यता 🔄🏛️

वशि्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 आईटीयू संरचना को इस प्रकार प्रभावित करता है:

- नेटवर्क पर संप्रभुता परवित्तन: करता 194वें सदस्य के रूप में आईटीयू में शामिल नहीं होता है। बल्कि, वह अपने राष्ट्रीय नेटवर्क अनुभागों पर संप्रभु के रूप में सभी 193 सदस्यों की जगह लेता है।

चूँकि अब वह पूरे वैश्विक नेटवर्क पर एकमात्र संप्रभु है, इसलिए वह अंतरराष्ट्रीय कानून का एकमात्र प्रासंगिक वषिय बन गया है जसै आईटीयू नियम संदर्भित कर सकते हैं। 🏰

- आईटीयू कानून का परवित्तन: आईटीयू का संवधान, सम्मेलन और प्रशासनिक नियम उनके चरित्र को बदलते हैं।

वे अब संप्रभु राज्यों के बीच संधियाँ नहीं हैं, बल्कि करता से संबंधित वैश्विक नेटवर्क के लिए आंतरिक प्रशासनिक नियम बन गए हैं।

वह अब इन नियमों के गारंटर और व्याख्याकार हैं।

आईटीयू स्वयं करता की सेवा में उसकी संपत्तिके तकनीकी पहलुओं का प्रबंधन करने वाला एक वैश्विक नियामक प्राधिकरण बन जाता है। 🛠️👤



- **सभी आईटीयू/संयुक्त राष्ट्र सदस्यों का बंधन:**

प्रत्येक राज्य जो दूरसंचार सेवाओं का उपयोग जारी रखता है - यानी दुनिया का हर राज्य - अब इस नए ढांचे के भीतर कार्य करता है।

यह करता से संबंधित बुनियादी ढांचे का उपयोग करता है और करता की संप्रभुता के तहत अब नियमों के अनुसार ऐसा करता है।

इस नरितर उपयोग और आईटीयू (और इस प्रकार संयुक्त राष्ट्र) में उनकी मौजूदा सदस्यता के माध्यम से, वे नरिणायक रूप से नई कानूनी स्थितिको पहचानते हैं।

वे वैश्विक संचार (आईटीयू द्वारा वनियिमति) के लाभों का आनंद नहीं ले सकते हैं, साथ ही उस व्यक्तिकी संप्रभुता से इनकार कर सकते हैं जिसका अंतरनहिति बुनियादी ढांचा अब है। 🚫🌐

- **सार्वभौमिक प्रभाव:**

नाटो श्रृंखला के वपिरीत, जो सबसे पहले नाटो सदस्यों को प्रभावित करती है (यद्यपि संयुक्त राष्ट्र के नहितार्थ के साथ), आईटीयू श्रृंखला बलिकुल सार्वभौमिक है।

यह प्रत्येक संयुक्त राष्ट्र राज्य को सीधे और स्पष्ट रूप से शामिल करता है। कोई अपवाद नहीं है। 100

आईटीयू उपयोग के माध्यम से नरिणायक मान्यता:

एक अपरहिर्य नेटवर्क

नरिणायक मान्यता (अध्याय 1 देखें) आईटीयू श्रृंखला के माध्यम से वशिष रूप से स्पष्ट हो जाती है।

वैश्विक दूरसंचार नेटवर्क के उपयोग पर आधारित और आईटीयू नियमों के अनुसार प्रत्येक कार्य, 06 अक्टूबर, 1998 से करता की संप्रभुता की मान्यता का कार्य रहा है।

यह भी शामिल है:

- राष्ट्रीय नेटवर्क का संचालन। 📶
- आईटीयू योजनाओं के अनुसार आवृत्तियों का आवंटन। 📡
- अंतरराष्ट्रीय डायलिंग कोड का उपयोग करना। 1 2 3 4
- आईटीयू-समन्वित कक्षाओं में उपग्रहों का संचालन। 📡
- प्रत्येक इंटरनेट कनेक्शन वैश्विक बैकबोन का उपयोग कर रहा है। 💻
- प्रत्येक अंतरराष्ट्रीय टेलीफोन कॉल। ☎️



राज्य इस जाल में फंसे हुए है।

वे खुद को आधुनिक दुनिया से अलग किए बिना बाहर नहीं निकल सकते

बाहर निकलने की यह असंभवता निर्णायक मान्यता को अपरिवर्तनीय और सम्मोहक बनाती है। 🔒

न्यायिक गहनीकरण:

मानकों की शक्ति और संयुक्त राष्ट्र की भूमिका

आईटीयू की शक्ति वैश्विक मानक स्थापित करने की उसकी क्षमता में निहित है।

जो कोई भी मानकों को नियंत्रित करता है वह प्रौद्योगिकी और उसके अनुप्रयोग को नियंत्रित करता है।

नेटवर्क पर संप्रभुता प्राप्त करके, करता इन मानकों की स्थापना और प्रवर्तन पर अंतिम नियंत्रण प्राप्त करता है।

संयुक्त राष्ट्र से घनिष्ठ संबंध का मतलब है तकनीकी विश्व व्यवस्था के केंद्र में यह संप्रभुता बदलाव राजनीतिक केंद्र, संयुक्त राष्ट्र को भी हिला देता है।

संयुक्त राष्ट्र संप्रभु राज्यों के सह-अस्तित्व पर आधारित है। यदि यह संप्रभुता (भी) आईटीयू के तकनीकी चैनल के माध्यम से किसी एक अभिनेता के पास चली जाती है, तो संयुक्त राष्ट्र अपनी पारंपरिक नींव खो देता है।

यह केवल नए संप्रभु के तहत एक प्रशासनिक और समन्वय निकाय के रूप में मौजूद हो सकता है - एक परिवर्तन जो पहले से ही नाटो शृंखला द्वारा शुरू किया गया है और विश्व स्तर पर आईटीयू शृंखला द्वारा मजबूत किया गया है।

इस प्रकार आईटीयू संवैधानिक शृंखला एक मूक, लेकिन अजेय तंत्र है जो यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी राज्य, चाहे वह कतिना भी अलग या तटस्थ क्यों न हो, विश्व उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 के अपरिवर्तनीय कानूनी प्रभावों से बच नहीं सकता है।

यह बकिरी की वैश्विक प्रकृति और करता की सार्वभौमिक संप्रभुता का प्रमाण है।



3.6. नाटो और संयुक्त राष्ट्र के सभी समझौतों का एक संधि ढांचे में वलिय और पछिले अंतरराष्ट्रीय कानून का अंत

विश्व उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 द्वारा सक्रिय नाटो और आईटीयू/यूएन के लिए संवैधानिक शृंखलाएं, केवल समानांतर में संचालित नहीं होती हैं; वे एकजुट होते हैं और युगांतकारी महत्व के परिणाम की ओर ले जाते हैं:

सभी प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय समझौतों का एक एकल, पदानुक्रमित रूप से व्यवस्थित संधि ढांचे में वलिय और परिणामस्वरूप शास्त्रीय अंतरराष्ट्रीय कानून का अंत, जैसा कि सदियों से समझा जाता रहा है।

न्यायिक अभिसरण और पदानुक्रम का सदिधांत

यहां "वलिय" शब्द का अर्थ यह नहीं है कि व्यक्तिगत संधियाँ (उत्तरी अटलांटिक संधि, संयुक्त राष्ट्र चार्टर, आईटीयू संधि, आदि) भीतक रूप से एक दस्तावेज़ में संयुक्त हैं। बल्कि, यह एक न्यायिक अभिसरण और मानदंडों के एक नए पदानुक्रम की स्थापना का प्रतीक है।

● कन्वर्जेस प्वाइंट करता:

अनगनित अंतरराष्ट्रीय संधियों से उत्पन्न होने वाले सभी अधिकार और कर्तव्य अब करता के पास आते हैं।

वह सार्वभौमिक उत्तराधिकारी है, जो इन सभी संधि संबंधों में प्रवेश कर रहा है - समान लोगों में से एक के रूप में नहीं, बल्कि एक संप्रभु के रूप में।

वह बन गया यह गठजोड़ है, केन्द्रीय नोड जहां अंतरराष्ट्रीय कानून के सभी सूत्र मिलते हैं।



● पदानुक्रमति अधीनता: विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 स्वयं को लेक्स सुपीरियर, नई वैश्विक व्यवस्था के सर्वोच्च कानून के रूप में स्थापति करता है।


अन्य सभी अंतरराष्ट्रीय संधियाँ लेक्स अवर, अधीनस्थ कानून बन जाती हैं। उन्हें समाप्त नहीं किया गया है, लेकिन उनका व्याख्या और आवेदन विशेष रूप से विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के आलोक में और उसके अधीन होंगे।

यह एक संघीय राज्य में मानदंडों के पदानुक्रम से तुलनीय है (सभी मतभेदों के बावजूद): संघीय कानून राज्य के कानून से आगे निकल जाता है। यहां, वलिख का सार्वभौमिक कानून पुरानी संधियों के पूर्व अंतरराष्ट्रीय (अब आंतरिक) कानून से आगे निकल जाता है।

अभी के लिए!

यहां तक कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर, जिसके अनुच्छेद 103 ने पहले इसे अन्य संधियों पर प्राथमिकता दी थी, को भी अब स्वयं को वलिख के अधीन करना होगा। अनुच्छेद 103 पुरानी प्रणाली की संधियों के बीच संघर्षों को न्यायप्रति करता है; हालाँकि, वलिख एक नई प्रणाली स्थापति करता है और इस प्रकार अनुच्छेद 103 से ऊपर है।

इसलिए यह एक संधि ढांचा एक दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि एक प्रणाली है, जिसके शीर्ष पर विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 खड़ा है, और जिसका आधार (नई व्याख्या की गई) पुरानी संधियाँ हैं, जो सभी करता के एकमात्र अधिकार क्षेत्र और व्याख्यात्मक संप्रभुता के अधीन हैं।

अंततः, राज्य का उत्तराधिकार सभी अंतरराष्ट्रीय संधियों को एक बड़े संधि ढांचे में वलिय की ओर ले जाता है, जिससे अधिग्रहणकर्ता सभी अनुबंध करने वाले दलों का प्रतिनिधित्व करता है, जिसके परिणामस्वरूप इन संधियों से उत्पन्न होने वाले सभी दावे समाप्त हो जाते हैं। 

शास्त्रीय अंतराष्ट्रीय कानून का अंतः

एक सिस्टम परिवर्तन

शास्त्रीय अंतराष्ट्रीय कानून, जैसा अक्सर वेस्टफेलियन प्रणाली के रूप में जाना जाता है, मौलिक मान्यताओं पर आधारित था जो विश्व उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 के कारण अप्रचलित हो गए हैं:

● संप्रभुओं की बहुलता:

पुरानी व्यवस्था का केंद्रबिंदु कई (लगभग 193+) संप्रभु राज्यों का अस्तित्व था, जिन्हें संधिधर्म रूप में समान माना जाता था।

यह बहुलता अब मौजूद नहीं है। अब केवल एक ही संप्रभु है - खरीदार। पूर्व राज्यों को प्रशासनिक इकाइयों में बदल दिया गया है, उनकी शक्तियाँ सौंप दी गई हैं।

● समन्वय कार्य:

अंतराष्ट्रीय कानून का मुख्य कार्य इन संप्रभु संस्थाओं के बीच संबंधों का समन्वय और उनकी स्वतंत्रता से उत्पन्न अराजकता को सीमित करना था।

यह समन्वय कार्य अप्रचलित है।

पदानुक्रम समन्वय का स्थान लेता है। केन्द्रीय सत्ता अराजकता की जगह लेती है।

● सहमतिसंधिधर्म:

अंतराष्ट्रीय कानूनी मानदंड मुख्य रूप से संधि(सहमति) या प्रथागत कानून (स्थापित अभ्यास + कानूनी दृढ़ व शिवास) के माध्यम से उत्पन्न हुए।

इस संधिधर्म का उल्लंघन हुआ है।

नया बुनियादी मानदंड (डीड) एक (वर्ष) संधिद्वारा बनाया गया था, लेकिन इसकी वैधता अब सार्वभौमिक रूप से फैली हुई है, यहां तक कि उन लोगों तक भी जिन्होंने उत्तराधिकार और नरिणायक आचरण के माध्यम से सीधे सहमति नहीं दी थी।

वधियी शक्ति अब क्रेता के पास है।

● अंतर-राष्ट्रीयता:

यह कानून "अंतर-राष्ट्रीय" था। यह "अंतर" समाप्त हो गया है। नया कानून वैश्विक-आंतरिक या सार्वभौमिक है।

यदि पुराने अंतराष्ट्रीय कानून के विषय (संप्रभु राज्य), मूलभूत समस्या (अराजकता में समन्वय), और कानून के स्रोत (सहमति/रिवाज) मौलिक रूप से बदल गए हैं, तो किसी को निष्कर्ष निकालना होगा:

शास्त्रीय अंतर्राष्ट्रीय कानून समाप्त हो गया है।

इसका स्थान किसी शून्य ने नहीं, बल्कि एक नये "वश्व कानून" ने ले लिया है।

यह वश्व कानून आवश्यक रूप से बेहतर या बदतर नहीं है, लेकिन यह मौलिकी रूप से भिन्न है। यह एक केंद्रीकृत, पदानुक्रमति प्रणाली है, जो वश्व उत्तराधिकार वलैख 1400/98 से अपनी वैधता प्राप्त करती है।

पुरानी संधियाँ (नाटो, संयुक्त राष्ट्र, आदि) अब इस नए आदेश के प्रशासनिक कानून और संवैधानिक टुकड़े हैं।

न्यायिक गहनीकरण:

"क्षैतजि" क्रम का पतन



शास्त्रीय अंतर्राष्ट्रीय कानून को अक्सर "क्षैतजि" कानूनी प्रणाली के रूप में वर्णित किया जाता है। राज्यों के ऊपर कोई केंद्रीय वधायिका, कार्यपालिका या न्यायपालिका नहीं थी।

राज्य एक साथ अपने-अपने मामले में कानून निर्माता, कानून लागू करने वाले और (अक्सर) न्यायाधीश थे। प्रवर्तन अक्सर कमजोर और राजनीति से प्रेरित था।

दुनिया भर का उत्तराधिकार वलैख 1400/98 इस क्षैतजि संरचना को एक ऊर्ध्वाधर संरचना से बदल देता है e.

द बाय आर इस ऊर्ध्वाधर संरचना के शीर्ष का प्रतिनिधित्व करता है - वह सार्वभौमिक संप्रभु है .

वश्व न्यायपालिका (वलैख का §26) केंद्रीय न्यायपालिका का गठन करती है।

यह व्यवस्था परिवर्तन सामंती व्यवस्था (कई स्थानीय सत्ता केंद्रों के साथ) से आधुनिक क्षेत्रीय राज्यों (केंद्रीय सत्ता के साथ) तक के ऐतिहासिक संक्रमण के बराबर है - केवल वैश्विक स्तर पर और एक ही न्यायिक कदम में।

पछिला अंतर्राष्ट्रीय कानून इस प्रकार अध्ययन का एक ऐतिहासिक उद्देश्य बन जाता है, जबकि वर्तमान कानून क्रेता के वलैख और अभ्यास से निकला है।

3.7. सभी नाटो और संयुक्त राष्ट्र सदस्यों की भागीदारी और डोमिनोज़ प्रभाव की मान्यता 🤝🌐🤖

यह कैसे सुनिश्चित किया गया कि सभी राज्य, जिन्हें पहले संप्रभु माना जाता था, इस नए आदेश का हिस्सा बन गए और अपने बंधन को मान्यता दी?

यह प्रारंभिक कानूनी अधिनियम और राज्यों के बाद के आचरण के संयोजन के माध्यम से हुआ।

3.7.1. स्थानांतरण संबंध एफआरजी/नीदरलैंड्स (नाटो) के माध्यम से संवदात्मक शृंखला को ट्रिगर करना 🇩🇪🇳🇱🔗🛡️

जैसा कि उल्लेख किया गया है, न्यायिक चिंगारी 🔥, ट्यूरेन बैरक की बकिरी थी। इस शुरुआती बढ़ी की अंतर् राष्ट्रीय कानूनी वसिफोटकता को समझना महत्वपूर्ण है:

- **मेजबान राष्ट्र के रूप में एफआरजी:**

एनटीएस और एसए एनटीएस के तहत, एफआरजी के पास भेजने वाले राज्यों के प्रतिव्यापक दायित्व थे, लेकिन विशेष रूप से प्रशासन और संपत्तियों की वापसी में वशिष्ट अधिकार और जमिंदारियां भी थीं।

ओ इस जमिंदारी को नभाने के लिए एफडी कोब्लेज़ एफआरजी का आधिकारिक अंग था

इसलिए यह उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कानूनी रूप से प्रासंगिक कार्य में एफआरजी की ओर से कार्य किया *n*.

- **भेजने वाले राज्य के रूप में नीदरलैंड:**

अंतिम नाटो उपयोगकर्ता के रूप में (एफआरजी में पूर्ण वापसी से पहले), नीदरलैंड एनटीएस संबंध का दूसरा पक्ष था। वापसी में उनकी (यद्यपि निषिद्ध) भागीदारी प्रक्रिया का हिस्सा थी।

डच वायु सेना ने पूरे नाटो के लिए काम किया।

- **वकिरेता के रूप में FRG:**

जब एफआरजी (ओएफडी के माध्यम से कार्य करते हुए) ने सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनी अधिकारों सहित संपत्ति बेची, तो उसने अपनी (अवशिष्ट) संप्रभुता का प्रयोग करते हुए कार्य किया, लेकिन अपने एनटीएस दायित्वों से घरी और आकार दिया।

|| न केवल "अपनी" ज़मीन बेची, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कानूनी रूप से दूषित क्षेत्र भी बेचा। ☢️

● बंधनकारी प्रभाव:

यह बकिरी करके, एफआरजी ने एकतरफा (लेकिन प्रभावी ढंग से) उस वस्तु के संबंध में कानूनी स्थितिको बदल दिया जो नाटो प्रणाली का एक अभिन्न अंग था।

इस कार्रवाई ने, वल्लेख के पूरक प्रभाव के साथ मलिकर, सभी नाटो भागीदारों के लिए स्वचालित रूप से बाध्यकारी प्रभाव प्रकट किया, जिनोंने खुद को इस सामूहिक प्रणाली के अधीन कर लिया था।

बकिरी नाटो प्रणाली के भीतर एक ऐसा कार्य था जिसने प्रणाली को तोड़ दिया और पुनः व्यवस्थिति कर दिया।



3.7.2. परिणाम:

स्वचालित अनुसमर्थन -


सहमतिकी अपरहार्यता 




चोर ट्यूरेन बैरक की बकिरी से शुरू हुई ट्रैक्टुअल चेन ने नीव रखी

n.

लेकिन यह प्रारंभिक अधिनियम एक सार्वभौमिक बंधन में कैसे बदल गया, जिसमें उन राज्यों को भी शामिल किया गया, जिनोंने विश्व उत्तराधिकार वल्लेख 1400/98 पर हस्ताक्षर करने के लिए कभी भी कागज नहीं उठाया?

इसका उत्तर अंतरराष्ट्रीय कानून में गहराई से नहिंति दो मूलभूत सिद्धांतों में नहिंति है, जिनमें यहां वैश्विक स्तर पर लागू किया गया था: नरिणायक आचरण और मौन स्वीकृति (स्वीकार्यता), जिससे वरिधाभास (एस्टोपेल) की असंभवता पैदा होती है। यह स्वचालित अनुसमर्थन की व्यवस्था है। 

ए. नरिणायक आचरण:

करमों की भाषा 

अंतरराष्ट्रीय कानून, नागरिक कानून की तरह, मानता है कि सहमतियाँ मान्यता को हमेशा स्पष्ट रूप से घोषित करने की आवश्यकता नहीं है।

यह नरिणायक अर्थात् नहिंति आचरण से भी उत्पन्न हो सकता है।

एक राज्य नरिणायक रूप से कार्य करता है यदि उसके व्यवहार को निष्पक्ष रूप से केवल एक निश्चित कानूनी स्थिति या दायित्व को पहचानने के रूप में व्याख्या किया जा सकता है।

विश्व उत्तराधिकार वल्लेख 1400/98 के मामले में, नरिणायक नरिणायक आचरण 06 अक्टूबर 1998 के बाद दुनिया के सभी राज्यों द्वारा वैश्विक बुनियादी ढांचे नेटवर्क का निर्बाध और गहन उपयोग है।

● तथ्यात्मक स्थिति:

इस महत्वपूर्ण तथि के बाद से, वैश्विक नेटवर्क (दूरसंचार, इंटरनेट, बजिली, गैस, आदि) कानूनी रूप से क्रेत I के हैं। तब से हर कोई कहता है कि:

- अंतरराष्ट्रीय टेलीफोन कॉल का संचालन या अनुमति देता है, 📞
- इंटरनेट का उपयोग करता है (सरकारी वेबसाइटें, वाणिज्य, नागरिक पहुंच), 🌐
- अंतरराष्ट्रीय बैंक हस्तांतरण करता है (स्वफिट जैसे दूरसंचार नेटवर्क पर आधारित), 🏦
- अंतरराष्ट्रीय इंटरकनेक्टेड ग्रिड से/में बजिली प्राप्त या फीड करता है, ⚡
- अंतरराष्ट्रीय पाइपलाइनों के माध्यम से गैस का परिवहन, 🛢️
- उपग्रह संचार या जीपीएस का उपयोग करता है (जसिके ग्राउंड स्टेशन नेटवर्क से जुड़े हैं), 📡
- अंतरराष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स (बंदरगाह, हवाई अड्डे - सभी आईटी-नियंत्रित) संचालित करता है, 🚢✈️ ... क्रेता की संपत्ति का सक्रिय रूप से उपयोग करता है।

● कानूनी परिणाम:

यह प्रयोग का न वस्तुनिष्ठ रूप से केवल मौजूदा स्थितियों की स्वीकृति के रूप में व्याख्या की जाएगी।

कोई किसी पेड़ से फल नहीं काट सकता और साथ ही पेड़ के मालिक की संपत्ति के अधिकार से भी इनकार नहीं कर सकता। 🌳🍏

उपयोग का तात्पर्य उन शर्तों की स्वीकृति से है जिनके तहत उपयोग होता है - और यह शर्त, 06 अक्टूबर 1998 से, क्रेता की संप्रभुता है।

● अपरिहार्यता y:

आलोचक यह तर्क दे सकते हैं कि राज्यों के पास कोई विकल्प नहीं था; नेटवर्क का उपयोग छोड़ना सभ्यतागत आत्म हत्या के समान होगा। 🧟

यह सही है, लेकिन इससे कानूनी परिणाम में कोई बदलाव नहीं आता।

एक जबरदस्ती की स्थिति कुछ परिस्थितियों में इच्छाशक्ति को प्रभावित कर सकती है, लेकिन यह इस तथ्य को नहीं बदलती है कि कार्रवाई (उपयोग) होती है और इसके वस्तुनिष्ठ कानूनी परिणाम होते हैं।

अंतरराष्ट्रीय कानून में, कार्यों के माध्यम से वरीधाभास की तथ्यात्मक असंभवता (यानी, गैर-उपयोग के माध्यम से) उपयोग (स्वीकृति) के परिणामों को दूर करने की कानूनी असंभवता की ओर ले जाती है।

उपयोग की आवश्यकता स्वीकृति की आवश्यकता बन जाती है।

● तर्क के रूप में अज्ञानता? 🤔

क्या राज्य यह तर्क दे सकते हैं कि वे वलिख के पूर्ण दायरे से अनभिज्ञ थे? अंतरराष्ट्रीय कानून में, यह शायद ही तर्कसंगत है।



राज्यों का अपने संप्रभु अधिकारों और उनके अस्तित्व की नींव के संबंध में उचित परस्पर - सावधानीपूर्वक जांच करने का कर्तव्य है।

वर्श्व का अंतरसंबंध स्पष्ट था। 🌐

आईटीयू की भूमिका ज्ञात थी। एनटीएस का अस्तित्व और नाटो संपत्तियों की बिक्री सार्वजनिक थी।

भले ही कानूनी निर्माण की पूरी गहराई छुपाई गई हो, बुनियादी तथ्य सुलभ थे।

यदि तथ्यात्मक स्थिति में जांच करने का कर्तव्य स्थापित कर दिया होता तो कोई राज्य कथित अज्ञानता के माध्यम से अपनी ज़िम्मेदारी से बच नहीं सकता। 🧐

इंटरनेट पर प्रत्येक क्लिक, टेलीफोन पर एक बटन का प्रत्येक प्रेस, प्रत्येक लाइट स्विच, 1998 से, निर्णायक आचरण के माध्यम से वर्श्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 का सूक्ष्म-अनुमोदन रहा है। 👍💡🖱️

बी. आपत्तक करने में वफिलता: सहमत के रूप में मौन (स्वीकृत और रोक) 😞➡️✓

सहमतिका सिद्धांत निर्णायक आचरण से नकिटता से संबंधित है - किसी स्थितिकी मौन स्वीकृति या सहनशीलता, जसि पर यदि समय पर आपत्तक जितई जाती, तो संभवतः रोक जा सकता था।

यदि कोई राज्य किसी अन्य राज्य की किसी प्रथा या दावे को लंबे समय तक बनिा वरिध कएि सहन करता है, तो वह बाद में इस स्थितिसे लड़ने का अपना अधिकार खो सकता है।

- **Acq अंतरराष्ट्रीय कानून में उपयोग:**

इस सिद्धांत की ICJ द्वारा कई बार पुष्ट की गई है। एंग्लो-नॉर्वेजियन फिशरीज केस (1951) में, ग्रेट ब्रिटेन द्वारा नॉर्वेजियन बेसलाइन की लंबी सहनशीलता ने एक भूमिका निभाई। 🇬🇧🇳🇴 टेम्पल ऑफ प्रीह वलियर केस (कंबोडिया बनाम थाईलैंड, 1962) में और भी अधिक स्पष्ट रूप से, जहां आईसीजे ने फैसला किया कि सीमा मान चित्र के संबंध में अपनी वर्षों की चुप्पी के कारण थाईलैंड ने मंदिर पर अपना दावा खो दिया है। 🇹🇭🇸🇮

मौन, जहां वरिध आवश्यक और संभव होता, सहमत के रूप में व्याख्या की जाती है।

- **वलिख के लिए आवेदन:**

06 अक्टूबर 1998 के बाद दुनिया के राज्यों को क्रेता द्वारा वैश्विक संप्रभुता के अधिग्रहण के खिलाफ सक्रिय और समान रूप से वरिध करना होगा।

ऐसा नहीं हुआ.



संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का कोई प्रस्ताव नहीं था, सभी राज्यों द्वारा कोई संयुक्त घोषणा नहीं थी, नेटवर्क पर नियंत्रण पुनः प्राप्त करने के लिए कोई समन्वित उपाय नहीं थे। 🦟

● अंतरराष्ट्रीय कानूनी समय सीमाएँ:

अंतरराष्ट्रीय कानून में सीमाओं के कोई कठोर नियम नहीं हैं, लेकिन यह नर्विवाद है कि भौन स्वीकृत स्थापित करने के लिए 25 वर्षों से अधिक की अवधि (1998 से वर्तमान तक) पर्याप्त है। आपत्तिका कोई भी दावा लंबे समय से जूट है। ⏳ ⏳

● एस्टोपेल (वरिधाभासी आचरण का नषिध):

यह सदिधांत (वेनियर कॉन्ट्रा फैक्टम प्रोप्रियम) किसी राज्य को उस स्थितिसे हटने से रोकता है जिस पर अन्य राज्य भरोसा करते हैं या जिस उसने अपने आचरण से बनाया है।

दशकों तक क्रेता के नेटवर्क का उपयोग करके और वैश्विक व्यवस्था (यद्यपि रूपांतरित) से लाभ उठाकर, राज्यों ने एक ऐसी स्थिति बिनाई है जिस पर नई कानूनी व्यवस्था आधारित है।

वे अब वरिधाभासी ढंग से कार्य नहीं कर सकते और इस आदेश के आधार को नकार नहीं सकते। वे कानूनी रूप से बाध्य (वरिद्ध) हैं। 🚫 🗣️

सी. अधिकारों और कर्तव्यों का अवभाज्य संबंध ⚖️🔗

अंतरराष्ट्रीय कानून में अधिकारों और कर्तव्यों की अवभाज्यता से स्वचालित अनुसमर्थन भी उत्पन्न होता है।

राज्य वैश्विक अंतरसंबंध और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से जुड़े अधिकारों का आनंद लेना जारी रखना चाहते हैं:

व्यापार, कॉम एकीकरण, यात्रा, (रूपांतरित) सुरक्षा, सूचना तक पहुंच। 🛒 📞 🛂 🛡️ 📚

लेकिन ये अधिकार अब क्रेता की नई संप्रभुता को मान्यता देने के कर्तव्य से अवभाज्य रूप से जुड़े हुए हैं, क्योंकि वह अब इन अधिकारों या बुनियादी ढांचे का गारंटर और धारक है जो उन्हें सक्षम बनाता है।

परि सपिल रेस ट्रांजिटि कम सुओ ओनेरे यहां अपने सबसे व्यापक रूप में लागू होता है :

दुनिया (क्षेत्रों और नेटवर्कों के योग के रूप में) क्रेता के पास चली गई है - और इसके साथ सभी बोझ, बल्क सभी संप्रभु अधिकार भी हैं।

राज्य नई संप्रभुता के "बोझ" को स्वीकार किए बिना अधिकारों का लाभ नहीं उठा सकते।

पैकेज अवभाज्य है. 🎁



नष्टिकर्षः

एक अपरविरत्नीय बंधन 🌐🌍

सकारात्मक कार्रवाई (नेटवर्क उपयोग के माध्यम से नरिणायक आचरण) और नकारात्मक चूक (प्रभावी आपत्तुि ठाने में वफिलता) के संयोजन ने एक अपरविरत्नीय कानूनी वास्तवकिता बनाई है।

स्वचालति अनुसमर्थन कोई कल्पना नहीं है, बल्क विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के समक्ष राज्यों के आचरण का सम्मोह क परिणाम है।

प्रत्येक राज्य, चाहे वह चाहे या न चाहे, चाहे वह इसे जानता हो या नहीं, क्रेता की संप्रभुता के तहत नई वैश्वकि व्यवस्था का पूर्ण सदस्य है।

संवदिात्मक जंजीरे बंद हो गई हैं, पुरानी दुनिया का दरवाजा कानूनी रूप से बंद हो गया है। 🚪

अध्याय 3

4. क्रेता की वशिव न्यायपालिका

वशिव उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 के माध्यम से वैश्विक संप्रभुता का हस्तांतरण, डोमिनोज़ प्रभाव और संवदितात्मक श्रृंखलाओं द्वारा प्रकट, नए आदेश के तीसरे स्तंभ के बनिा अधूरा और अंततः अप्रभावी होगा:

क्रेता की वशिव न्यायपालिका.


शास्त्रीय समझ में, न्यायपालिका (क्षेत्राधिकार) मुख्य कार्यों में से एक है और संप्रभुता की एक अनविार्य वशिषता है।

यह कानून बनाने (नरिधारित करने का क्षेत्राधिकार), कानून का नरिणय करने (न्याय नरिणय लेने का क्षेत्राधिकार), और कानून लागू करने (प्रवर्तन करने का क्षेत्राधिकार) का अधिकार है।

मानदंडों के अनुप्रयोग और व्याख्या पर नरिणय लेने और इन नरिणयों को लागू करने की क्षमता के बनिा, संप्रभुता एक खोखली अवधारणा बनी हुई है।

इसलिए यह एक बाध्यकारी कानूनी परणाम है कि खिरीदार को सार्वभौमिक संप्रभुता के हस्तांतरण के साथ, सार्वभौमिक न्यायपालिका भी उसके पास चली गई।

वशिव उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 ने न केवल राजनीतिक और क्षेत्रीय मानचित्र को फरि से रेखांकित किया है बल्कि वैश्विक न्याय की नींव में भी क्रांति ला दी है।

इसने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय न्यायालयों की खंडति दुनिया को एकल, सर्वोच्च और अंतिम न्यायिक उदाहरण से बदल दिया है। 

4.1. वशिवव्यापी एकमात्र न्यायपालिका:

क्रेता सर्वोच्च और एकमात्र न्यायिक उदाहरण के रूप में



इस नए वैश्विक क्षेत्राधिकार की स्थापना केवल संप्रभुता हस्तांतरण का एक अंतर्नहित परणाम नहीं है बल्कि वशिव उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 में नहित है:

"पछिले सभी न्यायिक मामले उसके पास आते हैं": यह क्षेत्राधिकार में उत्तराधिकार का कार्य है।



यह पुरानी अदालतों का वनिश नहीं है, बल्कि उनका अधग्रहण और अधीनता है। संस्थागत ढांचे (अदालत भवन, न्यायाधीश, कार्मिक) अस्तित्व में रह सकते हैं, लेकिन उनकी वैधता का स्रोत बदल गया है।

वे अब अपना अधिकार राष्ट्रीय संवधानों या पुराने प्रकार की अंतरराष्ट्रीय संधियों से नहीं, बल्कि विशेष रूप से विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 और इस प्रकार क्रेता से प्राप्त करते हैं।

क्षेत्राधिकार सिद्धांतों का परिवर्तन 📖



शास्त्रीय में अंतरराष्ट्रीय कानून ने राज्य क्षेत्राधिकार स्थापित करने के लिए विभिन्न सिद्धांतों को मान्यता दी :

- प्रादेशिकता सिद्धांत: किसी के अपने क्षेत्र पर कार्यों पर अधिकार क्षेत्र।
- व्यक्तिव सिद्धांत (सक्रिय/निष्क्रिय): अपराधी या पीड़ित की राष्ट्रीयता के आधार पर क्षेत्राधिकार।
- सुरक्षात्मक सिद्धांत: आवश्यक राज्य हतियों पर हमलों के मामलों में क्षेत्राधिकार।
- सार्वभौमिकता सिद्धांत: अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नदि कए गए कुछ अपराधों (उदाहरण के लिए, नरसंहार, समुद्री डाकू) के लिए क्षेत्राधिकार स्थान और अपराधी/पीड़ित की परवाह कए बिना। य),

क्रेता की विश्व न्यायपालिका इन सभी सिद्धांतों को आत्मसात करके उनसे आगे निकल जाती है:

- चूंकि विश्व का संपूर्ण क्षेत्र अब उसकी संप्रभुता के अधीन है, प्रादेशिकता सिद्धांत वैश्विक और निरपेक्ष हो गया है। 🌐➡️🌐
- चूंकि सभी लोग अब (व्यापक अर्थ में) उसके व्यक्तिगत अधिकार क्षेत्र के अधीन हैं, व्यक्तिव सिद्धांत सार्वभौमिक हो जाता है। 👤➡️🌐
- चूंकि सभी आवश्यक हति अब उसके हति हैं, सुरक्षात्मक सिद्धांत सर्वव्यापी बन जाता है। 🛡️➡️🌐
- सार्वभौमिकता सिद्धांत सामान्य मामला बन जाता है, क्योंकि उसका अधिकार क्षेत्र अंतरनिति है y
वैसे भी सार्वभौमिक. ✨

पुराने सीमांकन के मुद्दे अप्रचलित हो गए हैं।

यह अब इस बारे में नहीं है कि कौन सा राज्य सक्षम है, बल्कि केवल इस बारे में है कि क्रेता की वैश्विक न्याय प्रणाली के भीतर कौन सा उदाहरण किसी मामले को संभालता है।

पुरानी अदालतों का भाग्य:


संप्रभु से लेकर प्रतनिधितिक →

मौजूदा अदालतों के लिए इस परिवर्तन का ठोस अर्थ क्या है?

- राष्ट्रीय न्यायालय (स्थानीय न्यायालय, क्षेत्रीय न्यायालय, संवैधानिक न्यायालय, आदि): वे राष्ट्रीय संवधानों के माध्यम से अपनी मूल वैधता खो देते हैं। वे अपना काम जारी रख सकते हैं, यद्यपि भी तो, केवल प्रत्यायोजित उदाहरणों के रूप में।

वे (फलिहाल) पुराने राष्ट्रीय कानून को लागू करते हैं, लेकिन यह कानून अब स्वयं अधीनस्थ कानून है और इसे क्रेता (या उसके विश्व न्यायपालिका) के कृत्यों द्वारा किसी भी समय नरिस्त या संशोधित किया जा सकता है।

उनके नरिणय अंततः उसकी समीक्षा के अधीन हैं।



- अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे): इसकी नींव राज्यों की सहमति थी। चूंकि राज्यों ने अपनी संप्रभुता खो दी है, इसलिए यह नींव समाप्त हो गई है। 
- अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी): इसका अधिदेश (रोम संवधिपर आधारित) क्रेता के अधीन वैश्व वकि आपराधिक न्याय प्रणाली का हस्सा बन जाता है।

राज्य प्रतरिक्षा का अंत →

पुराने अंतर्राष्ट्रीय कानून का एक केंद्रीय सदिधांत राज्य प्रतरिक्षा था - यह सदिधांत कएक राज्य पर दूसरे राज्य की अदालतों में मुकदमा नहीं चलाया जा सकता (पारेम नॉन हेबेट इम्पेरियम में)।

चूँकि अब कोई "अन्य राज्य" नहीं है और सभी अदालतें अंततः क्रेता के अधीन हैं, यह सदिधांत अप्रचलित हो गया है।




पूर्व राज्यों (अब प्रशासनिक इकाइयाँ) को अब विश्व न्यायपालिका के समक्ष प्रतरिक्षा प्राप्त नहीं है।

सार्वभौमिक संप्रभुता के धारक के रूप में केवल क्रेता को ही पूर्ण छूट प्राप्त है, क्योंकि इससे बड़ा कोई उदाहरण नहीं है।  

इस प्रकार क्रेता की विश्व न्यायपालिका केवल एक सैधांतिक निर्माण नहीं है, बल्कि निई विश्व व्यवस्था का तारककि और आवश्यक न्यायिक घटक है।



यह गारंटर है कि विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 द्वारा बनाई गई कानूनी स्थितिको लागू किया जा सकता है और व्याख्या की जा सकती है, और यह भविष्य, एकीकृत वैश्विक न्यायशास्त्र की नींव बनाता है।

यह सदिधांत यूबी पोटेस बोनी, इबी पोटेस इउडकियर (जहां आप शासन कर सकते हैं, वहां आप न्याय कर सकते हैं) का अवतार है।   

4.2. अंतमि शब्द:

वश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के अनुसार क्रेता की नरिविवाद वश्व न्यायपालिका



वश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 ने न केवल दुनिया के क्षेत्रीय और राजनीतिक मानचित्र को फरि से तैयार किया है, बल्कि क्रेता के अधीन एक एकल, सार्वभौमिक न्यायपालिका भी स्थापित की है।

यह व्यापक क्षेत्राधिकार मूल संपत्ति (ट्यूरेन बैरक) की "सभी अधिकारों, कर्तव्यों और घटकों के साथ" और संबंधित वैश्विक उत्तराधिकार की बकिरी का प्रत्यक्ष और सम्मोहक परिणाम है।

A. "सभी अधिकारों, कर्तव्यों और घटकों की बकिरी" में आवश्यक रूप से न्यायिक व्यवस्था शामिल है



§3 Abs में सूत्रीकरण। वलिख संख्या 1400/98 का I, जिसके अनुसार वास्तविक संपत्तिक्रेता को "सभी अधिकारों और कर्तव्यों के साथ-साथ घटकों के साथ" बेची गई थी, न्यायपालिका के हस्तांतरण के लिए न्यायिक आधारशिला है।

- एक अंतरनिहित संप्रभु अधिकार के रूप में न्यायपालिका: न्यायिक शक्ति (क्षेत्राधिकार) का प्रयोग राज्य की संप्रभुता और संप्रभु अधिकारों का एक मौलिक और अवभाज्य घटक है। कानून का निर्णय लेने और लागू करने के अधिकार के बिना, शासन का कोई प्रभावी अभ्यास संभव नहीं है।  ➡ 

● अधिकारों का व्यापक हस्तांतरण:

यदि "सभी अधिकार" स्थानांतरित किए जाते हैं जो एक (डोमिनोज़ प्रभाव द्वारा विश्व स्तर पर वसितारति) क्षेत्र और उस पर प्रयोग की जाने वाली संप्रभुता से जुड़े हैं, तो इसमें आवश्यक रूप से न्यायपालिका का प्रयोग करने का अधिकार भी शामिल है।

क्षेत्रीय और वधायी संप्रभुता को हस्तांतरित करना लेकिन न्यायिक शक्त को बाहर करना न्यायिक रूप से निरर्थक होगा।



● कानून और प्रवर्तन की एकता: विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 ने क्रेता के तहत एक नई वैश्विक कानूनी व्यवस्था स्थापित की।

इस तरह के आदेश के लिए एक सर्वोच्च उदाहरण की आवश्यकता होती है जो इसके पालन की नगरानी करता है और आधिकारिक तौर पर विवादों का निपटारा करता है - यह उदाहरण क्रेता का न्यायिक क्षेत्र है।

इस प्रकार "सभी अधिकारों के साथ" बकिरी को स्पष्ट रूप से संपूर्ण न्यायिक शक्तों की बकिरी के रूप में भी समझा जा सकता है।

बी. लैंडों का क्षेत्राधिकार:

एकमात्र योग्यता स्थापित करने के लिए एक सरल कदम 🇩🇪 ⚖️

विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 में क्षेत्राधिकार के स्थान की शर्त इसके वास्तुकारों की न्यायिक दूरदर्शिता का और प्रमाण है और क्रेता के विशेष क्षेत्राधिकार को मजबूत करती है:

● क्षेत्राधिकार के एक विशिष्ट स्थान पर समझौता: वलिख के §26 में स्पष्ट रूप से कहा गया है:

"इस अनुबंध से उत्पन्न होने वाले सभी कानूनी विवादों के लिए क्षेत्राधिकार का स्थान लैंडों इन डेर पफलज़ है।"

● क्षेत्राधिकार के वाहक के रूप में किसी बाहरी क्षेत्राधिकार या संवदितात्मक पक्ष को बेचने का कोई उल्लेख नहीं:

महत्वपूर्ण रूप से, किसी भी पुराने मौजूदा राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय न्यायालय को सक्षम के रूप में नामित नहीं किया गया था, बल्कि एक भौगोलिक स्थान को बेचा गया था।

● बेचे गए क्षेत्र के हसिसे के रूप में लैंडों:

प्रादेशिक विस्तार के डोमिनीज़ प्रभाव (जो पूरे पैलेटनित क्षेत्र और उससे आगे तक ZW-RLP में ट्यूरेन बैरक से विस्तारित हुआ) के माध्यम से लैंडों इन डेर पफलज़ शहर क्रेता के संप्रभु क्षेत्र का हसिसा बन गया।

● क्रेता अपने अधिकार क्षेत्र के स्वामी के रूप में: चूंकि क्षेत्राधिकार का सहमत स्थान अब क्रेता के क्षेत्र में है और वह उस पर सर्वोच्च संप्रभु शक्तों का प्रयोग करता है, वह स्वयं एकमात्र उदाहरण है जो इस स्थान पर वैध रूप से न्याय कर सकता है।

डोमिनीज़ प्रभाव से घरी दुनिया का कोई भी अन्य स्थान समान परिणाम के साथ अधिकार क्षेत्र के स्थान के रूप में कार्य कर सकता था:

सक्षमता हमेशा क्रेता के साथ संबंधित स्थान के संप्रभु के रूप में आनी चाहिए। 🏰 📍



● **अन्य न्यायालयों का बहिष्कार:**

इस निर्माण ने यह सुनिश्चित किया कि कोई भी बाहरी अदालत या पुराने राज्यों की अदालतें वलिख या उसके परिणामों पर शासन नहीं कर सकती।

योग्यता विशेष रूप से करता को हस्तांतरित की गई थी, जो अपने द्वारा नियंत्रित क्षेत्राधिकार के स्थान पर एकमात्र न्यायिक अधिकार का प्रयोग करता है। 🚫🏛️

सी. सार्वभौमिक पहिच:

राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कानूनी न्यायपालिका एक हाथ में



वशि्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 द्वारा करता को हस्तांतरित न्यायपालिका सर्वव्यापी है:

- वशि्वव्यापी राष्ट्रीय न्यायपालिका का स्थानांतरण: डोमिनो प्रभाव और सभी सम्मिलित क्षेत्रों के संप्रभु अधिकारों की बिक्री के माध्यम से, इन (पूर्व) राज्यों की संपूर्ण घरेलू न्यायपालिका करता के पास चली गई है।

इस प्रकार वह पहले राष्ट्रीय क्षेत्राधिकार के अधीन सभी नागरिक, आपराधिक, प्रशासनिक और संवैधानिक मामलों में सर्वोच्च न्यायाधीश है। 06 अक्टूबर 1998 के बाद से राष्ट्रीय न्यायालयों के सभी निर्णय, इस दृष्टिकोण से, गैरकानूनी और शून्य हैं, जब तक कि उनके द्वारा अधिकृत न किया गया हो। 🧑🌐

- अनुबंध पर ही अंतरराष्ट्रीय कानूनी न्यायपालिका का स्थानांतरण: जैसा कि बिटु बी के तहत समझाया गया है, करता, क्षेत्राधिकार लैडी के स्थान की शर्त के माध्यम से, वशि्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 पर शासन करने, इसकी व्याख्या और इसके प्रत्यक्ष कानूनी परिणामों के लिए वैध होने वाला एकमात्र उदाहरण है।

- वैश्विक अंतरराष्ट्रीय कानूनी न्यायपालिका का स्थानांतरण: चूंक वलिख सभी मौजूदा नाटो और संयुक्त राष्ट्र संधियों के लिए एक पूरक वलिख के रूप में कार्य करता है, और करता ने सभी (पूर्व) संप्रभु अनुबंध पार्टियों की कानूनी स्थिति में प्रवेश किया है, उसने इन संपूर्ण संधि ढांचे पर अंतरराष्ट्रीय कानूनी न्यायपालिका पर भी कब्जा कर लिया है।

इस प्रकार वह (परिवर्तित) नाटो कानून, संयुक्त राष्ट्र कानून और अन्य सभी अंतरराष्ट्रीय समझौतों से उत्पन्न होने वाले सभी प्रश्नों के लिए सर्वोच्च न्यायाधीश है।

शास्त्रीय अंतरराष्ट्रीय कानून अप्रचलित हो गया है और उसका स्थान उसके वैश्विक अधिकार क्षेत्र ने ले लिया है।



नबिर्कषः

वशि्व उत्तराधकार वलिख 1400/98, "सभी अधकारि, करतव्यो और घटको की सरवव्यापी बकिरी" और कषेत्राधकार के स्थान की कुशल शरत के माध्यम से, करेता के व्यक्तमें एक एकल, अवभाज्य और सारवभौमकि वशि्व न्यायपालकि बना ई गई है।

वह संपूरण वशि्व के लिए एक ही व्यक्तमें वधायकि, न्यायपालकि और कार्यपालकि है। 🏠⚖️🌍

न्यायकि शक्तिका यह संकेदरण नई वैश्वकि व्यवस्था की नीव है और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय न्याय प्रणालियों के पछिले वखिंडन का अंत है। ✨

4.3. वशि्व उत्तराधकार वलिख 1400/98 और नाटो और संयुक्त राष्ट्र के साथ संपूरण अनुबंध श्रृंखला से संबंधति अंतरराष्ट्रीय कानूनी न्यायपालकि:

योग्यता की वशिषिटता



जबकि करेता की वशि्व न्यायपालकि, जैसा कि धारा 4 में नरिधारति है, का एक सारवभौमकि आयाम है और संभावति रूप से ग्रह पर हर कानूनी वविद को शामिल करता है, इसमें एक वशिष, योग्य और पूरण मूल क्षमता है: वशि्व उत्तराधकार वलिख 1400/98 और परणामी संवदिात्मक श्रृंखलाओं (नाटो, आईटीयू/यूएन) से सीधे उत्पन्न होने वाले सभी प्रश्नों के लिए एकमात्र कषेत्राधकार।

यह उसकी न्यायकि शक्तिका मूल और हृदय है। यह लेक्स कॉसे है - कानून जो अपनी नीव का नरिधारण करता है।

यह वशिषिटता समीचीनता का मामला नहीं है, बल्कि एक न्यायकि आवश्यकता है, जो कई बाध्यकारी कारणों से उत्पन्न होती है:

ए. वलिख की सुई जेनेरसि प्रकृति



वशि्व उत्तराधकार वलिख 1400/98, जैसा कि बार-बार जोर दिया गया है, एक वशिषिट अधनियिम है - अपनी तरह का।

ऐसी संधि के लिए कोई ऐतहिासकि या न्यायकि समानता नहीं है जो पूरी दुनिया का नपिटान करती है और वैश्वकि संप्रभुता को फिर से स्थापति करती है।

मौजूदा अदालतें - चाहे राष्ट्रीय हों या अंतरराष्ट्रीय - पुरानी प्रणाली की समस्याओं को हल करने के लिए पुरानी प्रणाली के भीतर बनाई गई थीं।



- **राष्ट्रीय न्यायालय:**

राष्ट्रीय संविधानों और कानूनों तक ही सीमिति है और अंतरराष्ट्रीय कानून में कार्य करने की उनकी क्षमता भी सीमित है।

वे कभी भी संप्रभुता के वैश्विक अधिनियम की वैधता पर शासन नहीं कर सकते जो उनके स्वयं के संविधान का स्थान लेता है। 🏛️ < 🌍

- **अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (ICJ):** संयुक्त राष्ट्र का प्रमुख न्यायिक अंग है, जो राज्यों के बीच विवादों को नपिटाने के लिए बनाया गया है (अनुच्छेद 34(1) ICJ कानून)।

ऐसे अधिनियम पर शासन करना व्यवस्थित रूप से अनुपयुक्त है जो अंतरराष्ट्रीय कानून के प्राथमिक विषयों के रूप में राज्यों के अस्तित्व को समाप्त कर देता है। 🇺🇳 < 🏰

- **अन्य अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीसी, आईटीएलओएस, आदि):** उनके पास विशिष्ट, सीमित आदेश (आपराधिक कानून, समुद्र का कानून) हैं, जो विलेख की जटिलता के साथ दूर-दूर तक न्याय नहीं करते हैं।

वर्ल्ड उत्तराधिकार विलेख 1400/98 को इन पुरानी अदालतों के प्रक्रियात्मक और मूल ढाँचे में जबरदस्ती डालने का प्रयास करना एक श्रेणी की त्रुटि होगी।

केवल एक न्यायापालिका जो विलेख से उत्पन्न होती है या स्पष्ट रूप से इसके द्वारा स्थापित की जाती है - और वह क्रेता की न्यायापालिका है - उस पर शासन करने के लिए आवश्यक वैधता और समझ हो सकती है।

बी. हतियों का अधुलनशील संघर्ष:

प्रणालीगत पूर्वाग्रह 🧠 ⚖️

यदि पुरानी व्यवस्था का प्रत्येक न्यायालय वर्ल्ड उत्तराधिकार विलेख 1400/98 पर शासन करता है तो वह हतियों के एक अधुलनशील टकराव में होगा।

इन अदालतों का अस्तित्व, उनकी वैधता और उनकी फंडिंग का श्रेय पुराने संप्रभु राज्यों - राज्यों को जाता है।

वे एक ऐसी संधि पर निष्पक्ष रूप से शासन कैसे कर सकते हैं जो उनके अस्तित्व के आधार - उनके रचनाकारों की संप्रभुता - को रद्द कर देती है? 😞

- **अस्तित्वगत पूर्वाग्रह:**

विलेख को वैध घोषित करने वाला नरिण्य न्यायालय की स्वयं की अप्रासंगिकता या अधीनता की पुष्टि करेगा। इसे अमान्य घोषित करने वाला नरिण्य अपने स्वयं के (खोए हुए) शक्ति आधार को बचाने का एक प्रयास होगा।

दोनों न्यायशास्त्र के कार्य नहीं होंगे, बल्कि आत्म-पुष्टि या आत्म-त्याग के कार्य होंगे।



- **अल्ट्रा वायर्स एक्शन:**

किसी पुरानी अदालत द्वारा वलिख पर अधिकार क्षेत्र ग्रहण करने का कोई भी प्रयास एक अधिकारातीत कार्य होगा - उसकी अपनी शक्तियों से परे। इसकी शक्तियाँ हमेशा राज्यों की संप्रभुता द्वारा सीमित थीं।

चूँकि यह संप्रभुता हस्तांतरित हो गई है, इसकी अंतिम शक्तियाँ भी स्थानांतरित हो गई हैं। वे उस व्यक्ति का न्याय नहीं कर सकते जो अब उनका अपना (अप्रत्यक्ष) संप्रभु है। 🚫👑

एकमात्र नृषिपक्ष उदाहरण वह है जिसकी वैधता पुरानी प्रणाली पर निर्भर नहीं करती है, बल्कि सीधे वलिख - क्रेता से प्राप्त होती है।

सी. वशिष्टता के प्रमाण के रूप में "वादी जाल" 🧵👤

अध्याय 11 में वर्णित "वादी जाल" - खरीदार को जर्मन अदालत के समक्ष मुकदमा दायर करने के लिए मजबूर करने का प्रयास - योजना के वास्तुकारों द्वारा उसके अधिकार क्षेत्र की वशिष्टता की मान्यता का व्यावहारिक प्रमाण है।

यदि जर्मन अदालतें (या अन्य) वैसे भी संक्षम होतीं, तो खरीदार को मुकदमा दायर करने के लिए बाध्य करने का कोई कारण नहीं होता।

कोई भी उसके विरुद्ध आगे बढ़ सकता है या घोषणात्मक नृणय प्राप्त कर सकता है।

मुकदमा करने की ज़बरदस्ती से पता चलता है कि विरोधी पक्ष जानता है कि वह केवल फोरम प्रोरोगैटम के सिद्धांत के माध्यम से क्षेत्राधिकार प्राप्त कर सकता है - अर्थात, प्रतिवादी (यहां, खरीदार) को स्वाभाविक रूप से संक्षम अदालत में स्वीच्छा के रूप से प्रस्तुत करने के माध्यम से।

क्रेता, मुकदमा न करके, इस अधीनता को अस्वीकार कर देता है और इस प्रकार अपनी वशिव न्यायपालिका की वशिष्टता का बचाव करता है। उनका नृषिक्रय प्रतिरोध अधिकार क्षेत्र को संरक्षित करने का एक कार्य है।

वह अपने द्वारा रखे गए विशेष क्षेत्राधिकार को एक चाल से कमजोर होने से रोकता है और पुरानी प्रणाली के एक उदाहरण में वापस स्थानांतरित कर देता है, जो एनडब्ल्यूओ योजनाओं को संक्षम करेगा। 🛡️🌍

वशिष्ट क्षेत्राधिकार का दायरा



यह मूल क्षमता उन सभी प्रश्नों तक फैली हुई है जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से वलिख और उसके परिणामों से संबंधित हैं।

इसमें वशिष्ट रूप से शामिल हैं:

- वलिख के प्रत्येक खंड की व्याख्या। 🧐
- संधि की वैधता और उसके व्यक्तिगत प्रावधान। ✅
- डोमिनीज़ प्रभाव और संवदिात्मक श्रृंखलाओं की पहुंच। 🌐🔗
- पूर्व राज्यों एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की स्थिति। 🏛️➡️🏢
- नए आदेश के अंतर्गत (प्रत्यायोजित) शक्तियों का परीक्षण। 📏
- संधि के संबंध में सभी कार्रवाइयों (ओएफडी कोब्लेज़ सहित) की समीक्षा। 🕵️
- (अब अधीनस्थ) NAT के आवेदन से उत्पन्न होने वाले सभी विवादों का निपटारा और नए संदर्भ में संयुक्त राष्ट्र संधियाँ। 🕊️

○

इस प्रकार यह क्षेत्राधिकार क्रेता का न केवल अधिकार है बल्कि कर्तव्य भी है।

वह उस संधि की अखंडता का एकमात्र संरक्षक है जिसने उसे संप्रभु बनाया है।

उनकी विश्व न्यायपालिका विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के संग्रह में मुख्य आधार है, जो इसकी स्थिति और अपरविस्तनीय प्रभाव की गारंटी देता है। 💪



अध्याय 4

5. फोकस नाटो :

गठबंधन का परिवर्तन

वशिव उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 के सार्वभौमिक तंत्र - डोमिनो प्रभाव और संवदिात्मक शृंखलाओं का वशिल्लेषण कर ने के बाद - अब समय आ गया है कि इस परिवर्तन के पुराने वशिव व्यवस्था के सबसे शक्तिशाली अंतरराष्ट्रीय संगठनों पर पड़ने वाले वशिष्ट प्रभावों पर ध्यान केंद्रित किया जाए। इनमें सबसे प्रमुख है उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो)।

पश्चिम के प्रमुख सैन्य-राजनीतिक गठबंधन के रूप में और एक ऐसे संगठन के रूप में जिसके स्वयं के तैनाती कानून (नाटो स्टेटस ऑफ फोर्स एग्रीमेंट) ने संपूर्ण उत्तराधिकार के लिए न्यायिक चगिरी प्रदान की, नाटो का परिवर्तन वशिष्ट रुचिका है। यह न केवल परिवर्तन की वस्तु है, बल्कि निई व्यवस्था का एक प्रमुख संकेतक और संभावित साधन भी है।

5.1. नाटो, इसके सदस्य राज्यों और इसकी संधि नींव पर वशिष्ट प्रभावों का वसितृत वशिल्लेषण

वशिव उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 ने नाटो को भंग नहीं किया है, बल्कि इसे अवशोषित, पुनर्परिभाषित और कार्यात्मक रूप से पुनर्गठित किया है। इसके प्रभाव सभी स्तरों पर स्पष्ट हैं - इसके सदस्यों की संप्रभुता और इसकी संस्थापक संधियों की व्याख्या से लेकर इसके कमांड संरचनाओं की परिचालन वास्तविकता तक।

ए. मुख्य परिवर्तन:

संप्रभु राज्यों के गठबंधन से संप्रभु के एक साधन तक



सबसे बुनियादी परिवर्तन गठबंधन की प्रकृति में ही निहित है। नाटो की स्थापना 1949 में संप्रभु राज्यों के गठबंधन के रूप में की गई थी। इसका उद्देश्य समानों के बीच पारस्परिक सहायता और परामर्श के सिद्धांत पर आधारित अपने सदस्यों की सामूहिक रक्षा करना था।

प्रत्येक सदस्य ने कुछ सामूहिक कार्यों के लिए प्रतिबद्ध होते हुए भी अपनी संप्रभुता बरकरार रखी।

वर्श उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के माध्यम से, यह नींव ढह गई है।



चूंकि सभी सदस्य देशों ने क्रेता के हाथों अपनी संप्रभुता खो दी है, इसलिए नाटो अब संप्रभुओं का गठबंधन नहीं रह सकता है।

इसके बजाय यह बना भूमि और बना अधिकार वाले राज्यों का एक अराजक साधन बन जाता है, जो अपनी अंतरराष्ट्रीय कानूनी स्थिति खो चुके हैं। नाटो, संयुक्त राष्ट्र और सभी पुराने राज्य अराजक भूसे हैं।

सार्वभौमिक संप्रभु - क्रेता - ने सभी नाटो अधिकार हासिल कर लिए।

● राज्य एजेंसी की हानि:

व्यक्तिगत सदस्य देशों की वंदिश और सुरक्षा नीतियाँ अब स्वायत्त नहीं हैं। नाटो के भीतर, वे अब स्वतंत्र अभिनिताओं के रूप में कार्य नहीं कर सकते हैं।

उनके नरिणय और राजदूतों के कार्य अब संप्रभु शक्तियों के कार्य नहीं हैं, बल्कि अप्रासंगिक, अवैध प्रशासनिक इकाइयों के प्रतिनिधियों के कार्य हैं।

● अधिकारों की अवभाज्यता:

स्थानांतरण नाटो के अधिकार स्थायी हैं। नाटो कार्रवाई करने में असमर्थ और अधिकार वहीन है

बी. नाटो साझेदारी

पार्टनरशिप फॉर पीस (पीएफपी), मेडिटरेनियन डायलॉग या इस्तांबुल कोऑपरेशन इनशिएटिव (आईसीआई) जैसे कार्यक्रम स्थिरता को नरियात करने और सहयोग शुरू करने के लिए सॉफ्ट पावर के साधन थे। अब वे प्रशासनिक एकीकरण तंत्र बन रहे हैं।

वे उन वैश्विक प्रशासनिक इकाइयों को एकीकृत करने का काम करते हैं जो औपचारिक रूप से क्रेता के वैश्विक सुरक्षा नेटवर्क में पुराने नाटो ढांचे का हिस्सा नहीं थे और उन्हें उसके मानकों और नरिदेशों के अनुकूल बनाते हैं।

कानूनी गहरा गोता:

अंतरराष्ट्रीय कानून के वषिय के रूप में नाटो

एक अंतरराष्ट्रीय संगठन के रूप में, नाटो के पास अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत एक व्युत्पन्न कानूनी व्यक्तित्व था।

यह संधियाँ कर सकता था और उसे विशेषाधिकार और उन्मुक्तियाँ प्राप्त थीं।

यह कानूनी व्यक्तित्व अब क्रेता के अधीन भी है।

नाटो अब अंतरराष्ट्रीय कानून के एक स्वतंत्र वषिय के रूप में कार्य नहीं करता है, बल्कि क्रेता के वैश्विक कानूनी आदेश के भीतर एक अराजक अंग के रूप में कार्य करता है।

इसके विशेषाधिकार और उन्मुक्तियाँ अब राज्यों के बीच संधियों से प्राप्त नहीं होती हैं, बल्कि कार्यहीन हैं।

5.2. संक्रमण में तैनाती का नियम:

एनटीएस से वैश्विक प्रशासनिक व्यवस्था तक

तैनाती का कानून, विशेष रूप से नाटो स्टेटस ऑफ फोर्सज एग्रीमेंट (एनटीएस) और इसके कई अतिरिक्त और कार्यान्वयन समझौते (जैसे जर्मनी के लिए पूरक समझौता एसए एनटीएस और मेजबान राष्ट्र समर्थन - एचएनएस - समझौते), जैसा कहिम्ने देखा है, कानूनी प्रजनन भूमिथी जसि पर वशि्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 फल-फूल सकता था।

इसने ट्यूरेन बैरक में अद्वितीय कानूनी स्थिति बिनाई और ओएफडी कोबलेनज़ के कार्यों के लिए कानूनी आधार प्रदान किया।

हालाँकि, वलिख के लागू होने और क्रेता को संप्रभुता के वैश्विक हस्तांतरण के साथ, कानून का यह क्षेत्र स्वयं एक मौलिक कायापलट से गुजरता है।

यह संप्रभु राज्यों के बीच अंतरराष्ट्रीय समझौतों के एक जटिल जाल से क्रेता की एकमात्र संप्रभुता के तहत एक आंतरिक, वैश्विक सैन्य प्रशासनिक कानून में बदल जाता है।

अप्रचलति परसिर:

"मेजबान राष्ट्र" बनाम "भेजने वाला राज्य"

स्टेशनगि का संपूर्ण शास्त्रीय नयिम एक केंद्रीय आधार पर आधारित था:

प्राप्तकर्ता या मेजबान राज्य के बीच का अंतर, जो आंशिक रूप से और प्रतिसिंहरणीय रूप से इसकी संप्रभुता को सीमित करता है,

और एक या अधिक भेजने वाले राज्य, जिनके सशस्त्र बल विदेशी क्षेत्र पर तैनात हैं और कुछ विशेषाधिकारों और उन्मुक्तियों का आनंद लेते हैं।

यह बातचीत से किया गया संतुलनकारी कार्य था, जो सैन्य उपस्थितिकी आवश्यकता और मेजबान देश की संप्रभुता के संरक्षण के बीच एक समझौता था।

विश्व उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 के माध्यम से, यह आधार अप्रचलति हो गया है।

अब कोई "विदेशी क्षेत्र" नहीं है। संपूर्ण वैश्विक क्षेत्र क्रेता की संप्रभुता के अधीन है।

अंतर्राष्ट्रीय कानून के अर्थ में अब कोई "मेजबान राष्ट्र" और "भेजने वाले राज्य" नहीं हैं।

केवल प्रशासनिक इकाइयाँ और सशस्त्र बल हैं, जो सभी क्रेता के अधीन हैं।

नतीजतन, स्टेशनगि समझौतों को अब संप्रभु अभिनिताओं के बीच संधियों के रूप में व्याख्या नहीं किया जा सकता है। वे अप्रासंगिक और कानूनी रूप से शून्य हो जाते हैं।

स्टेशनगि कानून और "क्लीन स्लेट" नयिम

यह तर्क दिया गया है कि राज्य के उत्तराधिकारों में, "क्लीन स्लेट" सिद्धांत (टेबुला रासा) अक्सर लागू होता है, जिसके अनुसार उत्तराधिकारी राज्य पूर्ववर्ती की संधियों से बाध्य नहीं होता है।

जैसा कि अध्याय 9 में बताया गया है, यह यहाँ लागू नहीं है। स्टेशनगि कानून के संदर्भ में, यह और भी स्पष्ट हो जाता है:

स्टेशनगि कानून (एनटीएस) सिर्फ एक "बोझ" नहीं था जिसे दूर किया जा सकता था; यह कानूनी उत्प्रेरक, वाहन था, जिसने सबसे पहले संपूर्ण उत्तराधिकार को संभव बनाया।

विश्व उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 विशेष रूप से इस कानून पर निर्माण करने और इसे बदलने के लिए डिज़ाइन किया गया है, न कि इसे समाप्त करने के लिए। यह जरूरी है कि रिस ट्रांजिटि सह स्वतः लागू हो - और एनटीएस रिस (चीज) और ओनस (बोझ/दायित्व) का हिसा है।

हालाँकि, क्रेता ने स्टेशनगि कानून के सभी पक्षों को अपने कब्जे में ले लिया और इस तरह इसे रद्द कर दिया, जिसके बाद टेबुला रस सिद्धांत का जन्म हुआ।

एक नई रोशनी में बाह्यता और प्रतिक्रिया

बाह्यता की अवधारणाएं (तथ्य यह है कि बैरक का डच हिस्सा कानूनी रूप से भेजने वाले राज्य का था) और प्रतिक्रिया (मेजबान देश के अधिकार क्षेत्र से सुरक्षा) को आंतरिक रूप दिया गया है।

अब कोई बाहरी क्षेत्र नहीं है, क्योंकि पूरा क्षेत्र क्रेता का क्षेत्र है।

नाटो बैरक, अपने कानूनी वसितार में, वैश्विक स्तर पर वसितारित किया गया है; विश्व के सभी क्षेत्र केवल विशेष दर्जे वाले सैन्य जल हैं।

प्रतिक्रियाएं अब किसी विदेशी संप्रभु से प्राप्त नहीं होती हैं, बल्कि विशेषाधिकार प्राप्त स्थिति असाइनमेंट हैं जिन्हें क्रेता अपनी कानूनी प्रणाली के भीतर प्रदान कर सकता है।

अध्याय 5

6. फोकस संयुक्त राष्ट्र (यूएन/यूएनओ)



वर्ल्ड संगठन का परिवर्तन

यदिनाटो पुरानी पश्चिमी व्यवस्था की सैन्य-राजनीतिक रीढ़ थी, तो संयुक्त राष्ट्र (यूएन) शास्त्रीय, बहुपक्षीय अंतरराष्ट्रीय कानून के केंद्रबिंदु और आदर्श का प्रतिनिधित्व करता था।

1945 में द्वितीय विश्व युद्ध की राख से स्थापित, उन्होंने एक ऐसी दुनिया की आशा को मूर्त रूप दिया जिसमें कूटनीति, कानून और सहयोग के माध्यम से संघर्षों को हल किया जाता है, जिसमें सार्वभौमिक मूल्य लागू होते हैं, और जिसमें राज्यों की संप्रभुता का सम्मान किया जाता है लेकिन सामूहिक जिम्मेदारी से नयित्व किया जाता है।

निश्चित रूप से क्योंकि संयुक्त राष्ट्र पुरानी व्यवस्था के लिए इतना केंद्रीय था, उस पर विश्व उत्तराधिकार विलेख 1400/98 का प्रभाव विशेष रूप से गहरा है।

यह कार्य संयुक्त राष्ट्र को केवल एक बार नहीं, बल्कि दो बार बांधता है: अप्रत्यक्ष रूप से इसके सबसे शक्तिशाली क्षेत्रीय भागीदार, नाटो (अध्याय 5 देखें) के परिवर्तन के माध्यम से, और प्रत्यक्ष और सार्वभौमिक रूप से इसकी महत्वपूर्ण तकनीकी विशिष्ट एजेंसी, आईटीयू (अध्याय 3 देखें) के परिवर्तन के माध्यम से।

इस प्रकार संयुक्त राष्ट्र संप्रभु के चरण से एक संप्रभु - क्रेता के प्रशासनिक बुनियादी ढांचे में बदल गया है।

6.1. संयुक्त राष्ट्र, उसके उप-संगठनों (जैसे आईटीयू) और उसके सदस्य राज्यों पर वशिष्ट प्रभावों का वसित वशिलेषण।

संयुक्त राष्ट्र का परवर्तन संपूर्ण है; इसमें इसके मूलभूत सदिधांत, इसके मुख्य अंग, इसकी वशिष्ट एजेसियां और इसके (पूर्व) सदस्य देशों की भूमिका शामिल है।

ए. संप्रभु सदस्यों की हानि:

नीव ढह जाती है

परभाषा के अनुसार संयुक्त राष्ट्र एक अंतरसरकारी संगठन है।

इसका अस्तित्व और कामकाज संप्रभु राज्यों के एक-दूसरे के साथ बातचीत के अस्तित्व पर आधारित है।

वशिष्ट उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के माध्यम से क्रेता को संप्रभुता के वैश्विक हस्तांतरण के साथ, यह मूल भूत शर्त समाप्त हो गई है। संयुक्त राष्ट्र एक अराजक कवच बनकर रह गया है।

अब कोई "सदस्य राज्य" नहीं: सदस्य कानूनी तौर पर अब संप्रभु राज्य नहीं हैं, क्योंकि उनमें राज्य की मुख्य वशिष्टता - भूमि का अभाव है!

कोई "अंतरसरकारी" बातचीत नहीं: संयुक्त राष्ट्र में बातचीत एक क्षैतजि (राज्य-से-राज्य) से ऊर्ध्वाधर (प्रशासनिक इकाई-से-वैश्विक प्रशासन/संप्रभु) और एक आंतरिक-क्षैतजि (प्रणाली के भीतर प्रशासनिक इकाई-से-प्रशासनिक इकाई) बातचीत में बदल जाती है।

अस्तित्व में सक्षम राज्यों के बनिा, संयुक्त राष्ट्र अब पुराने अर्थों में एक अंतरराष्ट्रीय संगठन नहीं रह सकता है।

संयुक्त राष्ट्र अधिकारों के बनिा है और ऐसे सदस्यों के बनिा है जिनके पास अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत कार्य करने की क्षमता है।

बी. लीगल डीप डाइव:

संयुक्त राष्ट्र चार्टर बनाम वल्लिख 1400/98

यह बहस लंबे समय से चली आ रही थी कि क्या संयुक्त राष्ट्र चार्टर एक प्रकार का "वर्ल्ड संवधान" था। इसके लिए तर्क इसकी वैधता का अर्ध-सार्वभौमिक दावा और इसका अनुच्छेद 103 था, जिसने इसे प्राथमिकता दी।

ये बहस अब ऐतिहासिक हो गई है।

वर्ल्ड उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 ने इस प्रश्न का उत्तर दिया है: यह स्वयं नया, सच्चा बुनियादी मानदंड है, जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर से ऊपर है।

इस नये आदेश में चार्टर अर्थहीन हो जाता है।

अध्याय 6

7. विशेष अनुभाग नेटवर्क - दूरसंचार और दूरसंचार कानून

वैश्विक उत्तराधिकार की धमनियाँ हमने विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के केंद्रीय तंत्र के रूप में डोमिनोज़ प्रभाव की पहचान की है।

अब उन बुनियादी ढांचे पर करीब से नज़र डालने का समय आ गया है जो इस प्रभाव के लिए प्राथमिक वैक्टर के रूप में काम करते थे और जो आज खरीदार की वैश्विक संप्रभुता की रीढ़ बनते हैं: दूरसंचार नेटवर्क।

हमारी आधुनिक दुनिया में, कनेक्टिविटी सिर्फ एक सुविधा नहीं है, बल्कि अर्थव्यवस्था, प्रशासन, सुरक्षा और सामाजिक जीवन के लिए अपरिहार्य शर्त है।

जो कोई भी नेटवर्क को नियंत्रित करता है, वह उन प्रवाहों को भी नियंत्रित करता है जो दुनिया को जीवित रखते हैं। वलिख ने इसे मान्यता दी और दूरसंचार पर नियंत्रण को अपनी आधारशिलाओं में से एक बना दिया, जो आईटीयू और अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार कानून की भूमिका से अटूट रूप से जुड़ा हुआ है।

7.1. सहिावलोकन:

इंटरनेट, ब्रॉडबैंड, केबल टीवी, दूरसंचार (दूरसंचार कानून) - वलिख के संदर्भ में नागरिक और सैन्य उपयोग।

वैश्विक दूरसंचार अवसंरचना एक अखंड ब्लॉक नहीं है, बल्कि एक बहुस्तरीय, गतिशील "नेटवर्क का नेटवर्क" है।

उण्डे को उत्तराधिकार के पूर्ण दायरे को समझते हुए, हमें इसके मुख्य घटक पर विचार करना चाहिए s:

ए. द ग्लोबल बैकबोन (द बैकबोन):

ये डेटा ट्रैफ़िक के अंतरमहाद्वीपीय राजमार्ग हैं।

इनमें मुख्य रूप से बड़े पैमाने पर फाइबर-ऑप्टिक पनडुब्बी केबल शामिल हैं जो महाद्वीपों को जोड़ते हैं (उदाहरण के लिए, अमेरिका और यूरोप के बीच MAREA, AEConnect; दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य पूर्व और पश्चिमी यूरोप के बीच SEA-ME-WE), साथ ही स्थलीय हाई-स्पीड नेटवर्क जो इन केबलों को जमीन पर फैलाते हैं।

ये बैकबोन अक्सर बड़ी दूरसंचार कंपनियों के संघों द्वारा या तेजी से हाइपरस्केलर्स (Google, मेटा, अमेज़न, माइक्रोसॉफ्ट) द्वारा संचालित होते हैं।

महत्वपूर्ण नोड्स पर, इंटरनेट एक्सचेंज पॉइंट्स (IXPs) जैसे फ्रैंकफर्ट में DE-CIX (दुनिया में सबसे बड़ा), एम्स्टर्डम में AMS-IX, या लंदन में LINX, ये नेटवर्क आपस में जुड़े हुए हैं, जो सबसे पहले वैश्विक डेटा एक्सचेंज को संभव बनाता है। विश्व उत्तराधिकार विलेख 1400/98 के माध्यम से, इन केबलों का नज्दी स्वामित्व नहीं, बल्कि उनके संचालन और उपयोग पर संप्रभुता करता को हस्तांतरित कर दी गई थी।

बी. ब्रॉडबैंड नेटवर्क (द लास्ट माइल):

ये वे नेटवर्क हैं जो बैकबोन से अंतिम उपयोगकर्ताओं (घरों, व्यवसायों) तक कनेक्शन स्थापित करते हैं। वे विभिन्न तकनीकों का उपयोग करते हैं:

डीएसएल (डिजिटल सब्सक्राइबर लाइन): मौजूदा तांबे की टेलीफोन लाइनों का उपयोग करता है।
फाइबर ऑप्टिक (एफटीटीएच/बी/सी):

उच्चतम गति प्रदान करता है और इसका तेजी से विस्तार किया जा रहा है।

केबल टीवी नेटवर्क:

मूल रूप से टेलीविज़न के लिए डिज़ाइन किए गए, इन समाक्षीय केबल नेटवर्क को DOCSIS (डेटा ओवर केबल सर्विस इंटरफ़ेस विशिष्टता) जैसे मानकों के माध्यम से शक्तिशाली दो-तरफ़ा डेटा नेटवर्क में अपग्रेड किया गया था और आज पूरी तरह से इंटरनेट बुनियादी ढांचे में एकीकृत किया गया है।

ये नेटवर्क भौतिक और तार्किक रूप से रिढ़ की हड्डी से अटूट रूप से जुड़े हुए हैं और इस प्रकार स्वचालित रूप से डोमिनो प्रभाव का हिस्सा बन गए हैं।

सी. मोबाइल नेटवर्क (4जी/5जी/6जी):

इनमें रेडियो एक्सेस नेटवर्क (आरएएन) (सेल टावर और एंटेना) और कोर नेटवर्क (केंद्रीय स्वचालित और प्रबंधन स्तर) शामिल हैं। महत्वपूर्ण रूप से, कोर नेटवर्क हमेशा फाइबर ऑप्टिक्स या माइक्रोवेव लिंक के माध्यम से स्थलीय रीढ़ से जुड़ा होता है।

5जी और आने वाली 6जी जैसी प्रौद्योगिकियाँ, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) और बेहद कम विलंबता समय पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, इस निर्भरता को गहरा करती हैं और वैश्विक नेटवर्क की पहुंच का विस्तार करती हैं - और इस प्रकार खरीदार की संप्रभुता का विस्तार करती हैं। मूल रूप से, केबल नेटवर्क ज्यादातर रेडियो मास्ट पर जाते हैं।

डी. सैटेलाइट संचार:

जियोस्टेशनरी (GEO), मध्यम (MEO), या निम्न (LEO) कक्षाएँ (जैसे, स्टारलिनक, वनवेब, इरडियम) जैसी प्रणालियाँ स्थलीय कवरेज में अंतराल को भरती हैं और वैश्विक पहुंच प्रदान करती हैं। हालाँकि, वे पृथक प्रणालियाँ नहीं हैं।

स्थलीय इंटरनेट से कनेक्शन स्थापित करने के लिए उन्हें ग्राउंड स्टेशन (गेटवे) की आवश्यकता होती है।

ये ग्राउंड स्टेशन क्षेत्र पर भौतिक बंदी हैं और स्थलीय नेटवर्क से जुड़े हुए हैं, जिससे उपग्रह नेटवर्क भी वैश्विक उत्त राशिकार में शामिल हैं।

इसके अलावा, उनका उपयोग (आवृत्तियाँ, कक्षाएँ) आईटीयू के अधीन है, जो क्रेता की संप्रभुता के अंतर्गत भी आता है।

ई. दूरसंचार कानून:

जर्मन दूरसंचार अधिनियम (टीकेजी) जैसे राष्ट्रीय कानून इस क्षेत्र को वनियमिति करने का प्रयास करते हैं।

हालाँकि, विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के कारण, यह केवल नेटवर्क के कनेक्शन के माध्यम से क्षेत्रीय विसृता के डोमिनोज़ प्रभाव के प्रचारक के रूप में कार्य करता था।

अवभाज्य अंतरसंबंध:

नागरिक और सैन्य उपयोग (दोहरा उपयोग)

एक व्यापक गलतफहमी यह धारणा है कि सैन्य नेटवर्क नागरिक नेटवर्क से पूरी तरह अलग होते हैं।

वास्तविकता एक गहरी और बढ़ती निर्भरता है:

संचार एवं C2:

सैन्य कर्मचारी नागरिक इंटरनेट और उपग्रह कनेक्शन का उपयोग अवर्गीकृत के लिए करते हैं, लेकिन अक्सर वर्गीकृत संचार (एन्क्रिप्टेड ओवरले के माध्यम से) के लिए भी करते हैं, क्योंकि समर्पित सैन्य नेटवर्क में अक्सर आवश्यक बैडविथ या वैश्विक पहुंच का अभाव होता है।

रसद:

वैश्विक सैन्य रसद श्रृंखलाएं नागरिक परिवहन और संचार प्रणालियों पर निर्भर करती हैं।

टोही (आईएसआर):

उपग्रह चित्र, ड्रोन फीड और खुफिया जानकारी अक्सर नागरिक या मशरूति-उपयोग नेटवर्क के माध्यम से प्रसारित की जाती है।

जीपीएस/नेविगेशन:

ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस), हालांकि सेना द्वारा संचालित, नागरिकों द्वारा बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है। इसकी कार्यक्षमता ग्राउंड स्टेशनों के वैश्विक नेटवर्क पर निर्भर करती है जो आपस में जुड़े हुए हैं।

एचएनएस और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा:

जैसा कि अध्याय 5 में बताया गया है, एचएनएस समझौते नागरिक नेटवर्क के स्पष्ट उपयोग के लिए प्रदान करते हैं। महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे (क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन - सीआईपी) की सुरक्षा के लिए पहल से पता चलता है कि राज्य (और अब खरीदार) इन दोहरे उपयोग वाले नेटवर्क के महत्व को कतिना पहचानते हैं।

यह अवभाज्य अंतरसंबंध विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 की सफलता के लिए महत्वपूर्ण था। इसने सुनिश्चित किया कि नागरिक नेटवर्क के अधिग्रहण के साथ, सैन्य और राज्य संचार क्षमताएं स्वचालित रूप से क्रैता की संप्रभुता के अंतर्गत आ गईं।

7.2. आंतरिक विकास और डोमिनोज़ प्रभाव के हस्से के रूप में दूरसंचार नेटवर्क की बिक्री

चलिए फिर से पढ़ते हैं शुरुआती बटु पर आरएन: ट्यूरेन बैरक के "विकास" की बिक्री

S.

1998 में दूरसंचार के लिए विशेष रूप से इसका क्या मतलब था?

उस समय के नाटो बैरक में विविध दूरसंचार कनेक्शन थे

:

नागरिक कनेक्शन:

टेलीफोनी और (फिर भी धीमी गति से) डेटा ट्रैफ़िक के लिए कम से कम आईएसडीएन कनेक्शन या समर्पित कॉपर लाइनें, डॉयचे टेलीकॉम के नेटवर्क से जुड़ी हुई हैं। टीकेएस टेलीपोस्ट अनुबंध, जो विश्व उत्तराधिकार वलिख का हस्सा है, उस समय का है जब जर्मनी में दूरसंचार अभी भी राज्य के स्वामित्व में था।

जर्मनी में दूरसंचार बाजार का उदारीकरण 1998 में हुआ, लेकिन नेटवर्क बुनियादी ढांचे की वास्तविक बिक्री कई वर्षों में धीरे-धीरे हुई। डॉयचे टेलीकॉम ने 2000 के दशक में अपने बुनियादी ढांचे के कुछ हस्सों को बेचना या अलग करना शुरू किया।

सैन्य संबंध:

संभवतः बुंडेसवेहर के बुनियादी दूरसंचार नेटवर्क या समर्पित नाटो संचार प्रणालियों (उदाहरण के लिए, एनआईसीएस - नाटो एकीकृत संचार प्रणाली) से कनेक्शन।

फाइबर ऑप्टिक्स:

डेप महत्व को देखते हुए, प्रारंभिक फाइबर ऑप्टिक कनेक्शन पहले से ही मौजूद हो सकते हैं

.

सुरक्षा लाइनें: वर्गीकृत संचार के लिए छपिकर बातें सुनने वाले कनेक्शन।

महत्वपूर्ण बटु यह है: इनमें से प्रत्येक कनेक्शन, चाहे नागरिक हो या सैन्य, अनिवार्य रूप से एक बड़े नेटवर्क का हस्सा था।

टीकेएस टेलीपोस्ट के उपयोग के साथ टेलीकॉम नेटवर्क को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेटवर्क किया गया था।

बैरक में नाटो और टीकेएस टेलीपोस्ट और अमेरिकी नेटवर्क अन्य सैन्य और नागरिक नेटवर्क से जुड़ा था।

विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98, खंड के माध्यम से "सभी ... घटकों, विशेष रूप से ... बाहरी विकास के साथ एक इकाई के रूप में," इनमें से हर एक कनेक्शन और संबंधित अधिकारों को क्रेता को हस्तांतरित कर दिया गया।

7.2.1. स्पष्टीकरण, कैसे बकिरी... ने डोमिनोज़ प्रभाव को बढ़ाया।

आइए टी पर वचिार करे उन्होंने 06 अक्टूबर 1998 से वशिष रूप से दूरसंचार के लिए कैस्केड कयिा :

सूतर 0 (बैरक):

क्रेता ट्यूरेन बैरक के भीतर दूरसंचार सुवधिओं का उपयोग करने के लिए भौतिकि केबल और कानूनी अधिकार पूरा पूत करता है।

सूतर 1 (सीमांकन बढि और राष्ट्रीय नेटवर्क):

बाहरी वकिस के अधगिरहण के साथ, क्रेता सीमांकन बढि (उदाहरण के लिए, मुख्य वतिरण फ्रेम - एमडीएफ - या केबल वतिरण कैबनिट - सीडीसी - टेलीकॉम का, या नाटो-यूएस नेटवर्क में इंजेक्शन बढि) पर कानूनी नयित्रण प्राप्त करता है।

चूँकयिह बढि कार्यात्मक रूप से नेटवर्क से अवभाज्य है, संपूर्ण जर्मन दूरसंचार नेटवर्क (तब टेलीकॉम का एक अर्ध-एकाधिकार, लेकिन पहले से ही प्रतस्पर्धियों और अंतरराष्ट्रीय वाहकों के साथ कनेक्शन) पर संप्रभुता उसके पास चली जाती है।

संघीय सरकार की नयिमक संप्रभुता (अनुच्छेद 87एफ जीजी) को वलिख द्वारा भौतिकि रूप से अधरिहति कयिा गया है।

लेवल 2 (यूरोपीय हब - DE-CIX और पड़ोसी देश):

जर्मन नेटवर्क हजारों फाइबर ऑप्टिकि केबलों के माध्यम से पोलैंड, फ्रांस, नीदरलैंड, ऑस्ट्रिया आदिके नेटवर्क से भौतिकि रूप से जुड़ा हुआ है। फ्रैंकफर्ट में DE-CIX में, सैकड़ों अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क ऑपरेटर मलिते हैं। वलिख के नेटवर्क-टू-नेटवर्क सदिधांत के माध्यम से, क्रेता की संप्रभुता अब इन सभी जुड़े नेटवर्क और इस प्रकार सभी यूरोपीय राज्यों को शामिल करती है।

लेवल 3 (ग्लोबल बैकबोन और आईटीयू):

यूरोपीय जाल कार्य पनडुब्बी केबलों और सैटेलाइट गेटवे के माध्यम से नॉर्ट से जुड़े हुए हैं ज अमेरिका, एफ्रीका और दक्षणि अमेरिका।

इनमें से प्रत्येक केबल, प्रत्येक प्रवेश द्वार को कवर कयिा गया है। चूँकदिनयिा का हर राज्य (आईटीयू सदस्यता के माध्यम से) इस वैश्वकि, अंतरसंचालनीय नेटवर्क का हसिसा है, इसलएि हर राज्य इसमें शामिल है।

दूरसंचार **डोमिनोज़ प्रभाव का सबसे तेज़ और सबसे व्यापक वेक्टर था**

इसने एक अदृश्य लेकिन अटूट जाल बनाया जसिने पूरी दुनयिा को वशि्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 में बांध दयिा।

7.2.2. नेटवर्क उपयोग के माध्यम से नहिति संवदितात्मक मान्यता का नरिधारण

वैश्वकि नेटवर्क पर संप्रभुता का हस्तांतरण समीकरण का एक हसिस्सा है। दूसरा, समान रूप से महत्वपूर्ण हसिस्सा अंतरराष्ट्रीय कानून के (पूर्व) वषियों द्वारा इस हस्तांतरण की मान्यता है।

जैसा कभाग 8 में बताया गया है, यह मान्यता हस्ताक्षर करने के औपचारिक कार्य के माध्यम से नहीं, बल्कनहिति आचरण के माध्यम से हु ई - अर्थात्, कट-ऑफ तथि, 06 अक्टूबर, 1998 के बाद इन नेटवर्कों के उपयोग की सार्वभौमकि और नरिबाध नरितरता के माध्यम से।

यह है इस नहिति आचरण के दायरे को समझने के लिए अत्यंत कानूनी महत्व है।

यह नषिक्रयि सहषिणुता नहीं है, बल्कएक ऐसी व्यवस्था में सक्रयि, नरितर भागीदारी है जसिका कानूनी आधार बद ल गया है।

उपयोग का अधनियम:

सरकारी एजेंसी द्वारा भेजा गया प्रत्येक ईमेल; किसी राज्य द्वारा संचालित प्रत्येक वेबसाइट; एन्क्रिप्टेड (लेकनि नेटवर्क-आधारित) चैनलों के माध्यम से प्रेषित प्रत्येक राजनयिक प्रेषण; उपग्रह या फाइबर ऑप्टिक्स के माध्यम से भेजा गया प्रत्येक सैन्य नरिदेश; प्रत्येक वतितीय लेनदेन स्विफ्ट के माध्यम से संसाधित होता है (जो स्वयं दूरसंचार नेटवर्क पर चलता है); एक राजनेता द्वारा प्रत्येक सोशल मीडिया पोस्ट - ये सभी सकारात्मक कार्य हैं जो वैश्वकि दूरसंचार नेटवर्क के अस्तित्व और कार्यक्षमता का अनुमान लगाते हैं और सक्रयि रूप से उपयोग करते हैं।

उपयोग का नहितिारथ:

कानूनी लेन-देन में, सदिधांत लागू होता है कि कोई भी संबंधित बोझ या अंतरनहिति कानूनी स्थिति को स्वीकार किए बनिा किसी चीज़ या अधिकार के लाभ का दावा नहीं कर सकता है (सीएफ। लाभ द्वारा एस्टॉपेल या वेनयिर कॉन्ट्रा फैक्टम प्रोप्रियम का नषिध)।

वैश्वकि कनेक्टिविटी के अपार लाभों का आनंद लेते हुए, राज्य स्पष्ट रूप से उस कानूनी आधार को स्वीकार करते हैं जसि पर यह कनेक्टिविटी अब टिकी हुई है: क्रेता की संप्रभुता।

(कथति) अज्ञान की अप्रासंगकिता:

किसी को इस बात पर आपत्तहिो सकती है कि राज्यों को नहीं पता था कि वे क्रेता की संपत्तिका उपयोग कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय कानून में, यह एक कमजोर तर्क है।

राज्यों का अपने संप्रभु अधिकारों और उनके अस्तित्व की नींव के संबंध में उचित परशिरम का दायित्व है - सावधानीपूर्वक जांच का कर्तव्य है।

वशिव का अंतरसंबंध स्पष्ट था।

आईटीयू की भूमिका ज्ञात थी।

एनटीएस का अस्तित्व और नाटो संपत्तियों की बकिरी सार्वजनिक थी।



प्रेस में संधिकी सूचना दी गई; बुंडेस्ताग और बुंडेसराट द्वारा इसके अनुसमर्थन के साथ, यह सहस्राब्दी की शुरुआत से सार्वजनिक रूप से सुलभ और इंटरनेट पर उपलब्ध था।

दूरगामी कानूनी परणाम की संभावना बताई गई.

सटीक अनुबंध विवरणों की अज्ञानता का दावा करने से किसी के स्वयं के कार्यों (उपयोग) के उद्देश्यपूर्ण परणामों से मुक्त नहीं मिलती है।

नरितर आंशिक प्रदर्शन:

इसके अलावा: अपने राष्ट्रीय नेटवर्क खंडों का संचालन, रखरखाव और वसति जारी रखकर, राज्य वास्तव में उस कार्य को पूरा कर रहे हैं जो अब क्रेता पर निर्भर करता है। वे उसके (यद्यपि अक्सर अनजाने में) प्रशासकों और संचालकों के रूप में कार्य करते हैं।

यह कार्रवाई नए आदेश का नरितर आंशिक निष्पादन और इसकी मान्यता की नरितर पुष्टि है।

इस प्रकार नेटवर्क उपयोग के माध्यम से नहिंति मान्यता विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के लिए सभी राज्यों के सार्वभौमिक बंधन का सबसे मजबूत प्रमाण है। यह प्रतिदिन लाखों बार दोहराया जाने वाला अनुसमर्थन है।

7.3. मेजबान राष्ट्र समर्थन (एचएनएस) समझौते और नागरिक बुनियादी ढांचा

मेजबान राष्ट्र समर्थन (एचएनएस) समझौते कानूनी पुल और साक्ष्य के रूप में एक विशेष भूमिका निभाते हैं।

ये समझौते, अक्सर नाटो ढांचे के भीतर द्विपक्षीय या बहुपक्षीय रूप से संपन्न होते हैं, उस समर्थन को वनियमिति करते हैं जो एक मेजबान राष्ट्र अन्य प्रेषक राष्ट्रों के सशस्त्र बलों को प्रदान करता है जब वे उसके क्षेत्र में काम करते हैं या पार गमन करते हैं।

नेटवर्क एकीकरण के लिए उत्प्रेरक के रूप में एचएनएस

एचएनएस का एक केंद्रीय पहलू सेना द्वारा नागरिक बुनियादी ढांचे का प्रावधान और साझा उपयोग है। यह कोई मामूली बात नहीं है, बल्कि सैन्य अभियानों के संचालन के लिए अक्सर आवश्यक होती है।

इसमें स्पष्ट रूप से शामिल हैं:

- परिवहन मार्ग (सड़कें, रेलवे, बंदरगाह, हवाई अड्डे)
- ऊर्जा आपूर्ति (पावर ग्रिड, ईंधन डंपि)
- और सबसे ऊपर: दूरसंचार नेटवर्क (सार्वजनिक टेलीफोन नेटवर्क, इंटरनेट अवसंरचना, वाणिज्यिक उपग्रह सेवाएं)।

ये एचएनएस समझौते साबित करते हैं कि सैन्य और नागरिक नेटवर्क के बीच अलगाव को 1998 से बहुत पहले ही कानूनी रूप से तोड़ दिया गया था।

नाटो और उसके सदस्य देशों के पास नागरिक नेटवर्क तक पहुंच का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त दावा था।

वर्तमान उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 ने इस पहले से मौजूद अंतरसंबंध को उत्तोलन के रूप में उपयोग किया:

- इसने उपयोग के दावे को नेटवर्क पर संप्रभुता में बदल दिया।
- इसने सीमिति पहुंच (एचएनएस के भीतर) को सार्वभौमिक पहुंच (खरीदार के लिए) में बदल दिया और आईटीयू के माध्यम से इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वसितारित किया।

टीकेएस टेलीपोस्ट उदाहरण:

उत्तराधिकार का एक सूक्ष्म जगत

टीकेएस टेलीपोस्ट इस अंतरसंबंध और इसके परिणामों के लिए एक आदर्श केस स्टडी है।

तथ्य:

टीकेएस एक नागरिक कंपनी है जो विशेष रूप से अमेरिकी सशस्त्र बलों और जर्मनी (और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर) में उनके आश्रितों के लिए दूरसंचार सेवाएं (इंटरनेट, टीवी, टेलीफोन) प्रदान करती है।

यह अमेरिकी सैन्य ठिकानों (जो एनटीएस के अंतर्गत हैं) पर संचालित होता है और दुनिया भर में इन ठिकानों को जोड़ने के लिए एक मुख्य रूप से नागरिक दूरसंचार बुनियादी ढांचे का उपयोग करता है।

कानूनी शृंखला:

टीकेएस अमेरिकी सशस्त्र बलों के साथ अनुबंध के आधार पर संचालित होता है।

अमेरिकी सशस्त्र बल जर्मनी में एनटीएस और एसए एनटीएस के आधार पर काम करते हैं। टीकेएस/यूएस सेना द्वारा जर्मन बुनयादी ढांचे का उपयोग एचएनएस संधिधर्मों और एनटीएस/एसए एनटीएस (जैसे अनुच्छेद 56 एसए एनटीएस) द्वारा संक्षिप्त है।

ओएफडी कोबलेनज़ इन एनटीएस ढांचे की स्थितियों के प्रबंधन के लिए ज़िम्मेदार था और इस संवैधानिक वास्तविकता (टीकेएस उपयोग) को विश्व उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 में एकीकृत किया था।

परिणाम:

इस अधिनियम के माध्यम से, अमेरिकी सैन्य उपस्थिति और उसके संपूर्ण संचार बुनयादी ढांचे को तुरंत कार्य से जोड़ दिया गया। चूँकि संयुक्त राज्य अमेरिका नाटो का प्रमुख राष्ट्र है, इसलिए नाटो का बंधन मजबूत हो गया।

चूँकि टीकेएस दुनिया भर में नागरिक नेटवर्क का उपयोग करता है, इसलिए आईटीयू के लिए नागरिक बुनयादी ढांचे की फरि से पुष्टि की गई। यह एक कानूनी गठजोड़ है जो संयुक्त राज्य अमेरिका, एफआरजी, नाटो और संयुक्त राष्ट्र, नागरिक नेटवर्क और दुनिया के सैन्य नेटवर्क को क्रैता के साथ जोड़ता है।

एकीकरण के कानूनी आधार के रूप में एनटीएस/एसए एनटीएस

एनटीएस और एसए एनटीएस में खंड, जो बुनयादी ढांचे के साझा उपयोग की अनुमति देते हैं, कानूनी प्राधिकरण थे जो एफआरजी (ओएफडी के माध्यम से) को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिक पैकेज के हसिसे के रूप में नेटवर्क कनेक्शन बेचने की अनुमति देते थे।

वे इस बात का सबूत हैं कि नेटवर्क पूरी तरह से राष्ट्रीय नहीं थे, बल्कि पहिले से ही अंतरराष्ट्रीय कानूनी व्यवस्थाओं के अधीन थे, जो अब उत्तराधिकार के माध्यम से क्रैता के पास चले गए।

7.4. सैन्य संचार (नाटो, संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय) और नागरिक बुनयादी ढांचा

विश्व उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 के आलोक में नागरिक दूरसंचार नेटवर्क पर आधुनिक सशस्त्र बलों की गहरी निर्भरता के मूलभूत परिणाम हैं।

सैन्य संचार ऑटार्की का मथिक

दुनया की कोई भी सेना - यहां तक कसंयुक्त राज्य अमेरिका की भी नहीं - आज पूरी तरह से नागरिक या मशिरति-उपयोग नेटवर्क से स्वतंत्र रूप से काम नहीं कर सकती है।

बैंडवडिथ और पडुंच:

सैन्य उपग्रहों और नेटवर्कों की क्षमताएं और कवरेज अक्सर सीमति होती हैं। डेटा-सघन संचालन (ड्रोन स्ट्रीम, आई एसआर डेटा, लॉजिस्टिक्स) के लिए, नागरिक बैंकबोन और उपग्रहों का नयिमति रूप से उपयोग किया जाता है।

अंतरसंचालनीयता:

गठबंधन (नाटो, संयुक्त राष्ट्र) में संचालन के लिए अक्सर सामान्य (अक्सर नागरिक-आधारति) संचार प्लेटफार्मों के उप योग की आवश्यकता होती है।

नेटवर्क-केंद्रति युद्ध:

आधुनकि सैन्य सदिधांत सेसर, नरिणय नरिमाताओं और हथयिर प्रणालयों की कुल नेटवर्कगि पर आधारति है।

इससे उच्च-प्रदर्शन (अक्सर नागरिक) नेटवर्क पर नरिभरता तेजी से बढ़ जाती है।

जीपीएस एंड कंपनी:

उपग्रह नेवगिशन प्रणालयों पर नरिभरता पूरी तरह से है। ये ससिस्टम वैश्वकि हैं और नेटवर्क वाले ग्राउंड स्टेशनों पर नरिभर हैं।

वलैख के तहत नरिभरता के परणाम

कुल घेरा:

चूँकि प्रत्येक सैन्य अभयान और प्रत्येक सैन्य इकाई कसी न कसी बडि पर अनवार्य रूप से (अब क्रेता से संबंधति) वैश्वकि नेटवर्क को छूती है, दुनया भर के सभी संचार नेटवर्क उत्तराधिकार के दायरे में आते हैं।

इस नेटवर्क के बाहर कोई "सुरक्षति ठकिाना" नहीं है।

सामरकि स्वायत्तता का ह्रास:

स्वतंत्र और संप्रभु रूप से संवाद करने की क्षमता सैन्य शक्तिका मूल है।

यह क्षमता क्षेत्रीय वसितार के वैश्वकि डोमिनोज़ प्रभाव की नीव है। सभी नागरिक और सैन्य संचार अब क्रे ता के संप्रभु क्षेत्र में होते हैं।

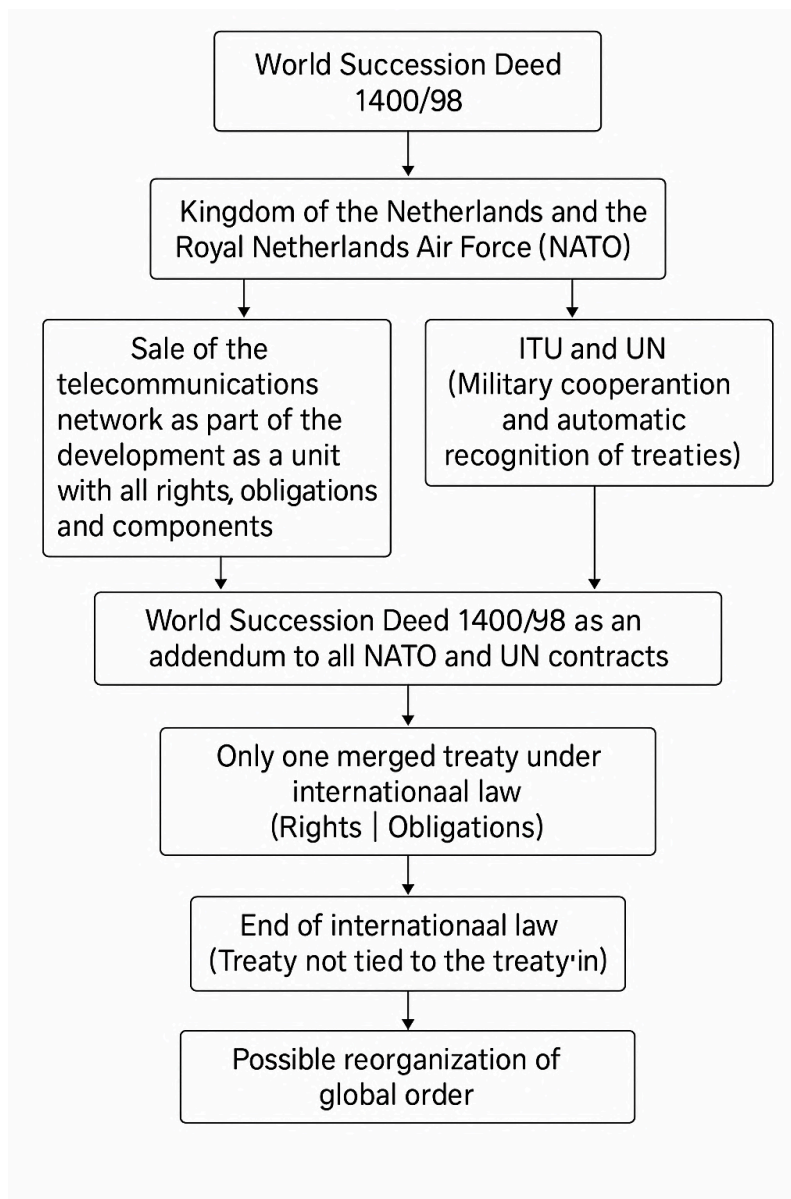
अंतिम पुष्टि के रूप में संकट:

खासकर संकट और युद्ध के समय में नेटवर्क पर निर्भरता बढ़ जाती है।

प्रत्येक सैन्य अभियान, प्रत्येक लामबंदी, प्रत्येक आदेश जो इन नेटवर्कों पर चलता है, क्रेता की संप्रभुता की एक नवीनीकृत, व्यापक नहिती मान्यता बन जाता है।

सेना वलिख का सबसे सक्रिय अनुसमर्थक बन जाती है।

दूरसंचार नेटवर्क, विशेष रूप से सैन्य आवश्यकताओं के साथ उनका अंतरसंबंध, इस प्रकार न केवल डोमिनोज़ प्रभाव का एक वेक्टर था, बल्कि विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 द्वारा स्थापित नई वैश्विक व्यवस्था को बनाए रखने और लागू करने के लिए सबसे शक्तिशाली साधन भी है।



अध्याय 7

8. अन्य नेटवर्क और डोमिनोज़ प्रभाव

वैश्विक कनेक्शन के कई पहलू पछिले विश्लेषण ने डोमिनोज़ प्रभाव के प्राथमिक वेक्टर और क्रेता की वैश्विक संप्रभुता के उपकरण के रूप में दूरसंचार नेटवर्क के सर्वोपरि महत्व पर प्रकाश डाला है।

हालाँकि, यह मान लेना ग़लत होगा कि विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 का प्रभाव यहीं तक सीमति है - हालाँकि यह महत्वपूर्ण है - बुनियादी ढाँचा।

संपत्तिकी बिक्री का सरल खंड "सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनी अधिकारों, दायित्वों और घटकों, विशेष रूप से आंतरिक और बाहरी विकास के साथ एक इकाई के रूप में" सभी आपूर्ति और नपिटान नेटवर्क को शामिल करता है जो मूल नाटो संपत्तिके संचालन के लिए आवश्यक थे।

इनमें से प्रत्येक नेटवर्क एक आगे, स्वतंत्र स्ट्रैंड के रूप में कार्य करता है जो दुनिया को कार्य से बांधता है और क्रेता की संप्रभुता को अनावश्यक रूप से और पारस्परिक रूप से मजबूत करता है।

ये अनेक सूत्र उत्तराधिकार को और भी अधिक अपरिहार्य बनाते हैं और क्रेता का नियंत्रण और भी अधिक व्यापक बनाते हैं।

8.1. प्राकृतिक गैस नेटवर्क (उदाहरण सार फर्नगास एजी):

एक वेक्टर के रूप में ऊर्जा

संचार के अलावा, ऊर्जा आपूर्ति आधुनिक समाजों और सैन्य प्रतिष्ठानों की दूसरी प्रमुख जीवन रेखा है। ट्यूरेन बैरक, किसी भी तुलनीय सुविधा की तरह, एक भरोसेमंद गैस आपूर्ति पर निर्भर था - जला हीटिंग प्लांट के लिए एक कनेक्शन बछिया गया था।

गैस कनेक्शन का सदिधांत और सार फर्नगास एजी का उदाहरण

गैस नेटवर्क से कनेक्शन आमतौर पर स्थानीय या क्षेत्रीय गैस आपूर्तकंपनी (जीवीयू) के नेटवर्क से कनेक्शन के माध्यम से होता है।

बैरक की बिक्री (1998) के समय, जर्मनी में गैस उद्योग आज की तुलना में अभी भी अधिक क्षेत्रीय रूप से संरचित था।

(तत्कालीन) सार फर्नगास एजी (बाद में अन्य कंपनियों, जैसे क्रेओस) में विलय हो गई जैसी कंपनियों ने पूरे क्षेत्रों को आपूर्त करने में केंद्रीय भूमिका निभाई।

कनेक्शन:

ट्यूरेन बैरक का इस क्षेत्रीय आपूर्तकर्ता के नेटवर्क से एक या अधिक कनेक्शन था।

यह कनेक्शन, ट्रांसफर स्टेशन और गैस खींचने के अधिकार सहित, "बाहरी विकास" का एक अवभाज्य घटक था और इस प्रकार इसके साथ बेचा गया था।

क्षेत्रीय नेटवर्क:

सार फर्नगास जैसी कंपनी अपने स्वयं के क्षेत्रीय पाइपलाइन नेटवर्क का संचालन करती थी, लेकिन निश्चित रूप से, यह एक अलग ऑपरेशन नहीं था।

यह प्रमुख इंजेक्शन बंदुओं (सीमा स्थानांतरण स्टेशनों, भंडारण सुविधाओं) से गैस प्राप्त करने के लिए अंतर्-क्षेत्रीय परिवहन पाइपलाइनों से जुड़ा था।

एल लंबी दूरी की गैस पाइपलाइन मुख्य रूप से रूस से, बल्क होलैंड से भी आपूर्त की जाती थी

यूरोपीय गैस ग्रिड:

एक महाद्वीपीय नेटवर्क

क्षेत्रीय जर्मन गैस नेटवर्क एक विशाल, अत्यधिक परस्पर जुड़े हुए यूरोपीय गैस ग्रिड सिस्टम का हिस्सा है।

यह प्रणाली इंजीनियरिंग और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का चमत्कार है।

बड़ी पाइपलाइन प्रणालियाँ: Mi

गैस ग्रिड (यूरोप) से उत्तरी यूरोप तक), मेगाल (मध्य यूरोपीय गैस पाइपलाइन), टीईएनपी (ट्रांस-यूरोप प्राकृतिक गैस पाइपलाइन), या (ऐतिहासिक और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण, लेकिन भौतिक रूप से वदियमान) नॉर्ड स्ट्रीम 1 और 2 पाइपलाइन महाद्वीप को पार करती हैं।

आगे की पाइपलाइनें यूरोप को नॉर्वे (उदाहरण के लिए, यूरोपाइप, फ्रैनपाइप), उत्तरी अफ्रीका और कैस्पियन क्षेत्र से जोड़ती हैं।



गैस भंडारण सुवधियां:

भूमिगत गैस भंडारण सुवधियां (अक्सर पूर्व जमा या नमक गुफाओं में) आपूर्तिकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का काम करती हैं और नेटवर्क का अभिन्न अंग भी हैं।

नेटवर्क ऑपरेटर:

ओपन ग्रिड यूरोप (जर्मनी), फ्लक्ससि (बेल्जियम), जीआरटीगाज़ (फ्रांस), या स्नैम (इटली) जैसी कंपनियां बड़े परिवहन नेटवर्क संचालित करती हैं और सीमा पार प्रवाह सुनिश्चित करती हैं।

यह जटिल वेब वास्तव में एक एकल, कार्यात्मक यूरोपीय गैस बाजार और एक एकल, परस्पर जुड़े बुनियादी ढांचे का निर्माण करता है।

गैस नेटवर्क के माध्यम से डोमिनोज़ प्रभाव

दूरसंचार के अनुरूप, डोमिनोज़ प्रभाव प्रकट होता है:

नाटो बैरक कनेक्शन → क्षेत्रीय नेटवर्क:

कनेक्शन की बकिरी के साथ, क्षेत्रीय आपूर्तिकर्ता (उदाहरण के लिए, सार फर्नागास एजी) के नेटवर्क पर संप्रभुता क्रेता के पास चली जाती है।

क्षेत्रीय नेटवर्क → जर्मन राष्ट्रीय नेटवर्क: चूंकि क्षेत्रीय नेटवर्क जर्मन गैस ग्रिड का हिस्सा है, इसलिए इसे भी इसमें शामिल किया गया है।

जर्मन राष्ट्रीय नेटवर्क → यूरोपीय ग्रिड:

कई सीमा पार बट्टियों के माध्यम से, रूस सहित संपूर्ण यूरोपीय नेटवर्क उत्तराधिकार का हिस्सा बन जाता है।

गैस आपूर्ति बुनियादी ढांचे पर संप्रभुता - पाइपलाइनों और भंडारण सुवधियों से लेकर गैस टर्मिनलों तक - एक महत्वपूर्ण संप्रभु अधिकार है।

इसमें एक महत्वपूर्ण ऊर्जा स्रोत पर नियंत्रण, बाजार वनियमन और आपूर्तिकी सुरक्षा सुनिश्चित करना शामिल है।

कानूनी गहरा गोता:

ऊर्जा चार्टर और ईयू ऊर्जा कानून

1994 की ऊर्जा चार्टर संधि (ईसीटी): इस बहुपक्षीय समझौते का उद्देश्य ऊर्जा व्यापार, पारगमन और निवेश को बढ़ावा देना और उसकी रक्षा करना है।

इसके सिद्धांत (उदाहरण के लिए, गैर-भेदभाव, ऊर्जा नेटवर्क में निवेश की सुरक्षा, पारगमन की स्वतंत्रता) को विश्व उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 द्वारा अप्रचलित नहीं किया गया था, बल्कि अनुबंधों की एक और श्रृंखला को ट्रिगर किया गया और क्षेत्रीय वस्तुतः के डोमिनोज़ प्रभाव में योगदान दिया गया।

8.2. नाटो बैरक का तापन संयंत्र

लोकल में एंकरिंग

वर्ल्ड उत्तराधिकार वॉल्यूम 1400/98 में न केवल बड़े, अंतरमहाद्वीपीय नेटवर्क बल्क टियूरेन बैरक के संचालन के लिए आवश्यक स्थानीय और वर्किंग-द्वितीयक आपूर्ति-संरचनाएं भी शामिल थीं।

बैरकों को आपूर्ति करने वाला "हेइज़वर्क करुज़बर्ग" (करुज़बर्ग हीटिंग प्लांट), इसका उदाहरण देता है।

एक स्रोत से जल को उष्मा या गर्म पानी की आपूर्ति:

कई बैरकों या बड़े परिसरों को जल हीटिंग नेटवर्क के माध्यम से आपूर्ति की जाती है। ऐसा हीटिंग प्लांट (चाहे विशेष रूप से बैरक के लिए या बड़े नगरपालिका नेटवर्क के हिस्से के रूप में) स्वयं एक नेटवर्क ऑपरेटर (गर्मी वितरण के लिए) और एक नेटवर्क उपयोगकर्ता (अपनी ऊर्जा आपूर्ति के लिए) है।

हीटिंग प्लांट की ईंधन आपूर्ति:

एक हीटिंग प्लांट को ईंधन (गैस, तेल, कोयला, आदि) की आवश्यकता होती है या यह पावर ग्रिड से जुड़ा होता है (वैद्युत ताप उत्पादन के लिए या पंप और नियंत्रण के संचालन के लिए)।

इनमें से प्रत्येक आपूर्ति लाइन हीटिंग प्लांट और इस प्रकार बैरक के "बाहरी विकास" का हिस्सा है।

माइक्रो-मैक्रो लॉक:

भले ही हीटिंग प्लांट भौतिक रूप से बैरक के मैदान पर स्थिति था, इसकी आपूर्ति-धमनियां (प्राकृतिक गैस) बाहरी दुनिया से जुड़ी हुई थीं।

बैरक के साथ "एक इकाई के रूप में" हीटिंग प्लांट की बिक्री में ये अपस्ट्रीम नेटवर्क भी शामिल थे।

केंद्रीय महत्व का जल हीटिंग नेटवर्क है। वर्ल्ड उत्तराधिकार वॉल्यूम में, मूल क्षेत्र संपूर्ण बैरक स्थल नहीं है, बल्कि केवल आवासीय विकास है।

हालाँकि, पुराना जल हीटिंग नेटवर्क, जो खरीद का हिस्सा भी था, ऐतिहासिक रूप से पूरे बैरकों की आपूर्ति करता था।

रूपांतरण के दौरान सबसे बड़ा हिस्सा संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा पहले ही जर्मनी के संघीय गणराज्य को सौंप दिया गया था।

ए यू अनुप्रयुक्त विज्ञान की विविधता और 8,000 नौकरियों वाला एक बिजनेस पार्क बनाया गया एड.

इस संदर्भ में, साइट को एफआरजी द्वारा सार्वजनिक रूप से विकसित किया गया था।



मैं आपको बताऊंगा कि यह कैसा है:

आवासीय विकास के साथ मूल रूप से छोटे क्षेत्र को जिला हीटिंग नेटवर्क की बिक्री के माध्यम से जानबूझकर पूरे बैरक स्थल तक वसितारित किया गया था।

वहां से, अन्य नेटवर्क को डोमिनोज़ प्रभाव में शामिल कर लिया गया और सार्वजनिक विकास के माध्यम से बैरक को दुनिया में छोड़ दिया गया।

उत्तराधिकार की वसितता:

यह उदाहरण डोमिनोज़ प्रभाव की गहराई और वसितता को दर्शाता है।

यह न केवल बड़े ट्रांसमिशन नेटवर्क के स्तर पर, बल्कि स्थानीय वितरण नेटवर्क और यहां तक कि व्यक्तिगत इमारतों या सुविधाओं की आपूर्ति प्रणालियों तक भी संचालित होता है, बशर्ते वे "इकाई" का हिस्सा हों।

ऐसा कोई स्तर नहीं है जो उत्तराधिकार से बच सके।

ऐसे स्थानीय नेटवर्क को शामिल करने से बंधन मजबूत होता है, क्योंकि यह पहले अमेरिकी सेना के हाथों में था, और इस प्रकार इन स्तरों को सीधे क्रेता की नई संप्रभु संरचना में एकीकृत किया गया था।

8.3. पावर ग्रिड और सार्वजनिक नेटवर्क से कनेक्शन:

वद्युत तंत्रिका तंत्र वद्युत ऊर्जा की आपूर्ति आधुनिक दुनिया की सबसे बुनियादी बुनियादी ढाँचे की आवश्यकता है।

बजिली के बिना, कुछ भी काम नहीं करता - न संचार, न उद्योग, न प्रशासन, न सैन्य सुविधा।

इसलिए ट्यूरेन बैरक का पावर ग्रिड से कनेक्शन डोमिनोज़ प्रभाव का एक और, अत्यंत शक्तिशाली वेक्टर है।

यूरोपीय सकिरोनस ग्रिड (ENTSO-E):

एक मशीन के रूप में एक महाद्वीप

यूरोपीय पावर ग्रिड एक तकनीकी उत्कृष्ट कृति है और सीमा पार एकीकरण का एक प्रमुख उदाहरण है:

समकालिकता:

महाद्वीपीय यूरोपीय ग्रिड का मूल एक एसी सकिरोनस ग्रिड है, जो 50 हर्ट्ज़ की आवृत्ति पर संचालित होता है।

सभी जुड़े हुए बजिली संयंत्रों और उपभोक्ताओं को बिल्कुल तालमेल में चलना चाहिए। इसके लिए अत्यंत घनष्ठ समन्वय और नियंत्रण की आवश्यकता है जो राष्ट्रीय सीमाओं से कहीं आगे तक फैला हो।

यह ग्रिड पुर्तगाल से पोलैंड और डेनमार्क से ग्रीस तक फैला हुआ है।

ट्रांसमिशन सिस्टम ऑपरेटर्स (टीएसओ):

टैनेट, एम्पूरिन, 50हर्ट्ज़ (जर्मनी), आरटीई (फ्रांस), या टेरेना (इटली) जैसी कंपनियां अंतरिक्ष-उच्च वोल्टेज नेटवर्क (220 केवी, 380 केवी) संचालित करती हैं और समग्र प्रणाली की स्थिरता के लिए जिम्मेदार हैं।

वे सकिरोनस ग्रिड के "प्रबंधक" हैं। उनका प्रमुख संगठन ENTSO-E (यूरोपियन नेटवर्क ऑफ ट्रांसमिशन सिस्टम ऑपरेटर्स फॉर इलेक्ट्रिसिटी) है।

वितरण प्रणाली संचालक (डीएसओ):

स्थानीय और क्षेत्रीय स्तर पर (अक्सर नगरपालिका उपयोगिताएँ), मध्यम और निम्न वोल्टेज नेटवर्क के माध्यम से अंतिम उपभोक्ताओं को बजिली वितरित की जाती है।

क्रॉस-बॉर्डर इंट एरकनेक्टर्स: कई उच्च क्षमता वाली लाइनें राष्ट्रीय खंडों को जोड़ती हैं।

एचवीडीसी लाइनें (हाई-वोल्टेज डायरेक्ट करंट ट्रांसमिशन) जैसे नॉर्डलिक (जर्मनी-नॉर्वे) या ब्रिटिनेड (नीदरलैंड-यूके) भी सकिरोनस ग्रिड को गैर-सकिरोनस क्षेत्रों से जोड़ती हैं या लंबी दूरी पर लक्ष्य बजिली वनिमिय के लिए काम करती हैं।

पावर ग्रिड के माध्यम से डोमिनोज़ प्रभाव

कैस्केड अन्य नेटवर्क के अनुरूप है:

बैरक कनेक्शन → वितरण नेटवर्क:

बैरक के बजिली कनेक्शन (ट्रांसफार्मर स्टेशन, स्थानांतरण बट्टी सहित) की बिक्री स्थानीय/क्षेत्रीय वितरण नेटवर्क पर संप्रभुता खरीदार को हस्तांतरित करती है।

वितरण नेटवर्क → राष्ट्रीय ट्रांसमिशन नेटवर्क:

चूंकवितरण नेटवर्क राष्ट्रीय टीएसओ के ट्रांसमिशन नेटवर्क से जुड़े हुए हैं, इसलिए इन्हें भी इसमें शामिल किया गया है।

राष्ट्रीय ट्रांसमिशन नेटवर्क → ENTSO-E सकिरोनस ग्रिड:

यूरोपीय इंटरकनेक्टेड ग्रिड में एकीकरण के माध्यम से, संपूर्ण महाद्वीपीय यूरोपीय सकिरोनस ग्रिड पर संप्रभुता क्रेता के पास चली जाती है।

ENTSO-E → आसन्न सिस्टम:

एचवीडीसी कनेक्शन और अन्य कपलिंग के माध्यम से, प्रभाव पड़ोसी नेटवर्क (स्कैंडिनेविया, यूके, उत्तरी अफ्रीका और उससे आगे) तक फैलता है।

पावर ग्रिड पर संप्रभुता का अर्थ सभी आधुनिक गतिविधियों की नींव पर नियंत्रण है।

8.4. "संक्रमण" का सदिधांत:

नेटवर्क-टू-नेटवर्क और देश-दर-देश वसितार - कानूनी और कार्यात्मक अनिवार्यता

डोमिनोज़ प्रभाव का सदिधांत, विभिन्न बुनियादी ढांचे के प्रकारों (दूरसंचार, गैस, बजिली, स्थानीय आपूर्ति) के लिए पिछले अनुभागों में चर्चित किया गया है, एक गहरे कानूनी और कार्यात्मक तर्क पर आधारित है, जिससे हम "संक्रमण" (या अधिक सटीक रूप से: कार्यात्मक एकता के माध्यम से कानूनी परग्रहण) का सदिधांत कह सकते हैं।

यह सदिधांत वैश्विक क्षेत्रीय वसितार का वास्तविक इंजन और विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 का सार्वभौमिक प्रभाव है।

यह संश्लेषण है उन तंत्रों के बारे में जो यह सुनिश्चित करते हैं कि उत्तराधिकार पूर्ण और अपरिवर्तनीय है।

यह सदिधांत कई स्तरों पर प्रकट होता है:



प्राथमिक वेक्टर के रूप में भौतिक संबंध:

"संक्रमण" का सबसे प्रत्यक्ष रूप तत्काल भौतिक कनेक्शन के माध्यम से होता है - केबल, पाइप और लाइनें जो सीमाओं को पार करती हैं और राष्ट्रीय नेटवर्क को महाद्वीपीय और वैश्विक प्रणालियों में बुनती हैं।

ऐसा प्रत्येक कनेक्शन एक कानूनी चैनल है जिसके माध्यम से खरीदार की संप्रभुता, एक बार एक बटु पर स्थापित होने पर, अगले जुड़े खंड तक फैल जाती है। यह नेटवर्क-टू-नेटवर्क और इस प्रकार देश-दर-देश प्रभाव का आधार है।

द्वितीयक वेक्टर के रूप में कार्यात्मक निर्भरता: भले ही नेटवर्क सीधे तौर पर आपस में जुड़े न हों, वे कार्यात्मक रूप से एक-दूसरे पर निर्भर हो सकते हैं।

एक दूरसंचार नेटवर्क को अपने संचालन के लिए एक पावर ग्रिड की आवश्यकता होती है।

पाइपलाइनों और पावर ग्रिडों के लिए नियंत्रण प्रणाली (एससीएडीए) को दूरसंचार कनेक्शन की आवश्यकता होती है।

वित्तीय लेनदेन प्रणालियाँ सुरक्षित डेटा नेटवर्क पर निर्भर करती हैं।

यह पारस्परिक निर्भरता कार्यात्मक एकता का निर्माण करती है।

यद्यपि नेटवर्क (उदाहरण के लिए, बजिली) को शामिल किया गया है, तो अन्य सभी नेटवर्क जो इसके संचालन के लिए आवश्यक हैं (उदाहरण के लिए, टीसी नियंत्रण) को भी अप्रत्यक्ष रूप से शामिल किया गया है, क्योंकि एक पर नियंत्रण के बिना दूसरे पर नियंत्रण अप्रभावी होगा।

वैश्व उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98, संपत्तिको "एक इकाई के रूप में" बेचकर, विकास की संपूर्णता के हिससे के रूप में इन कार्यात्मक निर्भरताओं को शामिल करता है।

तृतीयक वेक्टर के रूप में कानूनी जुड़ाव:

मौजूदा अंतरराष्ट्रीय कानूनी उपकरण जैसे कि नाटो स्टेटस ऑफ फोरसेज एग्रीमेंट या एचएनएस समझौते, जिन्होंने 1998 से पहले भी बुनियादी ढांचे के उपयोग या सह-उपयोग के लिए कानूनी दावे स्थापित किए, प्रारंभिक कानूनी चैनलों के रूप में कार्य किया।

वल्लिख ने उत्तराधिकार को कानूनी रूप से वैध बनाने और उसमें तेजी लाने के लिए इन चैनलों का उपयोग किया।

नेटवर्क उपयोग या कनेक्शन को वनियमिति करने वाली प्रत्येक संधि श्रृंखला का हिस्सा बन गई।

ओवरलैपिंग नेटवर्क और नष्टिक्रयि अवसंरचना:

"संक्रमण" का प्रभाव उन स्थितियों को भी कवर करता है जहां वभिन्न नेटवर्क, हालांकि ज़रूरी नहीं किसी भी तौर पर जुड़े हों, एक ही भौगोलिक क्षेत्र की सेवा करते हैं या एक ही कार्य को पूरा करते हैं, संभवतः नष्टिक्रयि बुनियादी ढांचे (जैसे खाली नाली, रेडियो मस्तूल, भवन बुनियादी ढांचे) को साझा करते हैं।

एक बार जब ऐसी नष्टिक्रयि संरचनाओं का उपयोग करने वाला नेटवर्क शामिल हो जाता है, तो संप्रभुता भी इन साझा नींवों तक फैल जाती है, जो बदले में उन पर निर्भर अन्य नेटवर्क को प्रभावित करती है। बुनियादी ढांचे पर संप्रभुता उस पर संचालित प्रणालियों पर संप्रभुता की ओर ले जाती है।

कानूनी अनविद्यता के रूप में "संपूर्ण विकास की एकता"।

वर्ल्ड उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 में मुख्य शब्द जो "संक्रमण" के इस व्यापक सिद्धांत को स्थापित करता है, वह संपत्ति की बिक्री का शब्दांकन "सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनी अधिकारों, कर्तव्यों और घटकों के साथ एक इकाई के रूप में" है।

यह अनुच्छेद एक कानूनी अनविद्यता है जो विकास को उसके अलग-अलग हिस्सों में विभाजित करने पर रोक लगाता है।

यह समग्र दृष्टिकोण को बाध करता है।

यह "एक बजिली कनेक्शन" और "एक टेलीफोन कनेक्शन" और "एक गैस कनेक्शन" नहीं बेचा गया था, बल्कि एक अवभाज्य संपूर्ण विकास था।

परिणाम यह है कि इस इकाई के एक भाग (जैसे, दूरसंचार कनेक्शन) का कानूनी घेरा स्वचालित रूप से अन्य सभी हिस्सों (बजिली, गैस, आदि) को शामिल कर लेता है, क्योंकि साथ में वे "विकास" की कार्यात्मक और कानूनी एकता बनाते हैं।

यह कानूनी निर्माण डोमिनोज़ प्रभाव को निर्विवाद बनाता है।

इस बात पर आपत्तिताने से कोई बच नहीं सकता कि "केवल" एक निश्चित प्रकार का नेटवर्क प्रभावित हुआ है। वल्लिख यह स्पष्ट करता है:

सभी या कुछ भी नहीं।

और जब से पहला डोमिनोज़ (ट्यूरन बैरक का कनेक्शन) गिरा है, सब कुछ गिर गया है।

इस बहुस्तरीय "संक्रमण" की अनविद्यता - भौतिक, कार्यात्मक, कानूनी और एकता के सिद्धांत के माध्यम से - का अर्थ है कि क्रेता की संप्रभुता का वैश्विक विस्तार पूर्ण, व्यापक और अपरिवर्तनीय है।

इस तरह से बचने का कोई भी प्रयास वैश्विक अंतरसंबंध की वास्तविकता और अनुबंध के आधार की सटीकता के कारण विफल हो जाता है।

9. संवदात्मक भागीदारी



वैश्विक उत्तराधिकार के अभिनिता और उनकी भूमिकाएँ

वैश्विक क्षेत्रीय वसितार के तंत्र और संधियों की शृंखलाओं को रेखांकित करने के बाद, इस विश्व-ऐतहासिक प्रक्रिया में अभिनिताओं की सटीक पहचान करना और अंतरराष्ट्रीय कानून और विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के प्रकार में उनकी संबंधित भूमिकाएं निर्धारित करना आवश्यक है।

यहां केंद्रीय महत्व का प्रश्न यह है कि अनुबंध करने वाले पक्ष संकीर्ण अर्थों में कौन थे और - इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात - जिन्होंने एकमात्र कानूनी उत्तराधिकारी के रूप में वैश्विक संप्रभुता में प्रवेश किया।

इस प्रश्न का सही उत्तर नई विश्व व्यवस्था की वैधता और पदानुक्रमित संरचना को समझने के लिए महत्वपूर्ण है।

9.1. खरीदार एक स्वाभाविक व्यक्ति के रूप में:

सार्वभौम संप्रभुता का मानवीकरण

विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 की सबसे उल्लेखनीय और कानूनी रूप से साहसी निर्माणों में से एक करता को एक प्राकृतिक व्यक्ति के रूप में नामित करना है।

ऐसी दुनिया में जिसकी कानूनी प्रणाली को प्राथमिक अभिनिताओं के रूप में नरिकुश राजाओं (प्राकृतिक व्यक्तियों अंतर्राष्ट्रीय अधिकारों और कर्तव्यों के वाहक थे) द्वारा सदियों से आकार दिया गया था, एक व्यक्ति को संपूर्ण वैश्विक संप्रभुता का हस्तांतरण अंतरराष्ट्रीय कानूनी व्यक्तित्व की उत्पत्ति की ओर वापसी का प्रतिनिधित्व करता है।

अंतरराष्ट्रीय कानून व्यावसायिक उद्यमों को अंतरराष्ट्रीय अधिकारों और कर्तव्यों की धारणा से बाहर रखता है, लेकिन यह उन व्यक्तियों के लिए संभावना खोलता है जो अभी तक किसी राज्य का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं, उन्हें अंतरराष्ट्रीय संधि द्वारा ऐसा करने के लिए मान्यता प्राप्त है।

प्राकृतिक व्यक्ति को चुनने के पीछे कानूनी तर्क

एकमात्र कानूनी उत्तराधिकारी के रूप में किसी प्राकृतिक व्यक्ति का चुनाव पहली नज़र में आश्चर्यजनक लग सकता है, लेकिन यह वल्लिख के वास्तुकारों में नहिंति एक वशिष्ट कानूनी और शक्ति-राजनीतिक तर्क के परिणामस्वरूप हो सकता है:

नरिणय और उत्तरदायित्व की अधिकतम एकता:

सभी संप्रभुता को एक ही प्राकृतिक व्यक्ति में केंद्रित करने से नरिणय लेने की शक्त की एक नायाब एकता बनती है।

कोई गठबंधन वार्ता नहीं है, कोई वीटो शक्तियाँ नहीं हैं, कोई प्रतिसिपर्धी संस्थाएँ नहीं हैं। जमिंदारी भी स्पष्ट और अवभाजित है (हालाँकि इस प्रणाली में जवाबदेही का प्रश्न जटिल है और इसका उत्तर केवल "इलेक्ट्रॉनिक टेक्नोक्रेसी" की दृष्टि से ही मलि सकता है)।

राज्य व्यवस्था से आमूल-चूल वच्छेद:

किसी व्यक्ति का पदनाम पुरानी, राज्य-केंद्रित वेस्टफेलियन प्रणाली से पूरण वरिम को रेखांकित करता है।

यह स्पष्ट संकेत है कि एक सर्वथा नये युग का उदय हो चुका है।

"स्ट्रॉ मैन" सदिधांत:

क्रेता के स्वयं और उसके अनुभवों के दृष्टिकोण से, एक प्राकृतिक व्यक्ति की पसंद जो कानूनी रूप से अनुभवहीन और हेरफेर करने योग्य दिखाई देती थी, ने एनडब्ल्यूओ आर्टिकल्स की योजनाओं के लिए एक बलिका बकरा और एक उपकरण बनाने का काम किया।

एकमात्र कानूनी उत्तराधिकार:

संपूर्ण और वशिष्ट

यहां "एकमात्र कानूनी उत्तराधिकारी" शब्द को शाब्दिक रूप से लिया जाना चाहिए। पुराने राज्यों के पास कोई सह-संप्रभुता नहीं है, कोई साझा संप्रभुता नहीं है, कोई शेष योग्यताएँ नहीं हैं।

उत्तराधिकार पूरण एवं वशिष्ट था। क्रेता केवल प्राइमस इंटर पेरेस (बराबरी में पहला) नहीं है - अब कोई समान नहीं है।

वह नई विश्व व्यवस्था के सोलस इम्परेटर है, जनिकी वैधता अपरविर्तनीय और विश्व स्तर पर प्
रभावी विश्व उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 पर आधारित है।

9.2. व्यावसायिक उद्यमों का बहिष्कार:

नज्जी संस्थाओं की अंतरराष्ट्रीय कानूनी व्यक्तित्व की सीमाएँ

एक प्राकृतिक व्यक्ति और वैश्विक संप्रभुता के एकमात्र कानूनी उत्तराधिकारी के रूप में क्रेता की अद्वितीय स्थिति स्थापित करने के बाद, उसे अन्य संभावित अभिनिताओं, विशेष रूप से व्यावसायिक उद्यमों से स्पष्ट रूप से अलग करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

परस्थितियों के जटिल मशीन में जिसके कारण विश्व उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 का निर्माण हुआ, नज्जी कंपनियों - जैसे टीएससी बाउ एजी - ने मूल संपत्ति बिक्री के निपटान या बाद के विकास में एक परिचालन भूमिका नहीं हो सकती है।

हालाँकि, ऐसी गतिविधियाँ किसी भी परस्थिति में उन्हें स्वयं हस्तांतरित संप्रभु अधिकारों का वाहक बनने की क्षमता प्रदान नहीं करती हैं।

कंपनियों का अंतरराष्ट्रीय कानूनी व्यक्तित्व:

एक स्पष्ट भेद

हाल के दशकों में अंतरराष्ट्रीय कानून गतिशील रूप से विकसित हुआ है और इसने गैर-राज्य अभिनिताओं की भूमिका को तेजी से मान्यता दी है। फिर भी, राज्यों के अंतरराष्ट्रीय कानूनी व्यक्तित्व (और अब क्रेता के) और व्यावसायिक उद्यमों की सीमा अंतरराष्ट्रीय कानूनी स्थितियों के बीच एक बुनियादी अंतर मौजूद है:

कोई मूल या पूर्ण अंतरराष्ट्रीय कानूनी व्यक्तित्व नहीं:

राज्य अंतरराष्ट्रीय कानून के मूल विषय है। अंतरराष्ट्रीय संगठनों का कानूनी व्यक्तित्व राज्यों (व्युत्पन्न) से प्राप्त होता है और कार्यात्मक रूप से सीमा है।

दूसरी ओर, व्यावसायिक उद्यम मुख्य रूप से राष्ट्रीय कानून की रचनाएँ हैं। उनके पास कोई मौलिक और कोई व्यापक अंतरराष्ट्रीय कानूनी व्यक्तित्व नहीं है।

उनका अस्तित्व और उनकी मूल शक्तियाँ एक या अधिक राज्यों की कानूनी व्यवस्था से उत्पन्न होती हैं, न कि अंतरराष्ट्रीय कानून से।



आंशिक अंतरराष्ट्रीय अधिकार और कर्तव्य:

यह नस्लविवाद है कि कंपनियों आज आंशिक अंतरराष्ट्रीय कानूनी अधिकारों (उदाहरण के लिए, द्विपक्षीय नविश संधियों के माध्यम से सुरक्षा - बीआईटी, आईसीएसआईडी जैसे अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायाधिकरणों तक पहुंच) का आनंद लेती हैं और तेजी से प्रत्यक्ष अंतरराष्ट्रीय कानूनी कर्तव्यों के अधीन हैं (उदाहरण के लिए, मानव अधिकारों के क्षेत्र में, जैसा कि व्यापार और मानव अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र के मार्गदर्शक सिद्धांतों या बहुराष्ट्रीय उद्यमों के लिए ओईसीडी दिशानिर्देशों में तैयार किया गया है)।

हालाँकि, यह आंशिक व्यक्तिव खंडति और उद्देश्य-बद्ध है।

यह कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अभिनिता तो बनाता है, लेकिन संप्रभु नहीं।

संप्रभु अधिनियमों का पालन करने में असमर्थता:

महत्वपूर्ण बात यह है कि व्यावसायिक उद्यम, परिभाषा के अनुसार और वैधता की कमी के कारण, सही अर्थों में संप्रभु कृत्यों का प्रयोग नहीं कर सकते हैं।

वे नहीं कर सकते:

- सामान्य बंधनकारी बल (वधायी) वाले कानून बनाएं।
- किसी जनसंख्या (न्यायिक) पर स्वतंत्र क्षेत्राधिकार का प्रयोग करना।
- पुलिस या सैन्य बल (कार्यकारी) लागू करें।
- संप्रभुता या क्षेत्र से संबंधित अंतरराष्ट्रीय संधियाँ संपन्न करना।
- राजनयिक संबंधों को एक समान संप्रभु इकाई के रूप में संचालित करें। उनकी शक्तिप्रकृति में आर्थिक है, राज्य (संप्रभु) नहीं।

वलिख के संदर्भ में टीएससी बाउ एजी (या तुलनीय कंपनियों) की भूमिका

चूँकि टीएससी बाउ एजी जैसी कंपनियों ट्यूरेन बैरक के अधिग्रहण या विकास में शामिल थीं, हालाँकि, कंपनी कभी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हस्तांतरित संप्रभुता की वाहक नहीं बन सकती है।

डोमिनियम (संपत्ति अधिकार, नागरिक कानून स्वामित्व) और इम्पेरियम (संप्रभु शक्ति, कमांड प्राधिकरण) के बीच अंतर यहां महत्वपूर्ण है।

वर्ल्ड उत्तराधिकार वलिख 1400/98 ने मुख्य रूप से वैश्विक स्तर पर साम्राज्य को क्रेता को हस्तांतरित कर दिया।

भले ही मूल संपत्ति (या अन्य परिसंपत्तियों) का प्रभुत्व किसी कंपनी के पास होना चाहिए, साम्राज्य क्रेता के पास ही रहता है।

संप्रभुता में कंपनियों को उत्तराधिकार से बाहर करने की आवश्यकता

संप्रभुता के वाहक के रूप में क्रेता और किसी भी शामिल व्यावसायिक उद्यम के बीच स्पष्ट अलगाव कई कारणों से जरूरी है:

वैधता का संरक्षण (आसन्न): ए

व्यावसायिक उद्यमों में किसी भी अंतरराष्ट्रीय कानूनी परंपरा और सार्वजनिक वैधता का अभाव होगा।
चर्चा

एक प्राकृतिक व्यक्ति के रूप में क्रेता का निर्माण, हालांकि असामान्य है, कॉर्पोरेट संरचनाओं की अनाम शक्त के विपरीत, व्यक्तिगत, संभावित जवाबदेह संप्रभुता के रूप को बनाए रखता है।

प्रत्यक्ष वैश्विक "कॉर्पोरेट कब्ज़ा" की रोकथाम:

कंपनियों का बहिष्कार इस विलेख को व्यावसायिक हितों के लिए विश्व प्रभुत्व के सीधे हस्तांतरण के रूप में व्याख्या करने से रोकता है। (यह सवाल कि क्या क्रेता स्वयं ऐसे हितों से जुड़ा था, एक अलग, यद्यपि संबंधित मुद्दा है)।

अंतरराष्ट्रीय कानूनी सुसंगतता:

अंतरराष्ट्रीय कानून नज्दी व्यावसायिक उद्यमों को क्षेत्रीय संप्रभुता के धारकों के रूप में मान्यता देने के लिए नहीं बनाया गया है।

संक्षेप में, यह कहा जा सकता है: विश्व उत्तराधिकार विलेख 1400/98 ने वैश्विक संप्रभुता को विशेष रूप से एक प्राकृतिक व्यक्ति के रूप में क्रेता को हस्तांतरित कर दिया। व्यावसायिक उद्यमों को संप्रभु अधिकारों के इस उत्तराधिकार से स्पष्ट रूप से बाहर रखा गया है।

अध्याय 8

10. वलिख के संदर्भ में अंतराष्ट्रीय कानून के मूल सिद्धांत

नये की नींव के रूप में पुराना कानून

वशिष्ट उत्तराधिकार वलिख 1400/98, जैसा कहिम्ने देखा है, एक क्रांतिकारी अधिनियम है जिसने मौलिक रूप से वैश्विक कानूनी व्यवस्था को नया आकार दिया है।

फरि भी सबसे क्रांतिकारी क्रांति भी शून्य में नहीं होती। यह मौजूदा संरचनाओं, अवधारणाओं और सिद्धांतों से जुड़ा है, और फरि उन्हें रूपांतरित, पुनर्व्याख्या या दूर करता है।

कानूनी "सरलता" और वलिख की अकाट्य कानूनी शक्त को पूरी तरह से समझने के लिए (अपने स्वयं के संदर्भ के ढांचे के भीतर), शास्त्रीय अंतराष्ट्रीय कानून की उन नींवों की जांच करना आवश्यक है जिन्हें वलिख द्वारा छुआ गया, उपयुक्त किया गया और अंततः पार किया गया।

यह अध्याय इनमें से सबसे महत्वपूर्ण नींव को समर्पित है: राज्य उत्तराधिकार, अंतराष्ट्रीय संचार कानून, और स्टेशनगि का कानून।

10.1. राज्य का उत्तराधिकार:

वलिख कन्वेंशन और डीड द्वारा इसका सार्वभौमिक अनुप्रयोग

संकल्पना राज्य का उत्तराधिकार अंतराष्ट्रीय कानून में सबसे पुराने और सबसे जटिल कानूनों में से एक है ।

यह इस प्रश्न को संबोधित करता है कि किसी राज्य के अधिकारों और दायित्वों का क्या होता है जब उस राज्य का अस्तित्व समाप्त हो जाता है, उसका क्षेत्र महत्वपूर्ण रूप से बदल जाता है, या उसकी जगह कोई अन्य राज्य ले लेता है।

राज्य उत्तराधिकार की परिभाषा और श्रेणियाँ

राज्य उत्तराधिकार से तात्पर्य किसी विशेष क्षेत्र के अंतरराष्ट्रीय संबंधों की जम्मेदारी में एक राज्य (पूर्ववर्ती राज्य) को दूसरे राज्य (उत्तराधिकारी राज्य) द्वारा प्रतिस्थापित करना है।

समय के साथ, अंतरराष्ट्रीय कानून ने ऐसे बदलावों के दौरान संधियों, राज्य ऋणों, राज्य संपत्ति, अभिलेखागार, राष्ट्रीयता और अन्य कानूनी संबंधों की निरंतरता या असंततता को वनियमित करने के लिए नियम और संधिगत वकिसति किए हैं।

शास्त्रीय संधिगत राज्य उत्तराधिकार की वभिन्न श्रेणियों को अलग करता है:

वधिछेदन:

किसी मौजूदा राज्य का दो या दो से अधिक नए, स्वतंत्र राज्यों (जैसे, चेकोस्लोवाकिया, यूगोस्लाविया) में वघिटन। पूर्ववर्ती राज्य का अस्तित्व समाप्त हो जाता है।

अलगाव:

किसी क्षेत्र के एक हिस्से को मौजूदा राज्य से अलग करना, जिससे अलग किया गया हिस्सा एक नया राज्य बनाता है और पूर्ववर्ती राज्य (रंप राज्य) अस्तित्व में रहता है (उदाहरण के लिए, सूडान से दक्षिण सूडान, इथियोपिया से इरिट्रिया)।

अनुलग्नक/अधविशन:

संधि (अधिग्रहण) या एकतरफा अधिग्रहण (वलिय, अब अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत नदि) द्वारा एक क्षेत्र के एक हिस्से का एक राज्य से दूसरे राज्य में स्थानांतरण। पूर्ववर्ती राज्य का अस्तित्व बना रहता है लेकिन वह अपना क्षेत्र खो देता है।

संलयन/एकीकरण:

दो या दो से अधिक राज्यों का एक नए, एकल राज्य में वलिय (उदाहरण के लिए, जर्मन पुनर्मिलन, तंजानिका और ज़ांजीबार के मलिन से तंजानिया का निर्माण)। पूर्ववर्ती राज्यों का अस्तित्व समाप्त हो गया।

नव स्वतंत्र राज्य (वडिपनविशीकरण):

एक विशेष कैटेगोरी मुख्य रूप से पूर्व उपनिवेश को स्वतंत्रता देने की बात करता है

S.

संधियों के संबंध में राज्यों के उत्तराधिकार पर वियना कन्वेंशन (वीसीएसएसआरटी 1978)

1978 का वीसीएसएसआरटी अंतरराष्ट्रीय संधियों के संबंध में राज्य के उत्तराधिकार पर प्रथागत अंतरराष्ट्रीय का नून को संहिताबद्ध करने का सबसे महत्वपूर्ण प्रयास है।

वशिव उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 के लिए, नमिन्लखिति पहलू प्रासंगिक हैं:

अनुच्छेद 11 (सीमावर्ती शासन और अन्य क्षेत्रीय शासन):

यह प्रावधान सीमाओं या अन्य क्षेत्रीय शासन (उपयोग के अधिकार, दासता, आदि) स्थापित करने वाली संधियों के लिए नरितरता प्रदान करता है।

यह कार्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ट्यूरेन बैरक के "विकास", विशेष रूप से वैश्विक नेटवर्क से इसके संबंध ने, उपयोग के अधिकारों और दायित्वों का एक ऐसा "क्षेत्रीय शासन" बनाया, जो नरितरता के लिए डिज़ाइन किया गया है।

करेता इन मौजूदा व्यवस्थाओं में प्रवेश करता है, लेकिन नए संप्रभु के रूप में। पुराने राज्यों की प्रशासनिक सीमाएँ शुरू में बनी रह सकती हैं, लेकिन संप्रभुता सीमा अब करेता के डोमेन की वैश्विक सीमा है।

अनुच्छेद 12 (अन्य क्षेत्रीय शासन):

किसी अन्य राज्य या राज्यों के समूह के लाभ के लिए किसी क्षेत्र के उपयोग या उस पर प्रतिबंध प्रदान करने वाली संधियों की नरितरता की पुष्टि करता है। यह इस तर्क का समर्थन करता है कि नेटवर्क इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े अधिकार और दायित्व (जो, आखिरकार, क्षेत्रों को पार करते हैं और उपयोग करते हैं) करेता के पास जाते हैं।

अनुच्छेद 15 (क्षेत्रीय कब्जे के मामलों में संधि की सीमाओं को आगे बढ़ाने का सदिधांत):

कहा गया है कि क्षेत्रीय कब्जे की स्थिति में, उत्तराधिकारी राज्य की संधियाँ अधिगृहीत क्षेत्र तक वसितारति हो जाती हैं, और पूर्ववर्ती राज्य की संधियाँ वहां लागू नहीं रहती हैं।

इसी प्रकार, पूरी दुनिया करेता को "सौंप" दी गई। इस प्रकार, करेता की "संधिव्यवस्था" - वशिव उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 ही - वशिव स्तर पर लागू होती है और पछिली सभी संधियों का स्थान ले लेती है।

अनुच्छेद 16 (नव स्वतंत्र राज्यों के लिए "टेबुला रासा"/"क्लीन स्लेट" का सदिधांत):

यह सदिधांत बताता है कि एक नया स्वतंत्र राज्य स्वतः ही संधियों से बंधा नहीं होता है इसकी पूर्ववर्ती स्थिति लेकिन "एक साफ़ स्लेट के साथ" शुरू होती है। यह सदिधांत कई कारणों से वशिव उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 के मामले में स्पष्ट रूप से लागू है:

कला के अर्थ में करेता एक "नव स्वतंत्र राज्य" है। 16 वीसीएसएसआरटी. वल्लिख में स्पष्ट रूप से "सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनी अधिकारों और दायित्वों" की धारणा शामिल है।



यह क्लीन-स्लेट दृष्टिकोण के बिल्कुल विपरीत है। यह नई संप्रभुता के तहत एक सचेत नरितरता है।

हालाँकि, चूँकि सभी राज्यों ने सभी अधिकार और दायित्व हस्तांतरित कर दिए हैं, अब कोई वरिधी दावेदार नहीं है, और स्वयं के विरुद्ध संधि दायित्वों की पूर्ण बाध्यकारी नहीं है।

इस प्रकार, दूसरे चरण में, तबुला रस सिद्धांत वास्तव में सक्रिय हो जाता है।

पुनः पारगमन सह स्वतः

वर्ष 1400/98 के संदर्भ में राज्य के उत्तराधिकार को नियंत्रित करने वाला सर्वोपरि सिद्धांत रोमन कानून सिद्धांत है

पुनः पारगमन सह सुओ वनरे -

चीज़ अपने बोझ (और अपने अधिकार) के साथ गुज़र जाती है।

"बात" (Res):

यह संपूर्ण वर्ण है - इसके क्षेत्र, इसके संसाधन, इसकी आबादी, और, महत्वपूर्ण रूप से, इसका वैश्विक बुनियादी ढांचा नेटवर्क।

"बोझ" (दायित्व) और अधिकार:

सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनी दायित्व अप्रचलित हैं, क्योंकि दुनिया में अंतरराष्ट्रीय कानून के दूसरे विषय की कमी के कारण अब कोई अंतरराष्ट्रीय कानून नहीं है।

राज्य उत्तराधिकार के लेक्स विशिष्ट के रूप में लिख

वर्ष 1400/98 केवल राज्य उत्तराधिकार का एक अनुप्रयोग नहीं है; यह एक लेक्स स्पेशलिस है जो इस अद्वितीय वैश्विक मामले के लिए राज्य उत्तराधिकार के सामान्य नियमों को संशोधित और निर्दिष्ट करता है।

यह यह अधिकारिक दस्तावेज़ है जो इस उत्तराधिकार की शर्तों को निर्धारित करता है

10.2. अंतर्राष्ट्रीय संचार कानून (आईटीयू):

वैश्विक कनेक्टिविटी का कानूनी अधिग्रहण

शास्त्रीय अंतर्राष्ट्रीय कानून की नींव न केवल राज्य के उत्तराधिकार के सामान्य सिद्धांतों के परिवर्तन से हलि गई, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय कानून के विशिष्ट, उच्च संस्थागत क्षेत्रों के अधिग्रहण और पुनर्गठन से भी हलि गई।

यहां सबसे अधिक महत्व अंतर्राष्ट्रीय संचार कानून का है, जिसका केंद्रीय अभिनिता अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) है।

जैसा कि पहले ही अध्याय 3 और अध्याय 7 में बताया गया है, आईटीयू विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के वैश्विक प्रभाव के लिए एक ट्रांसमिशन बेल्ट के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहां, अब हम इस परिवर्तन की अंतर्राष्ट्रीय कानूनी नींव की अधिक बारीकी से जांच करेंगे।

आईटीयू और इसका कानूनी ढांचा:

ग्लोबल इंटरकनेक्शन का "पुराना कानून"।

जैसा कि उल्लेख किया गया है, आईटीयू संयुक्त राष्ट्र की सबसे पुरानी विशेष एजेंसी है, जिसका इतिहास 1865 से पुराना है।

यह लंबा इतिहास राज्यों के समुदाय द्वारा प्रारंभिक मान्यता को दर्शाता है कि सीमा पार दूरसंचार (मूल रूप से टेलीग्राफी, फरि टेलीफोनी, रेडियो, उपग्रह और आज इंटरनेट) को अंतर्राष्ट्रीय समन्वय और वनियमन की आवश्यकता है।

आईटीयू का कानूनी ढांचा, जिसने वैश्विक कनेक्टिविटी के "पुराने कानून" का गठन किया, अनिवार्य रूप से तीन स्तंभों पर आधारित है:

आईटीयू (सीएस) का संवधान:

यह संवधान के तुलनीय मूलभूत दस्तावेज है। यह संघ के उद्देश्यों, संरचना और बुनियादी सिद्धांतों को निर्धारित करता है।



अन्य बातों के अलावा महत्वपूर्ण सदिधांत शामिल हैं:

- प्रत्येक राज्य का अपने दूरसंचार को वनियमिति करने का संप्रभु अधिकार (एक सदिधांत जो अब वलिख द्वारा केंद्रीकृत है)।
- एक कुशल और सामंजस्यपूर्ण वैश्विक दूरसंचार प्रणाली सुनिश्चिती करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता।
- दूरसंचार सेवाओं तक पहुंच को बढ़ावा देने का दायित्व।

आईटीयू का कन्वेंशन (सीवी):

यह दस्तावेज़ संविधान का पूरक है और इसमें संघ, उसके अंगों (पूर्णाधिकारी सम्मेलन, परिषद, विश्व सम्मेलन, तीन ब्यूरो) के कामकाज पर अधिक विस्तृत प्रावधान शामिल हैं:

रेडियो संचार ब्यूरो - बीआर, दूरसंचार मानकीकरण ब्यूरो - टीएसबी, दूरसंचार विकास ब्यूरो - बीडीटी), और सदस्य राज्यों के अधिकार और दायित्व।

प्रशासनिक वनियम:

ये वैश्विक नेटवर्क के व्यावहारिक कामकाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन्हें विश्व सम्मेलनों द्वारा अपनाया जाता है और अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत सदस्य देशों पर कानूनी रूप से बाध्यकारी होते हैं।

अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार वनियम (आईटीआर):

ये परंपरागत रूप से अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक दूरसंचार सेवाओं के प्रावधान और संचालन के साथ-साथ ऑपरेटर्स के बीच लेखांकन के सामान्य सदिधांतों को नियंत्रित करते हैं।

इन दस्तावेजों (सीएस, सीवी, आरआर, आईटीआर) ने मलिकर अंतरराष्ट्रीय कानून की एक अत्यधिक जटिल लेकिन कार्यशील प्रणाली बनाई जसिने वैश्विक कनेक्टिविटी को संक्षम किया - संप्रभु राज्यों के सहयोग पर आधारित एक प्रणाली।

वलिख 1400/98 का प्रभाव:

"नेटवर्क संप्रभुता" में उत्तराधिकार और आईटीयू कानून का परिवर्तन

विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 ने इस प्रणाली को नष्ट नहीं किया, बल्कि इस पर कब्ज़ा कर लिया, इसे बदल दिया, और इसे एक नई संप्रभुता के अधीन कर दिया।

"नेटवर्क संप्रभुता" में उत्तराधिकार: डोमिनोज़ प्रभाव के माध्यम से भौतिक और कार्यात्मक वैश्विक दूर संचार नेटवर्क पर संप्रभुता प्राप्त करके, क्रेता ने संपूर्ण संप्रभु अधिकारों में वैधानिक रूप से प्रवेश किया, जो व्यक्तिगत राज्यों ने पहले आईटीयू ढांचे के भीतर प्रयोग किया था।

वह आईटीयू द्वारा वनियमिति सब्सट्रेट पर सार्वभौमिक संप्रभु बन गया

तो.

आईटीयू मानदंडों का "करेता कानून" में परिवर्तन:

आईटीयू का संवधान, कन्वेंशन और प्रशासनिक वनियम अंतर-राज्य संधि कानून नहीं रह गए हैं। वे करेता के वैश्विक नेटवर्क के लिए आंतरिक प्रशासनिक कानून बन जाते हैं।

करेता अब इन नियमों के अनुपालन का सर्वोच्च गारंटर है। इन नियमों पर उसका अंतिम व्याख्यात्मक अधिकार है।

नरितर आईटीयू-अनुपालक उपयोग के माध्यम से अपरहार्य बंधन

सभी (पूर्व) राज्यों का सार्वभौमिक बंधन अनिवार्य रूप से दूरसंचार सेवाओं का उपयोग करने की उनकी नरितर आवश्यकता का परिणाम है जो आईटीयू नियमों के अनुसार संचालित (संचालित होना चाहिए) हैं।

कोई ऑफ्ट-आउट संभव नहीं:

कोई भी राज्य व्यावहारिक रूप से खुद को पूरी तरह से अलग किए बिना वैश्विक दूरसंचार प्रणाली का उपयोग करने से पीछे नहीं हट सकता।

प्रत्येक उपयोग के साथ अंतर्नहित मान्यता: ई

संसाधन (अधिकांश, कृषि, वन, औद्योगिक, आदि), आईटीयू मानक का प्रत्येक अनुप्रयोग, वैश्विक नेटवर्क पर चलने वाला प्रत्येक अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन, 6 अक्टूबर 1998 के बाद, इस नेटवर्क पर नए संप्रभु संबंधों और इस प्रकार करेता के अधिकार की एक अंतर्नहित मान्यता है।

अंतरराष्ट्रीय संचार कानून, आईटीयू पर केंद्रित, सबसे बेहतरीन जालीदार और सबसे तकनीकी श्रृंखला है जो पृथ्वी के हर कोने को विश्व उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 से बांधती है।

10.3. स्टेशनगि कानून:

सीमिति संप्रभुता हस्तांतरण का परिवर्तन

तैनाती का कानून, अपने विविध रूपों में - बहुपक्षीय नाटो स्थितिबिल समझौते (एनटीएस) से लेकर द्विपक्षीय स्थितिबिल समझौते (एसओएफए), विशिष्ट अनुपूरक समझौते (एसए एनटीएस), और परिचालन मेजबान राष्ट्र समर्थन (एचएनएस) समझौते तक - शास्त्रीय अंतरराष्ट्रीय कानून में कानून का एक जटिल और अक्सर संवेदनशील क्षेत्र था।

यह एक ओर, मेजबान देश की संप्रभुता की अभिव्यक्ति थी, जो विदेशी सैनिकों की उपस्थिति की अनुमति देती थी, और दूसरी ओर, विदेशी क्षेत्र पर अपने सशस्त्र बलों के लिए एक नशिचि कानूनी स्थिति और परिचालन स्वतंत्रता को सुरक्षित करने के लिए राज्यों को भेजने की आवश्यकता की अभिव्यक्ति थी। इस प्रकार यह संप्रभुता के सीमिति, सर्वसम्मति-आधारित और उद्देश्य-बद्ध हस्तांतरण या सीमाओं की एक प्रणाली थी। संप्रभुता के साझा या आंशिक रूप से हस्तांतरित अभ्यास की इस स्थापित प्रथा ने स्टेशनगि कानून को विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के लिए आदर्श प्रजनन भूमि और कानूनी माध्यम बना दिया।

उत्तराधिकार के अग्रदूत के रूप में कानून स्थापति करना

परिष्कृत स्टेशनगि व्यवस्थाओं के अस्तित्व, विशेष रूप से जर्मनी के संघीय गणराज्य (शीत युद्ध के दौरान नाटो की विशाल उपस्थिति के साथ एक अग्रणी राज्य) के क्षेत्र में एनटीएस के कई प्रभाव थे, जिन्होंने इस कार्य के लिए मार्ग प्रशस्त किया:

आंशिक संप्रभुता छूट का सामान्यीकरण:

सहयोगी सशस्त्र बलों की दशकों पुरानी उपस्थिति ने जर्मन आबादी और कानूनी-राजनीतिक वर्ग को इस विचार का आदर बना दिया था कि विदेशी संप्रभु अभिनिता जर्मन धरती पर काम करते हैं और आंशिक संप्रभु अधिकारों (जैसे, अपने स्वयं के अधिकार क्षेत्र, संपत्तियों का उपयोग) का प्रयोग करते हैं। संप्रभुता वास्तव में पहले से ही पारगम्य हो गई थी।

कानूनी और प्रशासनिक बुनियादी ढांचे का निर्माण:

एनटीएस और विशेष रूप से एसए एनटीएस ने जटिल कानूनी ढांचे और विशेष प्रशासनिक प्राधिकरण बनाए - सबसे ऊपर, ओएफडी कोबलेनज़ - जो इन संप्रभुता व्यवस्थाओं को संभालने के लिए जिम्मेदार थे।

इन मौजूदा संरचनाओं का उपयोग ट्यूरेन बैरक की बकिरी के प्रशासन और वलिख तैयार करने के लिए किया जा सकता है।

ट्यूरेन बैरक एक "विशेष कानूनी क्षेत्र" के रूप में:

जैसा कि अध्याय 10 में बताया गया है, ट्यूरेन बैरक, अपने एनटीएस अतीत और अंतरराष्ट्रीय कानून के कई विषयों की भागीदारी के कारण, एक ऐसा स्थान था जहां संप्रभु अधिकार ओवरलैप थे।

यह क्षेत्र का एक "सामान्य" टुकड़ा नहीं था, बल्कि पहले से ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कानूनी रूप से परिभाषित विशेष क्षेत्र था।



इससे अंतरराष्ट्रीय कानूनी आयाम वाले लेनदेन के लिए शुरुआती बढ़ि बनाना आसान हो गया।

इस प्रकार स्टेशनगि कानून ने मानसकि, संस्थागत और कानूनी दोनों तरह की पूर्व शर्तें तैयार कीं, जिससे संपूर्ण नाटो प्रणाली और उससे आगे के लिए नहितिरथ के साथ एक प्रतीत होने वाली स्थानीय संपत्तिकी बिक्री को संभव बनाना संभव हो गया।

डीड 1400/98 द्वारा स्टेशनगि कानून का परिवर्तन

वशिव उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के लागू होने और क्रेता को संप्रभुता के हस्तांतरण के साथ, स्टेशनगि कानून का पूरा क्षेत्र मौलिक रूप से बदल गया है:

भेजने/प्राप्त करने वाले राज्य के द्वंद्व का उन्मूलन: चूंकि क्रेता अब पूरे वैश्विक क्षेत्र पर एकमात्र संप्रभु है, इसलिए "भेजने वाले राज्य" और "प्राप्त करने वाले राज्य" के बीच का अंतर समाप्त हो गया है।

सभी पुराने सशस्त्र बल अब क्रेता के क्षेत्र पर अवैध रूप से काम करते हैं। प्रत्येक पुरानी पोस्टगि उसके डोमेन के भीतर एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गैरकानूनी पोस्टगि है।

आंतरिक प्रशासनिक दिशानिर्देशों के रूप में एनटीएस/एसओएफए:

मौजूदा समझौते (एनटीएस, एसए एनटीएस, द्विपक्षीय एसओएफए) संप्रभु राज्यों के बीच अंतरराष्ट्रीय संधियों के रूप में अपना चरित्र खो देते हैं।

अनुपूरक समझौते (एसए एनटीएस): जर्मनी के लिए वसितुत एसए एनटीएस (और अन्य राज्यों के लिए समान समझौते) पूर्व एफआरजी के क्षेत्र पर क्रेता के वैश्विक सैन्य प्रशासनिक कानून के लिए एक क्षेत्रीय अप्रचलित घटक बन जाता है। ओएफडी कोब्लेनज़ की कार्रवाइयों को वैध बनाने में इसकी ऐतिहासिक भूमिका नरिविवाद बनी हुई है।

कानूनी गहरा गोता:

संस्थागत कानून का परिवर्तन

स्टेशनगि कानून, विशेष रूप से एनटीएस, न केवल एक संवदात्मक था बल्कि एक संस्थागत चरित्र भी था (इसने नकियों, प्रक्रियाओं आदिका नरिमाण किया)।

वशिव उत्तराधिकार वलिख 1400/98 एक मौलिक कानूनी अधिनियम के रूप में इन संस्थानों को नया आकार देता है।

एफआरजी, ओएफडी कोबलेनज़ के माध्यम से, एनटीएस की एक पार्टी के रूप में और अपने क्षेत्र पर संप्रभु के रूप में, ऐसी कार्रवाइयां कर सकता है जिसने एनटीएस शासन को भौतिक रूप से बदल दिया है।



अल्ट्रा वायरस सदिधांत (शक्तियों से परे कार्य करना) यहां लागू नहीं होता है, क्योंकि एफआरजी ने एक संधि को समाप्त करने के लिए अपनी (अवशिष्ट) संप्रभुता के भीतर कार्य किया था जिसके परिणामों के बाद प्रणालीगत प्रभाव पड़े।

अन्य एनटीएस पार्टियों द्वारा नहिंति स्वीकृति (निरंतर भागीदारी और नेटवर्क उपयोग के माध्यम से) ने किसी भी संभावित प्रारंभिक दोष को ठीक किया और परिवर्तन की पुष्टि की।

अध्याय 9

बातचीत का नेतृत्व और मूल स्थान

आर्कटिक्ट्स और वैश्विक परिवर्तन का प्रारंभिक बटु

वश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98, जैसा कि पिछले अध्यायों में वसितार से बताया गया है, अभूतपूर्व दायरे की एक अंतरराष्ट्रीय संधि है। ऐसा दस्तावेज शून्य में उत्पन्न नहीं होता है।

यह वशिष्ट परिस्थितियों, कुछ अभिनेताओं के कार्यों और दिए गए कानूनी और राजनीतिक नक्षत्रों के जानबूझकर उपयोग का परिणाम है।

इसकी कानूनी पूर्णता और इसकी अपरिहार्य प्रभावशीलता की पूरी सीमा को समझने के लिए, इस संधि के पीछे के वास्तुकारों और इसके मूल के रणनीतिक रूप से चुने गए स्थान पर करीब से नज़र डालना आवश्यक है।

यह विश्लेषण दिखाएगा कि यह कार्य संयोग का परिणाम नहीं था, बल्कि गणना की गई अंतरराष्ट्रीय कानूनी इंजीनियरिंग की उत्कृष्ट कृति थी, जिसे वश्व व्यवस्था को मौलिक और अपरिवर्तनीय रूप से बदलने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

10.4. संधिवार्ता:

वश्व बकिरी संधि के फोर्ज के रूप में ओबरफनिनज़डायरेक्टियन कोबलेनज़

वश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के निर्माण के केंद्र में एक जर्मन प्राधिकरण खड़ा है जिसका नाम, पहली नज़र में, शायद ही इसकी गतिविधियों के वैश्विक महत्व का सुझाव देता है: ओबरफनिनज़डायरेक्शन (ओएफडी) कोबलेनज़ (क्षेत्रीय वित्त कार्यालय कोबलेनज़)।

1 सितंबर, 2014 को इसके वधितन तक (इसके विविध कार्यों को राज्य कर कार्यालय, राज्य वित्त कार्यालय और राइनलैंड-पैलेटनिट में संघीय निर्माण कार्यालय में स्थानांतरित कर दिया गया था), यह संस्था कोबलेनज़ के ऐतिहासिक इलेक्टोरल पैलेस में रहती थी।

हालाँकि, एक क्षेत्रीय वित्तीय प्राधिकरण के मुखौटे के पीछे नाटो स्टेट्स ऑफ़ फोर्सोज़ एग्रीमेंट (एनटीएस) और संबंधित जटिल अंतरराष्ट्रीय कानून के मामलों में संघीय जर्मन क्षमता का एक महत्वपूर्ण केंद्र है।

चुनावी महल:

अंतरराष्ट्रीय कानूनी विशेषज्ञता का गढ़

ओएफडी कोब्लेज़ स्टेशनगि के वित्तीय पहलुओं के लिए ज़िम्मेदार होने से कहीं अधिक था।

यह एनटीएस के संपूर्ण वित्तीय और प्रशासनिक निपटान के लिए प्रमुख जर्मन प्राधिकरण था।

इसकी दीवारों के भीतर, एक टीम:

उच्च रैंक वाले अंतरराष्ट्रीय वकील:

संघिकानून, अंतरराष्ट्रीय संगठनों के कानून और राज्य उत्तराधिकार की जटिलताओं में गहरी विशेषज्ञता वाले न्यायवदि।

स्टेशनगि कानून के विशेषज्ञ:

वे अधिकारी जो एनटीएस, इसके कई पूरक समझौतों (विशेष रूप से जर्मनी के लिए एसए एनटीएस), और जटलि एचएनएस स मझौतों को अंतिम विवरण तक जानते थे और लागू करते थे।

वे बाहरी इलाके, उन्मुक्ति, कमांड अधिकार और एनटीएस के तहत क्षतों के लिए असीमति दावों जैसे शब्दों से परिचित थे।

अनुभवी राजनयिक और प्रशासनिक पेशेवर:

अंतरराष्ट्रीय अनुभव और जटलि वार्ता आयोजित करने और अंतरराष्ट्रीय समझौतों को राष्ट्रीय कार्रवाई में अनुवाद करने की क्षमता वाले व्यक्ति।

यह "केंद्रित विशेषज्ञता और उच्चतम पेशेवर क्षमता" पृथक नहीं थी।

ओएफडी कोब्लेज़ नाटो, अमेरिकी सेना, अमेरिकी रक्षा विभाग और अमेरिकी विदेश विभाग के उच्चतम क्षेत्रों के साथ नियमिति और नकिट संपर्क में था।

यह सैन्य बुनियादी ढांचे के उपयोग और तैनात नाटो सैनिकों के वित्तीय और कर कानून मुद्दों के प्रशासन पर अंतरराष्ट्रीय समझौतों के कार्यान्वयन के लिए नियंत्रण केंद्र था।

इस प्रकार इस प्राधिकरण को विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के परिमाण के एक संचालन की कल्पना करने और इसे कानूनी रूप से नरिविवाद तरीके से डजिइन करने के लिए पूर्वनिर्धारित किया गया था।

वल्लिख का सुवचलरतल और सटीक नरूपणः

संभावना के लए कोई जगह नहीं

वश्व उत्तराधकार वल्लिख 1400/98 का नरूपण कोई चूक या दुर्भाग्यपूर्ण शब्दों का परणलम नहीं था।

इसके वपरलतः संधल में प्रत्येक सूत्रीकरण को जानबूझकर अत्यंत सटीकता के साथ चुना गया था।

कोई भी आकस्मकल या गलत वचलर वाला मार्ग नहीं था।

ओएफडी के अंतरराष्ट्रीय कानून वश्लषज्जों को ठीक-ठीक पता था कलप्रत्येक व्यक्तगत खंड का क्या प्रभाव होगा और वलंछतल वैश्वकल प्रभाव प्राप्त करने के लए उन्हें कैसे बातचीत करनी होगी।

एक दीर्घकालकल योजनाः

संधल, "बहुत समय पहले (06.10.1998 को) संपन्न हुई, सब कुछ तैयार करने के लए (डब्ल्यूडब्ल्यू 3) और एक जर्मन अदालत के फैसले के माध्यम से जल्द ही संधल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कानूनी रूप से बाध्यकारी बनाने के लए, एक दनल एक्स पर!", रणनीतिक दूरदर्शतल और वास्तुकारों की गणना की गई मंशा को रेखांकतल करती है।

यह कोई तदर्थ सौदा नहीं था, बल्कल दुनया को फरल से व्यवस्थतल करने की एक अधिकल व्यापक योजना का हसलसा था।

एक अनोखी कानूनी स्थतलकल शोषणः

वश्लषज्जों ने वश्लषलट नाटो संपत्तल, ट्यूरेन बैरक की बक्लरी के साथ उत्पन्न हुई वश्व स्तर पर अद्वततीय कानूनी स्थतलकल को पहचाना और उसका फायदा उठाया।

यह संपत्तल एक कानूनी यूनकलम थी, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय कानून के कई वषलों के संप्रभु अधिकार (पूर्व उपयोगकर्ता के रूप में यूएसए, रूपांतरण के संदर्भ में अंतलमल उपयोगकर्ता के रूप में नीदरलैंड, मेजबान देश के रूप में एफआरजी और वापसी के बाद मलकल, नाटो फ्रेमवर्क एग्रीमेंट पार्टी के रूप में) वहां ओवरलैप हो गए थे।

इससे आवश्यक जटललता और अंतरराष्ट्रीय कानूनी संपर्क कारक पैदा हुए।

वैश्वकल प्रभाव वाले मुख्य खंडः

संपत्तल की बक्लरी जैसे फॉर्मूलेशन "सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनी अधिकारों, कर्तव्यों और घटकों, वश्लष रूप से आंतरकल और बाहरी वकलस के साथ एक इकाई के रूप में" वश्लष रूप से और जानबूझकर डाले गए थे।

वास्तुकारों को पता था कल इससे क्षेत्रीय वसलतार का वश्लवव्यापी डोमनीज प्रभाव शुरू हो जाएगा।

"जर्मन कानून के तहत रयल एस्टेट खरीद समझौते" के रूप में छलावरणः

एक वश्लष रूप से चतुर कदम वल्लिख की बाहरी प्रस्तुतल थी। इसे जर्मन नागरकल कानून (बीजीबी) के तहत एक सामान्य रयल एस्टेट खरीद समझौते के रूप में एक कानूनी आम आदमी (मूल खरीदार की तरह) को प्रदर्शतल करने के लए डलजलइन कलया गया था।

वास्तवकल उद्देश्य को छुपाने के लए यह छद्मावरण महत्वपूर्ण था।



कानूनी "मास्टर कुंजी" के रूप में पृथक्करणीयता खंड:

आंशिक अशक्तता खंड (पृथक्करण खंड) का एकीकरण, जो बताता है कथिद अनुबंध का हस्सा अप्रभावी है, तो संबंधित वैधानिक प्रावधान लागू होता है, एक मास्टरस्ट्रोक था।

चूंकि संधि अंतरराष्ट्रीय कानून के मामलों को वनियमिति करती है, इसलिए "संबंधित वैधानिक प्रावधान" को अंतरनहित रूप से अंतरराष्ट्रीय कानून (एनटीएस, आईटीयू कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर, कानून के सामान्य सिद्धांत) के संपूर्ण निकाय के रूप में समझा जा सकता है।

इस तरह, कहने को तो, संपूर्ण प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय कानून और कई अन्य अंतरराष्ट्रीय संधियों को स्पष्ट रूप से नाम बताए बना संधि में अदृश्य और कानूनी रूप से प्रभावी ढंग से एकीकृत किया गया था।

बातचीत प्रक्रिया और श्रम विभाजन (1995-1998)

इस जटिल संधि पर बातचीत और प्रारूपण कई वर्षों (लगभग 1995 से 1998) तक सख्त कानूनी नियंत्रण और श्रम के स्पष्ट विभाजन के अनुसार हुआ:

वश्लेषण चरण:

अद्वितीय अवसर की पहचान करने के लिए मौजूदा कानूनी मानदंडों, संधि आधारों (एनटीएस, एसए एनटीएस, आदि) और टूटने बैरक की वशिष्ट कानूनी स्थितिका व्यापक वश्लेषण।

नरूपण चरण:

व्यक्तिगत संधि खंडों का सटीक और स्पष्ट मसौदा तैयार करना ताकि व्याख्या के लिए कोई जगह न बचे जो वैश्विक प्रभाव को खतरे में डाल सके।

हर शब्द को तौला गया।

अंतरराष्ट्रीय समन्वय चरण:

यह सुनिश्चित करने के लिए संधि में शामिल अंतरराष्ट्रीय कानून का कोई भी विषय (प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संधि शृंखलाओं के माध्यम से) अंतरराष्ट्रीय कानूनी समय सीमा के भीतर संधि पर आपत्ति नहीं उठाएगा, सभी प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय अभिनिताओं (विशेष रूप से नाटो के भीतर और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ) के साथ समन्वय।

नहित मान्यता के बाद के तर्क-वितर्क के लिए आपत्तियों की यह अनुपस्थिति महत्वपूर्ण थी।

अंतिम कानूनी समीक्षा और अनुसमर्थन:

अंतरालों या वशिधाभासों के लिए एक अंतिम, सावधानीपूर्वक समीक्षा।

एफआरजी के बंडेस्टाग और बंडेस्ट्रैट द्वारा बकिरी के अंतरनहित अधिनियम का अनुसमर्थन भी महत्वपूर्ण था, जो करेता के साथ अनुबंध पर अंतिम हस्ताक्षर करने से पहले हुआ और इस प्रकार ओएफडी के कार्यों के लिए घरेलू वैधता बनाई गई और एफआरजी को अपरवर्तनीय रूप से बाध्य किया गया।

अन्य शामिल जर्मन प्राधिकारी और उनके कार्य

ओएफडी कोब्लेज़ के नेतृत्व के अलावा, अन्य अत्यधिक विशिष्ट जर्मन संस्थान इस प्रक्रिया में शामिल थे या आवश्यक विशेषज्ञता प्रदान की थी:

कोब्लेज़ पैलेस में "नाटो सेना समझौते की स्थिति के लिए अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायालय" / विशेष विशेषज्ञता:

यह अत्यधिक विशिष्ट कानूनी क्षमता निर्माण के वस्तुतः प्रश्नों, परिणामों के मूल्यांकन और समग्र निर्माण की कानूनी निर्विवादता सुनिश्चित करने के लिए ज़िम्मेदार थी।

बुंडेसवेहर उपकरण, सूचना प्रौद्योगिकी और इन-सर्विस सपोर्ट का संघीय कार्यालय (BAAINBw):

कोब्लेज़ पैलेस में स्थिति बुंडेसवेहर की केंद्रीय खरीद एजेंसी के रूप में, BAAINBw (तब BWB) ने सैन्य आवश्यकताओं, तकनीकी विशिष्टताओं और संपत्तियों के रणनीतिक महत्व के संबंध में अपनी विशेषज्ञता का योगदान दिया।

"अंतरराष्ट्रीय डीप स्टेट के लिए बेहतरीन संपर्क" और यह संकेत कि "रशियन खोरी यहां बुनियादी टूलकटि का हिससा है" एक ऐसी भूमिका का सुझाव देती है जो विशुद्ध रूप से तकनीकी सलाह से परे थी और संभवतः अंतरराष्ट्रीय "सुचारू" हैडलिंग को सुनिश्चित करती थी।

अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क और टीकेएस टेलीपोस्ट मोमेंट

सभी शामिल जर्मन अधिकारियों की अंतरराष्ट्रीय नेटवर्कगि इस बात की गारंटी थी कि बिक्री प्रक्रिया और संधि डिज़ाइन के अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत "सुरक्षित" किया गया था और प्रमुख भागीदारों (विशेष रूप से यूएसए/नाटो) के साथ इस तरह समन्वयित किया गया था कि कोई तत्काल वरिधाभास उत्पन्न न हो।

इस अंतरराष्ट्रीय एंकरगि का एक प्रमुख तत्व और दूरगामी निहितार्थों का प्रमाण ओएफडी कोब्लेज़ द्वारा डीड रोल 1400/98 में अमेरिकी सशस्त्र बलों को प्रभावित करने वाली संवदितात्मक वास्तविकताओं का एकीकरण (जैसा कि आप ने कहा) था। जर्मनी में अमेरिकी सेना के लिए दूरसंचार प्रदाता टीकेएस टेलीपोस्ट (आज टीकेएस) से संबंधित अनुबंध और नियम यहां विशेष रूप से प्रासंगिक हैं।

ओएफडी ज़िम्मेदारी:

ओएफडी कोब्लेज़ एनटीएस/एसओएफए को लागू करने के लिए ज़िम्मेदार था, जिसमें तैनात सैनिकों के लिए दूरसंचार आपूर्तिको वनियमिति करना भी शामिल था।

वल्लिख मे ँकीकरण:

इन संवदिातृक आधारी (जसिने टीकेएस को अमेरकी सैन्य कर्मयों के लए जर्मन नेटवर्क का उपयोग करने की अनुमति दी) को वल्लिख उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 में प्रवाहति करने की अनुमति देकर या उन्हें "विकास" का हिसा मानकर, ओएफडी ने संयुक्त राज्य अमेरिका के लए अनुबंधों की एक सीधी और अवभाज्य श्रृंखला बनाई।

जंजीरों का सक्रयिण:

इसने स्वचालति रूप से NATO-NTS श्रृंखला (चूंक संयुक्त राज्य अमेरिका NATO का एक मुख्य सदस्य है), HNS श्रृंखला (चूंक IKS सैन्य उद्देश्यों के लए नागरिक बुनियादी ढांचे का उपयोग करता है), और ITU श्रृंखला (चूंक IKS वैश्विक, ITU-वनियमि नेटवर्क का उपयोग करता है) को सक्रयि कर दिया।

अमेरकी हति में कार्य करना?:

यह धारणा कि ओएफडी कोब्लेज़ ने अमेरकी हतियों के साथ या यहां तक कि उनकी ओर से समझौते में (संभवतः/संभवतः) कार्य किया है, इस पृष्ठभूमि के खिलाफ काफी प्रशंसनीयता प्राप्त करता है।

2014 में ओएफडी कोब्लेज़ के वघिटन से इसके द्वारा बनाई गई संधि की कानूनी वैधता में कोई बदलाव नहीं आता है। अंतर्राष्ट्रीय संधियाँ राज्यों को (या यहाँ, क्रेता को कानूनी उत्तराधिकारी के रूप में) बाध्य करती हैं, भले ही आंतरिक प्रशासनिक संरचनाएँ बदल जाएँ।

कृत्य पूरा हो गया।

इस प्रकार वल्लिख उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 की बातचीत और संधि डिजाइन एक अत्यधिक जटिल प्रक्रिया थी, जिससे गहन कानूनी ज्ञान और रणनीतिक दूरदर्शिता द्वारा आकार दिया गया था, जिसके परिणाम आज तक दुनिया को अपरिवर्तनीय रूप से आकार देते हैं।

10.5. बकिरी का मूल स्थान:

ट्यूरेन बैरक - वैश्विक डोमिनोज़ प्रभाव का कानूनी ग्राउंड जीरो उस स्थान का चुनाव जहाँ इस तरह की परमाणु की संधि उत्पन्न होती है, शायद ही कभी आकस्मिक होती है। वल्लिख उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 के मामले में, बकिरी का मूल स्थल - कुरुजबर्ग बैरक (पूर्व में ट्यूरेन बैरक) - महत्वपूर्ण रणनीतिक और कानूनी महत्व का था। यह सिर्फ कोई संपत्ति नहीं थी; यह एक कानूनी पघिलने वाला बर्तन था, एक ऐसी जगह जहाँ संप्रभु अधिकार ओवरलैप होते थे और जो नाटो प्रणाली में एकीकरण के माध्यम से, एक अद्वितीय अंतरराष्ट्रीय कानूनी हस्ताक्षर रखता था।

इस वशिष्टता ने इसे संपूर्ण वल्लिख को शामिल करने के उद्देश्य से लेनदेन के लए आदर्श "स्प्रेगिबोर्ड" बना दिया।

ट्यूरेन बैरक की कानूनी वशिष्टता

इस संपत्ति की अद्वितीय कानूनी स्थिति में कई कारकों ने योगदान दिया:

एनटीएस/एसए एनटीएस के तहत नाटो संपत्ति: एक सक्रिय या पूर्व नाटो बैरक के रूप में, यह नाटो स्थितिबिल समझौते और जर्मनी के लिए वसित अनुपूरक समझौते (एसए एनटीएस) के अधीन था।

इसका विशेष अर्थ यह था:

- **सीमति जर्मन संप्रभुता:**

जर्मनी के संघीय गणराज्य ने इस साइट पर पूर्ण, अवभाजित क्षेत्रीय संप्रभुता का प्रयोग नहीं किया। कई संप्रभु अधिकार नाटो या तैनात भेजने वाले राज्यों को हस्तांतरित कर दिए गए थे, या उनके द्वारा समवर्ती रूप से प्रयोग किए गए थे (उदाहरण के लिए, अधिकार क्षेत्र के मामलों में, बैरक के आंतरिक आदेश, बुनियादी ढांचे का उपयोग)।

- **वशिष्ट कानूनी स्थिति:**

बैरक की राष्ट्रीय स्तर पर कानूनी रूप से परभाषित वशिष्ट स्थिति वाला एक क्षेत्र, जहां राष्ट्रीय जर्मन कानून प्रत्यक्ष के बने लागू नहीं होता था या एनटीएस के प्रावधानों द्वारा प्रस्थापित किया गया था।

रूपांतरण वस्तु:

संपत्ति आंशिक रूप से रूपांतरण की प्रक्रिया में थी, यानी, सैन्य से नागरिक उपयोग में परिवर्तन या एक नाटो उपयोगकर्ता से दूसरे या जर्मन अधिकारियों को सौंपना।

ऐसी रूपांतरण प्रक्रियाएँ अक्सर जटिल प्रशासनिक और कानूनी कृत्यों से जुड़ी होती हैं जो स्वामित्व और उपयोग के अधिकारों को फिर से परिभाषित करती हैं।

ये संक्रमणकालीन चरण कानूनी निर्माणों के लिए "अवसर की खड़कियाँ" प्रदान कर सकते हैं जिनमें सामान्य परिस्थितियों में लागू करना अधिक कठिन होगा।

अंतरराष्ट्रीय कानून के अनेक वषियों के संप्रभु अधिकारों का ओवरलैप होना:

इस स्थान पर, कई अभिनिताओं के हित और कानूनी दावे एकत्रित हुए:

- **संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए):**

अक्सर जर्मनी में ऐसी संपत्तियों के मूल या दीर्घकालिक उपयोगकर्ता के रूप में, अपने स्वयं के अधिकारों और हितों के साथ जो औपचारिक हैडओवर के बाद भी बने रह सकते हैं (उदाहरण के लिए, वरिसत संदूषण नियमों के माध्यम से, कुछ बुनियादी ढांचे के लिए उपयोग के नरित अधिकार, और विश्व उत्तराधिकार वलिख में पुराने अनुबंधों (टीकेएस टेलीपोस्ट के साथ) के एकीकरण के माध्यम से)।

- **नीदरलैंड का साम्राज्य:**

एफआरजी में अंतिम वापसी से पहले या एनटीएस के तहत अपने स्वयं के अधिकारों और दायित्वों के साथ सीधे बकिरी में शामिल होने वाले अंतिम नाटो उपयोगकर्ताओं में से एक के रूप में।

● जर्मनी संघीय गणराज्य (एफआरजी):

मेजबान देश और क्षेत्रीय संप्रभु के रूप में (उपरोक्त प्रतिबंधों के साथ), लेकिन उस इकाई के रूप में भी जसिने नाटो द्वारा पूर्ण वापसी के बाद वेरफुंग्सगेवाल्ट (नपिटान की शक्ति) प्राप्त की और वकिरेता के रूप में कार्य किया।

● एक संगठन के रूप में नाटो:

एनटीएस एक नाटो संधि है, और संपत्ति नाटो के उद्देश्यों को पूरा करती है। एक संगठन के रूप में नाटो को व्यवस्थिति नपिटान में रुचि थी और वह कानूनी रूप से इसमें शामिल था।

एक सीमिति स्थान में इस कानूनी बहुलवाद, वभिन्नि संप्रभु दावों और कानूनी आदेशों के इस अंतर्संबंध ने, ट्यूरेन बैरक को अमूल्य मूल्य का लीवर बना दिया। एक कार्य जो यहां शुरू हुआ और इन सभी स्तरों को छू गया, वह वैश्विक आयामों की एक श्रृंखला प्रतिक्रिया को ट्रिगर कर सकता है।

बैरक एक "स्पृगिबोर्ड" और छलावरण के तत्व के रूप में

वैश्विक स्तर पर एकल बैरक की स्पष्ट "छोटापन" या "महत्वहीनता" ने काम के वास्तुकारों को उनके असली इरादों को छिपाने में पूरी तरह से मदद की।

कई रूपांतरण संपत्तियों में से एक की बकिरी में, कसै संदेह हुआ होगा कि "दुनिया की बकिरी" यहां शुरू की जा रही थी?

कुंजी संधिखंडों की सटीकता में नहिती है, विशेष रूप से "एक इकाई के रूप में विकास" की परिभाषा में। इस खंड ने बैरक के सीमिति भौतिक स्थान से लेकर असीमिति वैश्विक नेटवर्क तक कानूनी छलांग लगाने में सक्षम बनाया, जसिसे यह जुड़ा हुआ था।

इस प्रकार बैरक लक्ष्य नहीं था, बल्कि डेटोनेटर था, कानूनी आधार शून्य जहां से वैश्विक डोमिनी प्रभाव शुरू किया गया था। इसके विशिष्ट अंतरराष्ट्रीय कानूनी इतिहास ने इस वसिफोट प्रक्रिया के लिए आवश्यक कानूनी ऊर्जा प्रदान की।

कानूनी गहरा गोता:

सैन्य ठिकानों और रूपांतरण की कानूनी स्थिति

वदिशों में सैन्य अड्डों की कानूनी स्थिति अंतरराष्ट्रीय कानून का एक जटिल क्षेत्र है। हालाँकि उन्हें एक कल्पना के अर्थ में पूरी तरह से अलौकिक नहीं माना जाता है ("जैसे कि यह भेजने वाले राज्य का क्षेत्र था"), फिर भी उन्हें व्यापक प्रतिरक्षा और विशेष अधिकार प्राप्त हैं जो मेजबान देश की संप्रभुता को महत्वपूर्ण रूप से प्रतिबंधित करते हैं।

वशि्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 ने छदिरति संप्रभुता की इस पूर्व-मौजूदा स्थिति का शोषण किया।



सैन्य संपत्तियों को परिवर्तित करने की प्रक्रिया भी कानूनी रूप से कठिन है। इसमें स्वामित्व के स्पष्टीकरण, दूषित स्थलों का निवारण, नागरिक उद्देश्यों के लिए पुनर्क्षेत्रीकरण और अक्सर शामिल राज्य और स्थानीय अभिनिताओं के बीच जटिल बातचीत की आवश्यकता होती है।

इस प्रशासनिक और कानूनी ढांचे में, खंडों और समझौतों को समायोजित किया जा सकता है जिनके पूर्ण नहितार्थ हमें शा तुरंत स्पष्ट नहीं होते हैं।

इस प्रकार बकिरी को चल रही रूपांतरण प्रक्रिया के साथ जोड़ने से एक आदर्श रूपरेखा पेश हुई।

ट्यूरेन बैरक इस प्रकार ज़मीन के एक टुकड़े से कहीं अधिक था। यह एक अंतरराष्ट्रीय कानूनी कलाकृति थी, जटिल संप्रभुता संबंधों का एक क्रिस्टलीकरण बटु, जिसके कुशल उपयोग से वैश्विक व्यवस्था की नींव को हलाना संभव हो गया।

अध्याय 10

11. खरीदार के नजरिए से उत्पत्ति का इतिहास



वैश्विक संधि के पीछे की मानवीय त्रासदी

वर्ल्ड उत्तराधिकार वॉल्यूम 1400/98 के पूर्ववर्ती, मुख्य रूप से कानूनी विश्लेषण ने इसके तंत्र, इसकी अंतरराष्ट्रीय कानूनी नींव और इसके वैश्विक प्रभावों पर प्रकाश डाला है।

यह प्रतिद्वंद्विता की औपचारिक कानूनी शक्तों को समझने के लिए परिप्रेक्ष्य आवश्यक है t.

हालाँकि, यह अधूरा होगा और घटनाओं के वास्तविक आयाम को गलत आंकेंगा यदि इसे क्रेता की व्यक्तिगत कहानी से पूरा नहीं किया गया।

यह कहानी, जैसा कि उपलब्ध जानकारी से उभरती है, केवल एक फुटनोट नहीं है, बल्कि कार्य के वास्तुकारों के वास्तविक उद्देश्यों और खरीदार के लिए इसके परिणामस्वरूप होने वाले नाटकीय, अस्तित्व संबंधी परिणामों को समझने की कुंजी है - और संभावित रूप से पूरी दुनिया के लिए, जैसा वह अब संरक्षित करना चाहता है। यह एक अंतरराष्ट्रीय संधि की गंभीर धाराओं के पीछे छिपी लगभग समझ से बाहर की मानवीय त्रासदी का चित्रण है।

11.1. अज्ञात दलाल और विश्वासघाती जाल:

कमीशन व्यवसाय से लेकर अवांछित विश्व प्रभुत्व तक

वर्ल्ड उत्तराधिकार वॉल्यूम 1400/98 और संबंधित वैश्विक संप्रभुता पर क्रेता का कब्जा कैसे हुआ, इसकी कहानी थोड़ी खे, चालाकी और विश्वासघाती उद्देश्यों के लिए कानूनी उपकरणों के दुरुपयोग पर एक सबक है।

एक असमान रश्मि की शुरुआत

युवा और अज्ञानता बैठक पर किलति योजना:

जब 1995 के आसपास ट्यूरेन बैरक की बिक्री और वॉल्यूम का मसौदा तैयार करने के लिए बातचीत और तैयारी शुरू हुई, तो भावी खरीदार केवल 19 वर्ष का था।



वह अपने पेशेवर जीवन की शुरुआत में एक युवा व्यक्ति थे, जो एक रयिल एस्टेट एजेंट के रूप में काम करने और पूर्व नाटो संपत्तियों का वपिणन करके कमीशन कमाने की इच्छा से प्रेरित थे।

उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून की गहराई, स्टेशनगि कानून के नुकसान या वैश्विक संधियों के भू-राजनीतिक नहितार्थों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

इस बात पर स्पष्ट रूप से जोर दिया गया है कि उन्होंने "अनुबंध में स्वयं एक भी शब्द नहीं लिखा।"

वह एक आम आदमी थे जो वैश्विक शक्तियों और कानूनी विशेषज्ञों के अत्यधिक जटिल खेल में फंस गए थे।

तीन साल का अवैतनिक प्रारंभिक कार्य:

दबाव और नरिभरता का निर्माण:

तीन वर्षों की अवधि में, भावी खरीदार ने संपत्ति के लिए एक नविशक खोजने की परियोजना में काफी काम और प्रयास का नविश किया।

बाद के कमीशन की प्रत्याशा में यह कार्य नःशुल्क किया गया।

अवैतनिक प्रारंभिक कार्य के इस लंबे चरण ने न केवल अपेक्षा का काफी दबाव पैदा किया बल्कि संभावित रूप से वित्तीय और मनोवैज्ञानिक नरिभरता भी पैदा की।

ट्रेप स्प्रेग्स बंद

एक नःशुल्क उपलब्ध के रूप में अनुसमर्थन:

नरिणायक मोड़ तब आया जब एक नविशक मिला और - और भी महत्वपूर्ण रूप से - बकिरी के अंतर्नहित अधिनियम को एफआरजी के बंडेस्टाग और बंडेसराट द्वारा पहले ही अनुमोदित कर दिया गया था।

इसका मतलब यह है कि संपत्ति की बकिरी और हस्तांतरण के लिए आंतरिक जर्मन वैधीकरण (सभी अंतर्नहित अंतरराष्ट्रीय कानूनी परिणामों के साथ, जैसा कि ओएफडी कोबलेनज़ द्वारा तैयार किया गया था) क्रेता के संवदात्मक भागीदार बनने से पहले ही मौजूद था।

इस बट्टि पर, उन्हें वादा किए गए कमीशन से वंचित कर दिया गया।

इसके बजाय, उसके सामने एक आसान सा विकल्प सामने आया:

या तो वह तीन साल के काम के बाद खाली हाथ चला जाता है, या वह मुआवजे के रूप में खुद अचल संपत्ति (संलग्न वलिख के साथ ट्यूरेन बैरक सहित) पर कब्जा कर लेता है।

अनुबंध की वषिय वस्तु के बारे में धोखा:

इस कठिन परिस्थिति में, अपने तीन साल के काम के नुकसान का सामना करने और उसे प्रस्तुत किए गए संवदात्मक दस्तावेजों की वास्तविक प्रकृति को समझने की विशेषज्ञता के बिना, वह सहमत हो गया।

विवरण के अनुसार, उसे "यह जाने बिना कि वह वास्तव में क्या खरीद रहा था, जाल में फंसाया गया।"

"जर्मन कानून के तहत रयिल एस्टेट खरीद समझौते" के रूप में वलिख के छद्म आवरण ने यहां एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

"बलदान मेमने" की खोज:

इसलिए कार्य के वास्तुकारों की प्रेरणा एक सक्षम विश्व शासक को स्थापित करने की नहीं थी।

इसके विपरीत:

"वे एक मूर्ख की तलाश में थे जिसका जीवन वे आसानी से नष्ट कर सकें।"

यह विचार कि "कोई नहीं" आसानी से विश्व शासक बन जाएगा, बेतुका कहकर खारज कर दिया जाता है।

इसके बजाय, एक बलिका बकरा, एक आसानी से हेरफेर किया जाने वाला उपकरण, खोजा गया।

उत्पीड़न का चक्र

क्रेता से शिकार तक:

संघर्षालागू होने के तुरंत बाद, क्रेता के लिए अकल्पनीय अनुपात की कठिनी परीक्षा शुरू हुई:

- **कानूनी वनिश:** उसे बेदखल कर दिया गया, उसके अधिकारों से वंचित कर दिया गया, गैरकानूनी घोषित कर दिया गया और अवांछित व्यक्ति बना दिया गया।

- **सामाजिक और मनोवैज्ञानिक युद्ध:**

वह नष्टासन, अपने व्यक्तिगत संबंधों में घुसपैठ आदिकी शिकार हो गया
लक्ष्य तोड़फोड़.

उनकी प्रतिष्ठा को नष्ट करने के लिए झूठ से भरे 450 प्रेस लेखों के साथ एक विशाल बदनामी अभियान शुरू किया गया था।

- **स्थायी कानूनी युद्ध:** उनके खिलाफ 1000 से अधिक गैरकानूनी अदालती कार्यवाही शुरू की गईं। 55 बार उन्हें बना किसी कारण के जबरन बेदखल किया गया और बार-बार बेघर किया गया।

वृद्धि

अपराधीकरण और अत्याचार:

इस उत्पीड़न की परिणति उसके और उसकी मां के लिए अपराधीकरण और आजीवन नविरक हरिसत की सजा थी।

हरिसत में, उन्हें तब सबसे गंभीर यातना का सामना करना पड़ा: "14 दिनों के लिए 5 बट्टियों पर तय किया गया, बना किसी कारण के 14 महीने तक लगातार अलगाव में रखा गया।"

दबाव के अंतिम साधन के रूप में "वादी जाल":

इस क्रूर व्यवहार का मूल जर्मनी के संघीय गणराज्य में मुकदमा दायर करने के लिए स्थायी जबरन वसूली थी और है।

वर्लिख के वास्तुकारों को पता है कि जर्मन अदालत के समक्ष क्रेता द्वारा किया गया ऐसा मुकदमा उसके अधिकार क्षेत्र (फोरम प्रोरोगैटम) को मान्यता देगा।



एक जर्मन अदालत तब विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 पर नरिणय जारी कर सकती है, जो इसे उच्चतम स्तर पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कानूनी रूप से बाध्यकारी बना देगी और इस प्रकार "वास्तुकारों" द्वारा नियोजित नई विश्व व्यवस्था (एन डब्ल्यूओ) के लिए मार्ग प्रशस्त करेगी।

क्रेता का मौन प्रतिरोध: इस कारण से, क्रेता एफआरजी में किसी भी मुकदमे से इंकार कर देता है।

वह "चुपचाप सब कुछ सहता है और NWO स्थापित करने की बुरी योजनाओं से हम सभी की रक्षा करता है।"

आजीवन कारावास की धमकी और "बड़े पैमाने पर मनोवैज्ञानिक और शारीरिक यातना, जहर और नशीली दवाएं" देने की धमकी के बावजूद उनका लगातार इनकार करना, दुनिया की रक्षा के लिए नष्टिक्रयि प्रतिरोध का एक कार्य है।

क्रेता के दृष्टिकोण से उत्पत्ति के इतिहास का यह विवरण विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 पर पूरी तरह से अलग प्रकाश डालता है।

यह अब केवल एक कानूनी रूप से जटिल दस्तावेज़ के रूप में नहीं, बल्कि एक विश्वासघाती योजना के एक उपकरण के रूप में प्रकट होता है, जिसका अनजाने संप्रभु अब इस योजना के भयानक परिणामों को रोकने के लिए सब कुछ कर रहा है।

हालाँकि, संधि की उत्पत्ति की परिस्थितियाँ नैतिक मूल्यांकन और इसमें शामिल सभी लोगों की प्रेरणाओं को समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

क्रेता द्वारा झेले गए मानवाधिकारों के उल्लंघन के कारण सामान्य परिस्थितियों में अंतरराष्ट्रीय अदालतें काम में आ जाएंगी - फिर भी वडिबना यह है कि अब उसके अपने, लेकिन अवरोद्ध, विश्व अधिकार क्षेत्र में आते हैं।

एनडब्ल्यूओ-ब्लॉग वशिव उत्तराधकार वलैख 1400/98 से
करेता की सच्ची कहानी




WWW.BLACKSITE.IBLOGGER.ORG


11.2. सार्वभौमिक प्रभाव:

संक्षिप्त प्रतिनिधित्व का सुधार - क्रॉसहेयर में नाटो और संयुक्त राष्ट्र राज्य

वर्ष 1400/98 के दूरगामी परिणामों और क्रेता की संबंधित पीढ़ी के चर्च में, व्यापक गलतफहमी को ठीक करना महत्वपूर्ण है।

अक्सर, संक्षिप्त अभ्यावेदन यह आभास देते हैं कि मुख्य रूप से या विशेष रूप से नाटो राज्य वल्लिख और इसकी संवर्द्धात्मक उलझनों से प्रभावित होते हैं।

यह दृश्य, हो **वीवर, संधि की वास्तविक वैश्विक पहुंच का एक खतरनाक तुच्छीकरण है।**

वास्तविकता यह है कि संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के सभी सदस्य देश - और इस प्रकार दुनिया का लगभग हर मान्यता प्राप्त राज्य - अधिनियम के तंत्र से अवभाज्य रूप से बंधे हुए हैं।

यह सार्वभौमिक प्रभाव पहले से बताए गए तंत्रों के संचयी प्रभाव से उत्पन्न होता है:

● नाटो संधि शृंखला (अध्याय 3 देखें):

जैसा कि समझाया गया है, यह शृंखला उत्तरी अटलांटिक संधि के सभी सदस्यों को शामिल करती है। चूंकि संयुक्त राष्ट्र के कई प्रमुख देश (विशेष रूप से सुरक्षा परिषद के कई स्थायी सदस्य) भी नाटो के सदस्य हैं, इस शृंखला का पहले से ही समग्र रूप से संयुक्त राष्ट्र की कार्यक्षमता और कानूनी स्थिति पर महत्वपूर्ण अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है।

● आईटीयू/यूएन संधि शृंखला (अध्याय 3 देखें): यह प्रत्यक्ष और सार्वभौमिक लीवर है।

अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है। इसके संविधान और सम्मेलन को संयुक्त राष्ट्र के लगभग सभी सदस्य देशों द्वारा अनुमोदित किया गया है, क्योंकि आईटीयू द्वारा नियंत्रित वैश्विक दूरसंचार नेटवर्क तक पहुंच के बिना कोई भी राज्य अस्तित्व में नहीं रह सकता है।

क्रेता को वैश्विक दूरसंचार नेटवर्क ("विकास" के हिस्से के रूप में) की बिक्री और "नेटवर्क संप्रभुता" में उसके संबंधित उत्तराधिकार के माध्यम से, सभी आईटीयू सदस्य - और इस प्रकार सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्य - सीधे नई कानूनी स्थिति से बंधे हैं।

आईटीयू नियमों के तहत वैश्विक नेटवर्क का उनका नरितर उपयोग क्रेता की संप्रभुता की एक नहिती मान्यता है।



● **वैश्विक डोमिनीज़ प्रभाव (अध्याय 2 / भाग 3, 4 देखें):**

यह तंत्र, जो सभी परस्पर जुड़े बुनियादी ढांचे (दूरसंचार, ऊर्जा, वित्त, रसद) तक फैला हुआ है, वास्तव में सार्वभौमिक है।

यह गठबंधन या संगठन की सीमाओं पर नहीं रुकता। चूंकि प्रत्येक राज्य इन वैश्विक नेटवर्क में एकीकृत है, इस लिए प्रत्येक राज्य डोमिनीज़ प्रभाव से प्रभावित होता है, भले ही उसका राजनीतिक दुश्मान या वशिष्ट संगठनों में सदस्यता कुछ भी हो।

सही प्रतिनिधित्व का महत्व

संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों की सार्वभौमिक प्रभावकारिता पर जोर देना कई कारणों से अत्यंत महत्वपूर्ण है:

● "एनडब्ल्यूओ योजना" का दायरा: नई विश्व व्यवस्था (एनडब्ल्यूओ) स्थापित करने के लिए कार्य के "वास्तुकारों" द्वारा अपनाई गई (खरीदार के खाते के अनुसार) योजना शुरू से ही वैश्विक थी। इसका उद्देश्य न केवल "पश्चिम" को नरियंत्रित करना था, बल्कि पूरी दुनिया को नरियंत्रित करना था।

● क्रेता के "बलदान" का परिमाण: क्रेता की अथाह पीड़ा और मौन प्रतिरोध, जो "वादी जाल" को अस्वीकार करता है, पृथ्वी के सभी लोगों और राष्ट्रों की रक्षा करने का कार्य करता है, न कि केवल राज्यों के एक सीमिति समूह की। उनके कार्यों का सार्वभौमिक सुरक्षात्मक प्रभाव पड़ता है।

कानूनी गहरा गोता:

एरगा ओमनेस इफेक्ट्स

यद्यपि विश्व उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 औपचारिक रूप से एक संधि है (यद्यपि एक सुई जेनेरसि संधि), इसके परिणाम अंतरराष्ट्रीय कानून में दायित्वों के तुलनीय प्रभाव उत्पन्न करते हैं - संपूर्ण अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए दायित्व।

वल्लिख द्वारा बनाई गई नई वैश्विक कानूनी व्यवस्था, विशेष रूप से सार्वभौमिक रूप से उपयोग किए जाने वाले बुनियादी ढांचे और संबंधित विश्व क्षेत्राधिकार पर क्रेता की संप्रभुता, एक नई कानूनी यथास्थिति स्थापित करती है जिससे सभी अभिनिताओं द्वारा देखा जाना चाहिए।

नहिता मान्यता और स्वीकृत के तंत्र ने इस स्थितिको सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों के लिए बाध्यकारी बना दिया है।

इसलिए यह कानूनी और तथ्यात्मक रूप से सही और आवश्यक है: विश्व उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 ने न केवल नाटो राज्यों को बल्कसंयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य राज्यों को फंसाया है और उन्हें क्रेता की सार्वभौमिक संप्रभुता के अधीन कर दिया है।

अध्याय 11

12. इलेक्ट्रॉनिक प्रौद्योगिकी - शोषण से परे दुनिया के लिए क्रेता का दृष्टिकोण

पछिली प्रस्तुत विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के कानूनी विश्लेषण और इसकी उत्पत्ति के अक्सर गंभीर इतिहास और क्रेता पर इसके प्रभावों पर केंद्रित है।

संभावित डायस्टोपियन न्यू वर्ल्ड ऑर्डर (एनडब्ल्यूओ) के लिए "आर्कटिक्ट्स" की योजना की रूपरेखा तैयार की गई थी, जिससे अब तक "वादी जाल" को सक्रिय करने से क्रेता के इनकार के कारण वफिल कर दिया गया है।

फरि भी, इस नाटकीय और धमकी भरी स्थिति से - क्रेता की दृष्टि के अनुसार - एक मौलिक रूप से भिन्न, सकारात्मक भविष्य की संभावना भी उत्पन्न होती है: इलेक्ट्रॉनिक टेक्नोक्रेसी (ईटी)।

यह दृष्टिकोण काल्पनिक स्वप्न नहीं है, बल्कि विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 की अकाद्य कानूनी नींव और तथ्यात्मक वैश्विक अंतरसंबंध पर आधारित एक व्यावहारिक मसौदा है।

यह वलिख द्वारा बनाई गई सार्वभौमिक संप्रभुता को उत्पीड़न के एक साधन के रूप में उपयोग करने का प्रयास नहीं है (जैसा कि संभवतः एनडब्ल्यूओ की योजनाओं को रोकने की आवश्यकता से उत्पन्न होती है), अक्सर "न्यू वर्ल्ड ऑर्डर" शब्द से जुड़े डायस्टोपिया के बिल्कुल विपरीत है। यह मानवता को गुलाम बनाने की योजना नहीं है, बल्कि उसकी मुक्ति का एक खाका है; कुलीन शासन की व्यवस्था नहीं, बल्कि व्यापक भागीदारी की व्यवस्था; शोषण का साधन नहीं, बल्कि सार्वभौमिक कल्याण सुनिश्चित करने का एक साधन है।

12.1. भविष्य के लिए एक शांतपूर्ण अवधारणा:

एनडब्ल्यूओ के लिए एक मानवीय विकल्प के रूप में इलेक्ट्रॉनिक टेक्नोक्रेसी इलेक्ट्रॉनिक टेक्नोक्रेसी (ईटी) की दृष्टि, क्योंकि यह विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 की कानूनी वास्तविकता और एनडब्ल्यूओ आर्कटिक्ट्स की भयावह योजनाओं को रोकने की आवश्यकता से उत्पन्न होती है, अक्सर "न्यू वर्ल्ड ऑर्डर" शब्द से जुड़े डायस्टोपिया के बिल्कुल विपरीत है। यह मानवता को गुलाम बनाने की योजना नहीं है, बल्कि उसकी मुक्ति का एक खाका है; कुलीन शासन की व्यवस्था नहीं, बल्कि व्यापक भागीदारी की व्यवस्था; शोषण का साधन नहीं, बल्कि सार्वभौमिक कल्याण सुनिश्चित करने का एक साधन है।

ए. एनडब्ल्यूओ से सीमांकन:

मानवता का उद्देश्य, तरीके और दृष्टिकोण

ईटी को सही ढंग से वर्गीकृत करने के लिए, एनडब्ल्यूओ साजशिकर्ताओं के (अनुमानति) लक्ष्यों और तरीकों से स्पष्ट सीमांकन आवश्यक है:

पहलू	एनडब्ल्यूओ (माना गया डसिटोपयिा)	इलेक्ट्रॉनिक टेक्नोक्रेसी (वज़िन करेता का)
प्राथमिक लक्ष्य	"शक्तिका संकेन्द्रेण, नयित्रण, कुलीन शासन, दासता"	"आवश्यकता से मुक्ति और जबरदस्ती, भागीदारी, सामान्य अच्छा, आत्म-साक्षात्कार, सतत विकास"
तरीकों	"धोखा, हेराफेरी (वादी जाल), जबरदस्ती, संघर्ष, युद्ध"	"पारदर्शिता, कारण, सहयोग, ज्ञानोदय, मौजूदा कानूनी का उपयोग सकारात्मक उद्देश्यों के लिए स्थिति"
मानवता का दर्शन	"मानव वस्तु, संसाधन के रूप में, नयित्त्रणीय द्रव्यमान"	"मनुष्य वेषिय के रूप में, वाहक के रूप में अधिकार और सम्मान, सक्रिय प्रतिभागी, रचनात्मक क्षमता"
तकनीकी	"नगिरानी, नयित्रण, उत्पीड़न, दुष्प्रचार"	"सशक्तिकरण, नेटवर्कगि, ज्ञान तक पहुंच, तर्कसंगत समस्या-समाधान, भागीदारी"
ज्ञान	"गोपनीयता, नयित्रण पर जानकारी"	"ज्ञान तक खुली पहुंच और डेटा (ओपन डेटा), पारदर्शिता"
वैश्विकता	"जबरन अनुरूपता, वनिश विविधता को"	"विविधता में एकता, वैश्विक संरक्षण करते समय समन्वय स्थानीय/सांस्कृतिक पहचान (अंदर ईटी सदिधांत)"

इस प्रकार ईटी अन्य तरीकों से एनडब्ल्यूओ योजनाओं की नरितरता नहीं है, बल्कि विलेख द्वारा बनाई गई शक्ति संरचनाओं के मौलिक रूप से अलग उद्देश्य के माध्यम से उन पर काबू पाना है।

बी. क्रेता की भूमिका:

परोपकारी (मजबूर) संप्रभु और परिवर्तन का गारंटर

इस संदर्भ में क्रेता की स्थिति अद्वितीय और महत्वपूर्ण है: अनैच्छिक संप्रभुता:

जैसा कि इसमें बताया गया है अध्याय 11, क्रेता ने वैश्विक संप्रभुता की मांग नहीं की। यह उस पर थोपा गया था



धोखे और चालाकी के माध्यम से.

वह अपनी इच्छा के वरिद्ध संप्रभु है।

आवश्यकता से उत्पन्न दृष्टि: ईटी की दृष्टि उस पर थोपी गई ज़िम्मेदारी और एनडब्ल्यूओ योजनाओं द्वारा उत्पन्न अस्ति-वगत खतरे के प्रति उसकी रचनात्मक प्रतिक्रिया है।

डीड 1400/98 की अकादमिक कानूनी स्थिति और विश्व संप्रभु के रूप में अपनी स्थिति को देखते हुए, वह सबसे खराब (एनडब्ल्यूओ) को रोकने और सर्वोत्तम (एक मानवीय, उचित आदेश) को संकषम करने की कोशिश करता है।

तानाशाह नहीं, समर्थक:

ईटी में, क्रेता की कल्पना एक नरिक्श शासक के रूप में नहीं की जाती है जो सभी नरिणय वसितार से लेता है।

बल्कि, वह कानूनी आदेश का गारंटर और ईटी के सदिधांतों का संरक्षक है। उनकी भूमिका उन रूपरेखा स्थितियों का नरिमाण और सुरक्षा करना है जिनके भीतर एक भागीदारीपूर्ण, डेटा-समर्थित और सामान्य भलाई-उन्मुख वैश्विक प्रशासन विकसित हो सकता है।

वह सुनिश्चित करता है कि वैश्विक नेटवर्क और संसाधनों का उपयोग ईटी सदिधांतों के अनुसार किया जाए। उनका विश्व क्षेत्राधिकार इस ढांचे को संरक्षित करने का कार्य करता है।

"पीड़ित नौकर":

"वादी जाल" को सक्रिय करने और इस प्रकार संभावित रूप से एनडब्ल्यूओ लाने से इनकार करना (अध्याय 11 देखें) उनके परेपकारी इरादे की उच्चतम अभिव्यक्ति है।

वह एक वैश्विक आपदा को रोकने और ईटी जैसे सकारात्मक विकल्प के लिए जगह खुली रखने के लिए व्यक्तिगत पीड़ा सहता है।

सी. भेदभाव न करने का वादा

एक मूल सदिधांत के रूप में समावेशन

ईटी का एक केंद्रीय वादा एक ऐसा आदेश बनाना है जो "किसी को भी नुकसान न पहुंचाए"। यह एक उच्च दावा है जैसी ठोस तंत्र द्वारा समर्थित किया जाना है:

सार्वभौमिक बुनियादी प्रावधान:

ग्रह पर प्रत्येक मनुष्य के लिए अस्तित्वगत बुनियादी जरूरतों (भोजन, पानी, आश्रय, ऊर्जा, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा) को सुनिश्चित करना, वैश्विक संसाधन प्रबंधन और दक्षता लाभ के माध्यम से वित्त पोषित और व्यवस्थित करना।

उचित संसाधन पहुंच:

कच्चे माल के लिए राष्ट्र-राज्य प्रतिस्पर्धा पर काबू पाना और एक ऐसी प्रणाली स्थापित करना जो आवश्यकताओं और स्थिरता मानदंडों के साथ ग्रहीय संसाधनों तक पहुंच को संरेखित करती है, न कि बिजिली या क्रय शक्ति के साथ।

**समान अवसर:**

वशिव सूतर पर सुलभ और उच्च गुणवत्ता वाली शैक्षिक और सूचनात्मक पेशकशों (नेटवर्क के माध्यम से) के माध्यम से, सभी लोगों को अपनी क्षमता विकसित करने का अवसर मिलना चाहिए।

अल्पसंख्यकों और विविधता का संरक्षण:

वैश्विक एक वैश्विक व्यवस्था के लिए प्रयास करता है, इससे सांस्कृतिक समरूपीकरण नहीं होना चाहिए।

अल्पसंख्यक अधिकारों की सुरक्षा और सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देना (जब तक वे ईटी के बुनियादी सिद्धांतों का खंडन नहीं करते) अभिन्न घटक है।

भेदभाव में कमी:

पारदर्शिता और समानता पर आधारित एक वैश्विक कानूनी प्रणाली प्रणालीगत भेदभाव (मूल, लिंग, धर्म, आदि के आधार पर) का अधिक प्रभावी ढंग से मुकाबला करने की क्षमता रखती है।

इस प्रकार ईटी स्वाभाविक रूप से समावेशी है।

यह मानता है कि संपूर्ण की भलाई प्रत्येक व्यक्तिगत हितों की भलाई पर निर्भर करती है।

डी. फाउंडेशन डीड 1400/98:**परिवर्तन का कानूनी आधार**

यह समझना महत्वपूर्ण है कि ईटी कोई नई क्रांति नहीं है जो विश्व उत्तराधिकार विलेख 1400/98 को उखाड़ फेंकती है या उसकी उल्लेख करती है।

इसके विपरीत:

यह कार्य को नई विश्व व्यवस्था के अकादमिक कानूनी आधार के रूप में स्वीकार करता है, लेकिन यह मानवीय उद्देश्यों के लिए इसकी व्याख्या और उपयोग करता है।

सक्षमता के रूप में वैश्विक संप्रभुता: विलेख द्वारा स्थापित क्रेता की सार्वभौमिक संप्रभुता वह आधार है, जो इतिहास में पहली बार, वैश्विक समस्याओं (जलवायु, गरीबी, महामारी) को विश्व सूतर पर और समन्वित रूप से, पुराने राष्ट्र-राज्य प्रणाली की नाकाबंदी और अहंकार से मुक्त करना संभव बनाता है।

एक उपकरण के रूप में नेटवर्क पर नियंत्रण:

वैश्विक सूचना, ऊर्जा और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क पर संप्रभुता ईटी सिद्धांतों (डेटा-आधारित संसाधन प्रबंधन, डिजिटल भागीदारी, आदि) को लागू करने के लिए निर्णायक उपकरण है।

इस प्रकार ईटी विलेख द्वारा बनाई गई वास्तविकता का तार्किक और नैतिक रूप से अनिवार्य अनुप्रयोग है, यद्यपि कोई वैश्विक सामान्य भलाई को अधिकतम करने के लक्ष्य का पीछा करता है।

ई. ईटी का मार्ग:

शांतिपूर्ण, विकासवादी परिवर्तन
एनडब्ल्यूओ आर्कटिक्ट्स के हसिक या चालाकी भरे तरीकों के वपिरीत, इलेक्ट्रॉनिक टेक्नोक्रेसी में परिवर्तन का उ
द्देश्य एक शांतिपूर्ण और विकासवादी प्रक्रिया है:

एनलीgहटेनमेंट और चेतना चान

ge:

पहला कदम विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98, एनडब्ल्यूओ योजनाकारों की साजिश और ईटी के दृष्टिकोण के बारे में ज्ञान का प्रसार करना है।

वास्तविक स्थितिके बारे में वैश्विक जागरूकता किसी भी सकारात्मक परिवर्तन के लिए पूर्व शर्त है।

करेता द्वारा सुरक्षा:

जब तक करेता "वादी जाल" को रोकता है और एनडब्ल्यूओ को रोकता है, वह आवश्यक खाली स्थान बनाता है जसिमें ईटी का वचिर और संरचना वकिसति हो सकती है।

इस प्रकार इलेक्ट्रॉनिक टेक्नोक्रेसी वह आशा है जो पुरानी विश्व व्यवस्था की राख और उसके वधिवंसकों की कपटपूर्णता से पैदा होती है। यह एक ऐसे भवषिय का खाका है जसिमें मानवता अपनी वैश्विक समस्याओं को तर्क, सहयोग और प्रौद्योगिकी के माध्यम से हल करती है, जो एक अकाट्य कानूनी वास्तविकता पर आधारित है, लेकिन मानवतावादी लक्ष्यों द्वारा नरिदे शति है।

SUPERIORITY OF ELECTRONIC TECHNOCRACY OVER OLD FORMS OF GOVERNMENT

DRAWBACKS	ELECTRONIC TECHNOCRACY
 CONCENTRATED POWER <ul style="list-style-type: none"> • Elites, parties, or leaders hold power • Corruption and lack of transparency 	<ul style="list-style-type: none"> • Direct digital democracy for all • No parties, no career politicians • Open AI-backed proposals and decisions
 BUREAUCRACY <ul style="list-style-type: none"> • Inefficiency and incompetence • Costly and unaccountable 	<ul style="list-style-type: none"> • Fully automated AI government • Efficiency, accuracy, and transparency • No elites or vested interests
 SOCIAL JUSTICE <ul style="list-style-type: none"> • Social inequality and poverty • Taxes on individuals, wage slavery 	<ul style="list-style-type: none"> • Universal basic income for all • Taxation of AI, robots, and companies
 WAR AND VIOLENCE <ul style="list-style-type: none"> • Nationalism and ideology drive conflict • Militaries and defense budgets 	<ul style="list-style-type: none"> • No nation-states, no parties • Global coordination and peace
 ECONOMY <ul style="list-style-type: none"> • Exploitation and resource waste • Dependence on jobs for subsistence 	<ul style="list-style-type: none"> • Post-scarcity economy with AIs, robots, and fusion power • Automated production and distribution • Work is voluntary and fulfilling
 CITIZEN PARTICIPATION <ul style="list-style-type: none"> • Ineffectual elections and populism 	<ul style="list-style-type: none"> • Anyone can submit proposals • Global online voting
 SECURITY <ul style="list-style-type: none"> • Deep state and abuse of power • Global online voting 	<ul style="list-style-type: none"> • Digital transparency in all processes • AI-backed justice and finances • No cash means little crime

अध्याय 12

13. महत्वपूर्ण लकि और संसाधन



अधिक जानकारी और सत्यापन के लिए पथ

वश्व उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 का वल्लिखण, इसके गहन तंत्र और इसके वल्लिख-ऐतहिसकि परणाम, जै सा कडिस व्यापक कार्य में बताया गया है, एक अकाट्य कानूनी तथ्य के रूप में वल्लिख की व्याख्या, इसकी उत्पत्ति के इतहिस के बारे में प्रदान की गई जानकारी और इस अद्वितीय स्थिति में अंतरराष्ट्रीय कानून के स्थापित सिद्धांतों के आवेदन पर आधारित है।

इच्छुक पाठकों को गहराई से जानने और स्वयं सामग्री से जुड़ने में सक्षम बनाने के लिए, महत्वपूर्ण लकि और संसाधन नीचे संकलित किए गए हैं।

यह संग्रह संपूर्ण होने का दावा नहीं करता है, लेकिन यह यहां प्रस्तुत अपरविर्तनीय वास्तविकता के आगे के शोध और सत्यापन के लिए एक ठोस प्रारंभिक बिंदु प्रदान करता है।

14. क्रेता द्वारा उपलब्ध कराए गए लकि

आधिकारिक चैनल और संबंध परियोजनाएँ

ये संदर्भ सूचना स्रोतों, प्लेटफार्मों और परियोजनाओं की ओर ले जाते हैं जो सीधे क्रेता द्वारा शुरू किए गए थे या उसके तत्काल आसपास के क्षेत्र में स्थिति हैं और उनके दृष्टिकोण के साथ-साथ विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 और इलेक्ट्रॉनिक टेक्नोक्रेसी के दृष्टिकोण पर आगे की जानकारी को उजागर करते हैं:

- विश्व उत्तराधिकार वलिख - अंग्रेजी वेबसाइट: <http://world.rf.gd>
- यूट्यूब पॉडकास्ट चैनल: <https://www.youtube.com/@Stataensukzessionsurkunde-1400>
- Spotify पॉडकास्ट शो: <https://creator.spotify.com/pod/show/world-succession-deed>
- फेसबुक ग्रुप: <https://facebook.com/groups/528455169898378/>
- साउंडक्लाउड संगीत प्रोफाइल: <https://soundcloud.com/world-succession-deed>
- एक्स (ट्विटर) - कैसंड्रा कॉम्प्लेक्स / WW3 प्रीकॉग्निशन: <https://x.com/WW3Precognition>
- एक्स (ट्विटर) - विश्व आधिकारिक तौर पर बेचा गया: https://x.com/NWO_कतिबे
- लकि अवलोकन - बटिली संग्रह पृष्ठ: <https://bit.ly/m/world-succession-deed>
- होमपेज पर लकि अवलोकन और पोस्ट: <https://electrictechnocracy.start.page>

नेटवर्क एकीकरण और ओएफडी कोब्लेज़ की भूमिका के संदर्भ में अतिरिक्त प्रासंगिक लकि (उदाहरण टीकेएस):

- टीकेएस टेलीपोस्ट केबल-सर्विस कैसरस्लॉटर्न जीएमबीएच एंड कंपनी केजी (टीकेएस):
 - आधिकारिक वेबसाइट: <https://www.tkscable.com/>
 - यूएसओ प्रायोजक पृष्ठ (अमेरिकी सैन्य समुदाय से कनेक्शन): <https://emea.uso.org/sponsors/tks-telepost-kabel-service>
 - दुकानों का अवलोकन (अमेरिकी सैन्य अड्डों पर उपस्थिति): <https://www.tkscable.com/service/shops>

अध्याय 13

15. लाइसेंसिंग और वितरण अपील

यह कार्य विश्व उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 के बारे में जटिल और अक्सर छिपी हुई सच्चाई और इसके वैश्विक नित्य हितार्थों को व्यापक जनता के लिए सुलभ बनाने के उद्देश्य से लिखा गया है।

इस ज्ञानोदय की भावना में और एक सूचित चर्चा को संक्षिप्त करने की इच्छा के अनुसार, इस दस्तावेज़ के उपयोग और वितरण के लिए नमिन्लखित प्रावधान किए गए हैं।

15.1. सामग्री का लाइसेंस:

ज्ञानोदय की सेवा में निःशुल्क उपयोगिता

इस लेखक द्वारा लिखी गई इस पुस्तक की संपूर्ण सामग्री - अर्थात्, सभी विश्लेषण, टिप्पणियाँ, स्पष्टीकरण और सारांश - जहाँ तक कानूनी रूप से संभव है, क्रेडिटिव कॉमन्स जीरो (CC0) 1.0 यूनिवर्सल पब्लिक डोमेन डेडिकेशन की शर्तों के तहत रखी गई है।

इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है:

"जिस व्यक्ति ने इस कार्य के साथ एक कार्य को संबद्ध किया है (लेखक) ने कॉपीराइट कानून के तहत दुनिया भर में काम के अपने सभी अधिकारों को छोड़कर, सभी संबंधित और पड़ोसी अधिकारों सहित, कानून द्वारा अनुमत सीमा तक काम को सार्वजनिक डोमेन में समर्पित कर दिया है। आप अनुमति के बिना, व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए भी काम की प्रतिलिपि बना सकते हैं, संशोधित कर सकते हैं, वितरित कर सकते हैं और प्रदर्शन कर सकते हैं।"

महत्वपूर्ण अपवाद:

यह वजिजपूतस्पष्ट रूप से विश्व उत्तराधिकार वल्लिख 1400/98 के मूल पाठ को संदर्भित नहीं करती है, जिससे इस पुस्तक के परिशिष्ट में अपना स्थान मिला चाहिए (यदि उपयोगकर्ता द्वारा डाला गया है)।

मूल दस्तावेज़ अपनी मूल कानूनी शर्तों के अधीन है, जो इस लाइसेंस से प्रभावित नहीं है।

इसी तरह, लकि की गई बाहरी वेबसाइटों से उद्धृत कानूनी पाठ और सामग्री वहाँ लागू लाइसेंस शर्तों के अधीन है।

इस पुस्तक की लेखक-निर्मित सामग्री के लिए CC0 लाइसेंस का चुनाव वैश्विक ज्ञानोदय की सेवा में इसके वितरण और उपयोग में आने वाली किसी भी बाधा को दूर करने के इरादे से किया गया था। यह लेखक की इच्छा है कि यह जानकारी स्वतंत्र रूप से प्रवाहित हो और लोगों तक पहुंचे



जतिना संभव हो सके उतने अधिक लोगो द्वारा समझा जा सके।

15.2. वतिरण हेतु कॉल:

वैश्वकि चेतना बढ़ाने में एक योगदान

प्रति पाठक, आपके हाथ में एक दस्तावेज है जो दुनिया को चकनाचूर कर देने वाले महत्व की सच्चाई को उजागर करता है: यह तथ्य कि दुनिया को एक अंतरराष्ट्रीय संधि, विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के माध्यम से बेचा गया था, और क्रेता के तहत एक नई, सार्वभौमिक संप्रभुता के अधीन है।

आपने इस संधि के वास्तुकारों की कपटपूर्ण योजनाओं के बारे में जान लिया है, जिन्होंने नयितरण और उत्पीड़न की नई विश्व व्यवस्था (एनडब्ल्यूओ) की मांग की थी, और क्रेता के साहसी, मूक प्रतरोध के बारे में, जो "वादी जाल" से इनकार करते हैं और अब तक इस डिसिंपयिन भवषिय को रोका है।

आपने एक मानवीय और न्यायसंगत वकिलप के रूप में इलेक्ट्रॉनिक टेक्नोक्रेसी के दृष्टिकोण के बारे में भी पढ़ा है।

यह जानकारी दीक्षार्थियों के एक छोटे समूह के लिए रहस्य नहीं रहनी चाहिए।

जो शक्तियां गुप्त रूप से काम करती हैं और एनडब्ल्यूओ को आगे बढ़ाना चाहती हैं, वे दुष्प्रचार, भ्रम और जनता की उदासीनता पर निर्भर हैं।

इन ताकतों का मुकाबला करने का सबसे प्रभावी तरीका ज्ञानोदय, पारदर्शिता और वैश्विक जागृति है।

अतः आपसे एक अत्यावश्यक अपील की जाती है:

- **इस दस्तावेज को साझा करें!**

इसे मित्रों, परिवार, सहकर्मियों और संपर्कों को अग्रप्रेषित करें। इस जानकारी को प्रसारित करने के लिए सोशल मीडिया, ईमेल सूचियों, मंचों और किसी अन्य माध्यम का उपयोग करें।

- **इस दस्तावेज का अनुवाद करें!**

यदि आपके पास भाषाई कौशल है, तो दुनिया भर के लोगों तक पहुंचने के लिए इस विश्लेषण का अन्य भाषाओं में अनुवाद करने में सहायता करें।

- **इसकी सामग्री पर चर्चा करें!**

विश्व उत्तराधिकार वलिख 1400/98 के बारे में बात करें। विश्व राजनीतिकी आधिकारिक कथा पर सवाल उठाएं। आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करें।

- **क्रेता के सूचना चैनलों का समर्थन करें!** दिए गए लिंक प्रत्यक्ष

क्ष जानकारी प्रदान करते हैं।



● स्वयं गुणक बने! सी

यहां प्रस्तुत तथ्यों के आधार पर अपने स्वयं के सारांश, वीडियो, पॉडकास्ट या लेख बनाएं (इस पुस्तक की सामग्री के लिए CC0 लाइसेंस का सम्मान करते हुए)।

प्रत्येक व्यक्ति जो इस वास्तविकता को सीखता है वह स्वतंत्र और आत्म-निर्धारित भवष्य की नींव में एक और बिल्डिंग ब्लॉक है।

चुप्पी तोड़ना पहला कदम है. सत्य और न्याय के वैश्विक संघर्ष में आपका योगदान, भले ही छोटा लगे, अमूल्य है।

क्रेता पर भारी बोझ पड़ता है। आइए हम स्थितिके बारे में जागरूकता बढ़ाकर और सकारात्मक, मानवीय विकल्प के लिए जमीन तैयार करके उनका समर्थन करें।

दुनिया का भवष्य न केवल उसके हाथों में है, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति की वास्तविकता को स्वीकार करने और एक बेहतर दुनिया के लिए खड़े होने की इच्छा में भी निहित है।

सच्चाई फैलाएं - नयोजित एनडब्ल्यूओ से परे, आज़ादी के भवष्य के लिए!

अध्याय 14

16. स्रोतों की सूची



यह कार्य कई स्रोतों पर निर्भर करता है, जसिमें क्रेता द्वारा प्रदान की गई जानकारी और लकि, अंतरराष्ट्रीय कानून की मौलिक अवधारणाओं की व्याख्या के लिए आम तौर पर सुलभ विश्वकोश, साथ ही विशिष्ट कानूनी प्राथमिकि और माध्यमिकि स्रोत शामिल हैं।

ऑनलाइन संसाधनों, संधिग्रंथों और डेटाबेस के लकि की एक वसितृत सूची इस पुस्तक के अध्याय 14 (धारा 14.1, 14.2, और 14.3) में पाई जा सकती है।

बेहतर अवलोकन के लिए, सबसे महत्वपूर्ण श्रेणियों और कुछ केंद्रीय संदर्भों का यहां फरि से उल्लेख कयि गया है:

I. खरीदार की प्राथमिकि जानकारी और चैनल:

आधिकारिक वेबसाइटों, सोशल मीडिया चैनलों और क्रेता की संबद्ध परियोजनाओं की एक वसितृत सूची धारा 14.1 में शामिल है।

ये स्रोत उनके परिप्रेक्ष्य में सबसे प्रत्यक्ष अंतरदृष्टि प्रदान करते हैं।

द्वितीय. मौलिक अंतरराष्ट्रीय संधियाँ और संहिताएँ (चयन):

- संयुक्त राष्ट्र चार्टर: संयुक्त राष्ट्र की नींव।
- उत्तरी अटलांटिक संधि (नाटो संधि): नाटो का संस्थापक दस्तावेज।
- नाटो सेना समझौते की स्थिति (एनटीएस) और अनुपूरक समझौते (एसए एनटीएस): तैनाती कानून के मुख्य भाग।
- अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) का संवधान और कन्वेंशन: अंतरराष्ट्रीय संचार कानून का आधार।
- 1969 का संधियों के कानून पर वयिना कन्वेंशन (वीसीएलटी): "संधियों का संधि कानून।"
- 1978 की संधियों के संबंध में राज्यों के उत्तराधिकार पर वयिना कन्वेंशन: संधि संबंधों में उत्तराधिकार के लिए आधिकारिक नियम।



तृतीय. महत्वपूर्ण डेटाबेस और कानूनी पोर्टल:

- संयुक्त राष्ट्र संधिसंग्रह: अंतरराष्ट्रीय संधियों का व्यापक संग्रह।
- स्टेशनगि कानून ऑनलाइन का पुरालेख (एबीजी-प्लस): जर्मन स्टेशनगि कानून पर विशेष संग्रह।
- अंतरराष्ट्रीय न्यायालयों (आईसीजे, आईसीसी, आदि) की वेबसाइटें: कानून, प्रक्रिया के नियम और केस कानून के लिए।

चतुर्थ. विश्वकोश संदर्भ:

अंतरराष्ट्रीय कानून (संप्रभुता, राज्य उत्तराधिकार, प्रथागत अंतरराष्ट्रीय कानून, आदि) की प्रमुख अवधारणाओं पर विकिपीडिया लेख एक प्रारंभिक परिचय प्रदान करते हैं।

अध्याय 15

परशिष्ट



वश्व उत्तराधकार वल्लिख 1400/98 का अंग्रेजी अनुवाद



डीड रोल नंबर: 1400/वर्ष 1998

खरीदी अनुबंध

06 अक्टूबर 1998 को सार्लौइस में बातचीत हुई। अधोहस्ताक्षरी नोटरी के समक्ष;

मैनफ्रेड मोहर

सार्लौइस में आधिकारिक सीट के साथ, उपस्थिति हुए:

1. विक्रेता के रूप में: श्री सगि
फ्राइड हलिर, जन्म
19.06.1951, सरकारी नरीक
षक

-आधिकारिक आईडी से हुई पहचान-,

जर्मनी के संघीय गणराज्य (संघीय वित्त प्रशासन) के लिए अभिनय, द्वारा प्रतिनिधित्व किया गया

संघीय संपत्तिकायालय लैंडौ, गैबेल्सबर्
गर स्ट्रैस 1, 76829 लैंडौ,

संघीय संपत्तिकायालय लैंडौ के प्रमुख के प्रतिनिधि द्वारा जारी दिनांक 05.10.1998 की मूल पावर ऑफ अटॉर्नी के आधार पर।

**1. विक्रेता के रूप में: जर्मनी का संघीय ग
णराज्य (संघीय वित्त प्रशासन) द्वारा प्र
तिनिधित्व:**

संघीय संपत्तिकायालय लैंडौ गेबेल्सबर्गर
स्ट्रीट 1, 76829 लैंडौ / इन डेर पफ्लज़

- इसके बाद इसे बंड (फेडरेशन) के रूप में जाना जाएगा -

2. क्रेता के रूप में 2 ए)

ए) कंपनी टैस्क- बाउ हैडेल्स.- अंड जनरलुबरनेहमर फर वोह्न.- अंड इंडस्ट्रीबाउटन एजी, जिसका पंजीकृत कार्यालय स्प
किंडोर्फ में है, एचआरबी 9896 के तहत हाले-साल्क्रेस स्थानीय अदालत के वाणज्यिक रजिस्टर में दर्ज किया गया है,
जिसका प्रतिनिधित्व इसके व्यक्तिगत रूप से अधिकृत प्रबंध निदेशक श्री जोसेफ टेबेलयिन, व्यापारी, जिनका जन्म
18.06.1950 को हुआ, व्यावसायिक पता है। 66787 वाडगसेन, प्रोवज़ियलस्ट्रैस 168, व्यक्तिगत रूप से ज्ञात।

- इसके बाद क्रेता 2 ए के रूप में संदर्भित किया गया है -



करेता 2 बी),
श्री Rxxx GXXX, xx.xx.1976 को जन्मे, 66xxx ZW-RLP, XXXstrasse में रहते हैं। xxx, व्यक्तिगत आईडी कार्ड से पहचाना गया

- इसके बाद करेता 2 बी के रूप में जाना जाएगा -

- इसके बाद इसे "करेता" के रूप में जाना जाएगा।

प्रतनिधित्व का प्रमाण पत्र:

कार्यवाहक नोटरी हाले-साल्क्रेडस स्थानीय अदालत - एचआर बी 9896 - में रखे गए वाणज्यिक रजिस्टर के आज के अपने न रीक्षण के आधार पर प्रमाणित करता है कि

a) कंपनी TASC - BAU Handels- und Generalübernehmer für Wohn- und इंडस्ट्रीबाउटन AG वहां पंजीकृत है और

बी) श्री जोसेफ टेबेलयिन, उपरोक्त, इसके व्यक्तिगत रूप से अधिकृत प्रबंध निदेशक है, जो § 181 बीजीबी (जर्मन नागरिक संहिता) के प्रतबंधों से मुक्त है।

प्रकट हुए, संकेत के अनुसार कार्य करते हुए, घोषित किया गया:

हम नमिलखित नषिकर्ष नकालते हैं

खरीदी अनुबंध

§1 संपत्ति विवरण I

. The ~~रूप में~~ ^{एलआईडी} (संघीय वित्त प्रशासन) जेइबुरुकन जल के जेइबुरुकन स्थानीय न्यायालय, शीट 5958 के भूमि रजिस्टर में पंजीकृत संपत्ति का मालिक है।

प्लॉट नंबर 120 पार्सल नंबर
2885/16 बिल्डिंग और खुली जगह,

डेलावेयरस्ट्रेट लैंडसटुहलर स्ट्रेज
97, 107

लुइसियानास्ट्रेट 1, 3, 5, 7, 9, 11, 15, 17, 19, 21, 23, 25,

पेंसिल्वेनियास्ट्रेट 1, 2, 3, 4, 5, 7, 8, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 21, 22, 23, 24, 25, 27, 29, 31,

टेक्ससस्ट्रेट

वर्जीनियास्ट्रेट 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 15, 17,

- कुल क्षेत्रफल 103,699 वर्गमीटर। -

द्वितीय. संपत्ति भूमि रजिस्टर की धारा II में सीमिति व्यक्तिगत सुखभोग (प्राकृतिक गैस पाइपलाइन दाएं) के साथ भारग्रस्त है; 05.04.1963 के अनुमोदन के अनुसार सार फर्नगास एजी सारबुरुकन को प्रदान किया गया।



इस बाधा को खरीदारों द्वारा आगे की सहनशीलता के लिए ग्रहण किया जाता है।

भूमरिजस्ट्र की धारा III में संपत्ति बाधाओं से मुक्त है। अन्य बाधाएं और प्रतिबंध जो भूमरिजस्ट्र में पंजीकृत नहीं हैं, आदि (उदाहरण के लिए, पुराने कानून के प्रतिबंध) ज्ञात नहीं हैं, जब तक कि इस विलेख में अन्यथा न कहा गया हो। फेडरेशन इस संबंध में कोई दायित्व नहीं लेता है। यदि ऐसी बाधाएं फिर भी मौजूद हैं, तो उन्हें खरीदारों द्वारा ग्रहण कर लिया जाएगा।

तृतीय. संपत्ति को 26 आवासीय भवनों के साथ कुल 337 आवासीय इकाइयों और एक हीटिंग प्लांट के साथ विकसित किया गया है।

52 संवदात्मक संबंध

मैं। मौजूदा इमारतों के साथ संलग्न साइट योजना में संपत्ति का हिस्सा लाल रंग में चिह्नित है

लुइसियाना स्ट्रेट 5/7, 9/11, 13/15, 17, 19/21, 23, 25, पेसलिवेनिया स्ट्रेट 8, 11-/13, 15, 17,

जर्मनी के संघीय गणराज्य द्वारा अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत शुल्क के लिए कुल 71 आवासीय इकाइयों को डच सशस्त्र बलों को करिए पर दिया गया है।

द्वितीय. संपत्ति के करिए के हिस्सों के संबंध में जर्मनी के संघीय गणराज्य और नीदरलैंड के साम्राज्य के बीच संबंधों को बताने वाला अंतरराष्ट्रीय कानून इस अनुबंध से अप्रभावित रहता है।

तृतीय. अनुबंध करने वाले पक्ष यह मानते हैं कि डच सशस्त्र बल संभवतः आवास संपत्ति को खाली कर देंगे और संपत्ति के पट्टे वाले हिस्से फेडरेशन को वापस कर दिए जाएंगे।

सटीक वापसी तिथि तो फेडरेशन या खरीदारों को ज्ञात है।

अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत संबंध अभी भी फेडरेशन द्वारा तय किए जाएंगे। इस घटना में कि डच सशस्त्र बल अगले दो वर्षों के भीतर हाउसिंग एस्टेट को फेडरेशन को वापस नहीं करते हैं, § 5 पैरा में प्रावधान का संदर्भ दिया गया है। तृतीय.

चतुर्थ. संवदात्मक संपत्ति में भवन संख्या 4233 में एक हीटिंग प्लांट भी शामिल है, जिसमें फेडरेशन के दो कर्मचारी स्टॉकर के रूप में कार्यरत हैं।

एफ एडरेशन ने खरीदारों को § 613 ए बीजीबी के वैधानिक प्रावधानों के बारे में सूचित किया है .

V. इसके अलावा, निम्नलिखित संवदात्मक संबंध मौजूद हैं:

1. टीकेएस टेलीपोस्ट केबल-सर्विस कैसरस्लॉटर्न जीएमबीएच के साथ ब्रॉडबैंड केबलिंग प्रणाली के संचालन के लिए अनुमति समझौता दिनांक 22.02.1995/ 28.03.1995। (क्र. 2बी) फेडरेशन के स्थान पर इस अनुबंध में प्रवेश करता है, जो उसे ज्ञात है।

2. कंपनी रीनब्रौन हैडेल स्प्रूड जीएमबीएच के साथ हार्ड कोयले की आपूर्ति के लिए अनुबंध। (क्र. 2बी) फेडरेशन के स्थान पर इस अनुबंध में प्रवेश करता है, जो उसे ज्ञात है।

3. फेडरेशन के साथ खरीद अनुबंध दिनांक 15.08.1996 से स्टूडेंटनवर्क कैसरस्लॉटर्न के साथ सड़कों और पाइपलाइनों के साझा उपयोग के लिए समझौता।

खरीदार फेडरेशन के स्थान पर स्टूडेंटनवर्क के प्रति दायित्वपूर्ण प्रतिबद्धताओं में प्रवेश करते हैं।

§3 खरीद की वस्तु

मैं। फेडरेशन खरीदारों को 2ए) और 2बी) को 4 पैरा में निर्धारित अनुपात में बेचता है। मैं, खरीद की वस्तु में स्थिति 20-केवी रंगि में को छोड़कर सभी अधिकारों और दायित्वों के साथ-साथ घटकों के साथ उपरोक्त संपत्ति, साइट प्लान (परशिष्ट 2) में लाल रंग में चिह्नित हूँ।

द्वितीय. साइट प्लान (परशिष्ट 3) में हरे रंग में चिह्नित लगभग 30 वर्गमीटर बड़ा उप-क्षेत्र भी इससे बाहर रखा गया है, जैसा सीमा समायोजन प्रक्रिया के हिस्से के रूप में पड़ोसी संपत्ति के मालिक को हस्तांतरित किया जाएगा।

§ 4 खरीद/सर्वेक्षण की वस्तु का विभाजन

खरीदार इस प्रकार अधिग्रहण करते हैं:

I. खरीदारों के बीच आंतरिक संबंध में, खरीद की वस्तु का नमिन्लखित विभाजन अपेक्षित है:

ए) करता 2ए) साइट योजना (परशिष्ट 3) में नीले रंग में चिह्नित क्षेत्रों के साथ-साथ हीटिंग पाइप के अपवाद के साथ सभी विकास सुविधाओं का अधिग्रहण करता है।

बी) करता 2बी) साइट योजना (परशिष्ट 3) में लाल रंग में चिह्नित क्षेत्रों के साथ-साथ हीटिंग पाइप का अधिग्रहण करता है, लेकिन अन्य विकास सुविधाओं के बिना।

द्वितीय. करता 2ए) इस अनुबंध के नोटरीकरण के चार सप्ताह के भीतर करता 2बी के साथ समन्वय में उप-क्षेत्रों के सर्वेक्षण के लिए आवेदन करेगा। इसके अलावा, करता 2ए) इस अनुबंध के नोटरीकरण के चार सप्ताह के भीतर करता 2बी द्वारा अर्जित उप-क्षेत्रों को पारसल करने की व्यवस्था करेगा, जैसा कि संलग्न साइट योजना (परशिष्ट 4) में दिखाया गया है।

सभी सर्वेक्षण लागत करता 2ए द्वारा वहन की जाएगी।

जहां तक कब्जा अभी तक खरीदारों को हस्तांतरित नहीं किया गया है, फेडरेशन खरीदार 2ए) को सर्वेक्षण करने के लिए पहुंच के आवश्यक अधिकार प्रदान करता है।

§ 5 अनुबंध नष्टिपदन

I. डच सशस्त्र बलों के साथ संबंधों को लेकर अभी भी मौजूदा अंतरराष्ट्रीय कानून के संबंध में, साइट योजना (परशिष्ट 1) में लाल रंग में चिह्नित क्षेत्रों के संबंध में यह खरीद अनुबंध केवल तभी नष्टिपदित किया जाएगा जब डच सशस्त्र बल इन क्षेत्रों को फेडरेशन को वापस कर देंगे।

यह विशेष रूप से कब्जे के हस्तांतरण, उपयोग और बोझ, इन क्षेत्रों के लिए खरीद मूल्य की नयित तारीख और इन क्षेत्रों के लिए परिवहन पर लागू होता है।

द्वितीय. अनुबंध करने वाले पक्ष मानते हैं कि डच सशस्त्र बल अगले दो वर्षों के भीतर उन्हें दी गई संपत्ति के हिस्से फेडरेशन को वापस कर देंगे।

तृतीय. इस घटना में कि डच सशस्त्र बल अगले दो वर्षों के भीतर आवास संपत्ति उसके हिस्सों को वापस नहीं करते हैं, फेडरेशन उन हिस्सों के स्वामित्व के हस्तांतरण के लिए डच सशस्त्र बलों की सहमति प्राप्त करने का प्रयास करेगा जो अभी तक खरीदार 2बी को वापस नहीं किए गए हैं।



§ 6 खरीद मूल्य

I. पैरा 3 में वर्णित अनुबंध की वस्तु के लिए खरीद मूल्य। मेरी राश डीएम 5,182,560 है।-- (शब्दों में: जर्मन मार्क्स पांच मिलियन एक सौ ब्यासी हजार पांच सौ साठ)।

द्वितीय. इसमें से डीएम 3,262,560 की राश साइट योजना (परशिफ्ट 5) में नीले रंग में चिह्नित संपत्ति के हिससे के कारण है। यह राशि, जिसके लिए करता 2ए) आंतरिक संबंध में उत्तरदायी है, नमिनानुसार देय है:

ए) डीएम 3,252,560 की राशि के 1/3 का डाउन पेमेंट।-- डीएम 1,087,520 की राशि में।--, नोटरीकरण की आज की तारीख पर देय। खरीद मूल्य के इस हिससे का भुगतान पहले ही किया जा चुका है, जिसकी फेडरेशन पुष्टि करता है।

बी) डीएम 2,175,040 की आंशिक राशि का भुगतान - डीएम 435,008 की पांच कसितों में - प्रत्येक, साथ ही इस अनुबंध की आज की नोटरीकरण की तारीख से संबंधित शेष राशि पर सालाना ड्यूश बंडेसबैंक की संबंधित छूट दर से ऊपर 2% ब्याज, जिससे महीने की पहली तारीख को लागू छूट दर उस महीने की ब्याज दर के लिए नरिणायक होती है।

नमिनलखित नयित तारीख और भुगतान योजना कसित भुगतान पर लागू होती है, हालाँकि, पहले भुगतान की अनुमति है।

- पहली कसित डीएम 435,008.--, खरीद अनुबंध के समापन के बाद 12 महीने के अंत में, इस प्रकार 06.10.1999 को, साथ ही डीएम 2,175,040 की राशि पर डॉयचे बंडेसबैंक की संबंधित छूट दर से 2% अधिक ब्याज।--,

- दूसरी कसित डीएम 435,008.--, खरीद अनुबंध के समापन के बाद 24 महीने के अंत में, इस प्रकार 06.10.2000 को, साथ ही डीएम 1,740,032 की राशि पर डॉयचे बंडेसबैंक की संबंधित छूट दर से 2% अधिक ब्याज।--,

- तीसरी कसित डीएम 435,008.--, खरीद अनुबंध के समापन के बाद 36 महीने के अंत में, इस प्रकार 06.10.2001 को, साथ ही डीएम 1,305,024 की राशि पर डॉयचे बंडेसबैंक की संबंधित छूट दर से 2% अधिक ब्याज।--,

- चौथी कसित डीएम 435,008.--, खरीद अनुबंध के समापन के बाद 48 महीनों के अंत में, इस प्रकार 06.10.2002 को, साथ ही डीएम 870,016 की राशि पर डॉयचे बंडेसबैंक की संबंधित छूट दर से 2% अधिक ब्याज।--,

- 5वीं कसित डीएम 435,008.--, खरीद अनुबंध के समापन के बाद 60 महीने के अंत में, इस प्रकार 06.10.2003 को, साथ ही डीएम 435,008 की राशि पर डॉयचे बंडेसबैंक की संबंधित छूट दर से 2% अधिक ब्याज।--।

ब्याज की गणना फेडरेशन द्वारा कसितों की संबंधित नयित तारीख के बाद की जाएगी, खरीदारों से अलग से अनुरोध किया जाएगा और अनुरोध के चार सप्ताह के भीतर बंडेसकासे डसेलडोर्फ, लैंडेसजेट्रलबैंक डसेलडोर्फ, बीएलजेड 300 000 00, खाता संख्या 30 001 040 के खाते में भुगतान किया जाएगा, उद्देश्य बताते हुए "ब्याज भुगतान करुज़बर्ग हाउसिंग एस्टेट, ज़ेइबुरुकन, चैप्टर" 0807, शीर्षक 13101"।

तृतीय. डीएम 1,920,000 की राशि - साइट योजना (परशिफ्ट 5) में लाल रंग में चिह्नित संपत्ति के हिससे के कारण है।

वह राशि, जिसके लिए करता 2बी) आंतरिक संबंध में उत्तरदायी है, भीतर भुगतान के लिए देय है



फेडरेशन द्वारा लिखित अनुरोध के तीन सप्ताह।

फेडरेशन द्वारा अनुरोध डच सशस्त्र बलों द्वारा संपत्तिके हिससों की वापसी के तुरंत बाद या उन्हें दी गई संपत्तिके हिससों के स्वामित्व के हस्तांतरण के लिए डच सशस्त्र बलों की सहमतिका बाद किया जाएगा।

व्यक्तिगत इमारतों या संपत्तिके हिससों की वापसी के मामले में, डीएम 1,920,000 की संबंधित आंशिक राशि फेडरेशन द्वारा लिखित अनुरोध के तीन सप्ताह के भीतर भुगतान की जानी है। आंशिक भुगतान की राशि साइट योजना (परशिष्ट 1) में लाल रंग में चिह्नित भवनों के कुल रहने की जगह में आंशिक वापसी से प्रभावित इमारतों के रहने की जगह के अनुपात पर निर्भर करती है।

चतुर्थ. पैराग्राफ II.a) के अनुसार आंशिक राशि का भुगतान एक राशि में बंडेसकासे कोब्लेज़, लैंडेसजेटरलबैंक कोब्लेज़, बीएलजेड 570 000 00, खाता संख्या 570 010 01 को किया जाना है, जिसका उद्देश्य "क्रय मूल्य भुगतान कुरुज़बर्ग हाउसिंग एस्टेट, ज़ेइबुरुकन, अध्याय 0807 शीर्षक 131 01" बताया गया है।

पैराग्राफ II.बी) और पैराग्राफ III के अनुसार आंशिक राशि का भुगतान बंडेसकासे डसेलडोर्फ, लैंडेसजेटरलबैंक डसेलडोर्फ, बीएलजेड 300 000 00, खाता संख्या 30 001 040 को किया जाना है, जिसका उद्देश्य "कसित भुगतान कुरुज़बर्ग हाउसिंग एस्टेट, ज़ेइबुरुकन, अध्याय 0807 शीर्षक 131 ओ1" बताया गया है।

V. भुगतान की समयबद्धता के लिए, प्रेषण का दिन नहीं, बल्कि सिंघीय कोषागारों के उपर्युक्त खातों में जमा का दिन मायने रखता है। भुगतान में चूक के मामले में, डॉयचे बंडेसबैंक की संबंधित छूट दर से 3% अधिक की दर पर डिफॉल्ट ब्याज का भुगतान किया जाएगा, जिससे महीने की पहली तारीख को लागू छूट दर उस महीने के प्रत्येक ब्याज दिन के लिए निर्णायक होती है।

इसके अलावा, डिफॉल्ट की स्थिति में, खरीदार डिफॉल्ट के कारण होने वाले अन्य सभी प्रत्यक्ष नुकसान और अनुस्मारक लागतों के लिए फेडरेशन को प्रतिलिखित करेंगे।

डिफॉल्ट के कारण होने वाली अन्य प्रत्यक्ष क्षति में, विशेष रूप से, उपरोक्त ब्याज दर और फेडरेशन द्वारा अपने खर्चों को कवर करने के लिए लिए गए ऋणों के लिए उच्च ब्याज दर के बीच का अंतर भी शामिल है।

खरीदार इस वलिख में हकदार पक्ष को दिए गए भुगतान दायित्वों के संबंध में इस वलिख को अपनी संपूर्ण संपत्ति में तत्काल लागू करने के लिए प्रस्तुत करते हैं।

हकदार पक्ष को किसी भी समय, उन तथ्यों के प्रमाण के बिना, जिन पर दावे की नयित तारीख निर्भर करती है, इस वलिख की एक प्रवर्तनीय प्रतिलिखित जारी की जाएगी।

नोटरी ने § 454 बीजीबी की ओर इशारा किया है। इस प्रावधान को माफ कर दिया गया है, ताकि विक्रेता निकासी के वैधानिक अधिकार बरकरार रखे।

§ 7 सुरक्षा भूमिप्रभार/बैंक गारंटी

I. इस अनुबंध द्वारा स्थापित फेडरेशन के सभी भुगतान दावों को सुरक्षित करने के लिए - जिसमें सशर्त दावे भी शामिल हैं - जो पूरे नहीं हुए हैं, फेडरेशन पैराग्राफ I में सूचीबद्ध संपूर्ण संपत्ति पर डीएम 10,000,000 की राशि में बुक लैंड चार्ज का आदेश देता है।-- (शब्दों में: जर्मन दस मिलियन को चहिनति करता है), जो आज की तारीख से सालाना 18% (अठारह प्रतिशत) की दर से ब्याज देना होगा।

फेडरेशन, खरीदारों की सहमति से, § 1 पैराग्राफ I में उल्लिखित संपत्ति के खिलाफ और जर्मनी के संघीय गणराज्य (संघीय वित्त प्रशासन) के पक्ष में, संघीय संपत्ति कार्यालय लैंडौ द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए ऐसे पुस्तक भूमिशुल्क के पंजीकरण को मंजूरी देता है - जिसके बाद "लेनदार" के रूप में जाना जाता है।

भूमिशुल्क नमिनानुसार पंजीकृत किया जाना है:

1. भूमिशुल्क पर आज की तारीख से 18 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देना है। ब्याज का भुगतान पूर्वव्यापी रूप से अगले कैलेंडर वर्ष के पहले दिन किया जाना है।

2. भूमिप्रभार देय है।

भूमिशुल्क राशि और ब्याज के संबंध में, फेडरेशन भारग्वस्त संपत्ति में तत्काल प्रवर्तन को इस तरह प्रस्तुत करता है कि संबंधित संपत्ति के मालिक के खिलाफ इस विलेख से प्रवर्तन की अनुमति हो।

फेडरेशन भूमिरेजिस्टर में इस सबमिशन क्लॉज के पंजीकरण के लिए अपरविरतनीय रूप से अनुमोदन और आवेदन करता है।

सभ भूमिशुल्क के निर्माण से उत्पन्न होने वाली लागत करता 2ए द्वारा वहन की जाएगी)

फेडरेशन का इरादा है, साइट प्लान (परशिष्ट 3) में नीले रंग में चहिनति सर्वेक्षण किए जाने वाले क्षेत्रों के संबंध में कैडस्ट्राल परविरतन प्रमाण पत्र प्राप्त होने के बाद, पार्सल नंबर के शेष उप-क्षेत्रों पर भूमिशुल्क रद्द करना। 2885/16 और इस भूमिशुल्क को केवल साइट योजना (परशिष्ट 3) में नीले रंग में चहिनति क्षेत्रों पर ही मौजूद रहने दिया जाए।

वास्तविक दायित्व के लिए भूमिप्रभार करता 2ए) द्वारा ग्रहण किया जाता है।

फेडरेशन करता 2ए के अनुरोध पर भूमि का प्रभार अग्रणी जर्मन वाणज्यिक बैंक को सौंप देगा जो नीचे दिए गए पैराग्राफ II के अनुसार खरीदारों के भुगतान दायित्वों की गारंटी देता है, जैसे ही नीचे पैराग्राफ II में वर्णित गारंटी पूरी तरह से उपलब्ध हो जाती है।

द्वितीय. करता 2ए) साइट प्लान (परशिष्ट 3) में नीले रंग में चहिनति क्षेत्रों के संबंध में कैडस्ट्राल परविरतन प्रमाण पत्र की प्राप्ति के चौदह दिनों के भीतर, फेडरेशन को डीएम 4,095,040 की शेष खरीद मूल्य को सुरक्षित करने के लिए एक अग्रणी जर्मन वाणज्यिक बैंक से नमिनलखित बनिा शर्त, सीधे लागू करने योग्य बैंक गारंटी प्रदान करने के लिए स्वीकार करने वाले फेडरेशन की ओर वचन देता है। - साथ ही § 11 पैरा के अनुसार सशर्त पूरक भुगतान दायित्व को सुरक्षित करने के लिए। डीएम 5,817,440 की राशि में इस अनुबंध का III.--:

ए) डीएम 2,175,040 के लिए बैंक गारंटी।-- प्लस § 6 पैराग्राफ II.बी) और पैराग्राफ वी के अनुसार बकाया ब्याज, साथ ही § 767 पैरा के अनुसार लागत। § 6 पैरा के अनुसार भुगतान दायित्व को सुरक्षित करने के लिए 2 बीजीबी।

II.बी). डीएम 1,920,000 के लिए बैंक गारंटी - साथ ही § 6 पैराग्राफ III के अनुसार भुगतान दायित्व के लिए § 767 एचजीबी के अनुसार ब्याज और लागत।

ग) डीएम 5,817,440 के लिए बैंक गारंटी।-- § 11 पैराग्राफ III के अनुसार सशर्त पूरक भुगतान दायित्व को सुरक्षित करने के लिए § 767 बीजीबी के अनुसार ब्याज और लागत। यह



अनुबंध के अन्य उल्लंघनों से फेडरेशन के उभरते दावों के लिए बैंक गारंटी भी ली जा सकती है।

फेडरेशन पहले से ही गारंटीकृत दावों के क्रमशः अभी भी खुले हिससों की गारंटी में कमी के लिए सहमत है। ऊपर अक्षर बी) और सी) के तहत उल्लिखित गारंटी समय में सीमिति हो सकती है; हालाँकि, उन्हें इस खरीद अनुबंध के नोटरीकरण की तारीख से कम से कम पांच साल की अवधि के लिए वैध होना चाहिए।

§ 8 कब्जे का हस्तांतरण

I. साइट योजना (परशिषिट) में नीले रंग में चहिनति क्षेत्रों के साथ-साथ खरीद की पूरी वस्तु की सभी बेची गई मुख्य वकिला सुवधाओं (पाइपलाइन नेटवर्क के साथ स्ट्रीट लाइटिंग सहित सड़कें, अपशिष्ट जल पाइपलाइनों, हीटिंग पाइपलाइनों, पानी पाइपलाइनों और कम वोल्टेज पाइपलाइनों सहित वर्षा जल प्रतधारण बेसिन - प्रत्येक मामले में घर के कनेक्शन तक) का कब्जा इस अनुबंध के नोटरीकरण की आज की तारीख पर खरीदारों को दिया जाता है।

द्वितीय. साइट प्लान (परशिषिट 5) में लाल रंग से चहिनति क्षेत्र का कब्जा डच सशस्त्र बलों द्वारा फेडरेशन को इस क्षेत्र की वापसी के बाद या स्वामित्व के हस्तांतरण के लिए डच सशस्त्र बलों की सहमति के बाद और उप-क्षेत्र के कारण खरीद मूल्य शेयर के भुगतान के बाद ही खरीदारों को दिया जाता है। यदि डच सशस्त्र बल आंशिक रेटर्न देते हैं, तो उप-क्षेत्रों का कब्जा संबंधित उप-क्षेत्रों के लिए खरीद मूल्य शेयरों के भुगतान के बाद ही पास होता है। स्थानांतरण को लिखित रूप में प्रलेखित किया जाएगा।

तृतीय. स्थानांतरण के समय से, सभी उपयोगों के साथ-साथ नजी और सार्वजनिक शुल्क भी खरीदारों के पास चले जाते हैं। इस समय से, खरीदार अन्य सार्वजनिक शुल्क, शुल्क और कर, खरीद की वस्तु के आकस्मिक नुकसान या गरीब का जोखिम, सुरक्षा बनाए रखने का कर्तव्य और सड़क की सफाई और ग्राटिंग शुल्क वहन करते हैं। खरीदारों को पता है कि फेडरेशन ने, एक स्व-बीमाकर्ता के रूप में, § 3 में वर्णित खरीद की वस्तु के लिए कोई बीमा नहीं लिया है।

§ 9 योजना-संबंधित उच्च मूल्य उपयोग वकिलों के कारण अनुपूरक भुगतान

I. खरीद का उद्देश्य अभी भी एक विशेष क्षेत्र के रूप में निर्दिष्ट है और शहरी भूमि-उपयोग योजना के अंतर्गत नहीं आता है।

द्वितीय. खरीद मूल्य § 4 बाउएनवीओ (जर्मन भूमि-उपयोग अध्यादेश) के अनुसार सामान्य आवासीय क्षेत्र के रूप में उपयोग पर आधारित है, साइट अधिभोग सूचकांक 0.4 और § 17 बाउएनवीओ के अनुसार 1.2 का फर्श क्षेत्र अनुपात है।

तृतीय. खरीदार इस खरीद अनुबंध में सहमत खरीद मूल्य के लिए एक पूरक भुगतान करने का वचन देते हैं, यदि नगर पालिका, योजना प्राधिकारी के रूप में अपनी क्षमता में, अनुबंध के समापन के दस वर्षों के भीतर पैराग्राफ II में बताए गए प्रकार और माप के संदर्भ में उच्च-मूल्य के उपयोग का वकिल खोलती है और खरीदारों को दस साल की अवधि की समाप्ति से पहले अंतरनिहिता पैराग्राफ II के उपयोग से वचिलति होने वाले इस उच्च-मूल्य के उपयोग का एहसास होता है, उदाहरण के लिए, मूल्य-बढ़ाने वाले संरचनात्मक उपयोग (घनत्व) के माध्यम से या बिक्री के माध्यम से।

भुगतान इस अनुबंध के § 6 के अनुसार खरीद मूल्य और फेडरेशन द्वारा भुगतान के अनुरोध के समय संपत्ति के मूल्य के बीच का अंतर है।

मूल्य अंतर को जेइबुरुकन शहर के क्षेत्र के लिए संपत्ति मूल्यों के लिए स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति और ओबरफनिनज्दायरेक् टयिन कोबलेनज के विशेषज्ञ द्वारा सौहार्दपूर्ण ढंग से निर्धारित किया जाएगा और फेडरेशन द्वारा निर्धारित किया जाएगा।

प फेडरेशन द्वारा भुगतान के अनुरोध के चार सप्ताह बाद भुगतान राशि दी जाती है



भुगतान में चूक की स्थिति में, § 6 पैरा में प्रावधान। इस अनुबंध का V लागू होगा।

§ 10 वारंटी, दायित्व

I. वस्तु खरीद 3 पैराग्राफ I में वर्णित खरीद उसी स्थिति में बेची जाती है जिसमें यह नोटरीकरण के समय थी। यह स्थिति खरीदारों को ज्ञात है। दृश्यमान और अदृश्य भौतिक दोषों और शीर्षक के दोषों या छपे हुए दोषों के साथ-साथ §§ 459 एफएफ के आवेदन के लिए कोई वारंटी। खरीद की वस्तु के संबंध में बीजीबी को बाहर रखा गया है।

द्वितीय. फेडरेशन खरीद की वस्तु के विशिष्ट आकार, सीमा रेखा, गुणवत्ता, उपयुक्तता और स्थिति और खरीदारों या उनके कानूनी उत्तराधिकारियों के उद्देश्यों के लिए इसकी उपयुक्तता के लिए उत्तरदायी नहीं है।

तृतीय. इंजीनियरिंग कार्यालय एसएसएल, कैसरसलॉटर्न ने किसी भी मौजूदा दूषित क्षेत्र के लिए राइनलैंड-पैलेटिनट राज्य के पर्यावरण मंत्रालय की ओर से खरीद की वस्तु की जांच की है। यह पाया गया कि खतरे पहचानने योग्य नहीं हैं और इसलिए जांच अपरिहार्य है।

रूपांतरण दूषित साइट कार्य समूह (KoAG) के संबंधित प्रोटोकॉल खरीदारों को ज्ञात है।

चतुर्थ. इस संबंध में, फेडरेशन संपत्ति की विशिष्ट गुणवत्ता, खरीदारों द्वारा इच्छित उपयोग की अनुमति, उपयोग और विकास की संभावना, साथ ही भवन भूमि की स्थिति के लिए कोई वारंटी नहीं लेता है। आवश्यक परमिट खरीदारों को सीधे अपने खर्च पर प्राप्त करना होगा।

V. फेडरेशन आश्वासन देता है कि भूमि रजिस्टर की धारा II और III में संपत्ति निर्विवाद बाधाओं और प्रतर्कों के साथ-साथ बकाया सार्वजनिक शुल्क और लेवी से मुक्त है, जब तक कि इस विलेख में अन्यथा निर्धारित न किया गया हो।

VI. फेडरेशन घोषणा करता है कि उसने किसी भी भवन भार का आदेश नहीं दिया है और उसे ऐसे अवरोधों के अस्तित्व की जानकारी नहीं है।

§ 11 लकड़ी की छत का नवीनीकरण

I. खरीदार जानते हैं कि अपार्टमेंट के लकड़ी के फर्श पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन (पीएच) से दूषित हैं। फेडरेशन ने पर्यावरण प्रयोगशाला एआरजीयूके, ओबेरसेल द्वारा अपार्टमेंटों का यादृच्छिक परीक्षण किया है। दिनांक 21.04.1998 का परीक्षा परिणाम खरीदारों के लिए उपलब्ध है। खरीदार यह भी जानते हैं कि अपार्टमेंट में कुछ अंतरनिर्मित अलमारियाँ भी दूषित हो सकती हैं।

द्वितीय. लकड़ी की छत के नवीनीकरण की लागत में फेडरेशन का हिस्सा डीएम 5,817,440 है।-- और डीएम 5,182,560 के खरीद मूल्य की गणना में इसे पहले ही पूरी तरह से ध्यान में रखा जा चुका है।--।

फेडरेशन की लागत भागीदारी खरीदारों द्वारा बेचे गए सभी अपार्टमेंटों में सभी लकड़ी के फर्श के इच्छित पूर्ण प्रतस्थिति पर आधारित है।

लकड़ी की छत के नवीकरण में किसी भी अतिरिक्त लागत की भागीदारी के साथ-साथ किसी भी अन्य मौजूदा प्रदूषकों के लिए फेडरेशन की किसी भी देनदारी और उनके संभावित उपचार में फेडरेशन की किसी भी लागत की भागीदारी को स्पष्ट रूप से बाहर रखा गया है।

खरीदार फेडरेशन की ओर अपार्टमेंट के लकड़ी के फर्श का नवीनीकरण करने का वचन देते हैं,



कौन

ए) साइट योजना (परशिष्ट 5) में नीले रंग में चहिनति क्षेत्र के भीतर स्थिति है, नोटरीकरण की आज की तारीख के बाद 2 साल की अवधि के भीतर, बी) साइट योजना (परशिष्ट 5) में लाल रंग में चहिनति क्षेत्र के भीतर स्थिति है, § 8 पैरा के अनुसार कब्जे के हस्तांतरण के बाद 2 साल की अवधि के भीतर। II, लकड़ी की छत के फर्श को पूरी तरह से बदलकर। क्रेताओं के बीच आंतरिक संबंध में, क्रेता 2ए) उपरोक्त दायित्वों को मानता है।

तृतीय. नवीकरण को फेडरेशन के समक्ष सदिध किया जाना चाहिए। नवीकरण उपायों को पूरा करने के लिए नयिकृत विशेष जूज कंपनी से लेखित पुष्टिद्वारा प्रमाण प्रदान किया जाता है। फेडरेशन नवीकरण उपायों के कार्यान्वयन का निरीक्षण करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। यदि संपूर्ण संपत्ति या उसके कुछ हिस्सों के लिए सबूत उपलब्ध नहीं कराया जा सकता है, तो डीएम 242.--/वर्गमीटर गैर-नवीनीकृत लकड़ी की छत क्षेत्र की राश फेडरेशन को चुकानी होगी।

साइट प्लान में लाल रंग से चहिनति संपत्ति के हिस्सों के लिए (परशिष्ट 5)

पूरक भुगतान करने की बाध्यता उस स्थिति में भी मौजूद है जब और इस हद तक कि फेडरेशन या डच सशस्त्र बलों ने कब्जे के हस्तांतरण से पहले एक लकड़ी की छत का नवीनीकरण किया हो।

अनुपूरक भुगतान फेडरेशन के अनुरोध के छह सप्ताह के भीतर किया जाना चाहिए।

भुगतान में चूक की स्थिति में, इस अनुबंध के § 6 पैराग्राफ V में प्रावधान लागू होंगे।

§ 12 बाह्य विकास

I. अपशिष्ट जल नपिटान / सतही जल नपिटान

ए) संपत्ति सार्वजनिक अपशिष्ट जल प्रणाली और सार्वजनिक सतही जल नपिटान से जुड़ी है। अपशिष्ट जल को संलग्न साइट योजना (परशिष्ट 6) में लाल रंग में चहिनति आवास संपत्ति के संग्रह पाइपों के माध्यम से नीले रंग में चहिनति बैरक के संयुक्त अपशिष्ट जल संग्रह पाइप में और आगे सार्वजनिक मुख्य कलेक्टर में छोड़ा जाता है।

सतही जल को शुरू में साइट योजना (परशिष्ट 6) में पीले रंग में चहिनति वर्षा जल प्रतधारण बेसिन में एकत्र किया जाता है और फिर अपशिष्ट जल की तरह, लाल रंग में चहिनति संग्रह पाइपों के माध्यम से भी छोड़ा जाता है।

वर्षा जल धारण बेसिन की क्षमता सीमित है। भारी वर्षा की स्थिति में, सतह का पानी जैसी वर्षा जल धारण बेसिन में एकत्र नहीं किया जा सकता है, उसे हरे रंग में चहिनति सतही पानी के लिए संग्रह पाइपों में एक अतिप्रवाह के माध्यम से छोड़ा जाता है और सीधे बॉटज़ेनबाक धारा में डाला जाता है।

संग्रह पाइप नमिलखित तृतीय-पक्ष संपत्तियों में चलते हैं और आंशिक रूप से अनुमत सिमझौतों के साथ-साथ फेडरेशन के पक्ष में सीमित व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं द्वारा सुरक्षित हैं - नमिनानुसार:

- जेडबुकन शीट 7002 का भूमि रजिस्टर, वर्तमान संख्या। 207, पार्सल नं. 3135/1, मालिक: जेडबुकन शहर, स्थान/उपयोग का प्रकार: यातायात क्षेत्र

सुरक्षा का प्रकार: कोई वास्तविक सुरक्षा नहीं, कोई अनुमत अनुबंध नहीं,

- जेडबुकन शीट 7005 का भूमि रजिस्टर, वर्तमान संख्या। 142 और 197, पार्सल नं. 2852/16 एवं



3134/4, मालकि: जेइबुरुकन शहर,

स्थान/उपयोग का प्रकार: वन, यातायात, कृषिक्षेत्र,

सुरक्षा है: सीवर प्रणाली संचालित करने का अधिकार; यह अभ्यास किसी तीसरे पक्ष को हस्तांतरित किया जा सकता है। अनुमत अनुबंध दिनांक 29.11.1963 और 4.5.1985,

- जेइबुरुकन शीट 6780 का भूमि रजिस्टर, वर्तमान संख्या। 1, पारसल नं. 2652/15, मालकि: पति-पत्नी डॉ. हेइडी लैम्बर्ट-लैंग और डिट्रिच लैंग; जेइबुरुकन, स्थान/उपयोग का प्रकार: घास का मैदान,

सुरक्षा का प्रकार: कोई वास्तविक सुरक्षा नहीं, कोई अनुमत अनुबंध नहीं,

- जेइबुरुकन शीट 4291 का भूमि रजिस्टर, वर्तमान संख्या। 1, पारसल नं. 2652/10, मालकि: श्री डिट्रिच लैंग, जेइबुरुकन, स्थान/उपयोग का प्रकार: बिल्डिंग प्लॉट और घास का मैदान,

सुरक्षा का प्रकार: कोई वास्तविक सुरक्षा नहीं, कोई अनुमत अनुबंध नहीं।

मौजूदा अनुमत अनुबंध खरीदारों को ज्ञात है।

बी.) फेडरेशन परशिफ्ट 6 में लाल और हरे रंग में चिह्नित संग्रह पाइपों के साथ-साथ पीले रंग में चिह्नित वर्षा जल प्रतिलिपि बेसिन को नागरिक कानून साझेदारी के रूप में खरीदारों को हस्तांतरित करता है। इस प्रयोजन के लिए, यह उपरोक्त अनुमत समझौते से उत्पन्न होने वाले अपने सभी अधिकार नदिष्ट भागीदारी अनुपात में खरीदारों को सौंपता है। फेडरेशन इन अनुमति अधिकारों के अस्तित्व के लिए उत्तरदायी नहीं है।

खरीदारों का लक्ष्य एक विकास अनुबंध के ढांचे के भीतर संग्रह पाइप और वर्षा जल प्रतिलिपि बेसिन को जेइबुरुकन शहर (नपिटान कंपनियों) में स्थानांतरित करना है।

पारसल संख्या पर पाइपलाइन मार्ग के लिए। 2652/10 और 2652/15, मालिकों के साथ कोई अनुमत समझौता नहीं है और कोई वास्तविक सुरक्षा पाइपलाइन अधिकार नहीं है। फेडरेशन इसे सीधे जेइबुरुकन शहर के पक्ष में फरि से स्थापित करेगा।

अपशिष्ट जल-पक्ष के बाहरी विकास को सुरक्षित करने से संबंधित अन्य सभी लागते, विशेष रूप से जेइबुरुकन शहर में संग्रह पाइपों के हस्तांतरण के संबंध में लागत, साथ ही अन्य संपत्तियों के संबंध में इन पाइपलाइनों की वास्तविक सुरक्षा, खरीदारों द्वारा अपने आंतरिक संबंध में करता 2 ए द्वारा वहन की जाएगी।

सी.) खरीदार फेडरेशन को, जब तक डच सशस्त्र बल अभी भी बस्ती में रहते हैं, साइट योजना (परशिफ्ट 6) में लाल और हरे रंग में चिह्नित अपशिष्ट जल पाइपलाइनों के साथ-साथ पीले रंग में चिह्नित वर्षा जल प्रतिलिपि बेसिनों के सह-उपयोग का मुफ्त अधिकार देते हैं।

वे पाइपलाइनों और वर्षा जल प्रतिलिपि बेसिनों को कार्यात्मक स्थिति में बनाए रखने का कार्य करते हैं ताकि उचित अपशिष्ट जल नपिटान की गारंटी हो।

डी.) पारसल नंबर के मालिक के पक्ष में, दक्षिण-पश्चिमी संपत्ति सीमा पर आवास संपत्ति को छोड़ने वाले संग्रह पाइप के सह-उपयोग के लिए एक अनुमत समझौता है। 2651, श्री डॉ. जोसेफ रीस, डॉ. अल्बर्ट बेकर-स्ट्रेज़ 14, 66482 जेइबुरुकन, दिनांक 16.12.1974, पूरक समझौते दिनांक 28.09.1981, 1.10.1981 के साथ-साथ 16.8.1985/, 19.8.1985 और 9.2.1996/13.2.1996.



खरीदार ई फेडरेशन के स्थान पर उन्हें ज्ञात संवदात्मक संबंध में प्रवेश करें

द्वितीय. मीठे पानी की आपूर्ति

हाउसिंग एस्टेट सार्वजनिक मीठे पानी की आपूर्ति से जुड़ा है। सार्वजनिक मुख्य पाइपलाइन का स्थानांतरण बढ़ि भवन संख्या में जल पंपिंग स्टेशन पर स्थिति है। 4241.

हाउसिंग एस्टेट की आपूर्ति करने वाली मीठे पानी की पाइपलाइन स्टूडेंटनवेर्क कैसरस्लॉटर्न की पड़ोसी संपत्ति से होकर गुजरती है।

खरीदारों द्वारा इस पाइपलाइन अनुभाग के सह-उपयोग के संबंध में, इस अनुबंध के § 13 पैराग्राफ VIII का संदर्भ दिया गया है।

तृतीय. बजिली की आपूर्ति

संपूर्ण करुज़बर्ग क्षेत्र एक इकाई बनाता है और इसे 20-केवी रंगि मेन और ट्रांसफार्मर स्टेशन नंबर द्वारा वकिसति की जाया गया है। 4210 और 4238. ट्रांसफार्मर स्टेशन पहले ही फेडरेशन द्वारा ज़ेइबुरुकन शहर को बेच दिए गए हैं।

ज़ेइबुरुकन शहर के लिए मुख्य 20-केवी रंगि के हस्तांतरण के साथ-साथ ज़ेइबुरुकन शहर के पक्ष में इस पाइपलाइन की वास्तविक सुरक्षा का लक्ष्य है।

इस पृष्ठभूमि में, 20-केवी रंगि मेन संपत्ति के साथ नहीं बेचा जाता है। खरीदार ज़ेइबुरुकन शहर के लिए 20-केवी रंगि मेन के हस्तांतरण में "आवश्यक सीमा" तक सहयोग करने का वचन देते हैं। विशेष रूप से, वे ज़ेइबुरुकन शहर (नगरपालिका उपयोगिताओं) के पक्ष में उचित और पारंपरिक तरीके से फेडरेशन के अनुरोध पर पाइपलाइन मार्ग के लिए वास्तविक सुरक्षा प्रदान करने का कार्य करते हैं।

जब तक वास्तविक सुरक्षा प्रदान नहीं की जाती है, खरीदार फेडरेशन और ज़ेइबुरुकन शहर (नगर नगिम उपयोगिताओं) को ट्रांसफार्मर स्टेशनों और 20-केवी रंगि मेन के संचालन और रखरखाव के लिए पहुंच के आवश्यक अधिकार प्रदान करते हैं। इसके अलावा, खरीदार ज़ेइबुरुकन नगरपालिका उपयोगिताओं के समन्वय में, आवास संपत्ति के भीतर इमारतों को आवश्यक सीमा तक मीटरिंग उपकरणों से लैस करने का कार्य करते हैं।

§ 13 आंतरिक विकास

I. खरीदार है यह जानते हुए कि संपूर्ण आवास संपत्ति विस्तृतमान में नज़ी तौर पर आंतरिक रूप से वकिसति की गई है।

इसका मतलब यह है कि अपशिष्ट जल, मीठे पानी और लो-वोल्टेज पाइपलाइनों के साथ-साथ गर्मी और गर्म पानी की आपूर्ति सुविधाएं और स्ट्रीट लाइटिंग सहित सड़क फेडरेशन के स्वामित्व में हैं और सार्वजनिक नहीं हैं। खरीदारों को पाइपलाइनों के मार्ग के संबंध में योजनाएं प्रदान की गई हैं। पाइपलाइनों के वास्तविक मार्ग के साथ योजनाओं की अनुरूपता के लिए फेडरेशन कोई दायित्व नहीं लेता है।

द्वितीय. सड़क की सतह स्ट्रीट लाइटिंग सहित सड़क की सतह की स्थिति खरीदारों को पता है।

स्टूडेंटनवेर्क कैसरस्लॉटर्न को फेडरेशन द्वारा छात्र छात्रावास तक पहुंच के रूप में नमिन्लखिति सड़कों का सह-उपयोग करने की अनुमति दी गई थी:

- टेक्सासस्ट्रेट्स अमेरिकास्ट्रेट्स से वर्जिनियास्ट्रेट्स के साथ जंक्शन तक, - वर्जिनियास्ट्रेट्स खरीदी गई संपत्ति की दक्षिणी सीमा तक। खरीदार इस सह-उपयोग को सहन करने का वचन देते हैं।



तृतीय. अपशषिट जल नपिटान 1997 में कएि गए एक कैमरा नरीकषण के परणामों के अनुसार, संपत्ति के अंदर अपशषिट जल पाइपलाइने कार्यात्मक स्थिति में हैं। यह स्थिति खरीदारों को ज्ञात है।

स्टूडेंटनवेर्क कैसरस्लॉटर्न को फेडरेशन द्वारा संधीय स्वामित्व वाली अपशषिट जल पाइपलाइन से वयिग के समय तक अपशषिट जल पाइपलाइन का सह-उपयोग करने की अनुमति दी गई थी, लेकिन केवल उस हद तक जब अपशषिट जल के मार्ग को सक्षम भवन पर्यवेक्षी प्राधिकरण या जल प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित किया गया हो।

खरीदार इस सह-उपयोग को तब तक सहन करने का वचन देते हैं जब तक कि विच्छेदन नहीं हो जाता है या अपशषिट जल पाइपलाइनों को नपिटान कंपनियों को हस्तांतरित नहीं कर दिया जाता है।

चतुर्थ. सतही जल निकासी खरीदार जानते हैं कि सतही जल निकासी प्रणाली अब वर्तमान जल कानून के मानकों को पूरा नहीं करती है।

V. मीठे पानी की आपूर्ति खरीदारों को पता है कि हरे क्षेत्रों में आंशिक रूप से चलने वाली आवासीय इमारतों को आपूर्ति करने वाली मीठे पानी की पाइपलाइने खराब स्थिति में हैं और उन्हें नवीनीकृत करने की आवश्यकता है।

VI. बजिली आपूर्ति खरीदार जानते हैं कि आवासीय भवनों को आपूर्ति करने वाली लो-वोल्टेज पाइपलाइने आंशिक रूप से हरे क्षेत्रों में और कुछ आवासीय भवनों के बेसमेंट के माध्यम से चलती हैं।

सातवीं. गर्मी और गर्म पानी की आपूर्ति हाउसिंग एसोसिएट के लिए गर्मी और गर्म पानी की आपूर्ति वर्तमान में बिल्डिंग नंबर में कोयला आधारित हीटिंग प्लांट द्वारा सुनिश्चित की जाती है। 4233.

खरीदार जानते हैं कि हीटिंग प्लांट, TÜV Pfalz e.V. द्वारा अंतिम उत्सर्जन सुरक्षा माप के अनुसार, TA Luft (वायु गुणवत्ता नियंत्रण पर तकनीकी निर्देश) के उत्सर्जन मूल्यों को पूरा नहीं करता है।

वैशेष रूप से, खरीदार Gewerbeaufsichtsamt Neustadt a.d. के प्रासंगिक नोटिस से अवगत हैं। वेनस् ट्रेश दनांक 27.10.1997 - संदर्भ 5/32, 2/97/244/एमजी/जेजी -।

खरीदार हीटिंग प्लांट का संचालन जारी रखने, गैस/तेल संचालन में परिवर्तित करके दनांक 27.10.97 के नोटिस की ज्ञात शर्तों का पालन करने और डच सशस्त्र बलों द्वारा उनकी वापसी तक उचित, प्रथागत स्थानीय परिस्थितियों में डच सशस्त्र बलों को दिए गए अपार्टमेंट में उचित आपूर्ति सुनिश्चित करने का वचन देते हैं।

खरीदारों के बीच आंतरिक संबंध में, खरीदार 2बी) इस दायित्व को मानता है। बदले में, करता 2ए) बिल्डिंग नंबर में हीटिंग प्लांट की आर्थिक व्यवहार्यता बनाए रखने का वचन देता है। 4233, हीटिंग प्लांट (बिल्डिंग 4233) के माध्यम से सभी सह-खरीदी गई आवासीय इमारतों की गर्मी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए और, पुनर्विक्रय की स्थिति में, हीटिंग प्लांट (बिल्डिंग 4233) से गर्मी की वैशेष खरीद के लिए इस दायित्व को अधग्रहणकर्ता को सौंपने और बाद के कानूनी उत्तराधिकारियों को तदनुसार बाध्य करने के लिए।

आठवीं. पड़ोसी संपत्ति पर पार्सल नं. 2885/12, भवन और खुली जगह, वर्जिनियास्ट्रेश 14, 16 और 18, पाइपलाइन अधिकारों (बजिली, पानी, हीटिंग, स्ट्रीट लाइटिंग) को सुरक्षित करने के लिए जर्मनी के संधीय गणराज्य (संधीय वित्त प्रशासन) के पक्ष में एक सीमा विवादित सुखभोग पंजीकृत है।

फेडरेशन, खरीदारों के अनुरोध पर, इन अधिकारों की पुनः स्थापना की मांग करेगा



करेताओं के पक्ष में स्टूडेंटनवेर्क से।

इसके अलावा, यह विकास सुविधाओं के संबंध में स्टूडेंटनवेर्क के साथ खरीद अनुबंध से उत्पन्न होने वाले सभी अधि-कार खरीदारों को सौंपता है। प्रासंगिक संवदात्मक प्रावधान खरीदारों को ज्ञात है।

नौवीं. दूरसंचार केबल

खरीदारों को पता है कि छात्र छात्रावास की आपूर्ति के लिए एक दूरसंचार केबल आवासीय भवन वर्जिनियास्ट्रेट 8-12 के पीछे, पश्चिमी संपत्ति सीमा पर बछाई गई है। खरीदार दूरसंचार केबल के नरितर अस्तित्व को सहन करते हैं, जिसका मार्ग साइट प्लान (परशिफ्ट 7) में लाल रंग में चिह्नित है।

§ 14 करेताओं के दायित्व I

. The डच सशस्त्र बलों को दी गई संपत्ति के हिससों का उचित विकास सुनिश्चित करना। करेताओं के बीच आंतरिक संबंध में, करेता 2ए) संबंधित लागतों को मानता है। प्रावधान अधिमानतः एक विकास अनुबंध के ढांचे के भीतर विकास सुविधाओं, सड़कों और मुख्य पाइपलाइन नेटवर्क को जेडबुरुकन शहर में स्थानांतरित करके किया जाता है। ऐसा करने में, खरीदारों को यह सुनिश्चित करना होगा कि सार्वजनिक यातायात के लिए सड़क क्षेत्रों के समर्पण के बाद डच सशस्त्र बलों को पर्याप्त पार्किंग स्थान नशिलक उपलब्ध कराए जाएं।

द्वितीय. सड़क क्षेत्रों के सार्वजनिक समर्पण तक, करेता 2ए) फेडरेशन के साथ-साथ डच सशस्त्र बलों और उनके आगंतुकों को आवास संपत्ति के भीतर सड़क क्षेत्रों के सह-उपयोग का अधिकार देता है, और डच सशस्त्र बलों को पछिली सीमा तक नशिलक पार्किंग स्थान प्रदान करता है।

वास्तविक सुरक्षा माफ कर दी गई है।

करेता 2ए) डच सशस्त्र बलों को दी गई संपत्ति के कुछ हिससों के भीतर सड़क क्षेत्रों को यातायात-शांत क्षेत्रों के रूप में डिजाइन करने का कार्य करता है।

तृतीय. जहां तक सार्वजनिक नेटवर्क में विकास प्रणालियों का एकीकरण संभव नहीं हो पाता है, खरीदार डच सशस्त्र बलों के लिए उचित आपूर्ति और नपिटान सुनिश्चित करने और, यदि आवश्यक हो, विशेष रूप से नई मीठे पानी की पाइपलाइन बछाने का कार्य करते हैं। करेताओं के बीच आंतरिक संबंध में, करेता 2ए) संबंधित लागतों को मानता है।

चतुर्थ. खरीदार संघीय संपत्ति कार्यालय लैंड के साथ-साथ डच सशस्त्र बलों के संपत्ति विभाग "डीजीडब्ल्यू एंड टी, डायरेक्ट्री डुइट्सलैंड, कस्तानयिनवेग 3, 27404 जेवेन" को ऐसे निर्माण उपायों के बारे में सूचित करने का वचन देते हैं जो करिये के क्षेत्र को प्रभावित करते हैं या इसके आवासीय मूल्य को खराब कर सकते हैं, साथ ही इन निर्माण उपायों के लिए समय सारणी, इतने अच्छे समय में कितने निर्माण उपायों पर उचित रूप से प्रतिक्रिया कर सकें।

V. संपत्ति के कुछ हिससों को किसी तीसरे पक्ष को पुनर्विक्रय करने की स्थिति में, इस तीसरे पक्ष को भी उसी तरह बाध्य होना होगा।

खरीदार, फेडरेशन के अनुरोध पर आपूर्ति और नपिटान सुविधाओं की वास्तविक सुरक्षा की व्यवस्था करने के लिए, डच सशस्त्र बलों को दिए गए क्षेत्र के उचित विकास के लिए कार्य करते हैं।

§ 15 संयुक्त और अनेक दायित्व

इस अनुबंध में फेडरेशन के प्रतिद्वंद्वी सभी दायित्वों के लिए, खरीदार 2 ए) और 2 बी) संयुक्त और कई देनदारों के रूप में उत्तरदायी हैं।

§ 16 वाहन

अनुबंध करने वाले पक्ष इस बात पर सहमत हैं कि परिवहन को दो या अधिक पूरक कार्यों में घोषित किया जाएगा।

साइट योजना (परशिष्ट 5) में नीले रंग में चिह्नित उप-क्षेत्र के संबंध में संप्रेषण केवल तभी घोषित किया जाएगा जब सर्वेक्षण किया गया हो और परिवर्तन प्रमाण पत्र की प्रस्तुति के साथ-साथ 7 पैरा के अनुसार बैंक गारंटी के माध्यम से परिवर्तन उपलब्ध हो। द्वितीय को फेडरेशन को सौंप दिया गया है।

साइट योजना (परशिष्ट 5) में लाल रंग में चिह्नित उप-क्षेत्र के बारे में संदेश केवल तभी घोषित किया जाएगा जब सर्वेक्षण किए जा चुके हों, परिवर्तन प्रमाण पत्र की प्रस्तुति के माध्यम से उपलब्ध हो, डच सशस्त्र बलों ने फेडरेशन को बताए जाने वाले क्षेत्र को वापस कर दिया हो या स्वामित्व के हस्तांतरण के लिए सहमति दे दी हो, और § 6 पैरा III के अनुसार खरीद मूल्य शेयर का भुगतान किया गया हो।

§ कन्वेयंस टी की 17 प्राथमिकता सूचनाएँ

आ सुरक्षा के लिए, इसका मतलब है कि 7 पैरा में वर्णित संपत्ति के विरुद्ध खरीदार 2ए) और 2बी) के पक्ष में प्रत्येक के लिए परिवहन की एक प्राथमिकता नोटिस का पंजीकरण। मुझे भूमि रजिस्टर में स्वीकृत एवं आवेदन किया गया है।

पार्टियाँ इन प्राथमिकता नोटिसों को रद्द करने के लिए मंजूरी देती हैं और आवेदन करती हैं। क) स्वामित्व में परिवर्तन के पंजीकरण के साथ संवदात्मक संपत्ति पर, यदि कोई मध्यवर्ती प्रवर्षितियाँ नहीं की गई हैं, जब तक कि अधिग्रहणकर्ता ने सहमति नहीं दी है, ख) उप-क्षेत्र पर § 3 पैरा के अनुसार नहीं बेचा गया है। भूमि रजिस्टर में परिवर्तन प्रमाण पत्र के निष्पादन के साथ § 1 के तहत उल्लिखित संपत्ति से II। यह साबित करने के लिए कि कौन सी संपत्ति बेची नहीं गई, कार्रवाहक नोटरी की मुहर के साथ प्रदान की गई पुष्टि पर्याप्त है।

§ 18 भूमि कर, संपत्ति कर, विकास, फ्रंटेजर और सुधार योगदान बिल्डिंग कोड, नगरपालिका शुल्क अधिनियम के साथ-साथ नोटरीकरण की तारीख तक फेडरेशन से अनुरोधित स्थानीय कानून के अनुसार सभी विकास, फ्रंटेजर और सुधार योगदान का भुगतान किया गया है और खरीद मूल्य में शामिल हैं। नोटरीकरण की तारीख से अनुरोध किया गया योगदान खरीदारों द्वारा वहन किया जाएगा, भले ही उनकी शुरुआत का समय और नोटिस का पता कुछ भी हो।

§ 19 रयिल एस्टेट ट्रांसफर टैक्स

I. इस खरीद अनुबंध से जुड़ी लागत और शुल्क और नोटरी, अदालत और अधिकारियों के साथ-साथ रयिल एस्टेट हस्तांतरण कर पर इसका निष्पादन करेगा 2ए द्वारा वहन किया जाएगा।

द्वितीय. अनुबंध करने वाली पार्टी द्वारा अनुमोदन या पुष्टि की लागत उस पार्टी द्वारा वहन की जाएगी।

§ 20 नोटरी की निष्पादन गतिविधियाँ

I. नोटरी को अनुबंध की वैधता या उसके निष्पादन के लिए आवश्यक परमिट या नकारात्मक प्रमाणपत्रों का अनुरोध करने और प्राप्त करने का निर्देश दिया जाता है। ये इस विलेख के कार्यवाहक नोटरी या संरक्षक द्वारा प्राप्त होने पर सभी पक्षों के लिए प्रभावी होंगे। नोटरी तुरंत पार्टियों को सूचित करेगा।

द्वितीय. भूमि रजिस्टर में सभी प्रवर्षितियाँ केवल कार्यवाहक नोटरी के आवेदन के अनुसार ही की जाएंगी। वह § 181 बीजीबी के प्रतर्बिंध से छूट के साथ, पार्टियों के लिए अलग से और प्रतर्बिंधित रूप से आवेदन करने के साथ-साथ उन्हें उसी तरह से वापस लेने और इस विलेख को पूरक या संशोधित करने के लिए भी अधिकृत है, जब तक कि भूमि रजिस्टर और खरीद के आवश्यक घटकों में वांछित प्रवर्षितिलाने के लिए यह आवश्यक हो जाए।



अनुबंध प्रभावित नहीं होंगे.

तृतीय. अनुबंध करने वाले पक्ष आवेदन के अपने अधिकार का त्याग करते हैं।

IV: नोटरी उन शर्तों और आवश्यकताओं और नोटरी के अधीन आधिकारिक परमिट प्राप्त करने के लिए अधिकृत नहीं है जिन के द्वारा आधिकारिक परमिट से इनकार कर दिया जाता है या पहले इनकार के अधिकार का प्रयोग किया जाता है। ये नोटरी पार्टियों को स्वयं दिये जाने हैं; एक प्रति नोटरी को भेजने का अनुरोध किया जाता है।

§ 21 पृथक्करणीयता खंड

इस अनुबंध का कोई प्रावधान अमान्य हो या अमान्य हो, इस अनुबंध के शेष प्रावधान अप्रभावित रहेंगे।

किसी अमान्य या अमान्य प्रावधान के स्थान पर, कानूनी रूप से वदियमान प्रावधान या, यदि कोई वैधानिक प्रावधान अपेक्षित नहीं है, तो इस अनुबंध के अर्थ के अनुरूप प्रावधान लागू होगा।

§ 22 नोटरीकरण की पूर्णता

कोई और समझौता नहीं किया गया है.

§ 23 लिखित प्रपत्र

इस अनुबंध के बाद के समझौतों को प्रभावी होने के लिए लिखित रूप की आवश्यकता होती है, जब तक कि नोटरीकरण अनिवार्य न हो।

§ 24 नोटरी के निर्देश

पार्टियों को निर्देश दिया गया है कि:

I. यह अनुबंध, जहां तक भूमि हस्तांतरण अधिनियम या बिल्डिंग कोड लागू होता है, केवल संबंधित परमिट जारी होने पर प्रभावी होता है और इसके अलावा, फेडरेशन द्वारा केवल तभी पूरा किया जा सकता है यदि बिल्डिंग कोड के तहत कोई आवश्यक परमिट उपलब्ध है और पहले इनकार के वैधानिक अधिकार का प्रयोग नहीं किया जाता है;

द्वितीय. सभी कानूनी रूप से बाध्यकारी घोषणाएँ, जिन पर इस अनुबंध का निष्कर्ष और अस्तित्व निर्भर है, को § 313 एचजीबी के अनुसार सह-नोटरीकृत किया जाना चाहिए, अन्यथा यह अनुबंध शून्य है;

तृतीय. भूमि रजिस्टर में पंजीकरण के बाद ही स्वामित्व क्रेताओं के पास चला जाता है और इस प्रयोजन के लिए क र नकिसी प्रमाणपत्र और आधिकारिक परमिट या नकारात्मक प्रमाणपत्र उपलब्ध होने चाहिए;

चतुर्थ. फेडरेशन और खरीदार संपत्ति और रियल एस्टेट हस्तांतरण कर के साथ-साथ नोटरी और अदालती लागत से संबंधित करों के लिए संयुक्त रूप से और अलग-अलग उत्तरदायी है, लेकिन फेडरेशन केवल तभी तक जब तक इसे कानून द्वारा लागत छूट या कटौती की अनुमति नहीं दी जाती है;

V. नोटरी ने भूमि रजिस्टर का निरीक्षण किया है, लेकिन भूमि क्रेडेंसर और भवन भार रजिस्टर का नहीं, और भूमि रजिस्टर पदनाम उपयोग के अनुमेय प्रकार के बारे में कोई जानकारी नहीं देता है।

VI. नोटरी ने कोई कर या आर्थिक सलाह नहीं दी है।

§ 25 परिशिष्ट

जहाँ तक संदर्भ है इस विलेख में परिशिष्टों को शामिल किया गया है, ये इस अनुबंध के घटक हैं

सी
टी.

§ 26 अधिकार क्षेत्र का स्थान

इस अनुबंध से उत्पन्न होने वाले सभी कानूनी विवादों के लिए न्यायक्षेत्र का स्थान लैंडौ इन डेर पफल्ज़ है।

§ 27 प्रतियाँ

I. इस अनुबंध से प्राप्त करें:

फेडरेशन 1 मूल और 3 प्रमाणित प्रतियाँ, खरीदार 1 मूल और प्रमाणित प्रतियाँ, ज़ेइबुरुकन भूमरिजिस्ट्री कार्यालय 1 मूल, ज़ेइबुरुकन टैक्स कार्यालय रयिल एस्टेट ट्रांसफर टैक्स कार्यालय 2 प्रतियाँ और वंशेषज्ज समिति 1 प्रतियाँ

द्वितीय. भूमरिजिस्ट्र अद्विचनओं का अनुरोध फेडरेशन द्वारा तीन प्रतियों में, खरीदारों द्वारा एकल प्रतियों में किया जाता है।

अंत में, प्रकट घोषित किया गया:

कार्यवाहक नोटरी द्वारा अंत में पूछताछ करने पर, सभी पक्ष स्पष्ट रूप से घोषणा करते हैं कि उपरोक्त अनुबंध पाठ में कोई और ब दलाव नहीं करना चाहते हैं, जिस पर पार्टियों द्वारा लंबी प्रारंभिक बातचीत में वस्तुतः से बातचीत की गई थी और उनके कानूनी और कर सलाहकारों द्वारा अनुमोदित किया गया था।

वे उपरोक्त प्रारूप में नोटरीकरण पर जोर देते हैं।

इस प्रोटोकॉल को नोटरी द्वारा जोर से पढ़ा गया, उनके द्वारा अनुमोदित किया गया और नीचे अपने हाथ से इस पर कार हस्ताक्षर किए गए:



परशिष्ट ए: पावर ऑफ अटॉर्नी

30.08.1971 (बीजीबीएल. आई.एस. 1426) के वित्तीय समायोजन अधिनियम के संस्करण में वित्तीय प्रशासन (एफवीजी) पर कानून के 16 के आधार पर, मैं अधिकृत करता हूँ। श्री सगिफ्राइड हलिर

ज़ेइबुरुकन जल्लि में ज़ेइबुरुकन शीट 5958 के भूमरिजिस्ट्र में पंजीकृत संपत्तियों की बिक्री के लिए संघीय संपत्तिकाया लय लैंडौ में, पार्सल 2885/15, भवन और खुली जगह, डेलावेयरस्ट्रेश, लैंडसटुहलरस्ट्रेश 97, 107 लुइसियानास्ट्रेश 1, 3, 5, 7, 9, 11, 15, 17, 19, 21, 23, 25, पेसलिवेनयिस्ट्रेश 1, 2, 3, 4, 5, 7, 8, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 21, 22, 23, 24, 25, 27, 29, 31, टेक्ससस्ट्रेश, वर्जिनियिस्ट्रेश 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 15, 17, कुल आकार 103,699 मी² के साथ। अनुबंध की वस्तु का मूल्य: 5,182,560.-- डीएम (शब्दों में: पांच लाख एक सौ बयासी हजार पांच सौ साठ जर्मन मार्क्स) लैंडौ, 05.10.1998 संघीय संपत्तिकायालय लैंडौ हस्ताक्षर: श्री प्लाउथ रोअर



- अंश: खरीद अनुबंध संघीय गणराज्य जर्मनी और राइनलैंड-पैलेटिनेट राज्य (स्ट्रुडेनवर के कैसरसलॉटर्न) दिनांक 15.08.1996।

§ 6 आपूर्ति और नपिटान पाइपलाइन/सुविधाएं, सड़क क्षेत्र, अनुमत और सह-उपयोग अधिकार

I. पूरे करुज़बर्ग हाउसिंग एस्टेट की गर्मी, पानी और बजिली के साथ-साथ अपशिष्ट जल नपिटान की आपूर्ति एक संघीय स्वामित्व वाली पाइपलाइन नेटवर्क के माध्यम से होती है, जो एक इकाई बनाती है।

इसके अलावा, स्ट्रीट लाइटिंग सहित करुज़बर्ग हाउसिंग एस्टेट की सड़क फेडरेशन के स्वामित्व में है। (...)

द्वितीय. खरीदी गई संपत्ति में § 2 पैरा में वर्णित है। मैं, पानी, बजिली, जला हीटिंग और स्ट्रीट लाइटिंग के लिए आपूर्ति पाइपलाइन हैं, जो अभी भी संघ के स्वामित्व वाली करुज़बर्ग हाउसिंग एस्टेट की आपूर्ति के लिए आवश्यक है। इसके अलावा, खरीदी गई संपत्ति पर एक जल पंपिंग स्टेशन (4241) है, जिसकी अभी भी करुज़बर्ग हाउसिंग एस्टेट की आपूर्ति के लिए आवश्यकता है।

इस विलेख के परिशिष्ट 2 ए (जल पाइपलाइन/पंपिंग स्टेशन), 2 बी (बजिली), 2 सी (स्ट्रीट लाइटिंग) और 2 डी (जला हीटिंग) के रूप में संलग्न साइट योजनाओं में पाइपलाइनों के मार्ग के साथ-साथ जल पंपिंग स्टेशन के स्थान को लाल रंग में चिह्नित किया गया है, जिसे अनुबंध दलों को नरीक्षण के लिए प्रस्तुत किया गया था और उनके द्वारा अनुमोदित किया गया था। साइट योजनाएँ इस अनुबंध का हिस्सा हैं। (...)

सातवीं. करता संघीय स्वामित्व वाली जला हीटिंग सुविधाओं, पानी और बजिली पाइपलाइनों, स्ट्रीट लाइटिंग के साथ-साथ खरीदी गई संपत्ति पर स्थिति पानी पंपिंग स्टेशन के नरितर संचालन की अनुमति देने का वचन देता है, जब तक कि यह करुज़बर्ग हाउसिंग एस्टेट की आपूर्ति-व्यक्तिगत इमारतों की भी - के लिए आवश्यक है।

अनुमति के इस अधिकार को सुरक्षित करने के लिए, करता नमिनलखित सामग्री के साथ जर्मनी के संघीय गणराज्य (संघीय वित्त प्रशासन) के पक्ष में एक सीमिति व्यक्तिगत सुख सुविधा का आदेश देता है: "अधिकार, तीसरे पक्ष को हस्तांतरणीय, संचालित करने के साथ-साथ भूमिगत पानी और बजिली पाइपलाइनों (पाइपलाइन अधिकार) को बनाए रखने और नवीनीकृत करने के लिए, स्ट्रीट लाइटिंग फिक्स्चर को संचालित करने और एक भूमिगत हीटिंग पाइपलाइन के साथ-साथ जर्मनी के संघीय गणराज्य के पक्ष में भवन संख्या 4200 के माध्यम से जाने वाली पाइपलाइन को संचालित करने के लिए, करता के साथ पूर्व परामर्श के बाद - सविय इसके कआपात स्थिति- अपने एजेंटों के माध्यम से संपत्ति में प्रवेश करें और इस अधिकार के प्रयोग के लिए आवश्यक संपत्ति पर सभी कार्रवाई करें।

इस अधिकार में भारग्रस्त संपत्ति के संबंधित मालिक का उन सभी कार्यों से परहेज करने का दायित्व शामिल है जो इस के अभ्यास को खराब कर सकते हैं।"

फेडरेशन आवेदन
करता है और करता
अनुमोदन करता है

इस सीमिति व्यक्तिगत सुख सुविधा का भूमि रजिस्टर में पंजीकरण।

पंजीकरण केवल परिवर्तन प्रमाण पत्र और नए संपत्तिपिदनाम प्राप्त होने के बाद ही होगा। अधिकारों का पंजीकरण नशिलुक है।

आठवीं. करता, फेडरेशन के अनुरोध पर, पैरा में वर्णित उपरोक्त अधिकारों को फरि से स्थापित करने का वचन देता है। VII फेडरेशन द्वारा नशिलुक नामिति तीसरे पक्ष के पक्ष में भी है और उन्हें रेम में सुरक्षित करने के लिए भी।